वार्षिक प्रतिवेदन

2018-2019

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : registrar.sansthan@gmail.com
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. **पर्यावलोकन** 5-7

2. **प्राधिकरण एवं संरचना** 8-12

3. **छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े** 13-20

4. **2018-19 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के क्रियाकलाप**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 21-50

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 23

4.1.2 वित्त एवं लेखा अनुभाग 23

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 24

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 25

4.1.5 परीक्षा अनुभाग 25

4.1.6 पुस्तकालय 28

4.1.7 विक्रय इकाई 28

4.1.8 योजना अनुभाग 29

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 32

4.1.10 57वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 38

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान 39

4.1.12 परियोजनाएँ 40

4.1.13 पालि एवं प्राकृत 43

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 44

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग 48

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 49

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 51-118

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 53

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 56

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 59

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल) 73

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 78

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 84

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 88

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 93

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 99

4.2.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 104

4.2.11 दिल्ली परिसर मुख्यालय (नई दिल्ली) 108
4.2.12 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 109
4.2.13 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 114

5. वर्ष 2018-19 की प्रमुख गतिविधियाँ 119-128

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान (28.08.2018) 121
5.2 संस्कृत सप्ताहोत्सव 121
5.3 स्थापना दिवस 123
5.4 57वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 124
5.5 चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 125
5.6 सोलहवाँअन्त:परिसरीय संस्कृत नाट्यमहोत्सव 125
5.7 हिन्दी पखवाड़ा 127
5.8 एकता दिवस 127
5.9 सतर्कता जागरुकता सप्ताह 127

6. संलग्नक 129-180

क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची 131
ख. विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची 133
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 140
घ. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 141
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 149
च. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएँ 156
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 164
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 167
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 174
ञ. संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 175
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण 175
ठ. आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 177

7. 2018-19 के वार्षिक लेखे 181

क. वर्ष 2018-2019 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 183
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2018-19 वर्ष की रिपोर्ट 232

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमें इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्ण रूप से निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के रक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु 1956 में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में संस्थान का योगदान (जिसमें संस्कृत-शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान आदि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं) इसको देखते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से मानितविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया। मानितविश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा और आगे मानितविश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और मानितविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत मानितविश्वविद्यालय

संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।

माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।

स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।

संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।

उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।

संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।

स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।

विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।

दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।

संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने तेरह परिसरों में संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर, जम्मू तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

संस्थान के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान '**संस्कृत विमर्श:**' और '**गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका**' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 654 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2017 से 31.03.2018 तक **माननीय श्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार,** संस्थान के कुलाधिपति रहे। कुलपति संस्थान के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे संस्थान के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान **प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति के रूप में आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल** संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
4. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2018-19 में संस्थान के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
68वीं बैठक	16.05.2018
69वीं बैठक	29.06.2018
70वीं बैठक	20.09.2018
71वीं बैठक	06.12.2018
72वीं बैठक	13.01.2019

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	30.05.2018, 20.12.2018
वित्त समिति	
39वीं बैठक	15.05.2018
40वीं बैठक	25.06.2018
41वीं बैठक	15.12.2018
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

प्रबन्ध मण्डल, विद्वत्परिषद तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का संगठन एवं संरचना

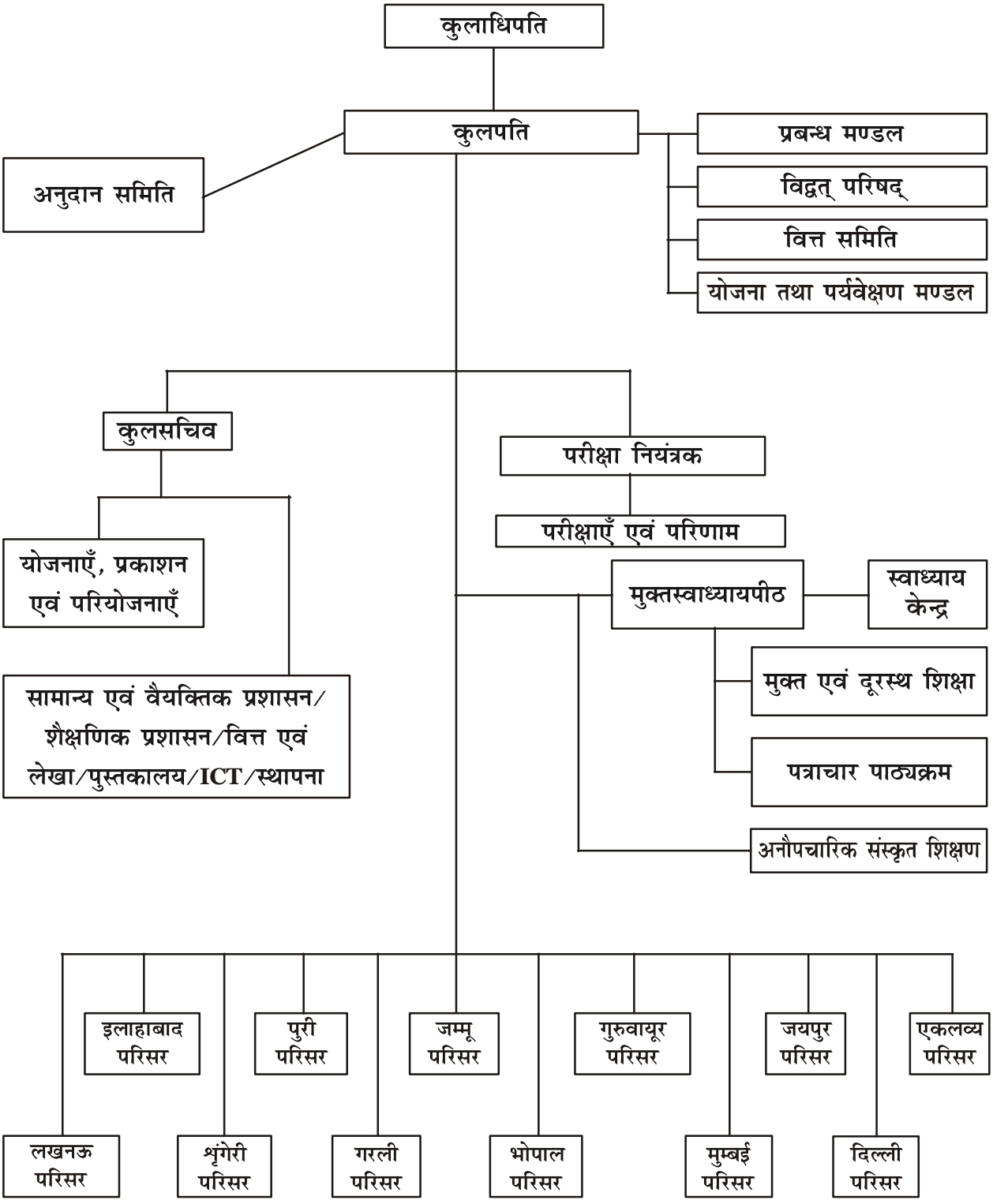

2.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

संस्थान की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली की प्रशासनिक संरचना

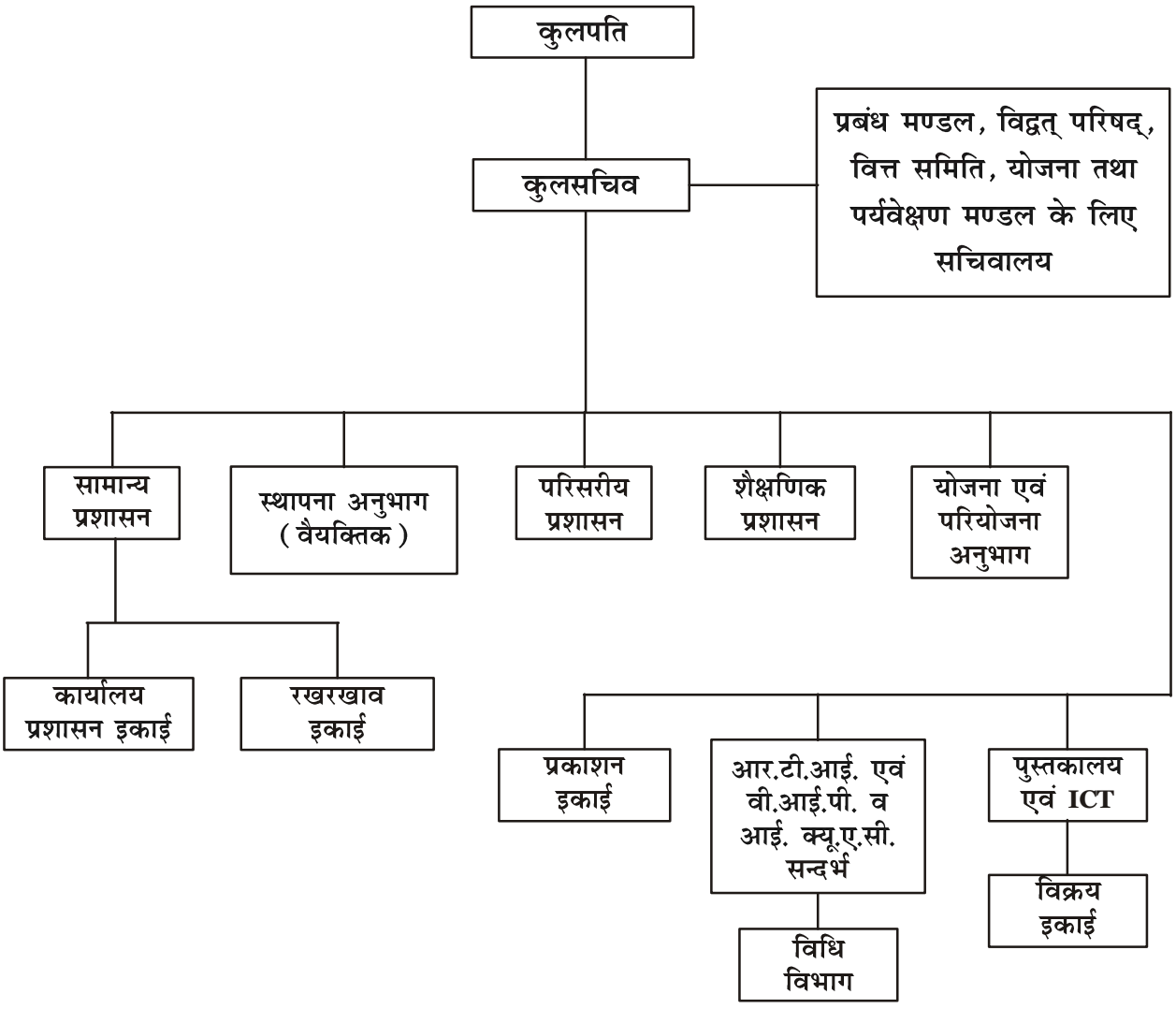

2.2.2 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर (मुख्यालय)	जनकपुरी, नई दिल्ली
12.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
13.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी–+2)
2.	शास्त्री	(बी.ए. प्रतिष्ठा)
3.	आचार्य	(एम.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षा आचार्य	(एम.एड्.)
6.	विद्यावारिधि	(पी–एच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1. 16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **5738** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	05
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	112	96	131	121	112	101	101	334	228	37	11	26
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	38	12	49	54	58	45	37	47	14	–	–	09
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	36	23	75	65	62	46	49	44	44	–	–	01
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	72	24	170	97	94	98	95	93	79	–	03	11
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	22	15	48	53	36	50	45	40	34	–	–	07
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	41	47	57	60	47	50	50	49	49	–	–	08
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	42	24	132	93	110	48	50	70	58	–	–	11
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	51	33	65	61	59	99	100	62	59	07	07	12
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	34	33	04	04	02	49	48	06	02	–	–	02
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	02
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	25	26	23	15	18	49	50	52	22	–	–	04
13.	रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	05	08	22	20	–	–	–	–	08	–	–	03
	योग	**478**	**341**	**776**	**643**	**617**	**635**	**625**	**797**	**597**	**44**	**21**	**101**
											कुल योग - 5675		

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोडसं.	पू.म.-I	पू.म.-II	उ.म.-I/ प्राश-I	उ.म.-II/ प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-I	शा-I	शा-III	आ-I	आ-II	आ-I	आ-II	योग
	बिहार															
1	जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम	6	42	39	22	17	-	-	-	-	-	-	-	-	-	120
2	देवरहा बाबा भक्तशिवशंकर	7	12	11	10	09	-	-	-	-	-	-	-	-	-	42
3	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	12	07	04	12	16	09	09	-	13	08	12	12	-	03	105
4	डा. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	14	40	30	17	34	33	33	-	17	05	-	-	-	-	209
5	अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण	15	75	79	36	30	10	10	01	16	13	10	10	02	05	297
6	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक	16	52	41	27	15	-	-	-	-	-	-	-	-	-	135
7	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ	18	48	29	13	13	-	-	-	-	-	-	-	-	-	103
	दिल्ली															
8	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	26	15	12	18	18	15	15	01	10	08	08	08	04	10	142
9	ब्रह्मऋषि राम पी. संस्कृत वेद-वेदांग	27	-	03	-	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	08
10	श्री राम ज्यौतिष कर्मकाण्ड म.वि.	28	-	-	-	-	-	-	-	-		04	04	03	05	16
11	वसन्तग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय	29	10	12	06	11	-	-	-	-	-	-	-	-	-	39
12	रामदल संस्कृत म.वि.	31	11	06	12	13	05	05	01	05	10	-	-	-	-	68
13	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	32	25	28	36	30	18	18	04	23	16	-	-	-	-	198
14	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	34	19	10	15	22	20	20	01	09	12	14	14	02	14	172
15	श्री हनुमान संस्कृत म.वि.	35	17	20	22	25	04	04	-	04	08	-	-	-	-	104
16	आर्य कन्या गुरुकुल	36	12	13	12	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	42
17	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	37	17	10	17	09	12	12	06	20	13	-	-	-	-	116
18	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली	38	23	17	13	07	02	02	01	03	04	-	-	-	-	72
19	बाल विद्या मन्दिर	39	23	24	04	14	-	-	-	-	-	-	-	-	-	65
	गुजरात															
20	श्री रघुवर रामानन्द वेदांत म.वि.	47	-	-	-	-	06	06	-	04	06	03	03	-	01	29
	हरियाणा															
21	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	52	-	-	-	05	38	38	01	35	31	-	-	-	-	148
22	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि संस्कृत म.वि.	55	09	03	04	07	06	06	-	09	04	-	-	-	-	48
23	श्री लज्जाराम संस्कृत म.वि.	56	24	21	27	17	49	49	01	55	25	14	14	01	24	321
	जम्मू															
24	श्री गुरु गंगादेवजी संस्कृत म.वि.	62	27	21	26	17	06	06	01	12	10	-	-	04	04	134

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म.-I प्राश-I	पू.म.-II प्राश-II	उ.म.-I/	उ.म.-II/	शा-I	शा-II	शा-I	शा-I	शा-III	आ-I	आ-II	आ-I	आ-II	योग
	केरल															
25	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	66	-	-	15	12	09	09	-	02	03	04	04	-	02	60
26	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	67	-	-	11	16	10	10	-	14	07	-	-	01	06	75
27	श्री शंकर संस्कृत वि. इड्डाकडोम	68	-	-	03	03	03	03	-	05	05	04	04	01	01	32
28	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	71	-	-	19	08	06	06	02	02	03	03	03	02	03	57
29	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा एच.	73	-	-	06	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11
30	माहेश्वरी संस्कृत कालेज	75	-	-	18	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	23
	मणिपुर															
31	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	86	56	35	159	80	31	31	02	28	24	10	10	01	08	475
	पंजाब															
32	श्री बाबा हरिदत्त गिरिजी सं.म.वि.	96	-	-	08	09	05	05	06	23	05	02	02	-	03	68
33	श्री सरस्वती संस्कृत कालेज	97	-	-	17	14	28	28	18	22	20	-	-	-	-	147
	राजस्थान															
34	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	102	12	13	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	25
	उत्तराखण्ड															
35	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	112	02	03	06	08	10	10	-	05	03	-	-	-	-	47
	उत्तर प्रदेश															
36	रानी पद्मावती टी.टी. उच्च.मा.	113	33	17	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50
37	श्री बटुकनाथ संस्कृत म.वि.	114	14	07	09	09	35	35	04	18	16	12	12	01	08	180
38	गिन्नीदेवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	115	04	05	06	04	05	05	-	04	01	-	-	-	-	34
39	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत म.वि.	118	37	23	19	18	-	-	-	-	-	-	-	-	-	97
40	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	119	-	-	14	08	30	30	-	41	27	07	07	-	24	188
41	अनन्तदेवी संस्कृत महाविद्यालय	120	-	-	19	07	29	29	02	43	35	14	14	01	28	221
	पश्चिम बंगाल															
42	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	106	10	06	09	05	10	10	-	08	03	-	-	-	-	61
43	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय	126	55	17	88	48	-	-	-	-	-	-	-	-	-	208
44	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ	128	33	20	15	12	-	-	-	-	-	-	-	-	-	80
45	मदर उषा एम.ओरियण्टल	130	142	68	128	81	-	-	-	-	-	-	-	-	-	419
46	भारती चतुष्पति संस्कृत महाविद्यालय	131	-	-	18	06	145	145	09	94	114	121	121	02	83	858
	योग		906	647	936	697	589	589	61	544	439	242	242	25	232	**6149**

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय

कक्षावार :- आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	परिसर का नाम	कोड	पू.म. I	उ.म II	उ.म/प्रा.श. I	उ.म./प्रा.श. II	शास्त्री I	शास्त्री II	शास्त्री III	शास्त्री IV	शास्त्री V	शास्त्री VI	आचार्य I	आचार्य II	आचार्य III	आचार्य IV	
1.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरनगर-842001 (बिहार)	08	01	01	18	09	24	33	19	19	12	12	17	16	09	10	200
2.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो.आ.-कोलहन्टा पटौरी जिला-दरभंगा-846003 (बिहार)	10	..	..	54	42	37	37	42	41	15	15	27	28	14	17	369
3.	राम सुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान पो.आ. रमौली बेलौन (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया-बेहरा, जिला-दरभंगा-847201 (बिहार)	13	82	78	39	45	35	37	48	48	17	17	18	17	14	14	509
4.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो.आ. लगमा (आर.बी.पुर), वाया-लोहना रोड जिला-दरभंगा-847407, (बिहार)	19	-	-	21	32	36	38	18	18	16	16	41	42	12	12	302
5.	लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरीशरणम् कुटीर, काली रेखा, बैद्यनाथ धाम, देवधर-814112, झारखण्ड	09	-	-	16	16	13	12	12	11	10	10	18	16	13	13	160
6.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बघौला, तहसील पलवल, जिला-पलवल, पिन-121102, हरियाणा	53	-	-	07	03	38	31	20	17	29	29	21	24	27	27	273

7.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बालुसरी जिला-कालीकट-673612, केरल	70	..	..	10	10	66	80	53	54	50	51	30	28	25	25	482
8.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय राष्ट्रीय विद्या भवन, डॉ. कुलपति मुंशी मार्ग, मुम्बई	81	–	–	05	08	10	10	10	11	06	06	14	15	12	13	120
9.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो.आ. नम्बोल, पिन-795134, मणिपुर	87	160	151	308	299	100	100	53	53	30	30	22	21	13	14	1354
10.	रानी पद्मावती तारायोग तंत्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर) वाराणसी, पिन-221003, उत्तर प्रदेश	123	–	–	41	20	50	51	17	18	22	22	31	28	16	18	334
11.	श्री. सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2, पी.डब्लू.डी. रोड, कोलकता, पिन-700035, पश्चिमी बंगाल	127	–	–	01	02	40	39	26	23	13	13	130	126	129	129	671
12.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव-कालियाचक, पो.आ.-हरिया, जिला-पूर्वी मिदिनापुर, पिन-721430 पश्चिमी बंगाल	129	–	–	04	–	75	72	38	39	38	39	75	76	68	70	594
															कुल		**5368**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2018-19) :

	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	61	–	–
प्राक्शास्त्री	76	61	–
शास्त्री सेतु	173	–	–
शास्त्री	159	105	75
आचार्य सेतु	100	–	–
आचार्य	554	497	–
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	01	–	–
प्रारम्भिक-प्राकृत-ज्ञान पाठ्यक्रम	06	–	–
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	24	–	–
प्राकृत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	01	–	–
संस्कृत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	03	–	–
कुल	**1158**	**663**	**75**
कुल योग	**1896**		

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	04	
2.	बिहार	01	
3.	छत्तीसगढ़	01	
4.	गोवा	06	
5.	गुजरात	06	
6.	हिमाचल प्रदेश	03	
7.	जम्मू-कश्मीर	01	
8.	केरल	03	
9.	महाराष्ट्र	12	7134
10.	मध्यप्रदेश	07	
11.	उड़ीसा	05	
12.	पंजाब	03	
13.	राजस्थान	08	
14.	तमिलनाडु	02	
15.	तेलंगाना	07	
16.	उत्तराखंड	04	
17.	उत्तरप्रदेश	14	
18.	पश्चिमी बंगाल	08	
19.	पूर्वोत्तर राज्य	33	
	कुल	**128**	

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	5923
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	पी.एच.
प्राक् शास्त्री-I	478	313	165	30	56	96	
प्राक् शास्त्री-II	341	219	122	26	19	71	
शास्त्री-I	776	509	267	73	26	206	
शास्त्री-II	643	386	257	45	28	143	
शास्त्री-III	617	388	229	46	29	142	
शिक्षा-शास्त्री	1260	556	704	184	77	472	09
आचार्य-I	797	369	428	52	35	212	
आचार्य-II	597	305	292	54	21	134	
शिक्षा-आचार्य	65	36	29	06	-	13	
विद्यावारिधि	101	60	41	06	02	29	01
कुल योग	**5675**	**3141**	**2534**	**522**	**293**	**1518**	**10**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

संस्थान की प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा प्रबन्ध मण्डल एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड) 500 लाख रुपये (ख) के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, (महाराष्ट्र) 1332.08 लाख रुपये (ग) गुरुवायूर परिसर, (केरल)-547 लाख रुपये (घ) लखनऊ परिसर, (उत्तरप्रदेश) - 24.97 लाख रुपये (ङ) एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)-1540.00 लाख रुपये (च) मुख्यालय, नई दिल्ली 79.87 लाख रूपये (छ) जयपुर परिसर 1084 लाख रुपये।

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 281 आरटीआई एवं 33 प्रथम अपील आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 229 आरटीआई आवेदनों का उत्तर एवं 25 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया। 30 आवेदन सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं

बजट (2018-19) :

वर्ष 2017-18 की रु. 981.60 लाख रूपये (रू. 752 लाख पूँजी निधि एवं रू. 229.60 लाख राजस्व निधि हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2018-19 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रू. 22419.59 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:-

क्रमांक	एकक का नाम	निर्गत राशि (रु.की संख्या लाखों में)
1.	नई दिल्ली मुख्यालय	8723.20
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	1514.63
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	702.26
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	621.65

5.	गुरुवायूर परिसर, केरल	1488.77
6.	जयपुर परिसर	2317.83
7.	लखनऊ परिसर	810.96
8.	राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	1480.45
9.	वेद व्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश	554.78
10.	भोपाल परिसर, मध्य प्रदेश	792.72
11.	मुम्बई परिसर, महाराष्ट्र	330.79
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	2386.55
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग	695.00
	कुल योग	**22419.59**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय के अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2018-19 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :

- संस्थान के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (पाठ्य बोर्ड) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरुप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग की दो मिटिंग मई 2018 में हुई और शैक्षणिक विभाग की सब-कमेटी की बैठक दिसम्बर 2018 में हुई।
- शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संवर्धन देने के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है, संस्थान की शुरुआत कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था, परन्तु बाद में कुछ निजी शिक्षण संस्थाओं को भी सहबद्धता प्रदान की गयी। इन संस्थाओं को केवल प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के लिए सम्बद्धता प्रदान की गई है। फिलहाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के

तहत नये विद्यालय/महाविद्यालयों को संबद्धता नहीं दी जा रही है, पूर्व में संबद्धता प्राप्त विद्यालयों को विद्वत परिषद् व प्रबंधन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर इस वर्ष भी यथावत् रखने का निर्णय किया गया।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं -

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।
2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

उपरोक्त कार्यों के सञ्चालन हेतु केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 30.10.2018 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 101 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान मुख्यालय सहित विभिन्न परिसरों में विद्यावारिधि में 04 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन-समिति के माध्यम से दिनांक 06-03-2019 को महत्त्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किये:-

1. जलन्धरवध महाकाव्यम्
2. अलंकार मुक्तावली में सादृश्यमूलक अलंकारों का विवेचन (The Critical study of Sarshyamulak-Alankar in Alankar muktawali)
3. नीरजा
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटकस्य पञ्च रङ्गवृत्ति

इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता पत्रिका एवं संस्कृत-विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा-आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षायें शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2018-19 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का कक्षावार

विवरण निम्नलिखित है:-

कक्षा	छात्र संख्या			सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	FL	उत्तीर्ण%
	पुरुष	स्त्री	कुल					
पूर्वमध्यमा-I	721	428	1149	Home Exam	--	--	--	--
पूर्वमध्यमा-II	537	340	877	844	777	17	50	92.06%
उत्तरमध्यमा-I	284	113	397	Home Exam	–	–	–	–
उत्तरमध्यमा-II	279	83	362	344	325	6	13	94.47%
प्राक्शास्त्री-I	919	565	1484	Home Exam	–	–	–	–
प्राक्शास्त्री-II	716	420	1136	1079	995	26	58	92.21%
शास्त्री-I	56	05	61	56	44	12	–	78.57%
शास्त्री-II	349	195	544	529	478	43	05	90.35%
शास्त्री-III	279	160	439	435	407	3	25	93.56%
शास्त्री-I सेमेस्टर	1113	673	1786	1725	1482	219	18	85.91%
शास्त्री-II सेमेस्टर	1169	697	1866	1714	1377	316	20	80.33%
शास्त्री-III सेमेस्टर	632	419	1051	1038	950	82	06	91.52%
शास्त्री-IV सेमेस्टर	647	417	1064	1036	919	109	08	88.70%
शास्त्री-V सेमेस्टर	540	363	903	888	855	32	01	96.28%
शास्त्री-VI सेमेस्टर	561	375	936	815	215	46	52	89.26%
शास्त्री प्र. I सेमेस्टर	36	82	118	118	113	05	–	95.76%
शास्त्री प्र. II सेमेस्टर	35	75	110	107	99	08	–	92.52%
शिक्षा शास्त्री-I	304	409	713	707	698	08	–	98.72%
शिक्षा शास्त्री-II	296	387	683	683	680	–	03	99.56%
आचार्य-I	17	08	25	22	19	03	–	86.36%
आचार्य-II	119	113	232	220	207	–	13	94.09%
आचार्य-I सेमेस्टर	702	735	1437	1382	1273	83	24	92.11%
आचार्य-II सेमेस्टर	701	730	1431	1340	1197	128	15	89.32%
आचार्य-III सेमेस्टर	439	548	987	960	926	30	04	96.45%
आचार्य-IV सेमेस्टर	459	561	1020	982	878	60	44	89.40%
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	15	12	27	27	26	01	–	96.29%
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	15	12	27	27	27	–	–	100.00%
शिक्षा आचार्य- III सेमेस्टर	18	25	43	41	41	–	–	100.00%
शिक्षा आचार्य-IV सेमेस्टर	18	24	42	42	42	–	–	100.00%
योग	**11976**	**8974**	**20950**	**17259**	**15650**	**1237**	**359**	**92.45%**

परिसरों के छात्रों ने 2018-19 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है

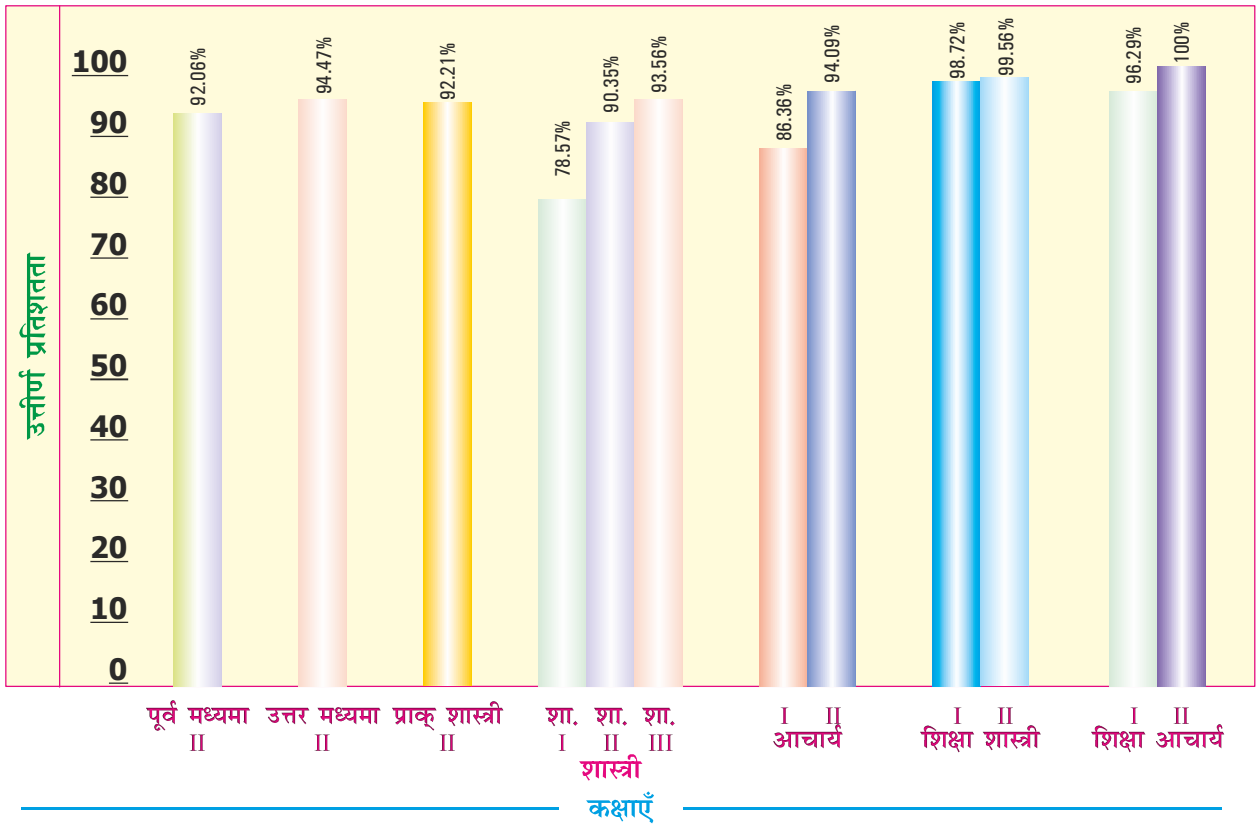

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'घ'** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान 123 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

वार्षिक परीक्षा 2018-19 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	विषय	परिसर/संस्थान
1.	180686	शिवम द्विवेदी	.....	श्री रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय, करोला, दिल्ली
2.	181806	नितेश मिश्रा	व्याकरणम्	श्रीहनुमान सं.महाविद्यालय, रघुबीर नगर, नई दिल्ली
3.	182687	श्रुति. के. पि	साहित्यम्	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), गुरूवायूर परिसर, गुरूवायूर
4.	16099	सुलग्ना सेनापति	नव्यव्याकरणम्	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
5.	28118	आशिष शर्मा	नव्यव्याकरणाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), जयपुर परिसर, जयपुर
6.	27682	आनन्द कुमार शर्मा	साहित्याचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), भोपाल परिसर, भोपाल
7.	28203	आनन्द प्रकाश पाठक	सिद्धान्तज्यौतिषाचार्य	रा.सं .सं. (मा.वि.वि.), लखनऊ परिसर, लखनऊ
8.	27582	राजेश्. आर्. एस्	फलितज्यौतिषाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
9.	27984	मोनालिसा साहु	सर्वदशनाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी

10.	27831	सानु साहु	धर्मशास्त्राचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
11.	27862	प्रियङ्का स्वाई	पुराणेतिहासाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
12.	28062	शुभम भारद्वाज	वेदाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), जयपुर परिसर, जयपुर
13.	27668	कक्चिंताबम ब्रजमणि शर्मा	पौरोहित्याचार्य	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर
14.	28161	निधि जैन	जैनदर्शनाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), जयपुर परिसर, जयपुर
15.	28319	लक्ष्मीमणि दास	बौद्धदर्शनाचार्य	श्री सीताराम वैदिक आ.सं. म., कोलकाता, प.बं.
16.	27889	जयश्री राय	सांख्ययोगाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
17.	27978	स्वर्ण प्रभा साहु	नव्यन्यायाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
18.	27621	प्रदीप भट्ट के	मीमांसाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
19.	27610	पार्वती. वी. जे	अद्वैतवेदान्ताचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधीपरिसर, श्रृंगेरी
20.	183873	जानकी दास	रामानन्दवेदांताचार्य	श्रीरघुवर रा.वे. म., श्रीकौशलेन्द्र मठ, पालडी
21.	18144	प्रियाङ्का शर्मा	शिक्षाशास्त्र	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), एकलव्य परिसर, अगरतला
22.	990	रश्मिता पाणि	.....	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी

4.1.6 पुस्तकालय

बारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त संस्थान मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,535 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय स्थापित है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग आरम्भ की गई है। अब तक 20,000 के लगभग प्रविष्टियाँ वर्तमान वर्ष में की जा चुकी हैं।

संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है-

1. कुल पुस्तकें -	27535
2. पुस्तकों का मूल्य-	5539418/-
3. उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों का मूल्य	580/-

4.1.7 विक्रय इकाई

संस्थान के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है -

- संस्थान के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यताप्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए संस्थान का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं -

1. मंत्रालय पुस्तकें (पुनर्मुद्रित)	रूपये	6,79,978.00
2. संस्थान के प्रकाशन	रूपये	26,14,112.00
3. ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रूपये	930.00
कुल योग	**रूपये**	**32,95,020.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचूड़ामणि) को सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवाओं के उपभोग हेतु वित्तीय सहायता।

योजना-VI **(व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)**
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण", व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/ महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 859.99 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 427 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 8000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2018-19 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 149.82 लाख व्यय किए गए। 127 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2018-19 में कुल 35 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 22.20 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

II. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्त्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 36000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 72000/- प्रतिवर्ष से कम है।

III. संस्कृत के स्तरोन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/ गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

VII. संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्द्धन के लिए विश्व-विद्यालयों/ मानितविश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई. / एन.सी.ई.आर.टी./एस्.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2018-19 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 6.37 लाख व्यय किए।

IV. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2018-19 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 12.10.2018 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 95.00 लाख जारी किए गए, जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 15 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 25 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गई जिसका विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टव्य है। इसके अतिरिक्त 10 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण निम्नलिखित है

आवेदकों की संख्या	215
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	551
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	292

V. शास्त्रचूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 10,000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 14 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2018-19 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 56.53 लाख व्यय किये गये।

VI. व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में रु. 3.15 लाख व्यय किए गए।

VIII. छात्रवृत्तियाँ

यह योजना छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा सञ्चालित है, इससे सम्बद्ध विवरण 4.1.2 व 3 में दर्शाया गया है।

IX. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

'अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा' नाम से विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। 2018-19 के दौरान कार्यक्रम का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 4.1.10 भाग में दिया गया है।

X. अष्टादशी परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग पत्र संख्या F.No. 1-27/2015. Skt.II दिनांक 18.11.2015 के माध्यम से संस्कृत के विकास के लिए अगले दस वर्षों के लिए दीर्घकालिक विजन और रोडमैप का सुझाव देने के लिए श्री एन्. गोपालस्वामी, कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की अध्यक्षता में तेरह (13) सदस्यों की समिति गठित की थी।

उक्त सन्दर्भ में संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए समिति की प्रमुख सिफारिशों में से एक प्रमुख सिफारिश अष्टादशी (18 परियोजनाएं) है। रिपोर्ट के अनुसार संस्कृत के विकास इंजन के लिए तथा अत्यधिक आवश्यक बढ़ावा देने के लिए अष्टादशी योजना को एक विशेष मामले के रूप में लिया गया। अष्टादशी परियोजना के प्रमुख क्षेत्र हैं-

1. ज्ञानात्मक साहित्य अनुवाद परियोजना
2. पांडुलिपियों का संपादन एवं प्रकाशन परियोजना
3. डिजिटल एवं ऑन-लाईन परियोजना
4. ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम परियोजना
5. समकालीन साहित्य परियोजना
6. सांध्यकालीन विद्यालय परियोजना
7. प्रौद्योगिकी अनुकूलन परियोजना
8. कम्प्यूटर शिक्षा परियोजना
9. द्विवार्षिक संस्कृत पुस्तक मेला परियोजना
10. जनता तक पहुँच परियोजना
11. शब्दशाला परियोजना
12. दुर्लभ पुस्तकों का पुनः प्रकाशन परियोजना
13. आवासीय प्रशिक्षण परियोजना
14. संस्कृत-आधुनिक विषयों की समेकन परियोजना
15. इंटर्नशिप परियोजना के लिए सहायता
16. बाल साहित्य परियोजना
17. संस्कृत परियोजना के माध्यम से योग
18. संस्कृत माध्यम से आयुर्वेद

रोड मैप कमेटी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सिफारिशों के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अष्टादशी

परियोजनाओं के अंतर्गत विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों/संगठनों को वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। पूर्व-जांच समिति की अधिसूचना और सिफारिशों के अनुसार परियोजनाओं की प्रस्तुति के लिए कुल 64 प्रस्तावों की इंटरफेस मीटिंग बुलाई गई थी। अष्टादशी परियोजनाओं दिशानिर्देशों और प्रस्तुति की गुणवत्ता के आधार पर उच्च स्तरीय समिति ने 42 परियोजनाओं के लिए लागत 1,84,44,000/- (एक करोड़ चौरासी लाख चौवालीस हजार मात्र) सिफारिश की है। फलस्वरूप वित्तीय अनुदान समिति और प्रबंध समिति की मंजूरी के बाद संबंधित संस्थानों को नियमानुसार अनुदान वितरित किया जा रहा है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि संस्थान के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च-माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1, 2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को संस्थान के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन संस्थान मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2018-19 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	–	–	–	–	–	–	–	–		32
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	36	36	72	72	72	120	161	162	41	78
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	29	11	36	16	29	120	43	06	–	10
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	28	19	36	36	36	60	37	29	–	13
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	36	19	72	72	72	120	49	43	03	07
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	12	11	32	36	28	60	24	20	–	08
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	36	36	35	36	36	60	41	44	–	14
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	33	33	72	58	39	60	51	45	–	38
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	36	25	36	36	36	120	42	35	14	25
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	01	03	03	02	06	60	05	01	–	02
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	01
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	07	26	09	12	15	60	29	19	–	01
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	05	08	23	20	19	–	–	08	–	07
	योग	**259**	**227**	**426**	**396**	**388**	**840**	**482**	**415**	**58**	**235**
								कुल योग - 3726			

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	226	124	102	15	09	47
प्राक् शास्त्री-II	194	118	105	20	12	49
शास्त्री-I	416	212	204	36	17	116
शास्त्री-II	384	220	164	28	19	101
शास्त्री-III	373	234	139	26	15	78
शिक्षा शास्त्री	780	361	373	78	39	267
आचार्य-I	482	195	287	24	19	119
आचार्य-II	415	183	232	34	13	92
शिक्षा आचार्य	58	34	24	07	03	36
विद्यावारिधि	348	222	132	19	13	60
कुल योग	**3493**	**1770**	**1712**	**269**	**148**	**942**

2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/ महाविद्यालयों/ उच्च/ उच्च- माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

परिचयः -

संस्कृत/पाली/प्राकृत में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृत/पाली/प्राकृत शिक्षा की योजना के तहत राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा एक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जो संस्कृत/पाली/प्राकृत को मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में नियमित रूप से पढ़ाती है। किसी भी मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/पारंपरिक धारा में संस्कृत विश्वविद्यालय में/पूर्व-मध्यमा (प्रथम वर्ष)/9 वीं कक्षा, पूर्व-मध्यमा (द्वितीय वर्ष)/10 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा में आधुनिक धारा, प्राक्शास्त्री (प्रथम वर्ष) /11 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा/ प्राक्शास्त्रि (2 वर्ष)/12 वीं कक्षा, शास्त्री/बी.ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष), विद्यावरिधि/पीएच.डी. या समकक्ष हो। छात्रवृत्ति की दर अधोनिर्दिष्ट प्रकार से है:-

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ (प्रकार 2)

पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
* 9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु.250/-प्रतिमाह (10 माह)
* 11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 300/- प्रतिमाह (10 माह)
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 400/- प्रतिमाह (10 माह)
* एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 500/- प्रतिमाह (10 माह)
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/ प्राकृत समकक्ष	रु. 1500/- प्रतिमाह रु. 2000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान। (24 माह)

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की वरीयता क्रम से कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2018-19 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 30936 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत संस्थान को प्राप्त हुए है जिनमें से 16384 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार

आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। धन की उपलब्धता के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2018-19 की प्रस्तावित छात्रवृत्ति का कक्षावार विवरण निम्न प्रकार से है :

आधुनिक वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
9वीं	872	242	63	435	00	1612x2500	40,30,000
10वीं	706	210	105	377	00	1398x2500	34,95,000
11वीं	831	247	120	444	03	1645x3000	49,35,000
12वीं	1618	481	241	866	01	3207x3000	96,21,000
बी.ए.-प्रथम	279	74	24	133	00	510x4000	20,40,000
बी.ए.-द्वितीय	162	46	14	82	00	304x4000	12,16,000
बी.ए.-तृतीय	132	41	06	73	00	252x4000	10,08,000
एम.ए.-प्रथम	176	63	15	114	02	370x5000	18,50,000
एम.ए.-द्वितीय	152	46	08	73	33	312x5000	15,60,000
पी.एच.डी.	24	05	01	16	00	46x20000	9,20,000
कुल	**4952**	**1455**	**597**	**2613**	**39**	**9656**	**3,06,75,000**

आधुनिक वर्ग (पूर्वोत्तर)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
9वीं	20	05	01	04	00	30x2500	75,000
10वीं	16	05	00	03	00	24x2500	60,000
11वीं	202	23	02	32	00	259x3000	7,77,000
12वीं	07	00	00	01	00	08x3000	24,000
बी.ए.-प्रथम	57	05	00	12	00	74x4000	2,96,000
बी.ए.-द्वितीय	20	00	00	04	00	24x4000	96,000
बी.ए.-तृतीय	12	04	01	01	00	18x4000	72,000
एम.ए.-प्रथम	20	01	00	03	00	24x5000	1,20,000
एम.ए.-द्वितीय	08	00	00	00	00	08x5000	40,000
पी.एच.डी.	00	00	00	00	00	00x20000	—
कुल	**362**	**43**	**04**	**60**	**00**	**469**	**15,60,000**

परम्परागत वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	325	16	04	62	00	407x2500	10,17,500
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	377	22	03	65	00	467x2500	11,67,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	556	44	03	60	00	663x3000	19,89,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	741	56	04	155	00	956x3000	28,68,000
शास्त्री प्रथम	287	64	09	106	00	466x4000	18,64,000
शास्त्री द्वितीय	342	82	02	93	00	519x4000	20,76,000
शास्त्री तृतीय	226	68	03	86	00	383x4000	15,32,000
आचार्य प्रथम	183	47	05	64	00	299x5000	14,95,000
आचार्य द्वितीय	146	26	02	67	01	242x5000	12,10,000
विद्यावारिधि	51	02	00	10	00	63x20000	12,60,000
कुल	**3234**	**427**	**35**	**768**	**01**	**4465**	**1,64,79,000**

पूर्वोत्तर (परम्परागत वर्ग)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	02	00	00	00	00	02x2500	5000
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	02	00	01	00	00	03x2500	7500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	55	00	00	00	00	55x3000	165000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	00	01	00	00	00	01x3000	3000
शास्त्री प्रथम	12	00	00	00	00	12x4000	48000
शास्त्री द्वितीय	07	00	00	00	00	07x4000	28000
शास्त्री तृतीय	06	00	00	00	00	06x4000	24000
आचार्य प्रथम	01	02	00	05	00	08x5000	40000
आचार्य द्वितीय	00	01	00	00	00	01x5000	5000
विद्यावारिधि	00	00	00	00	00	00x20000	—
कुल	**85**	**04**	**01**	**05**	**00**	**95**	**3,25,500**

आधुनिक वर्ग (संस्कृत ऑनर्स)

कक्षा	कुल छात्र संख्या सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
बी.ए.-I	448	159	18	217	03	845x4000	33,80,000
बी.ए.-II	248	97	10	151	00	506x4000	20,24,000
बी.ए.-III	197	54	06	90	01	348x4000	13,92,000
कुल	**893**	**310**	**34**	**458**	**04**	**1699**	**67,96,000**

कुल योग

वर्ग	कुल छात्र संख्या सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	कुल	कुल राशि
परम्परागत	3234	427	35	769	01	4465	1,64,79,000
आधुनिक	5845	1765	631	3071	43	11355	3,74,71,000
पूर्वोत्तर (परम्परागत+आधुनिक)	447	47	05	65	00	564	18,85,500
कुल योग	**9526**	**2239**	**671**	**3904**	**44**	**16384**	**5,58,35,500**

4.1.10 57वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

57वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृतविश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2018-19 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर : रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश : वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली : श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड : श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, उत्तराखण्ड
5. ओडिशा : सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड : दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल : सीताराम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान : जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश : लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ : भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात : दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा : के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश : रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल : गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक : कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : एकलव्य परिसर, अगरतला

राष्ट्रीय स्तर की 57वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 06.01.2019 से 19.01.2019 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 350 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 55 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

श्री रत्न लाल नाथ, शिक्षा मन्त्री, त्रिपुरा सरकार, कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. विजय कुमार लक्ष्मीकान्त राव धरूरकर, कुलपति त्रिपुरा विश्वविद्यलाय, सारस्वत अतिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परीक्षा नियंत्रक, प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति जी उपस्थित थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर के प्राचार्य प्रो. आर.के.बर्मन भी उद्घाटन सत्र उपस्थित थे।

इस आयोजन का संपूर्ति समारोह दिनांक 09.01.2019 को अपराह्न में सम्पन्न हुआ। जिसमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के आचार्य कृष्णकान्त शर्मा विशिष्टातिथि के रूप में समुपस्थित थे। संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने सम्पूर्ति सत्र की अध्यक्षता की।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम

मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

परिचय

मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत सरकार द्वारा वर्ष 1978 में इन्हें प्रारम्भ किया गया है। भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्कृत संस्थाओं के विकास हेतु इनका समर्थन किया गया। आदर्श योजना नियमावली द्वारा 1993 में पूर्व आदर्श योजना नियमावली को संशोधित करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा के पत्रांक फा. 30-19/88-संस्कृत-I दिनांक 7 जुलाई 1993 के माध्यम से आदर्श योजना नियमावली बनाई गयी, बाद में संशोधित योजना को मंत्रालय के पत्रांक फा.-83/94-संस्कृत-I दिनांक 16 जून 1995 के माध्यम से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को कार्यान्वयन हेतु भेजा गया। आदर्श योजना नियमावली 1993 को वर्ष 2012 में मंत्रालय के पत्रांक एफ. एन. 31-4/2009-संस्कृत-I दिनांक 29 जून, 2012 द्वारा संशोधित किया गया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आये, विशेषतया संस्कृत शिक्षा में छठे वेतन आयोग को लागू करने तथा ग्रेड पे एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियमों के द्वारा उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु जारी किये गये नियमों के फलस्वरूप यह जरुरी हो जाता है कि सभी मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों को पारम्परिक शिक्षा के बढ़ावा हेतु एवं शोध को प्रभावशाली बनाने हेतु तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

संशोधित योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं, जिनमें 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 4 आदर्श शोध संस्थान (एक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जो कि श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, भीलवाड़ा, राजस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु मार्च, 2015 में आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की गई)। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय हेतु आवर्ती मद में कुल राशि का 95 प्रतिशत तथा अनावर्ती मद में व्यय हेतु कुल राशि का 75 प्रतिशत अनुदान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिया जाता है।

उद्देश्य

परम्परागत संस्कृत शिक्षा तथा शोध कार्य को बढ़ावा देते हुए शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि की कक्षाओं में ज्यादा सुविधाएँ उपलब्ध कराते हुए संस्कृत शिक्षा का समग्र विकास करना एवं अनुसंधान आधारित प्रकाशन एवं शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2018-19 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण-

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2018-19 में निर्गत राशि का विवरण
1.	तेलंगाना	01	59,22,745.00
2.	बिहार	05	07,08,73,917.00
3.	हरियाणा	02	02,37,87,028.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	03,65,12,955.00
5.	झारखण्ड	01	89,21,138.00

6.	कर्नाटक	01	01,12,42,129.00
7.	केरल	02	02,81,40,023.00
8.	महाराष्ट्र	02	01,32,27,964.00
9.	मणिपुर	01	47,12,403.00
10.	तमिलनाडु	02	02,17,04,724.00
11.	उत्तराखण्ड	01	01,12,69,484.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	04,21,02,223.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	03,74,66,976.00
14.	राजस्थान	01	--
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**31,58,83,709.00**

4.1.12 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं। इसका अग्रिम कार्य अभी प्रगति पर है।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 120 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम

एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको नि:शुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11,487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

संस्थान के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप संस्थान के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। संस्थान के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में संस्थान विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

मूक्स परियोजना

मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (Mooc) के अन्तर्गत राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के परिसरों में कार्यरत सभी विभाग के अध्यापकों को Moocs पाठ्यक्रम निर्माण पद्धति के ऊपर एक कार्यशाला मार्च 22-28, 2018 को एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित किया गया जिसमें संसाधकों के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. से प्राध्यापक आए।

राजभाषा

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में संस्थान के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 32 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए नि:शुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतदर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर upload किया गया।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में चालू की गई पालि-प्राकृत परियोजना वर्तमान पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) की संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस योजना के अन्तर्गत 2018-2019 में दिल्ली, जयपुर एवं लखनऊ केन्द्रों में निम्नलिखित मुख्य गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं

दिल्ली केन्द्र : प्रकाशित ग्रन्थः-

1. दंसणकहरयणकरंडु भाग-1 (पाण्डुलिपि संपादन एवं हिन्दी अनुवाद)
2. भगवती आराधना - (संस्कृतछाया एवं हिन्दी अनुवाद)
3. सुभाषितरत्नकोष - (संस्कृतछाया एवं हिन्दी अनुवाद)
4. गणिविज्जा - (संस्कृतछाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
6. मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ
7. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख
8. पउमचरियं भाग-1 (संस्कृतछाया एवं हिन्दी अनुवाद)

जयपुर केन्द्र :

1. **कार्यशाला** - प्राकृत-संस्कृतछाया हिन्दी अनुवाद संशोधन/संपादन कार्यशाला (8-12 दिसम्बर, 2018)
2. **राष्ट्रिय सगोष्ठी** - पालि-प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता (5-6 मार्च, 2019)।

लखनऊ केन्द्र :

1. **कार्यशाल** - पालि-संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद संशोधन/संपादन कार्यशाला (2-12 दिसम्बर, 2018)
2. **प्रकाशित शोध पत्रिका** - पालि-प्राकृत अनुशीलन (संयुक्त अंक : मार्च-अक्टूबर, 2018)
3. **प्रकाशित ग्रन्थ** - (1) धातुकथापालि एवं (2) अपदानपालि

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2018-19 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. अभिविन्यास कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (IIT) अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों मे संस्थान प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षक को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारू सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2018-19 में पूर्वोत्तर राज्यों, पश्चिम बंगाल, बिहार, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू -कश्मीर, कर्णाटक, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, तथा उत्तरप्रदेश में कुल 128 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के समस्त क्रियाकलापों का मूल्यांकन कर मासिक प्रगति विवरण विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा सञ्चालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 7,134 अध्येता इस शैक्षिक सत्र में नामाङ्कन कराए।

राज्यानुसार 2018-19 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	बिहार	01
3.	छत्तीसगढ़	01
4.	गोवा	06
5.	गुजरात	06
6.	हिमाचल प्रदेश	03
7.	जम्मू कश्मीर	01
8.	केरल	03
9.	महाराष्ट्र	12
10.	मध्यप्रदेश	07
11.	उड़ीसा	05
12.	पंजाब	03
13.	राजस्थान	08
14.	तमिलनाडु	02
15.	तेलंगाना	07
16.	उत्तराखण्ड	04
17.	उत्तरप्रदेश	14
18.	पश्चिम बंगाल	08
19.	पूर्वोत्तर राज्य	33
	कुल	**128**

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में किया गया अपितु सुदूरवर्ती छोटे कस्बों, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North-East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया गया। अध्येताओं ने इसकी भूरिशः प्रशंसा की है। सत्र के अन्त में परीक्षा का आयोजन किया गया। संस्कृतभाषाप्रमाण पत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृतेतर क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता बतायी। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु संस्थान को निवेदन किया।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2018-19 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, लेक्चरर इन संस्कृत, शिवाराय स्ट्रीट, सत्यनारायणपुर, विजयवाडा-520011, आन्ध्रप्रदेश
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डा. ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ- नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	डॉ. हरिप्रसाद के., राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	प्रो. सीएच्.एल्.एन्.शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)

12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपालपरिसरः, संस्कृतमार्गः, बागसेवनिया, भोपालम्-462043 (मध्यप्रदेश)
13.	छत्तीसगढ़	डॉ.मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवडा, नीयर कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
14.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. धरणी डुगल, जिला-बारतीगुड़ी, पोस्ट-गमीरी, डिस्ट्रिक-विश्वनाथ, असम-784172
15.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब)
16.	राजस्थान	प्रो. वाई,एस,रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
17.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
18.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
19.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
20.	पश्चिम बंगाल	डॉ. दीपा वन्द्योपाध्याय, डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत, आशुतोष कालेज, कोलकाता-700073
21.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, करूषनेई हाउस नं. 214, दीमानी, कानकोलिम, सालसेट, गोवा-403703

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

3. अभिविन्यास कार्यक्रम

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने वाली संस्थाओं की प्रकृति भिन्न होने के कारण अध्यताओं का स्तर भी अलग-अलग होता है। अतः शिक्षकों को शैक्षणिक एवं व्यवस्था विषयक विविध परिस्थितियों का सम्मुखीकरण करना होता है। कार्यक्षेत्र में होने वाली कठिनाईयों के निदान तथा कार्य के गुणस्तर के संवर्धन हेतु अनौपचारिक संस्कृत शिक्षकों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम (Orientation Programme) का आयोजन किया जाता है। शैक्षिक सत्र 2018-19 में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता-पाठ्यक्रम में अध्यापन करने वाले शिक्षकों का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम का विवरण अधोलिखित है-

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
1.	सिक्कम स्टेट कॉपरेटिव यूनियन असम लिंगजे, रानीपूल, सिक्किम	20.05.2019 से 29.05.2019	70	प्रो. पी.एन्.शास्त्री श्री जनार्दन हेगड़े श्री दिनेश कामत श्री वेकटेश मूर्ति डॉ रत्नमोहन झा

	प्रबन्धक श्री कमल शर्मा सुश्री कविता देवी

2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु 21 दिवसीय आवासीय अनौपचारिक आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

स्थान	**अवधि**	**प्रतिभागियों की संख्या**	**प्रशिक्षक**
शिवलिक कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग, देहरादून, उत्तराखण्ड-248197	14.06.2018 से 05.07.2019	129	**प्रशिक्षक** डा. विश्वास श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्र डा. मनीष जुगरान डा. देव निरञ्जन डा. मीनाक्षी शर्मा डा. नूतन स्मृति प्रो. वाई.एस. रमेश डा. रत्नमोहन झा **प्रबन्धक** सुश्री कविता देवी डा. अजय वर्मा श्री अजय कुमार डा. नूतन स्मृति **सहायका** श्री अनन्त चेतिया सुश्री तनुश्री श्री विश्वजित प्रामाणिक श्री प्रलय मान्ना सुश्री लक्ष्मी शर्मा सुश्री लतिका दास सुश्री कृष्णप्रिया हाति श्री प्रेमप्रकाश पनेरु **प्रेरका** श्री बुद्धदेव शर्मा श्री शेख पुजारी दिनेश कामत

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन वर्ष 1970 से दो स्तरों पर करता रहा है, अर्थात्

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम।

वर्ष 2018-19 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत सीखने के लिए 988 छात्रों ने पंजीकरण कराया। वर्तमान में पत्राचार पाठ्यक्रम में कुल 5923 छात्र नामांकित हैं।

वर्ष 2018-19 में 76 छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

सत्र 2018-19 में विभाग की अकादमिक गतिविधियाँ

दिनांक 15.07.2018 से 21.07.2018 तक पत्राचार पाठक्रम की पाठ्यसामग्री संशोधन करने हेतु संस्थान मुख्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन 15 जुलाई 2018 को प्रो. पी.एन्. शास्त्री, माननीय कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा किया गया। स्वागत भाषण डॉ. सुनीता गुप्ता, प्रभारी पत्राचार विभाग द्वारा दिया गया। अन्य गणमान्य विद्वान् प्रो. वाई.एस्. रमेश, डॉ. एच.आर्. विश्वास, श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्रा, डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, डॉ. अनीता शर्मा, डॉ. रानी दाधीच तथा विभिन्न परिसरों से अन्य प्रतिष्ठित विद्वान् भी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

दिनांक 21.07.2018 को प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, प्र. कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा समापन भाषण दिया गया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की एक स्वायत्त संस्था है। इसके द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
7. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
8. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
9. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
10. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)

शैक्षिक सत्र 2018-19 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2018-19 में कुल 1896 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठम् की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 30.06.2018 को आयोजित की गई।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा वर्ष 2018-19 में आयोजित कार्यशाला/सेमिनार :

क्र.सं.	दिनांक	कार्यशाला/कार्यक्रम का नाम
1.	09.05.2018 से 11.05.2018	शास्त्री, तृतीय वर्ष, पञ्चम पत्र के पाठ्यसामग्री के संशोधन हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
2.	26.05.2018 से 30.05.2018	शास्त्री, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के अर्थशास्त्र एवं राजनीतिविज्ञान पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
3.	02.06.2018 से 07.06.2018	शास्त्री, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के हिन्दी पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
4.	09.10.2018 से 10.10.2018	शास्त्री, द्वितीय वर्ष, पञ्चम पत्र के पाठ्यसाम्रगी के सम्पादन हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
5.	22.10.2018 से 23.10.2018	शास्त्री, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के अंग्रेजी पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली

6.	24.10.2018 से 25.10.2018	शास्त्री, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के हिन्दी पाठ्यक्रम की सम्पादन कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
7.	10.12.2018 से 15.12.2018	शास्त्री, व्याकरण की पाठ्यक्रम के संशोधन हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
8.	27.12.2018 से 02.01.2019	शास्त्री, तृतीय वर्ष, व्याकरण के पाठ्यक्रम की संशोधन हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली
9.	07.01.2019 से 16.01.2019	शास्त्री, तृतीय वर्ष, षष्ठ पत्र के पाठ्यक्रसामग्री के संशोधन हेतु दसदिवसीय कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श सह सम्पर्क कक्षाएँ निर्धारित समय पर एक सत्र में क्रमशः पाँच बार (15-15 दिनों के लिए) चलायी जाती हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
Jammu and Kashmir
Himachal Pradesh
वेदव्यास परिहर, बलाहर
दिल्ली परिसर, दिल्ली
Punjab
Uttarakhand
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
Haryana
Delhi
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
Rajasthan
Uttar Pradesh
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
Bihar
भोपाल परिसर, भोपाल
Madhya Pradesh
Jharkhand
Gujarat
Chhattisgarh
Orissa
West Bengal
एकलव्य परिसर, अगरतला
Daman and Diu
Dadra and Nagar Haveli
Maharashtra
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
Telangana
Hyderabad
Andhra
Goa
Karnataka
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
Tamil Nadu
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
Kerala
Lakshadweep
Andaman and Nicobar Islands
Sikkim
Assam
Nagaland
Manipur
Meghalaya
Tripura
Mizeram

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

1. परिसर परिचय

गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भूभाग पर गंगानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर की गयी थी।

शोध संस्थान के भवन की योजना को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत 12.01.1945 को पंजीकृत करा लिया गया था। म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार से कम्पनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पार्श्व में, डेढ़ एकड़ भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 03.02.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉक्टर भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉक्टर बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान करते रहे।

बाद में 01 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तब से यह 'गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण 'गंगानाथ झा परिसर' हुआ। यह परिसर एक ऐसा प्रतिष्ठित शोध-केन्द्र है जो संस्कृत विद्या की विभिन्न विधाओं के शोधकार्य हेतु समर्पित है।

2. परिसर की स्थिति

गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क कम्पनी बाग के अन्दर इण्डियन प्रेस चौराहा के नजदीक चन्द्रशेखर आजाद शहीद स्थल के पास अवस्थित है। परिसर के सम्मुख पन्नालाल रोड है, उत्तर की ओर जवाहर लाल नेहरु रोड (जी.टी. रोड), परिसर के पीछे इलाहाबाद संग्रहालय कमला नेहरु रोड पर स्थित है। परिसर सिविल लाइंस बस अड्डा से 3 किमी., इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 5 किमी. एवं एअर पोर्ट बमरौली से 20 किमी की दूरी पर स्थित है।

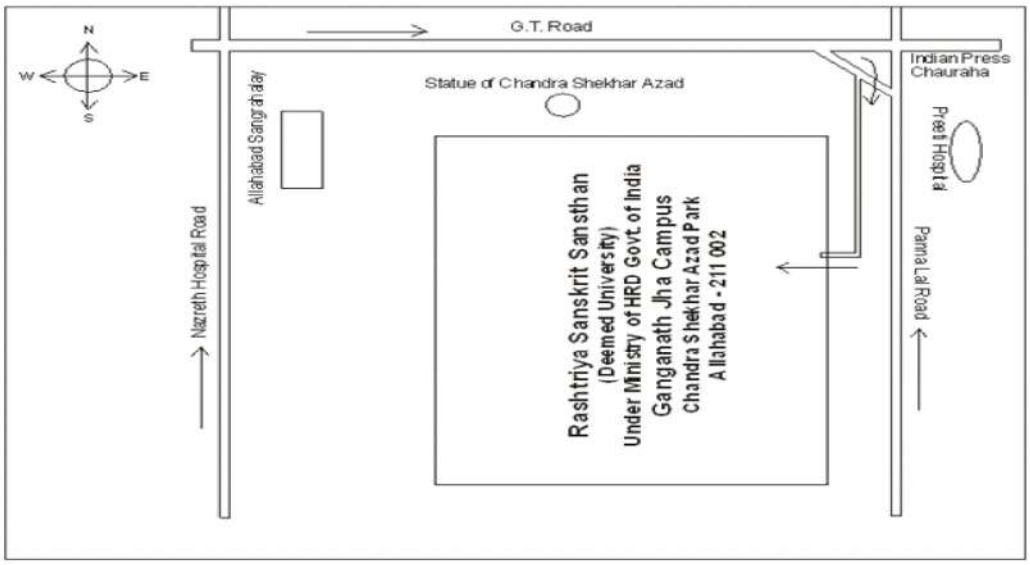

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण ब्यौरे के साथ)

परिसर में मुख्यतया विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) शोधकार्य होता है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षण माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य व्याकरण ज्यौतिष) एवं प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्यौतिष) मुख्य हैं।

4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/विशिष्टव्याख्यानमालाओं एवं विविध क्रियाकलापों का संक्षिप्त विवरण

- 04.04.2018 से 05.04.2018 तक प्राक्शोध पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विशिष्टव्याख्यानमाला का आयोजन
- 06.04.2018 से 08.04.2018 तक प्राक्शोध पाठ्यक्रम के अन्तर्गत त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्टव्याख्यानमाला का आयोजन
- 12.04.2018 को प्राक्शोध पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विशिष्टव्याख्यानमाला का आयोजन
- 19.04.2018 से 25.04.2018 तक प्राक्शोध पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आचार्यरामप्रसादत्रिपाठिस्मृति-व्याख्यानमाला का आयोजन
- 21.04.2018 से 22.04.2018 तक प्राक्शोध पाठ्यक्रम के अन्तर्गत द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन
- सर्वपरिसरीय शोधच्छात्रों के षाण्मासिक प्राक्शोध पाठ्यक्रम का आयोजन
- दिनांक-28.12.2018 से 04.01.2019 तक न्यायशास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रथम चरण) का आयोजन
- अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन
- संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन
- स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन
- जागरूकता सप्ताह का आयोजन
- राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन
- हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
- अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आयोजन
- स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन
- दिनांक 31.01.2019 को परिसर की साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. शैलकुमारी मिश्र की विदाई समारोह (सेवानिवृत्ति)
- गणतन्त्रत दिवस का आयोजन
- मातृभाषा दिवस का आयोजन
- स्वाध्याय केन्द्र की वार्षिक परीक्षा सम्पन्न

गंगानाथ झा परिसर एक शोध-संस्थान है। इस परिसर का प्रमुख कार्य है-शोध एवं प्रकाशन। वर्तमान में यहाँ 4 आचार्य एवं 3 सहायकाचार्य शोधछात्रों को विद्यावारिधि (पी. -एच.डी.) उपाधि हेतु मार्ग-निर्देशन करते हैं एवं परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध अप्रकाशित दुर्लभ महत्त्वपूर्ण हस्तलेखों का सम्पादन करते हैं। सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के लिए परिसर कराता है। इनके अतिरिक्त संस्थान द्वारा अनुमोदित शोध योजनाओं पर भी विद्वानों द्वारा कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

5. शैक्षिक विभाग के परिसरीय सम्पादन कार्यों का विवरण

- ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृत -परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या चित्प्रभा- सम्पादन कार्य पूर्ण
- लघुविभक्त्यर्थनिर्णयः का समीक्षात्मक सम्पादन- सम्पादन कार्य पूर्ण
- वृत्तिदीपिका - समीक्षात्मकसम्पादन- सम्पादन कार्य पूर्ण
- वैयाकरणमतोन्मज्जनटीका का समीक्षात्मक सम्पादन- सम्पादन कार्य पूर्ण
- रामचन्द्रचरितमहाकाव्यम् - सम्पादन कार्य पूर्ण
- सुश्लोकलाघव (चित्रबन्ध) - सम्पादन क्रियमाण
- दुष्करचित्रप्रकाशिका (सरस्वतीकण्ठाभरणटीका) - सम्पादन कार्य पूर्ण
- श्यामाभक्तिसुधार्णवः - सम्पादन कार्य पूर्ण
- सुदामाशतकम्- सम्पादन कार्य पूर्ण
- कारक खण्डनमण्डन-प्रकाशनाधीन
- काशीतत्त्व विमर्शः-प्रकाशनाधीन
- गीतगोपीपतिकाव्यम् 'भावदीपक' टीकोपेतम् - सम्पादन कार्य पूर्ण
- जर्नल आफ दी गंगानाथ झा कैम्पस अंक 73-सम्पादन कार्य पूर्ण
- उशती का सम्पादन (अंक चतुर्दशांक-पंचदशांक) सम्पादित

6. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा स्वीकृत परियोजना का

विवरण-

भट्टिकाव्यस्वाध्यायपरियोजना कार्य प्रगति पर

1. TEI question (प्रश्न) तथा answer (उत्तर) टैग के साथ 22 सर्गों का खण्डान्वय पूरा हो गया है।
2. 22 सर्गों का पदपरिचय पूरा हो गया है। जिसमें जानकारी को इस तरह से वर्गीकृत किया गया है, जिसके माध्यम से आसानी से सुबन्त, तिङन्त, लकार, प्रयोग, धातु, पद, गण तथा उपसर्ग आदि जैसे कई अनुक्रमणिकाए तैयार की जा सकती हैं।
3. सन्धि विश्लेषण के लिए एक उपकरण विकसित किया गया है, जो एक ही साथ सन्धियों को पहचानते हुए उससे सम्बन्धित अष्टाध्यायी सूत्र को भी बता सकता है।
4. प्रत्येक शब्द का हिन्दी अर्थ 11वें सर्ग तक किया जा चुका है।
5. प्रत्येक शब्द के लिए विशेष सूचकाङ्क (सपदा) दिया गया है। शब्द के ऊपर कार्सर (cursor) रखने पर विशेष सूचकाङ्क के माध्यम से प्रत्येक शब्द का पदविश्लेषण (पदपरिचय, समास, विग्रह तथा हिन्दी अर्थ) आसानी से जाना जा सकता है।
6. एक लिप्यंतरण उपकरण भी विकसित किया गया है, जिसके द्वारा हम पाठ को WX, IAST, SLP आदि जैसे विभिन्न लिपियों में प्राप्त कर सकते हैं।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	01
उत्तर प्रेषित	-	01

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

अप्रैल, 2018 को परिसर के पहले शताब्दी समारोह का जश्न मनाया गया। हमारे संस्थान को एक प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान पंडित सदाशिव मिश्र के समर्पित प्रयास से 01.04. 1918 को श्री सदाशिव परिसर नामक वैश्विक कॉलेज में बदल दिया गया था। इससे पहले, 1865 में पंडित हरिहर दाश ने निरंतर प्रयास और बलरामपुर राज्य के राजा की वित्तीय सहायता से अयोध्या राजवंश के सर दिग्विजय सिंह बहादुर ने पुरी में एक संस्कृत संस्थान स्थापित किया गया था और इसे 1888 में एक संस्कृत स्कूल में परिवर्तित कर दिया गया। उस समय संस्कृत स्कूलों के साथ-साथ कॉलेज ओडिशा राज्य सरकार के मंत्रालय के अधीन काम कर रहे थे। साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, वेदांत, न्याय, सांख्ययोग, मीमांसा, ज्योतिष, आगम-पुराण और आयुर्वेद जैसे विषयों के साथ ओडिया, अंग्रेजी, गणित, इतिहास, भूगोल आदि आधुनिक विषयों को भी शामिल किया था। उसके बाद 15 अगस्त, 1971 में, भारत सरकार के शिक्षा विभाग ने इसे अपने प्रशासन के अधीन ले लिया था। और पुरी संस्कृत महाविद्यालय, को श्री सदाशिव संस्कृत महाविद्यालय को अंततः श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से घोषित किया। फिर इस संस्थान को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा श्री सदाशिव परिसर (मानित विश्वविद्यालय) के रूप में 7 मई 2002 को अनुमोदन किया गया। यू.जी.सी. ने 13 जून, 2002 को इस संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में एक सहमति दी और उसका उद्घाटन 3 जुलाई, 2002 को हुआ था। हाल ही में यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव कैंपस, पुरी के रूप में लोकप्रिय हैं। इस उद्देश्य में इतनी सारी बाधाओं के बावजूद, वर्तमान में यह संस्थान का परिसर एक विशाल छाया के रूप में उभरा है और हमारे प्रतिष्ठित विद्वानों और छात्रों ने पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा, सफलता और प्रकाशनों से अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा दी है।

01.04.1918 से 01.01.1968 के बाद से 50 वर्षों के पूरा होने के दौरान हमने अर्ध शताब्दी समारोह मनाया था और अब हम 01.04.2018 को शताब्दी समारोह मनाएंगे। इस इस अवसर पर हमारी पत्रिका "पौर्णमासी" का 100 वां अंक भी जारी किया जा रहा है।

परिसर स्थान

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

श्री सदाशिव परिसर, पुरी, 752001, ओडिशा

दूरभाष - 06752-223439

ई-मेलः principalpuri2009@gmail.com

वेबसाइटः www.rskpuri.ac.in

सञ्चालित पाठ्यक्रम (पूर्ण विवरण के साथ)

यह परिसर वेदांत, साहित्य, व्याकरण और न्याय के विषयों में प्राक् शास्त्री (इंटरमीडिएट), शास्त्री (बी.ए), शिक्षा शास्त्री (बी.एड), आचार्य (एम.ए) शिक्षाचार्य (एम्. एड) के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभिन्नशास्त्रों में शोध हेतु विद्यावारिधि (पी.एच्.डि) पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। परिसर बहु-पक्षीय प्रतिभा वाले छात्रों के लिए इतिहास, अंग्रेजी, कंप्यूटर विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों की शिक्षा भी प्रदान करते हैं। भारतीय ज्योतिष में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी परिसर के मुख्य केंद्र में आयोजित किए जा रहे हैं।

वर्ष 2018 -2019 के वार्षिक शैक्षिक क्रियाकलाप का विवरण -

विश्वयोग दिवस

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी पंचम विश्वयोगदिवस का परिपालन परिसर में 21.06.2019 को पालित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. हरेकृष्णमहापात्र तथा अवसर प्राप्त प्राध्यापिका योगप्रशिक्षिका सुश्रीस्नेह नन्द सम्मानितातिथि के रूप में और परिसर के प्राध्यापक, कर्मचारी, छात्रों नें भाग ग्रहण किया।

स्वतन्त्रता दिवस

72वाँ स्वतन्त्रता दिवस अत्यन्त उत्साह के साथ मनाया किया गया। जिसमें सभी अध्यापक, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं एवं शोधछात्रों ने सोत्साह के साथ भाग लिया।

षोडश अन्त परिसरीय

वर्ष इस 08 मार्च से 10 मार्च 2019, तक अन्तः परिसर नाटय महोत्सव का आयोजन गुरुवायुर परिसर में किया गया। षोडश अन्त परिसरीय नाटय महोत्सव में छात्रों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें सर्वोत्तमप्रकाशव्यवस्था के लिए परिसर ने पुरस्कार प्राप्त किया।

राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्द्धा

21 अक्टूबर को राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्द्धा का आयोजन हुआ। जिसमें राज्य के विभिन्न स्थानों से अनेक छात्र छात्राओं ने भाग लिया तथा अनेक पुरस्कारों को प्राप्त किया।

वार्षिक शैक्षिक प्रतियोगिता

18 मार्च 2018 से 24 मार्च 2018 तक परिसर में सभी छात्रों के लिए वार्षिक शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं क्रीडा स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के बहुत छात्र सारे छात्रों ने भागग्रहण किया।

इसके अतिरिक्त शासनादेश से पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशतवार्षिक कार्यक्रम, अन्त्योदय मिशन कार्यक्रम, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रिय मतदाता संकल्प दिवस, मातृभाषा दिवस समारोह, शिक्षक दिवस, हिन्दी पखवाडा समारोह, दूरस्थ शिक्षासत्र का आरम्भ, सतर्कता-जागरुकता समारोह आदि का यथासमय सुचारुरूप से पालन किया गया। इसी प्रकार समस्त विभागों में विविध शैक्षिक क्रियाविधियों के साथ राष्ट्रिय शोध संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के प्राध्यापकों देश-विदेश के कीर्तिलब्ध आचार्यों, प्राचार्यों तथा शोधछात्रों ने भाग लिया।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी परिसर में 25 मार्च 2019 को वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. एस. सुब्रह्मण्यशर्मा मुख्यातिथि, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. नीलकण्ठपति, सेवानिवृत कुलपति जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय,पुरी सम्मानितिताथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के वित्तविभाग के उपनिदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति एवं सभाध्यक्ष के रूप में परिसर के प्राचार्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्रजी ने सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में पुरी के संस्कृत अनुरागी विद्वान, प्राध्यापक, छात्रों नें भाग ग्रहण किया।

मुक्तस्वाध्यायपीठ का विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समीति द्वारा निरीक्षण

परिसर में दिनांक 13.09.2018 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा विशिष्ट निरीक्षण किया गया। जिसमें सदस्य के रूप में इन्दौर नगर के देवी-अहल्या विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग की अध्यक्षता प्रो. जयन्तसोनवलङ्कर, चेन्नई डी.वी.जैन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पङ्कजा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से समीति संयोजिका डॉ. दीक्षाराजपूत एवं संस्थान मुख्यालय से दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय तथा परिसर के प्राचार्य एवं मुक्त स्वाध्यायपीठ के संयोजक तथा सह संयोजक के निर्देशन में निरीक्षण सम्पन्न हुआ।

परिसर में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान, संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का विवरण-

वैदिकराष्ट्रीय संगोष्ठी

महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के आर्थिक सहयोग से परिसर में वेदज्ञान सप्ताह का आयोजन जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा पालित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में प्रो. दिवाकर महापात्र, प्रो. अतुल कुमार नंद, तथा जगन्नाथ विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर परिषद् के अध्यक्ष हरिहरहोता, सभाध्यक्ष के रूप में परिसर के प्राचार्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्र जी नें संबोधित किया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

परिसर में शिक्षा विभाग के द्वारा 11.11.2018 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का परिपालन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि के रूप में प्रो. लक्ष्मीधर दाश सेवानिवृत्त आचार्य, हिन्दी शिक्षण संस्थान, कटक तथा मुख्यवक्ता के रूप में परिसर के इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री दुर्गादास महापात्रजी नें सभा को संबोधित किया। परिसर प्राचार्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्रजी के अध्यक्षीय भाषण से सबको अनुगृहीत किया। विभागाध्यक्ष के प्रो. विजयपाल कच्छवाहजी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

दूरस्थ शिक्षा राष्ट्रिय पाठलेखन सामग्री कार्यशाला

परिसर में दूरस्थ शिक्षा के पाठलेखन कार्यशाला का आयोजन 07.01.2019 से 31.01.2019 किया था। जिसमें संस्थान से कार्यशाला संयोजक डा. रत्नमोहन झा, प्रो. प्रमोदचन्द्र मिश्र, तिरुपति से प्रो. सत्यनारायणाचार्य। इस कार्यक्रम का सफल संयोजन डा. दूर्गाचरण षडङ्गी परिसर के दूरस्थ शिक्षा परिसर संयोजक, सह संयोजक डा. गणपतिशुक्ल के द्वारा किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	04
उत्तर प्रेषित	-	04

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिसर के विषय में

परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली, विश्व का एकमात्र वृहत्तम एवं बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। वर्तमान में माननीय प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री इसके कुलपति हैं। देशभर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 13 (मुख्यालय सहित) परिसर हैं । जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर उन्हीं तेरह परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है ।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणवीरसिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया । 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वृहत्तम बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित किया गया। तब से श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात है। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक) तथा प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक) तथा प्रो. रामानुज देवनाथन्, प्रो. बच्चा भारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्य मिश्र (कार्यवाहक), प्राचार्य रहे हैं। वर्तमान में प्रो. फतह सिंह परिसर के (कार्यवाहक) प्राचार्य हैं।

कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

कश्मीर शैव दर्शन जम्मूकश्मीर प्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में कश्मीर शैव दर्शन परियोजना चल रही है। यह परियोजना संस्थान के केवल इसी परिसर में है। स्वर्गीय डॉ. बलजिन्नाथ पण्डित एवं शैवदर्शन कोश से सम्बद्ध शोध सहायकों के अथक प्रयास से कश्मीर-शैवदर्शन कोश का प्रकाशन दो भागों में हो चुका है। ये दोनों भाग विक्रय के लिये सर्वजन सुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही हैं। इस विभाग में लगभग 125 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदालिपि एवं देवनागरी लिपि में लिपिबद्ध हैं। इनका लिप्यन्तरण तथा अनुवाद कार्य परिसर से शोध सहायकों का मुख्यालय में स्थानान्तरण एवं सेवा निवृत होने के कारण रुक गया है, जिसको पुनः आरम्भ करने हेतु संस्थान मुख्यालय से स्टाफ की नियुक्तियों के लिए प्रार्थना की गई है और शीघ्र ही स्टाफ उपलब्ध होने की सम्भावना है। स्टाफ की नियुक्ति होने पर परियोजना का कार्य पुनः आरम्भ कर दिया जाएगा।

प्रकाशन

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं । इनमें कश्मीर शैव दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा पूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। यह पत्रिका को गत वर्ष (National Institute of Science & Communication and Information Resources, New Delhi) ls ISSN & 755 2277-906-X नम्बर प्राप्त है। परिसर प्राध्यापकों के अथक प्रयासों से इस पत्रिका को प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जाता है।

सत्र 2011-12 से परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा भी शिक्षामृतम् नामक शिक्षाशास्त्र पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है।

सत्र 2016-17 से परिसरीय विभागीय शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया।

2. परिसर की स्थिति

ई-पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का अंकनात्मक उपक्रम चल रहा है।

वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिष शास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणवीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण यन्त्र, ग्रहकक्षा क्रम यन्त्र, चन्द्रकला यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण यन्त्र तथा गोल यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

सम्मेलन कक्ष

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है जो कि आधुनिक एवम् उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

वाणी विलास सभागार

विद्वद्व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीक युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

संगणक कक्ष

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 17 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से युक्त है।

प्रति विभाग कम्प्यूटर

विभागीय कार्यों को सुचारू गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं।

विभागीय पुस्तकालय

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढने के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में 50,000 हजार रूपये की राशि से पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

भाषा प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग (Pedagogy) में सत्र 2016-17 में भाषा प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित है।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिस में अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

प्राध्यापक वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी

परिसर में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 38 शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं। परिसर में 23 कार्यालयीय सदस्य, 04 सुरक्षा प्रहरी तथा 04 CPWD कर्मचारी कार्यरत हैं।

छात्रावास

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्री रणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधासम्पन्न पुरुष छात्रावास (Boys Hostel) तथा महिला छात्रावास (Girls Hostel) हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में 4 गीजर भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधा युक्त भोजनालय भी बनाए

गये हैं।

कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकावास बनाये गए हैं।

व्यायाम शाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायाम शाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायाम शाला में विविध आधुनिक व्यायाम उपकरण उपलब्ध हैं।

क्रीडा क्षेत्र

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है जिस में सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम (विषय एवं विभाग)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर में अध्ययन विषयानुरूप आठ विभाग हैं -

1. व्याकरण विभाग
2. साहित्य विभाग
3. सर्वदर्शन विभाग
4. ज्योतिष विभाग
5. वेद विभाग
6. आधुनिक विषय विभाग
7. शिक्षाशास्त्र विभाग

अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार सत्रार्द्ध परीक्षा प्रणाली (Semester System) चल रही है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राकशास्त्री (इण्टरमीडिएट 10+2), शास्त्री (B.A.) तथा आचार्य (M.A.) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में वेद, व्याकरण शास्त्र, साहित्य शास्त्र, दर्शन शास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

व्यावसायिक शिक्षा

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग (Education Department) में शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

शोधकार्य

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहुआयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षों तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान सत्र में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 10 है।

मुक्तस्वाध्याय केन्द्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने दूरस्थ शिक्षा परिषद् (Distance Education Council) की मान्यता प्राप्त करके संस्कृत के विश्वव्यापी विस्तार के उद्देश्य से दूरस्थ शिक्षा निकाय (Institute of Distance Education) प्रारम्भ किया गया है। इस दूरस्थ शिक्षा निकाय को मुक्तस्वाध्यायपीठम् (MSP) का नाम दिया गया है। मुख्यालय सहित संस्थान के सभी परिसरों में मुक्तस्वाध्याय केन्द्र बनाये गये हैं। श्री रणवीर परिसर में भी 2010-2011 से मुक्तस्वाध्याय केन्द्र प्रारम्भ हो चुका है। वर्तमान सत्र में 41 विद्यार्थी हैं।

इसमें प्राकशास्त्री (10+2) से आचार्य (M.A.) कक्षा पर्यन्त अध्ययन-अध्यापन वार्षिक परीक्षा प्रणाली (Annual System) द्वारा चल रहा है। मुक्तस्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवं आकर्षण यह है कि इसमें संस्कृतेतर (Non-Sanskrit) विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासुजनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के लिये विविध स्तरों पर सेतु पाठ्यक्रमों (Bridge courses) को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्य-श्रव्य (Audio-Visual) सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है ताकि संस्कृत से

अनभिज्ञ लोग भी अत्यन्त अल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सकें।

केन्द्र में साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों के साथ संस्कृत पत्रकारिता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चल रहा है। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की भी सुचारू व्यवस्था किये जाने की योजना सुनिश्चित है। इनके अतिरिक्त नाट्यशास्त्र, पालि, प्राकृत आदि विविध विषयों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (Certificate Courses) प्रारम्भ किये जायेंगे। सूत्रपात के लिए संस्कृत के क्षेत्र में संस्थान मुख्यालय, मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं सभी संस्कृतानुरागी बधाई के पात्र हैं विविध पाठ्यक्रमों में समाज का प्रबुद्धवर्ग भी जुड़ा है जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, प्राध्यापक आदि हैं।

अन्य क्रिया कलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

2.1 सरस्वती परिषद् एवं विभागीय गोष्ठी

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में सन् 1971 से प्रतिमास सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है। सन् 2006 से साहित्य व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं आधुनिक विषयों की भी विभागीय परिषद् (गोष्ठी) प्रत्येक मास के तृतीय सप्ताह में अपने-अपने विषय में भाषण, कण्ठस्थ ग्रन्थपाठ, श्लोकपाठ, उच्चारण आदि का अभ्यास करवाती है। इन सभी विभागीय परिषदों को मिलाकर प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत सम्मिलित रूप से सभी विषयों की शैक्षणिक, शास्त्रीय आदि विविध प्रतियोगिताएँ करवाई जाती हैं।

2.2 शास्त्राभ्यास

शास्त्र में विशेष रुचि रखने वाले जिज्ञासु विद्यार्थियों को नियमित कक्षा के पश्चात् विविध शास्त्रों का अभ्यास करवाया जाता है। स्वावलम्बन हेतु विद्यार्थियों को रूद्राष्टाध्यायी एवं विविध वैदिक मन्त्रों का भी विधि-विधान सहित पाठ कण्ठस्थ करवाया जाता है। एतदर्थ परिसर में शास्त्राभ्यास कक्ष की विशेष व्यवस्था की गई है।

2.3 नाट्यमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित षोडशतम संस्कृतनाट्यमहोत्सव का आयोजन दिनांक 8 से 10 मार्च 2019 तक गुरुवायूर परिसर केरल में किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा तापसवत्सराजचरितम् (अनङ्गहर्षप्रणीतम्) नाटक का मंचन किया गया। जिसमें परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्रा दीप्ति मिश्रा को प्रथम, मधुबाला को द्वितीय तथा शुभम शर्मा को तृतीय पुरस्कार नाटक में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में दिया गया।

2.4 अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 06.01.2019 से 09.01.2019 तक 57 तमी अखिलभारतीयशास्त्रीयस्पर्धा का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला में किया गया। जिसमें परीसरीय छात्रों ने विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं में भागग्रहण किया।

2.5 अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह 2019

राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में दिनांक 04.02.2019 त: 07.02.2019 तक अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के वेद विभाग के आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र श्री शशांक शर्मा ने वेद भाषण प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

2.6 वार्षिक शैक्षिक क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

परिसर में प्रतिवर्ष भाषण, वाद विवाद, श्लोक पाठ, काव्य पाठ, अन्त्याक्षरी एवं प्रश्नमंच आदि शैक्षिक प्रतियोगिताओं तथा खेलकूद की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है।

2.7 पर्यावरण एवं शैक्षिक भ्रमण

परिसर में प्रतिवर्ष प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य एवं शिक्षाशास्त्री के विद्यार्थियों को पर्यावरण भ्रमण, शैक्षिक भ्रमण तथा ऐतिहासिक भ्रमण के लिए विविध स्थानों पर ले जाया जाता है।

2.8 विभागीय परियोजनाएँ

सत्र 2016-17 में संस्थान मुख्यालय द्वारा वेद विभाग में लघु परियोजनाए संचालित है जिसका विषय Preparing Descriptive Dictionary of Shrauta Sutra (Texts) Technical Terms है। जिसके मुख्य गवेषक वेद विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र तथा सह गवेषक वेद विभाग के सहायक प्रोफेसर (अनु.) डॉ. दे. दयानाथ एवं डॉ. दीपक कुमार शर्मा हैं।

2.9 विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

- दिनांक 13-14 मार्च 2019 को 'सृष्टिप्रक्रिया' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय दर्शन संगोष्ठी का आयोजन सर्वदर्शन विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन श्री.ला.ब. शा. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के आचार्य प्रोण प्रभाकर प्रसाद के द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रो. रामबहादुर शुक्ल, संस्कृत विभागाध्यक्ष, जम्मू विश्वविद्यालय रहे। राष्ट्रिय संगोष्ठी का समापन सत्र 15.03.2019 को किया गया जिसके मुख्य अतिथि श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा के दर्शनविभागाध्यक्ष डॉ. अनिल तिवारी रहे। विशिष्ट वक्ता डॉ. अभिजीत जोशी हैदराबाद विश्वविद्यालय रहे। द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 30 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी के संयोजक सर्वदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. घनश्याम मिश्र रहे।
- दिनांक 14-15 मार्च 2019 को 'वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वैदिकधर्माणामुपादेयता' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेद संगोष्ठी का आयोजन वेद विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश्वरप्रसाद मिश्र के द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के सारस्वत अतिथि प्रो. मनोज कुमार मिश्र रहे। द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 25 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी के संयोजक वेद विभाग के प्राध्यापक डॉ. दे. दयानाथ थे।
- दिनांक 15-16 मार्च 2019 को 'काव्यस्यात्मा' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय साहित्य संगोष्ठी का आयोजन साहित्य विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर के पूर्व प्राचार्य एवं राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. प्रियतमचन्द्र शास्त्री के द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के उद्बोधक श्री रणवीर परिसर के शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा रहे। सम्पूर्ति सत्र में दिवान कृष्णकिशोर आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, अम्बाला के डॉण. नरेश बत्रा विशिष्टातिथि रहे। संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 25 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी की संयोजिका साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नीतू शर्मा रहीं।
- दिनांक 17-18 मार्च 2019 को 'शब्दब्रह्मण: स्वरूपम्' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय व्याकरण संगोष्ठी का आयोजन व्याकरण विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के व्याकरण विभाग के आचार्य डॉ. ब्रजभूषण ओझा के द्वारा किया गया। संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 20 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी के संयोजक व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉण सच्चिदानन्द शर्मा रहे।
- दिनांक 18.03.2019 को शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 'समावेशात्मकशिक्षा विद्यालयश्च' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्यातिथि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई-दिल्ली के प्रो. आर. पी. पाठक रहे। परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर ने विशिष्ट उद्बोधन दिया। उद्घाटन सत्र में शिक्षाशात्रविभाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा द्वारा संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन किया गया। समापन सत्र के मुख्यातिथि जम्मू विश्वविद्यालय, सेक्रेटरी जनरल इण्डियन डिसटेन्स एज्यूकेशन एसोसियेशन (IDEA) के प्रो. रोमेश चन्द्र वर्मा रहे। संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 30 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी के संयोजक शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. मदन सिंह थे।
- दिनांक 27-28 मार्च 2019 को 'राष्ट्रियसमस्यासु आतङ्कवाद: - ज्योतिषीयचिन्तनम्' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी का आयोजन ज्योतिष विभाग के द्वारा किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्यातिथि परिसर के पूर्व प्राचार्य एवं राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री रहे। उद्घाटन सत्र में ज्योतिषविभाध्यक्ष प्रो. प्रभात कुमार

महापात्र द्वारा संगोष्ठी का विषयप्रवर्तन किया गया। संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 25 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी के संयोजक ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ. निगम पाण्डेय थे।

- दिनांक 27-28 मार्च 2019 को 'युद्ध एवं शान्ति' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आधुनिक विषय विभाग के द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्यातिथि केन्द्रीय रिजर्व पुलीस बल के महानिरीक्षक (IG) डॉण विजय कुमार सिंह रहे। जम्मू विश्वविद्याल्य के पूर्व संगणक विभागाध्यक्ष श्री ललित मंगोत्रा विशिष्टातिथि रहे। संगोष्ठी में आयोजित सत्रों में लगभग 20 शोध पत्रों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठी के संयोजक आधुनिक विषय विभाग के अध्यक्ष श्री शरत् चन्द्र शर्मा रहे।
- दिनांक 28.03.2019 को विभिन्न परिसरीय राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्यतिथि उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी एवं विशिष्टातिथि मुम्बई परिसर के प्राचार्य प्रो. सुदेश कुमार शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। संगोष्ठियों का प्रतिवेदन संयोजक डॉ. सतीश कुमार कपूर के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. प्रभात कुमार महापात्र द्वारा किया गया।

2.10 शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

परिसर में सत्र 2018-19 में शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

- दिनांक 22.01.2019 को सर्वदर्शन विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग के प्राचार्य प्रोण के. बी. सुब्बरायुडु ने 'ईश्वरसिद्धि:' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रोण विश्वमूर्ति शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी।
- दिनांक 24.01.2019 को ज्योतिष विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत प्रोण रामचन्द्र पाण्डेय (राष्ट्रपति सम्मानित), वाराणसी ने 'ज्योतिषशास्त्रस्य व्यावहारिकत्वम्' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की।
- दिनांक 29.01.2019 को वेद विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के वेद विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र के द्वारा 'वेदव्याख्यानपद्धति:' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की।
- दिनांक 30.01.2019 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ज. रा. राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गोपीनाथ शर्मा ने 'महात्मा गान्धी का शिक्षा दर्शन' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की।
- दिनांक 31.01.2019 को साहित्य विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर के साहित्य विभागध्यक्ष प्रो. राम कुमार शर्मा ने 'ध्वनेरक्ष्यलक्ष्यक्रमव्यवस्था' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की।
- दिनांक 06.02.2019 व्याकरण विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने 'शाब्दबोधप्रक्रिया' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की।
- दिनांक 08.02.2019 को आधुनिक विषय विभाग द्वारा शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत जम्मू विश्वविद्यालय की पूर्व डोगरी विभागाध्यक्षा प्रो. वीणा गुप्ता ने 'डोगरी और संस्कृत का अन्त: सम्बन्ध' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य के द्वारा की गयी। सम्पूर्ण व्याख्यानमाला के संयोजक परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रोण प्रभात कुमार महापात्र एवं साहित्यविभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर रहें। इस सम्पूर्ण व्याख्यान माला के सदस्य सचिव ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉण रतन कुमार पाण्डेय थे।

3. शैक्षिणिक सत्र 2018-19 में सम्पन्न वार्षिक गतिविधियों का विवरण

3.1 समारोहादि का आयोजन

- दिनांक 19.06.2018 को प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष एवं शास्त्री

प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

- दिनांक 21.06.2018 को परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ योग विशेषज्ञ श्री श्रेयांश कुमार जैन मुख्यातिथि रहे। भारतीय योग संस्था जम्मू के योग विशेषज्ञ श्रीमती रेणु थापर ने योगाभ्यास करवाया। कार्यक्रम में व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. हरिनारायण तिवारी एवं साहित्यविभाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर ने योग विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया।
- दिनांक 11.07.2018 को प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष एवं शास्त्री प्रथम वर्ष की द्वितीय चरण की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 19.07.2018 को परिसर में सत्रारम्भ के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया जिसका संयोजन परिसर के वेद विभागीय प्राध्यापकों द्वारा किया गया।
- दिनांक 13.08.2018 को परिसर में गणेश चतुर्थी की पूजा का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन डॉ. तेजनाथ पौडेल एवं डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय एवं डॉ. दीपक कुमार शर्मा द्वारा किया गया।
- 15.08.2018 को परिसर में स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण परिसर प्राचार्य द्वारा किया गया।
- दिनांक 24.08.2018 को संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त परिसर के पूर्व-प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री मुख्यातिथि रहे तथा व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रोण हरिनारायण तिवारी सारस्वत अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। इस अवसर पर परिसरीय छात्रधछात्राओं के लिए विविध स्पर्धाएं आयोजित की गई।
- दिनांक 26.08.2018 श्रावणी उपाकर्म ऋषिपूजन आदि का आयोजन परिसर प्रांगण में किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के प्रभारी प्राचार्य श्री शरत् चन्द्र शर्मा सभी के प्रतिनिधि के रूप में यजमान थे। प्राक्शास्त्री से आचार्य पर्यन्त तथा शिक्षाशास्त्र के छात्र भी उपस्थित रहे। वेद विभागीय अध्यापकों डॉ. डी. दयानाथ, डॉ. दीपक कुमार शर्मा तथा डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय ने सुव्यवस्थित संचालन करते हुए समस्त श्रावणी उपाकर्म को सम्पन्न करवाया।
- दिनांक 28.08.2018 को संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत परिसर के वाणीविलास सभागार में एक संस्कृतकविगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शरत् चन्द्र शर्मा ने की। साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर ने कविगोष्ठी का संयोजन किया। कवि के रूप में प्रो. रामबहादुर शुक्ल (संस्कृत विभागाध्यक्ष, जम्मू विश्वविद्यालय), डॉ. सतीश कुमार कपूर (साहित्य विभागाध्यक्ष), डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी, डॉ. विजय पयासी, डॉ. हरिशङ्कर पाण्डेय, डॉ. डी. दयानाथ, डॉ. संजय कुमार मिश्र, डॉ. तेजनाथ पौडेल, श्रीमती स्नेहा पाण्डेय (साहित्य शोधच्छात्रा) ने भाग ग्रहण किया।
- दिनांक 29.08.2018 को शिक्षाशास्त्र विभागीय छात्रों द्वारा 'सेवाऽस्माकं परमो धर्मः, मानवसेवा हि माधवसेवा' नामक लघु नाटिका का अभिमंचन किया गया। संयुक्ता साहू (अध्यापिका), रश्मिता सिंह (भिक्षुक की पुत्री), स्मरणिका बेहरा (भिक्षुक की पुत्री की सहेली), जगन्नारायण बेहरा (दरिद्र भिक्षुक), शुभश्री कुंवर (चिकित्सिका) तथा प्रकाश पण्डा (पुरोहित) ने इस लघु नाटिका में अपनी अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई।
- दिनांक 29.08.2018 को श्री शङ्कर शास्त्रार्थ परिषद् का उद्घाटन और इसके अन्तर्गत शास्त्रार्थ-संगोष्ठी का प्रथम अधिवेशन सम्पन्न हुआ। वेद विभागीय अध्यापकों के व्याख्यान से शास्त्रार्थ-संगोष्ठी का प्रारम्भ हुआ। इस क्रम में डॉ. डी. दयानाथ ने मन्त्रब्राह्मणयोर्लक्षणविचारः विषय पर, डॉ. दीपक कुमार शर्मा ने यज्ञस्वरूपविमर्शः विषय पर तथा डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय ने 'याज्ञवल्क्य शिक्षा में वैदिकपदगत व्यञ्जनों का उच्चारण प्रकार' विषय पर व्याख्यानात्मक शास्त्रार्थ प्रस्तुत किया। शास्त्रार्थ परिषद् के संयोजक डॉ. सतीश कुमार कपूर रहे।
- दिनांक 30.08.2018 को संस्कृत सप्ताह का सम्पूर्ति समारोह का आयोजन हुआ। इस सम्पूर्ति समारोह में कई सम्मानों से विभूषित राष्ट्रपतिसम्मानित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कुलबीर सिंह मुख्य अतिथि, मूर्धन्य संस्कृतराष्ट्रकवि तथा देववाणी परिषद्, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री डॉण रमाकान्त शुक्ल सम्माननीय सारस्वत अतिथि तथा साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर सम्मानित

विद्वान के रूप में उपस्थित थे। विशिष्टवक्ता के रूप में ज्योतिषविभागाध्यक्ष, डॉ. प्रभात कुमार महापात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी।

- दिनांक 05.09.2018 को परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्रीय विद्यालय अखनूर के प्राचार्य श्री सुरजीत सिंह मुख्यातिथि तथा केन्द्रीय विद्यालय बनतालाब के प्राचार्य श्री सूरज प्रसाद विशिष्टातिथि रहे। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सदस्य डॉ. चन्द्र मौलि रैणा सम्मानित अतिथि तथा आधुनिक विषय विभाग के अध्यक्ष श्री शरत् चन्द्र शर्मा सारस्वत अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा द्वारा किया गया।
- दिनांक 14.09.2018 से 28.09.2018 तक हिन्दी पखवाडा समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के अन्तर्गत विविध शैक्षिक स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। समापन समारोह के मुख्यातिथि प्रोण वागीश दिनकर, प्राचार्य, राणा शिक्षा शिविर स्नातकोत्तरमहाविद्यालय, पिलखुवा, हापुड़ रहे। विशिष्टातिथि के रूप में श्री संजय बंसल, ब्यूरो चीफ, OK India न्यूज़ चैनल, जम्मू रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। कार्यक्रम के संयोजक शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा एवं हिन्दी विषय के अध्यापक डॉ. संजय कुमार मिश्र रहें।
- दिनांक 02.10.2018 से 05.10.2018 तक परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर परिसर में स्वच्छता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लाँक भलवाल की ओर से परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में ब्लाँक भलवाल एवं परिसर के अध्यापक कर्मचारियों ने सहभागिता की। समापन समारोह के अन्तर्गत परिसरीय सफाई कर्मचारियों को परिसर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन श्री शरत् चन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।
- दिनांक 29.10.2018 से परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में श्री अरुण कुमार, प्रबन्धक, भारतीय स्टैट बैंक के प्रबधक मुख्यातिथि रहे। आयोजन के अन्तरगत परिसरीय विद्यार्थीयों केलिए विविध स्पर्धाएँ आयोजित की गयी। समापन समारोह में भलवाल ब्लाँक के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण मन्सूर हुसैन मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सतीश कुमार कपूर, साहित्यविभागाध्यक्ष के द्वारा किया गया।
- दिनांक 31.10.2018 को परिसर में श्री सरदार वल्ल्भ भाई पटेल की 143वीं जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अन्तरगत परिसरीय विद्यार्थियों के लिए विभन्न प्रतियोगिताओं एवं राष्ट्रीय एकता दौड का भी आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री शरत् चन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।
- दिनांक 12.11.2018 को परिसर में शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ. के.के. शैन द्वारा किया गया।
- दिनांक 16.11.2018 को राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्धा (जम्मू व कश्मीर) का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू कश्मीर प्रान्त के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने विविध स्पर्धाओं में भाग लिया। स्पर्धाओं में निर्णायक के रूप में श्री सदाशिव परिसर, पुरी के साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यमणि रथ, जयपुर परिसर के व्याकरणविभाग के आचार्य प्रो. श्रीधर मिश्र, जयपुर परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. ईश्वर भट्ट रहे। स्पर्धाओं का संयोजन ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभात कुमार महापात्र एवं ज्योतिष विभागीय प्राध्यापक डॉ. निगम पाण्डेय द्वारा किया गया।
- दिनांक 4-6 जनवरी 2019 को परिसर के शिक्षाशास्त्रविभाग द्वारा त्रिदिवसीय राष्ट्रिय प्राविधिक संस्कृत कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संयोजन शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा द्वारा किया गया।
- दिनांक 16.01.2019 को परिसर में श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् के द्वितीय अधिवेशन में ज्योतिष विभागीय प्राध्यापकों द्वारा ज्योतिष विषय में शास्त्रार्थ चर्चा की गयी।
- दिनांक 26.01.2019 को परिसर में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। जिसके मुख्यातिथि केन्द्रीय रिजर्व पुलीस बल के महानिरीक्ष डॉ. विजय कुमार सिंह रहे।

- दिनांक 29.01.2019 को परिसर में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2.0 का सीधे प्रसारण का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक श्री शरत् चन्द्र शर्मा रहे।
- दिनांक 10.02.2019 को वसन्त पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन वेदविभागीय प्राध्यापक डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।
- दिनांक 07.03.2019 को परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वीथीनाटकम् का आयोजन किया गया।

3.2 परिसरीय प्राध्यापकों की अकादमिक सहभागिता 2018-19

प्रो. वासुदेव शर्मा, प्राचार्य (प्र.)

- विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों में सहभागिता।
- दिनांक 21 से 28 जून 2018 तक जयपुर परिसर में नक्षत्रजातकम् प्रोजेक्ट पर कार्यशाला का आयोजन।
- श्री लालबहादूरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ में पंचांग कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- दिनांक 28.01.2019 को श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ में वास्तु विषयक विशिष्टव्याख्यन।
- 02.02.2019 को श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में 'देववास्तुविमर्श' विषय पर मुख्यवक्ता।
- 12.02.2019 को जयपुर परिसर में 'वास्तुशास्त्रे वेधदोषाणां चिन्तनम्' विषय पर विशिष्टव्याख्यन।
- दिनांक 05.03.2019 को को श्री लालबहादूरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ में चर्मरोगविमर्श: - ज्योतिषीयचिन्तम्' विषय पर विशिष्टव्याख्यन।

प्रो. मदन मोहन झा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- केन्द्रीय विद्यालय के संस्कृत शिक्षकों के सेवाकालिक प्रशिक्षण के द्वितीय चरण के संयोजक।

प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, वेद विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

प्रो. प्रभात कुमार महापात्र, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग

- 31.01.2019 से 01.02'2019 तक कटक में All Odisha Shakadwip Brahman Mahasabha द्वारा आयोजित सेमिनार भागग्रहण।
- 19-20 मार्च 2019 तक कटक में आयोजित Planets and Forecast का वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- शारदा विशिष्टव्याख्यान माला का संयोजन।
- राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का संयोजन।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

श्री शरत् चन्द्र शर्मा, सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष, आधुनिक विषय विभाग

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के BoM के सदस्य।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- राष्ट्रीय एकता दिवस का संयोजन।
- स्वच्छता सप्ताह का संयोजन।
- विभागीय राष्ट्रीयस संगोष्ठी का संयोजन।

डॉ. के.के. शैन, सहाचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग

- NCET के दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. सतीश कुमार कपूर, सहायक-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग

- परिसरीय नाट्यसमिति के संयोजक।

- नाट्यमहोत्सव में प्रस्तुति हेतु 'तापसवत्सराजचरितम्' नाटक का सम्पादन।
- शारदा विशिष्टव्याख्यान माला का संयोजन।
- श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् का संयोजन।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- संस्कृत सप्ताह 2018-19 का संयोजन।
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह का संयोजन।
- विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का संयोजन।
- परिसरीय वार्षिकोत्सव का संयोजन।

डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा, सहायक-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।

डॉ. रामदास संगोत्रा, सहायक-आचार्य, ज्योतिष विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- वार्षिक खेल प्रतियोगिता का संयोजन।

डॉ. घनश्याम मिश्र, सहायक-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सर्वदर्शन विभाग

- माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र वाचन।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- राष्ट्रिय दर्शन संगोष्ठी का संयोजन।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. दे. दयानाथ, सहायक प्रोफेसर (अनु.), वेद विभाग

- माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र वाचन।
- विषय पर IIIT-Hyd द्वारा आयोजित द्विदिवसीय कार्यशाला में भागग्रहण।
- श्री रणवीर परिसर में आयोजित राष्ट्रिय दर्शन एवं व्याकरण संगोष्ठी में पत्र वाचन।
- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण का उपसंयोजक।
- श्री रणवीर परिसर द्वारा प्राकाशित शिक्षाकृतिः पुस्तक का सम्पादन।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. दीपक कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), वेद विभाग

- उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'शोधप्रज्ञा' में शोध लेख प्रकाशित।
- वेदविभागीय पत्रिका 'शतारित्रा' का सम्पादन एवं लेख प्रकाशित।
- MSRVVP उज्जयिनी द्वारा संचालित श्रीमहादेव वेद पाठशाला में वेद परीक्षक।
- MSRVVP दीक्षान्त वर्षीय परीक्षा में परीक्षक।
- अखिल भारतीय वेद संगोष्ठी ज्ञानप्रवाह वाराणसी में शोध पत्र वाचन।
- परिसरीय शोधपत्रिकाओं शोधलेख प्रकाशित।
- परिसरीय दर्शनविभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में भागग्रहण किया।

डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), वेद विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अनु.), व्याकरण विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. राहुल शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), व्याकरण विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. निगम पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अनु.), ज्योतिष विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- मुक्तस्वाध्यायपीठ द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में विभिन्न ग्रन्थों का पाठलेखन एवं सम्पादन।
- ज्योतिष विभागीय परियोजना में सह-गवेषक।
- ज्योतिष विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के वास्तु डिप्लोमा में संसाधक।

डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अनु.), ज्योतिष विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- मुक्तस्वाध्यायपीठ द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में विभिन्न ग्रन्थों का पाठलेखन एवं सम्पादन।
- ज्योतिष विभागीय परियोजना में सह-गवेषक।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के वास्तु डिप्लोमा में संसाधक।

श्री नवीन तिवारी, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), ज्योतिष विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

डॉ. कृष्ण मुरारी मणि त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर (अनु.), सर्वदर्शन विभाग

- माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र वाचन।
- दिनांक 15.01.2019 से 18.01.2019 तक श्री सीताराम सत्संग महाविद्यालय में सांख्यकारिका ग्रन्थ पर कार्यशाला में अध्यापन कार्य कराया।
- दिनांक 19.03.2019 को श्री सीताराम सत्संग महाविद्यालय में भारतीय दर्शन में आत्मा का स्वरूप विषय पर व्याख्यान दिया।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. आशीष कुमार, सहायक प्रोफेसर (अनु.), सर्वदर्शन विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

श्री चेतन कुमार, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), सर्वदर्शन विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. नीतू शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), साहित्य विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- साहित्य विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. तेजनाथ पौडेल, सहायक प्रोफेसर (अनु.), साहित्य विभाग

- दिनांक 02.11.2018 से 04.11.2018 तक जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत (वेदान्त) सम्मेलन में शोध पत्र वाचन एवं सत्र संचालन किया।

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. सुमन चन्द्र पन्त, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), साहित्य विभाग

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. दयानिधि शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), शिक्षा शास्त्र विभाग

- एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित शिक्षा शास्त्र संदर्भ ग्रन्थ लेखन के अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भागग्रहण किया।
- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में भागग्रहण।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं का सम्पादन।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. शुभश्री दाश, सहायक प्रोफेसर (अतिथि.), शिक्षा शास्त्र विभाग

- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में भागग्रहण।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. मदन सिंह, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित शिक्षा शास्त्र संदर्भ ग्रन्थ लेखन के अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भागग्रहण किया।
- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- शिक्षाशास्त्र विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

डॉ. हरि ओम, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण में संसाधक।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण में प्रकाशित संस्कृतिः एवं शिक्षाकृतिः के सम्पादक मण्डल में।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. प्रमोद शुक्ल, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित शिक्षा शास्त्र संदर्भ ग्रन्थ लेखन के अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भागग्रहण किया।
- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण (प्रथम चरण) में संसाधक।
- सदस्य सर्वभाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. विवेक कुमार, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- द्विदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला लखनऊ में संसाधक।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण (प्रथम चरण) में संसाधक।

- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान एवं नवयुग कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित आन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भागग्रहण।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण में प्रकाशित संस्कृतिः के सम्पादक मण्डल में।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

डॉ. संतोष गोडरा, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में भागग्रहण।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

डॉ. संजय कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर (अनु.), हिन्दी

- 'सूरदास के भ्रमरगीत का सैद्धान्तिक अध्ययन' पुस्तक का प्रकाशन।
- MSP द्वारा संचालित शास्त्रीस्तरीय कक्षाओं में प्रचलित हिन्दी पुस्तक 'राष्ट्री' का लेखन एवं पुनर्शोधन।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित, सहायक प्रोफेसर (अनु.), राजनीति विज्ञान

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

श्री विशाल महाजन, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), संगणक विज्ञान

- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण में संसाधक।
- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण में प्रकाशित संस्कृतिः एवं शिक्षाकृतिः के सम्पादक मण्डल में।
- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

श्री सहदेव सिंह, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), संगणक विज्ञान

- केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षक सेवाकालिक प्रशिक्षण में संसाधक।
- परिसरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला में संसाधक।
- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- परिसरीय शोध पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित।

डॉ. राधा रानी, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), डोगरी

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

श्री मनीद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शारीरिक शिक्षा

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।
- वार्षिक खेल प्रतियोगिता में उपसंयोजक।

श्री प्रदीप कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), इतिहास

- परिसर में आयोजित विभिन्न विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन एवं सहभागिता।

3.4 प्रशिक्षण शिविरादि

- दिनांक 21.05.2018 से 01.06.2018 तक परिसर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संस्कृत शिक्षकों का सेवाकालिक प्रशिक्षण शिविर (प्रथम चरण) आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 21.05.2018 को किया गया। जिसमें परिसर के पूर्व प्राचार्य एवं

राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री मुख्यातिथि रहे। संसाधक के रूप में संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के न्यासी सचिव श्री चमू कृष्ण शास्त्री, केन्द्रीय विद्यालय जनकपुरी के श्री चन्द्रशेखर शर्मा, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ॰ सत्यदेव एवं वाराणसी के डॉ. अम्बरीश कुमार मिश्र रहे। समापन समारोह के मुख्यातिथि केन्द्रीय रिजर्व पुलीस बल के महानिरीक्षक डॉ. विजय कुमार सिंह रहे। प्रशिक्षण शिविर के उप-संयोजक वेद विभागीय प्राध्यापक डॉ॰ डी॰ दयानाथ रहे।

- दिनांक 16.07.2018 से 16.11.2018 तक शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष का शिक्षणाभ्यास प्रशिक्षण।
- दिनांक 16.11.2018 से 02.12.2018 तक शिक्षाशास्त्री के विद्यार्थियों के लिए बालचर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।
- दिनांक 26.11.2018 से 30.11.2018 तक शिक्षास्त्रास्त्री के विद्यार्थियों के लिए नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण शिबिर का आयोजन किया गया।
- दिनांक 23.12.2018 से 01.01.2019 तक परिसर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संस्कृत शिक्षकों का सेवाकालिक प्रशिक्षण शिविर (द्वितीय चरण) आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 23.12.2018 को किया गया। जिसमें ब्लाँक भलवाल की अधिकारी सुश्री शाइमा शरीफ खाँ मुख्यातिथि रही। संसाधक के रूप में केन्द्रीय विद्यालय जनकपुरी के श्री चन्द्रशेखर शर्मा, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ. सत्यदेव एवं वाराणसी के डॉ. अम्बरीश कुमार मिश्र रहे। समापन समारोह के मुख्यातिथि भलवाल ब्लाँक के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मन्सूर हुसैन रहे। प्रशिक्षण शिबिर के संयोजक शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा एवं उप-संयोजक वेद विभागीय प्राध्यापक डॉ. डी. दयानाथ रहे।

3.5 परीक्षा आयोजन

- मई 2018 में प्राक् शास्त्री प्रथम एवं शास्त्री प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिसम्बर 2018 में प्रथम तृतीय पंचम सत्रार्द्ध एवं आचार्य प्रथम एवं तृतीय सत्रार्द्ध की परीक्षाएँ मुख्यालय के आदेशानुसार की गई।
- मार्च 2019 को प्राक्शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय की वार्षिक परीक्षाएँ मुख्यालय के आदेशानुसार की गई।

10. जनसूचना अधिकार - 2005

प्राप्त जनसूचना पत्रों की संख्या - 15

उत्तर दी गई सूचनाओं की संख्या - 15

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

1. परिचय

श्री शङ्कराचार्यजी के जन्म से पवित्रीभूत ईश्वरीय भूमि केरल आदि शङ्कराचार्यजी के वेदान्त दर्शन से प्रभावित पुण्य भूमि है, जहाँ जाति, धर्म, लिंग और संप्रदाय के भेद बिना लोग आपसी प्रेम भाव में रहते हैं।

सन् 1909 में **संस्कृत प्रणय भाजनम** श्री पी.टी. कुरियॉकोस मास्टर ने पावरटी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की थी। पी.टि. कुरियॉकोस मास्टर सचमुच में एक दिव्य आत्मा थे जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तथा सारी संपत्ति संस्कृत की सेवा एवं संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार में समर्पित की थी। सन् 1934 में विद्यापीठ में उन्होंने संस्कृत में बी.ए. और एम.ए. की कोर्सेस प्रारंभ किया। उस समय ये कोर्सेस मद्रास विश्वविद्यालय के अधीन चलाये जा रहे थे। बाद में सन् 1972 में इस विद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपना हिस्सा बनाया उसके बाद यह साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाने लगा।

सन् 1979 जुलाई 16 को इस विद्यापीठ को भारत सरकार के मानव संसाधन विभाग ने अपने हाथों में ले लिया। और इसका नाम गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। बाद में सन् 1989 में अधिक आधारिक संरचना एवं शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इस विद्यापीठ को पावरटी से पुरनाट्टुकरा में स्थानान्तरित कर दिया। पुरनाट्टुकरा के इस नये इमारत का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री आदरणीय श्री मुरली मनोहर जोशी जी ने 16 अगस्त सन् 1999 को किया।

दिल्ली स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को जब बहु परिसर युक्त मानित विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठ प्राप्त हुई तब से, याने कि सन् 2002 मई 7 से यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर के नाम से जानने लगा।

2. परिसर स्थान

गुरुवायूर परिसर केरल के त्रिश्शूर जिले के अडाट पंचायत के पुरनाट्टुकरा में स्थित है। अमला मेटिक्कल कॉलेज, श्री रामकृष्ण आश्रम, एस.आर.के.जी.वी.एम. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शारदा महिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, आई.ई.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय आदि गुरुवायूर परिसर के चारों और की विभिन्न दिशाओं में स्थित है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

प्राक्-शास्त्री - द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

शास्त्री - त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

आचार्य - द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

शिक्षा-शास्त्री - द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

विद्यावारिधि

योग एवं आयुर्वेद में एक वर्षीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

उपलब्ध परम्परागत विषय

व्याकरण - प्राक्शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

साहित्य - प्राक्शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

दर्शन - प्राक्शास्त्री

वेदान्त - शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

न्याय - शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

ज्योतिष - शास्त्री

उपलब्ध आधुनिक विषय - अनिवार्य विषय

अंग्रेजी - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

मलयालम - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

हिन्दी - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

संगणक विज्ञान - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

पर्यावरण विज्ञान - शास्त्री तृतीय वर्ष में

उपलब्ध आधुनिक विषय - ऐच्छिक विषय

इतिहास - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

अंग्रेजी साहित्य - शास्त्री

मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम

सेतु पाठ्यक्रम - शास्त्री एवं आचार्य

शास्त्री - व्याकरण, साहित्य एवं ज्योतिष

आचार्य - व्याकरण, साहित्य एवं ज्योतिष

प्रारंभिक विषय - पालि एवं प्राकृत

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम - पालि, प्राकृत एवं पत्रकारिता

3. परिसर की अन्य गतिविधियाँ

वाग्वर्धिनी सभा

सभी कक्षाओं के लिए हर बुधवार को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक वाग्वर्धिनी सभा का आयोजन किया जाता है। इसके लगभग 30 सम्मेलन हो चुके हैं। इसके अन्तर्गत वाक्यार्थ विचार:, शास्त्र परिचय, समकालीन विषय, प्रश्नोत्तरी एवं कलाविनोद का आयोजन किया जाता है।

वाक्यार्थ परिषद

इसके अंतर्गत परिसर अध्यापकों द्वारा वाक्यार्थों का नमूना प्रस्तुत किया जाता है और फिर बच्चों के लिए स्पर्धाएँ चलायी जाती हैं।

महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

- परिसर में जून 21, 2018 को योग दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान "योग फोर वेलनेस" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यापक एवं छात्रों द्वारा योगासनों का प्रदर्शन हुआ।
- ग्रामसभा-मानवसंसधान विकास मन्त्रालय के "उन्नत भारत अभियान" योजना के तहत अडाट् ग्रामपंचायल को गुरुवायूर परिसर द्वारा गोद लेने का औपचारिक कार्यक्रम 17 जुलाई 2018 दोपहर 2 बजे, पंचायल अध्यक्ष एवं सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।
- पुषक्कल ब्लोक पंचायल के नेतृत्व में परिसर में स्वतन्त्रता दिवस समारोह के दौरान अगस्त प्रथम सप्तह बच्चों के लिए प्रतियोगिताएँ चलाई गई।
- भारत के 72वें स्वतन्त्रता दिवस वार्षिक समारोह के अवसर पर परिसर द्वारा स्वतन्त्रता दिवस एवं स्वतन्त्रता पक्ष का आयोजन किया गया।
- संस्कृत सप्ताह समारोह सन् 2018, 4 अगस्त से 10 अगस्त तक विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। समारोह का उद्घाटन् कालिक्कट् वश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रो. के. सुन्दरेशन द्वारा सम्पघ हुआ। इस समारोह का समापन कार्यक्रम 20 अगस्त को आयोजित किया था। डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय, (सहायक अध्यापक, चिन्मया विद्यालय) महोदय के करकमलों से समापन कार्यक्रम का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।
- केरल राज्य में हुए अकस्मात् बाढ़ के कारण इस साल परिसर में ओणम का कार्यक्रम नहीं हुआ।
- छात्र कल्याण परिषद का उद्घाटन 11 सितम्बर सन् 2018 को संपन्न हुआ। श्री. श्रीहरी (मषविल मनोरमा, सूप्पर 4 गायक) कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। इस अध्ययन वर्ष के छात्र कल्याण परिषद् के पदाधिकारी रहे-कुमारी ग्रीष्मा एम्.एस. (अध्यक्षा), कुमारी अणिमा कृष्णन एल.जी. (सचिवा) और प्रो. एस्.वि.आर. मूर्ति (छात्रकल्याण परिषद् अधिकारी)।
- हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन 14 सितंबर 2018 से 25 सितम्बर 2018 तक किया गया। डॉ. सजिला एन. आर., श्री शङ्कराचार्य संस्कृत विद्यालय, तिरूर केन्द्र निदेशिका, कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहीं।
- 27 सितम्बर 2018 को परिसर में अन्तरविश्वविद्यालय बैडमिंटन चयन प्रतियोगिताएँ चलाई गई।
- संस्कृत भाषा एवं साहित्य को महत्त्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेसिडेन्ट पुरस्कार प्राप्त प्रो. पि.सी. मुरलीमाधवनजि का परिसर द्वारा 28, सितम्बार 2018 को सम्मान दिया गया।
- परिसर में स्वच्छ भारत मिशन 2 अक्टूबर 2018 से वार्षिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वीं जन्मदिवस समारोह का आयोजन सन् 2018, 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक किया गया। तृशूर गाँधी समाधान संगठन के सचिव श्री गिरीश वि.एस. कार्यक्रम के मुख्यातिथि है।
- श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म स्मृति के अवसर

पर 31 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया।

- नवम्बर 1 तारीख सन् 2018 को परिसर में केरल पिरवी-श्रेष्ठभाषा का दिवस मनाया गय। डॉ. जोय पॉल कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे।
- नवम्बर 2 सन् 2018 को सतर्कता दिवस के रूप में मनाया गया है।
- 26 नवंबर सन् 2018 को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया।
- संस्थान के विभिन्न परिसरों के छात्रों के लिए वेदान्त शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन परिसर द्वारा 26 दिसम्बर 2018 से 4 जनवरी 2019 तक किया गया।
- श्री स्वामी विवेकानन्द जी का 156वाँ जन्म वार्षिक 11, 12 जनवरी 2018 को युव दिवस के रूप में मनाया गया।
- 26 जनवरी सन् 2018 को भारत का 70वाँ गणतन्त्र दिवस मनाया गया।
- भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री जी के, बच्चों-अध्यापक एवं माता-पिता के साथ संवाद 'परीक्षा पर चर्चा' का सीधा प्रसारण परिसर में 29 जनवरी सन् 2019 को आयोजित किया गया। परिसर के सभी अध्यापक एवं विद्यार्थि गण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
- परिसर की वार्षिक खेल क्रीडा प्रतियोगिताएँ "क्रीडा संग्राम" सन् 2019 जनवरी 30,31 तारीखों में चलायी गयी। डॉ. शैलेश कुमार, श्री विराल शा (वोलिबोल कोच, अन्तर्राष्ट्रीय) कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। रानी लक्ष्मीबाई दल विजेता रहे।
- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान परिसर में पुष्क्कल ब्लोक पंचायत समाज कल्याण अधिकारियों द्वारा 13, फरवरी 2019 को पोस्टर मेंक्किड प्रतियोगिता चलाई गयी।
- परिसर में वार्षिक कला प्रतियोगिताएँ सन् 2019 फरवरी 14, 15 में चलायी गयीं।
- परिसर की वार्षिक साहित्यिक प्रतियोगिताएँ सन् 2019 फरवरी 25, 26, 27 तारीखों में चलायी गयी।
- 21 फरवरी सन् 2019 को मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ. सी. शान्त (सेवानिवृत्त सहायक अध्यापिका, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर, परिसर) कार्यक्रम की मुख्यातिथि रहीं।
- 23 फरवरी सन् 2019 को मुक्तस्वाध्यायपीठ श्री पी.टी. कुरियाकोस मास्टर पावरट्टी केन्द्र में पी.टी. कुरियाकोस मास्टर अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति भाषण का आयोजन किया गया।
- इस साल परिसर में अलिख भारतीय संस्कृत नाट्यमोहत्सव का आयोजन किया गया। नाट्यमहोत्सव का उद्घाटन एवं परिसर के नये सभागार का उद्घाटन समारोह का आयोजन 9, 9, 10 मार्च 2019 को किया गया। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वरनारायण शास्त्री द्वारा नये सभागार का उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ, इस सन्दर्भ में शिक्षा शास्त्री विभाग की नयी इमारत का शिलान्यास भी हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति देवीप्रसाद त्रिपाठी की उपस्थिति में यह संपन्न हुआ है। प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, श्री बी. श्रीनिवास, गौरव मित्तल ने कार्यक्रम को आशीर्वचन दिये। नाट्य महोत्सव का समापन कार्यक्रम 10 मार्च को संपन्न हुआ। कालटी संस्कृत विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. धर्मराज अडाट, समापन समारोह के मुख्यातिथि रहे। मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अवर सचिव श्री श्रीपति कार्यक्रम को आशीरवचन दिये। परिसर द्वारा प्रदर्शित पूर्वरङ्ग अभिनन्दन के पात्र रहे। नाट्यमहोत्सव में गुरुवायूर् परिसर द्वारा प्रदर्शित नाटक नागानन्दम द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- परिसर का वार्षिक दिवस 28 मार्च सन् 2019 को मनाया गया। श्री अमित चक्कालक्कल, (फिल्म अभिनेता) कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिया गया।

संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान माला

व्याकरण विभाग

व्याकरण विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 25 मार्च, 2019 को किया गया। "विभक्त्यार्थ विचार:" संगोष्ठी का विषय था। प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, सेवानिवृत्त कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति संगोष्ठी के उद्घाटक एवं मुख्यातिथि रहे। प्रो. कृष्णकुमार, सेवानिवृत्त सर्कारी संस्कृत महाविद्यालय, त्रिप्पूणित्तरा, विशिष्ट व्याख्यान

प्रस्तुत किय। "ज्ञानार्थ विमर्श:" इस विषय पर मुख्यातिथि ने भाषण प्रस्तुत किये। प्रो. सि.एच्च.एल.एन. शर्मा, संगोष्ठी के अध्यक्ष रहे। प्रो. सि.एल. सिसिलि. व्याकरण विभागाध्यक्ष संगोष्ठी के संयोजिका रहीं।

न्याय विभाग

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27 मार्च सन् 2019 को आयोजित किया गया। संगोष्ठी का विषय रहा न्यायवैशिषकदर्शनया: प्रेमेयविचार:। प्रो. चक्रवर्ती रंगनाथ, तिरुपति संस्कृति विद्यापीठ संस्कृत विभाग, संगोष्ठी के उद्घाटक रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल.एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। परिसर न्याय विभाग अध्यक्ष डॉ. एन.आर. श्रीधरन एवं डॉ. शम्भू शरण तिवारी संगोष्ठीके संयोजक एवं संचालक रहे।

ज्योतिष विभाग

28 मार्च सन् 2019 को ज्योतिष विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटक रहे प्रो. ए.पि. सच्चिदानन्द (प्राचार्य रा.सं.सा. शृगेरी परिसर)। संगोष्ठी का विषय था जातकफलचिन्तने "राशि-क्रहस्वरूपयो: उपयोगिता"।

28 मार्च सन् 2019 विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। प्रो. ए.पि. सच्चिदानन्दन (प्राचार्य रा.सं.सं. शृगेरि परिसर) "कालाकलनं" विषय पर मुख्यातिथि द्वारा विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

साहित्य विभाग

साहित्य विभाग द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सन् 2019 मार्च 26, 27 तारीख को किया गया। श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय कालटी, संस्कृत विभाग आचार्य प्रो. पी.वि. नारायण विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. एस. राधा, (सेवानिवृत्त आचार्या, रा.सं.सं. शृंगेरी परिसर) ने किया। संगोष्ठी का विषय रहा "आधुनिक संस्कृत काव्येषु रस तत्त्वनिवेश:"। प्रो. नागराज राव संगोष्ठी के मुख्यातिथि एंव उद्घाटक रहे।

आधुनिक विभाग

आधुनिक विभाग का राष्ट्रीय संगोष्ठी मार्च 28 तारीख सन् 2019 को सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय रहा शारीरिक क्षमता का महत्त्व। संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे डॉ. बिपिन जी, सहायक अध्यापक (शारीरिक शिक्षा विभाग, श्री केरलवर्मा कॉलेज)। डॉ. जोर्ज अलक्स (विभागाध्यक्ष सेट थोमस कॉलेज) ने "Terrorism in the Historical Perspective" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। प्रो. एस.वि.आर. मूर्ति आधुनिक विभागाध्यक्ष संगोष्ठी के संयोजक रहे।

शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा द्विदीवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सन् 2018, नवम्बर 10, 11, 12 तारीख को किया गया। संगोष्ठी का विषय था 'New Trends in Sanskrit Education', प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा, कुलपति रा.सं.वि. तिरुप्पति संगोष्ठी के उद्घाटक रहे। मुख्यातिथि द्वारा Quality in Sanskrit Training, विषय पर विशिष्ट व्याख्यन प्रस्तुत किये।

यूथ दिवस के दौरान 11 जनवरी 2019 एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. एम.ए. बाबु संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे।

वेदान्त विभाग

वेदान्त विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सन् 2019, मार्च 28 को किया गया। डा. दिनेश पी. रसाल ने (सहायक आचार्य, पूणे विद्यापीठ) "मोक्ष स्वरूपम्" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। सावित्री बाई फूले (सहायक आचार्य, पूणे विद्यापीठ) संगोष्ठी की मुख्यातिथि रहीं। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय रहा "आत्मस्वरूपम्"। डा. आर. प्रतिभा, परिसर वेदान्त विभाग अध्यक्षा कार्यक्रम की संयोजिका रही। श्रीमती राधिका पी.आर. वेदान्त अध्यापिका और डॉ. षिन्टे मनोज कार्यक्रम के संचालक रहे। इस संगोष्ठी में पचास से अधिक शोधप्रबन्ध प्रस्तुत किये गये।

प्रतियोगिताएँ

अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा संगम 2018-19

बारहवीं अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा संगम का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान तिरुपति विद्यापीठ में सन् 2019 फरवरी 4 तारीख से फरवरी 7 तारीख तक किया गया। संस्कृत साहित्य एवं संस्कृत शास्त्रीय अध्ययन के प्रचार प्रसार में समर्पित वाग्वर्द्धिनी परिषद संगठन के नेतृत्व में हर साल इसका आयोजन, विद्यार्थी विकास आयोजन के तहत किया

जाता है। गुरुवायूर परिसर से 14 विद्यार्थीयों के दल विभिन्न संस्कृत प्रतियोगिताओं में भाग लिया। परिसर के अध्यापक – डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन (सहायक अध्यापिका, व्याकरण विभाग), श्री धनेश पि.वी. (योगाध्यापक-संविदा), ने बच्चों का अनुगमन किया। विष्णुदास (आचार्य द्वितीय वर्ष) एक पात्राभिनय में दूसरा स्थान, श्रीनाथ (आचार्य द्वितीय वर्ष, वेदान्त) संस्कृत गीत द्वितीय स्थान प्राप्त किये। परिसर द्वारा प्रदर्शित नागानन्दं नाटक को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। रुद्रा, सूर्यगायत्री, गायत्री कृष्णदास, रेश्मा के, आर्या शंकर, मीरा ऐ. जे., दुर्गा एस. नम्पूतिरी, ऋषिकेश टि.एस., ग्रीष्मा एम.एस. विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिये।

अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता

57वाँ अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता सन् 2019 18 जनवरी 6 से 9 जनवरी तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में चलाई गयी। इसके राज्यस्तरीय स्पर्धाओं का आयोजन परिसर में 12 नवंबर सन् 2018 को किया गया था। इन स्पर्धाओं में से योग्य 10 बच्चों को चुना गया और ये बच्चे शास्त्र विषय में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। डॉ. ई.पि. श्रीदेवी (सहाचार्य, साहित्य विभाग), डॉ. शम्भू शरण तिवारी (अतिथि अध्यापक, न्याय) बच्चों के साथ अनुगमन किये। वसुधा नीलमना, (भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पिलात्तरा), अमलदास पि (एस.एस.यु. एस.आर.सि., पय्यन्नूर), अञ्जना एस् (सरकारी संस्कृत महाविद्यालय, तिरुवनन्तपुरं), मंञ्जु टि.जि. (सरकारी संस्कृत महाविद्यालय, त्रिप्पूणित्तरा), श्रुति एं.एस., कीर्त्तना एं.वी. (सरकारी संस्कृत महाविद्यालय, पट्टाम्बी), वीणा चन्द्रन्, ग्रीष्मा एंस., ऋषिकेश टि.एस., अलकनन्दा के.एस., अखिल एस.वर्मा, अनिल चन्द्रन, शिल्पा पि., ग्रन्थी वि. लक्ष्मी कीर्त्तिसुधा विभिन्न शास्त्र प्रतियोगिताओं में भाग लिए। कुमारी वीणा चन्द्रन, वेदन्त भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

रिफ्रेशर कार्सेस एवं ओरिएन्टेशन कार्यक्रम

डॉ. ओ.आर. विजयराघवन (न्यायविभाग) और डॉ. नन्दकिशोर तिवारी व्याकरण विभाग तिरुपति में चले गये रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिए।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	–	04
उत्तर प्रेषित	–	04

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री शिवचरण-माथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्वनिदेशक) के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13-05-1983 को परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिये प्रयासरत यह जयपुर-परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अपना 35 वाँ वार्षिक समारोह समाज के विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति में आयोजित कर गौरव का अनुभव कर रहा है। इस सत्र में यह संस्थान न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है अपितु छात्र संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ है।

2. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदय के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्यायपीठ, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त हमारा यह परिसर शोभायमान है। नूतनभवन निर्माण की स्वीकृति भी प्राप्त है। जिसका शिलान्यास शीघ्र होगा।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय
1.	साहित्य
2.	व्याकरण
3.	ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष)
4.	धर्मशास्त्र
5.	जैनदर्शन
6.	सर्वदर्शन
7.	वेद
8.	शिक्षाशास्त्र
9.	शिक्षाचार्य
10.	विद्यावारिधि
11.	योग एवं आयुर्वेद

4. सत्र 2018-19 में भौतिक विकास कार्य

- परिसर के आवासीय एवं गैर आवासीय भवन के बाहरी रंग रोगन के लिए संस्थान मुख्यालय द्वारा 26,86,300 रूपये की स्वीकृत राशि से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा सौन्दर्यीकरण का कार्य किया गया।
- सशक्त भारत अभियान के अन्तर्गत सर्वजनोपयोगी प्रसाधनों का निर्माण, दिव्यांग जनों के अनुकूल रैम्प एवं फर्श पर टैक्टाईल के पथ का निर्माण, लिफ्ट स्थापना इत्यादि कार्यों के लिए संस्थान मुख्यालय द्वारा 34,08,000 रूपये की स्वीकृत राशि से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य किया गया।
- पेवर ब्लॉक्स् द्वारा सम्पूर्ण परिसर में आवागमन पथ का पुनरुद्धार करने के लिए संस्थान मुख्यालय द्वारा स्वीकृत 34,39,100 की राशि से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य किया गया।
- परिसर के क्रीडांगण में बैडमिन्टन एवं लॉन टेनिस कोर्ट के विकास के लिए संस्थान मुख्यालय द्वारा स्वीकृत 20,05,700 की राशि से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य किया गया।
- परिसर में बहूद्देश्यीय भवन के निर्माण हेतु संस्थान मुख्यालय द्वारा 34,49,50,276 रूपये स्वीकृत किये गये, जिसमें से 10,84,42,500 रूपये की राशि निर्गत की जा चुकी है। उक्त कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा

किया जाना प्रक्रियाधीन है।

- सत्र 2018-19 के दौरान राजस्थान-प्रदेश एवं देश के अन्य राज्यों में स्थानीय लोक सेवा आयोग एवं अध्ययन बोर्ड महाविद्यालय एवं विद्यालय शिक्षा में शिक्षक के रूप में लगभग 200 छात्र-छात्राओं का चयन सेवा के लिए किया गया है। अनेक विद्यार्थियों ने यू.जी.सी. नेट एवं जे. आर. एफ्. की परीक्षा भी उत्तीर्ण की है।
- Government e market (GEM) के माध्यम से खरीद प्रक्रिया एवं P.F.M.S. (Public Finance Management System) के माध्यम से सभी प्रकार के भुगतान अनिवार्य रूप से किये जा रहे हैं।

5. सत्र 2018-19 में आयोजित कार्यक्रम

1. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21.06.2018
2. कविसन्धि -22.06.2018
3. बहूद्देश्यीय नूतन भवन के लिए शिलापूजन 06.07.2018
4. भाषाबोधन वर्ग कार्यशाला - 09.08.2018 से 31.08.2018 तक
5. स्वतन्त्रता दिवस - 15.08.2018
6. संस्कृत सप्ताह - 23.08.2018 से 27.08.2018 तक
7. संस्कृत कवि सम्मेलन -27.08.2018
8. राष्ट्रिय क्रीडा दिवस - 29.08.2018
9. शिक्षक दिवस - 05.09.2018
10. यू.जी.सी.निरीक्षण (मुक्त स्वाध्याय केन्द्र) - 05.09.2018
11. हिन्दी पखवाडा - 14.09.2018 से 01.10.2018 तक
12. गांधी जयन्ती और स्वच्छता स्पर्धा - 02.10.2018
13. राजस्थान राज्य स्तरीय प्रतियोगिता - 29.10.2018 से 30.10.2018 तक
14. ज्योतिष विभागीय व्याख्यानमाला - 31.10.2018
15. राष्ट्रिय एकता दिवस - 31.10.2018
16. जागरूकता सप्ताह - 31.10.2018 से 04.11.2018
17. व्याकरण शास्त्रार्थ प्रशिक्षण - 26.12.2018 से 04.01.2019 तक
18. परीक्षा-परिचर्चा - 29.01.2019
19. युवसप्ताह - 11.01.2019 से 13.01.2019 तक
20. सद्भावना यात्रा - 13.01.2019
21. युवा संसद् - 18.01.2019
22. वार्षिक क्रीडा स्पर्धा - 29.01.2019 से 02.02.2019 तक
23. अखिल भारतीय प्रतिभा पुरस्कार, तिरुपति - 06.02.2019 से 08.02.2019 तक
24. वसन्त पंचमी - 10.02.2019
25. ज्योतिष विभाग की संगोष्ठी- 11.02.2019-12.02.2019
26. व्याकरण विभाग की संगोष्ठी- 18.02.2019-19.02.2019
27. साहित्य विभाग की संगोष्ठी- 20.02.2019-21.02.2019
28. अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषादिवस: - 21.02.2019
29. जैन दर्शन और सर्वदर्शन विभाग की संगोष्ठी- 26.02.2019-27.02.2019
30. वेदविभाग की संगोष्ठी - 27.02.2019
31. आधुनिक विभाग की संगोष्ठी - 28.02.2019 से 01.03.2019 तक
32. सरस्वती मूर्ति स्थापना - 04.03.2019
33. पालि-प्राकृत साहित्य में विशिष्ट राष्ट्रीय संगोष्ठी - 05.03.2019 से 06.03.2019 तक
34. नाट्य महोत्सव में प्रस्तुति - 08.03.2019 से 10.03.2019 तक
35. राष्ट्रिय सेवा योजना - 13.03.2019 से 19.03.2019 तक
36. शिक्षाशास्त्र विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी - 26.03.2019

से 27.03.2019 तक

37. धर्म शास्त्र विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी – 26.03.2019 से 27.03.2019 तक

6. प्रमुख गतिविधियों का विवरण

- **अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस** – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के जयपुर परिसर में योग एवं आयुर्वेद विभाग के शिक्षक डॉ. नवनीत कुमार के निर्देशन में दिनांक 21.06.2018 को प्रात:कालीन योग सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में आयुष मन्त्रालय के दिशा निर्देशानुसार प्रत्येक योगासन का विधिवत् अभ्यास किया गया। कार्यक्रम में परिसरीय शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के साथ साथ बडी संख्या में परिसर के निकट के जन सामान्य ने बडे ही उत्साह से प्रतिभाग किया।
- **कवि सन्धि** – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के जयपुर परिसर में 22 जून, 2018 का साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कवि सन्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आचार्य हरिराम आचार्य ने अपनी मौलिक कविताओं का पाठ किया।
- **बहूद्देश्यीय भवन के लिए इष्टिका पूजन** – 06 जुलाई, 2018 को संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने बहूद्देश्यीय भवन के लिए इष्टिका पूजन किया। इस अवसर शिक्षा शास्त्र विभाग की वार्षिक पत्रिका 'शिक्षासन्देश' का विमोचन भी किया गया।
- **भाषाबोधन वर्ग** – शिक्षाशास्त्र विभाग में 09 अगस्त, 2018 से 21 अगस्त, 2018 तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 21 दिवसीय भाषाबोधन वर्ग का आयोजन किया गया। वर्ग में कुल 96 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। समापन समारोह में राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभाग के जयपुर सम्भाग के प्रमुख डॉ. कमल चोटिया मुख्यातिथि के रूप में मंचासीन रहे।
- **स्वतन्त्रता दिवस** – 15 अगस्त, 2018 को 72वां स्वतन्त्रता दिवस सोल्लास मनाया गया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य ने राष्ट्र ध्वजारोहरण किया। तत्पश्चात् प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा के संयोजन में परिसर के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- **संस्कृत सप्ताह** – अगस्त 23 से 27 तक परिसर में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. दयानन्द भार्गव, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. जगत्नारायण पाण्डेय और अध्यक्ष के रूप में प्रो. अर्कनाथ चौधरी मंचासीन रहे। महोत्सव में विद्यार्थियों के लिए संस्कृत गीत, भाषण, प्रश्नोत्तरी आदि आठ स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमें 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग ग्रहण किया। समापन समारोह में राजस्थान संस्कृत अकादमी की डॉ. जया दवे, राष्ट्रपति सम्मानित विद्वान देवर्षि कलानाथ शास्त्री, राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी डॉ. ब्रजभूषण शर्मा एवं परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी उपस्थित रहे।
- **संस्कृत कवि गोष्ठी** – संस्कृत सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर आकाशवाणी, जयपुर के सौजन्य से संस्कृत कवि गोष्ठी का आयोजन एवं प्रसारण किया गया, जिसमें प्रो. हरिराम आचार्य, प्रो. रामकुमार शर्मा, डॉ. प्रवीण पण्ड्या, डॉ. उमेश नेपाल आदि कवियों ने प्रतिभाग किया। सप्ताह का संयोजन डॉ. कुलदीप शर्मा और डॉ. नमिता मित्तल ने किया।
- **शिक्षक दिवस** – 05 सितम्बर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन् के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में परिसर के हिन्द केसरी सभागार में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. चौधरी के अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रो. सोहन लाल पाण्डेय, प्रो. वाई.एस.रमेश, प्रो. सन्तोष मित्तल एवं प्रो. फतह सिंह वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीना तिवारी ने किया।
- **यू.जी.सी. दल का निरीक्षण** – शिक्षक दिवस के दिन ही यू.जी.सी. के निरीक्षण दल द्वारा परिसर के मुक्त स्वाध्याय केन्द्र का निरीक्षण किया गया। इस दल में प्रो. वी.पी.रूपम्, प्रो. चन्द्रकान्त शुक्ल, प्रो. मंजूषा शर्मा एवं श्रीमती रितु ऑबेराय सम्मिलित थे। स्वाध्यायकेन्द्र के समन्वयक प्रो. श्रीधर मिश्र ने निरीक्षण समिति को स्वाध्याय केन्द्र की गतिविधियों से परिचित करवाया। इस अवसर पर समिति के सहयोग के लिए मुक्त स्वाध्याय पीठ के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय भी उपस्थित रहे।
- **हिन्दी पखवाडा** – 14 सितम्बर, 2018 से परिसर में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर

विद्यार्थियों के लिए सात शैक्षणिक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। पक्ष के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त हास्य कवि श्री संजय झाला ने परिसर में उपस्थित हो कर हिन्दी भाषा में अपनी हास्य कविताओं के माध्यम से मनोरंजन के साथ समाजोत्थान का सन्देश भी दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेखा पाण्डेय, डॉ. सुभाष एवं डॉ. रेखा शर्मा द्वारा किया गया।

- **गांधी जयन्ती एवं स्वच्छता पखवाडा** – राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में परिसर में स्वच्छता पखवाडे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक डॉ. दिनेश यादव के संयोजन में छात्रावास में स्वच्छता स्पर्धा का आयोजन भी करवाया गया। पक्ष में अन्यान्य दिनों में परिसर के प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने परिसर के साथ साथ आस पास की कच्ची बस्तियों में जाकर भी स्वच्छता के लिए सेवा कार्य किया।
- **व्याकरण शास्त्र प्रशिक्षण** – शीतावकाश में 26 दिसम्बर, 2018 से 04 जनवरी, 2019 तक व्याकरण शास्त्र के चयनित विद्यार्थियों के लिए विभागाध्यक्ष प्रो. शिवकान्त झा के संयोजन में विशेष उच्चस्तरीय शास्त्र प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. श्रीधर मिश्र, प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय, प्रो. किशोर पाढी एवं डॉ. मधुकेश्वर भट्ट ने प्रशिक्षक के रूप में दायित्व निर्वाह किया।
- **परीक्षा परिचर्चा** – 29 जनवरी, 2019 को हिन्द केसरी सभागार में भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गये छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इसके बाद परिसर प्राचार्य प्रो. चौध री ने भी परीक्षा की तैयारी की दृष्टि से छात्रों का मार्गनिर्देशन किया।
- **ज्योतिष विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – 11 एवं 12 फरवरी, 2019 को भुवनकोश विमर्श जैसे पाँच विषयों पर ज्योतिष विभाग द्वारा राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जम्मू परिसर के प्राचार्य प्रो. वासुदेव शर्मा, संस्थान के परीक्षा नियन्त्रक प्रो. ईश्वर भट्ट, तिरुपति विद्यापीठ के प्रो.ए.श्रीपादभट्ट और जयपुर से आचार्य रामपाल शास्त्री आमन्त्रित विद्वान के रूप में उपस्थित हुए। संगोष्ठी में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।
- **व्याकरण विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – 18 एवं 19 फरवरी, 2019 को व्याकरण विभाग द्वारा 'व्याकरण शास्त्र में वृत्ति विमर्श' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विशिष्ट आमन्त्रित विद्वानों में दरभंगा से प्रो. सुरेश्वर झा, बनारस से प्रो. भगवत् शरण शुक्ल एवं दिल्ली से प्रो. जयकान्त सिंह उल्लेखनीय हैं।
- **साहित्य विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – 20 एवं 21 फरवरी, 2019 को साहित्य विभाग द्वारा 'साहित्य शास्त्र में वृत्ति विमर्श' विषय पर दरभंगा से प्रो. विश्राम तिवाडी, जयपुर से प्रो. जगत्नारायण पाण्डेय एवं से भोपाल से सनन्दन कुमार त्रिपाठी आमन्त्रित विद्वानों में प्रमुख रहे। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. रामकुमार शर्मा ने किया।
- **जैन दर्शन एवं सर्वदर्शन विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – 26 एवं 27 फरवरी, 2019 को संयुक्त रूप से जैन दर्शन एवं सर्वदर्शन विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी साधु भद्रेश दास महाराज (निदेशक, अक्षरधाम मन्दिर, नव देहली), जयपुर से प्रो. वैद्यनाथ झा, गाजियाबाद से प्रो. नरेन्द्र कुमार जैन एवं बनारस से प्रो. प्रद्युम्न शाह आमन्त्रित विद्वानों में प्रमुख रहे।
- **वेद विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – 27 फरवरी, 2019 को 'वैदिकवाङ्मयेषु रुद्रदेवताया: स्वरूपम्' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें आमन्त्रित विद्वानों में नई दिल्ली से प्रो. लक्ष्मीश्वर झा और प्रो. मनोज कुमार मिश्र एवं जयपुर से लम्बोदर मिश्र उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संचालन डॉ. धर्मेन्द्रकुमार पाठक ने किया।
- **आधुनिक विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – परिसर के आधुनिक विभाग द्वारा 28 फरवरी, 2019 से 01 मार्च, 2019 को हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर एवं शारीरिक शिक्षा विषयों में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आमन्त्रित विद्वानों में कोटा से प्रो. नरेश दाधीच, गुरुग्राम से प्रो. संजीव भानावत, जयपुर से प्रशासनिक अधिकारी श्री बृजमोहन मीना, प्रो. मीनू दवे, डॉ. मदनमोहन अग्रवाल, प्रो. ओम प्रकाश भडाना, प्रो. परमजीत सिंह, डॉ. प्रियंकाचौधरी, डॉ. राजुल भार्गव और प्रो. बी.एम.शर्मा प्रमुख रहे।
- **धर्मशास्त्र विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – धर्मशास्त्र

विभाग द्वारा 26 एवं 27 मार्च, 2019 को 'स्मृतिग्रन्थेषु शिक्षाव्यवस्था' शीर्षक पर आयोजित संगोष्ठी में जयपुर से डॉ. कमलनयन शर्मा, प्रो. भगवान सहाय शर्मा और प्रो. राजेन्द्रशर्मा प्रमुख रहे। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. भगवती सुदेश ने किया।

- **शिक्षाशास्त्र विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी** – 'संस्कृतशिक्षा व्यावसायिकता च' विषय पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 26 एवं 27 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आमन्त्रित विद्वानों में तिरुपति से प्रो. रविशंकर मेनन्, लखनऊ से प्रो. लोकमान्य मिश्र, नई दिल्ली से डॉ. श्वेता गुप्ता विशेष वक्ताओं में प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। संगोष्ठी में 70 प्रतिभागियों ने उपस्थित होकर प्रस्तुत विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. सोहन लाल पाण्डेय ने किया।
- **विशिष्ट राष्ट्रीय संगोष्ठी** – पालि एवं प्राकृत 05 एवं 06 मार्च, 2019 को 'पालि प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमन्त्रित विद्वानों में दिल्ली से प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री, जयपुर से पद्मभूषण देवेन्द्रराज मेहता, अलीगढ़ से प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा, करौली से श्री सुधांशु कासलीवाल, नागपुर से प्रो. भागचन्द भास्कर और उदयपुर से प्रो. प्रेम सुमन जैन उपस्थित हुए। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. अर्कनाथ चौधरी एवं संयोजक जैन दर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई रहे।
- **अखिल भारतीय संस्कृत नाट्य महोत्सव** – 08–10 मार्च, 2019 को गुरुवायूर परिसर में आयोजित 16वें अखिल भारतीय नाट्य महोत्सव में परिसर की ओर से वेणीसंहार नाटक की प्रस्तुति की गई, जिसे अखिल भारतीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ आहार्य का पुरस्कार मिला। पात्रों में शुभम शर्मा प्रथम, शिवनारायण मिश्र द्वितीय एवं सविन कुमार तृतीय स्थान पर पुरस्कृत रहे। नाट्य निर्देशन डॉ. किशोर कुमार दलाई ने किया।
- **अखिल भारतीय शलाका परीक्षा शास्त्रीय भाषण स्पर्धा** – 06–09 जनवरी, 2019 अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित 57वीं अखिल भारतीय शलाका परीक्षा शास्त्रीय भाषण स्पर्धा में परिसर के व्याकरण, साहित्य आदि शास्त्रीय विषयों में परिसर के विद्यार्थियों ने 05 स्वर्ण पदक, 04 रजत पदक और 01 कांस्य पदक प्राप्त कर राजस्थान राज्य को द्वितीय स्थान प्राप्त करवाया।
- **अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा समारोह, तिरुपति** – 04–07 फरवरी, 2019 तक तिरुपति में आयोजित संस्कृत प्रतिभा समारोह में परिसर के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में छात्र दीपक कुमार चौधरी और देवांग भट्ट ने अलग अलग स्पर्धाओं में 04 स्वर्ण पदक प्राप्त किये।
- **राष्ट्रिय सेवा योजना शिविर** – दिनांक 13.03.2019 से 19.03.2019 तक परिसर में राष्ट्रिय सेवा योजना (छै) का शिविर आयोजित किया गया। शिविर के प्रभारी के रूप में प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा एवं संयोजक के रूप में डॉ. शीशराम ने दायित्व निर्वाह किया। डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. हरि ओम शर्मा, डॉ. कैलाश सैनी, डॉ. विजय कुमार दाधीच एवं डॉ. दिनेश यादव ने शिविर के आयोजन में सहयोग दिया। शिविर में स्वैच्छिक रूप से 50 से अधिक छात्र–छात्राओं ने स्वयं सेवा का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- **प्रकाशित पत्रिकाओं का लोकार्पण** – इस वर्ष परिसर के सर्वदर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. वैद्यनाथ झा की सेवानिवृत्ति के अवसर पर परिसर की वार्षिक पत्रिका 'जयन्ती' का लोकार्पण किया गया। इस वर्ष यह पत्रिका प्रो. झा के अभिनन्दन ग्रन्थ के रूप में प्रकाशित हुई है। बहूद्देश्यीय भवन के इष्टिका पूजन कार्यक्रम के दौरान शिक्षाशास्त्र विभाग की वार्षिक शोध पत्रिका 'शिक्षासन्देश' का भी लोकार्पण हुआ।
- **बाह्य संस्थाओं को सहयोग** – इस वर्ष परिसर के अनेक शिक्षकों ने बाह्य संस्थाओं को शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया है। प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी गुजरात में सन्तश्री मोरारी बापू के सान्निध्य में 12 से 14 सितम्बर, 2018 तक आयोजित संस्कृत सत्र में चरक–आयुर्विज्ञान विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। पं.मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ज.व्या.विश्वविद्यालय, जोधपुर में वेद का स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इसी प्रकार प्रो. वाई.एस.रमेश, प्रो.रामकुमार शर्मा, प्रो. श्रीधर मिश्र, प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय आदि शिक्षकों ने राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रायोजित अन्त:सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित

होकर सन्दर्भ संसाधक व्यक्ति के रूप में विशिष्ट व्याख्यान दिये। इसी क्रम में डव्ब्े योजना के अन्तर्गत डॉ. शीशराम एवं डॉ. कुलदीप शर्मा ने श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में उपस्थित होकर विशिष्ट शैक्षिक विषयों पर विडियो रिकॉर्डिंग करवाई।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	03
उत्तर प्रेषित	-	03

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा वर्ष 1986 में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में लखनऊ में स्थापित हुई। वर्ष 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। वर्ष 2012 में संस्थान को राष्ट्रिय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन संस्थान (नैक) द्वारा ए श्रेणी से सुशोभित किया गया। संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था है। लखनऊ परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्ध दर्शन, शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०) में स्थित है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक-पृथक आवास की व्यवस्था है। लखनऊ परिसर अन्य शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य विद्या का भी केन्द्र है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्मसमन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र के इस नगर में इस तरह के संस्कृत संस्थान का होना विशिष्ट महत्व रखता है। परिसर का विस्तार 10 एकड़ भूमि पर है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

1. प्राक्शास्त्री
2. शास्त्री
3. आचार्य
4. शिक्षाशास्त्री
5. विद्यावारिधि

शास्त्रीय विषय-

1. नव्यव्याकरण
2. प्राचीन व्याकरण
3. साहित्य
4. सिद्धान्त ज्योतिष
5. फलित ज्योतिष
6. बौद्ध दर्शन
7. वेद
8. शिक्षाशास्त्र

आधुनिक विषय-

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. राजनीतिक विज्ञान
4. अर्थशास्त्र
5. कम्प्यूटर

मुक्तस्वाध्याय पीठीय पाठ्यक्रम-

1. प्राकशास्त्री सेतु
2. प्राकशास्त्री
3. शास्त्री सेतु
4. शास्त्री
5. आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष)
6. आचार्य (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष)

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम-

1 पाली
2. प्राकृत

3. भोट भाषा

4. ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम

परिसरीय विविध कार्यक्रम 2018-19

परिसर के वर्तमान सत्र का सत्रारम्भ कार्यक्रम

दिनांक 20.06.2018 से परिसर के वर्तमान सत्र का आरम्भ हुआ।

परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, जो कि निम्नलिखित हैं-

1. योग दिवस दिनांक 21.06.2019, विशिष्ट अतिथि लूसी गेष्ट।
2. वित्तीय जागरूकता कार्यशाला-5.7.2018 विषय- वित्तीय-साक्षरता एवं जागरूकता ।
3. स्वतन्त्रता दिवस सम्बन्धी आयोजन- 15.8.2018।
4. संस्कृत सप्ताह समारोह- 24 से 29 अगस्त 2018 तक, मुख्यातिथि के रूप में श्रुति सादोलिकर कुलपति भातखण्डे संगीत अकादमी, ब्रह्मदेव राम, आई.ए.एस., मीनाक्षी कात्यायन, आईपी.एस, शबीहुल हसनैन, हाईकोर्ट जज उपस्थित थे।
5. 25.8.2018 को यूजीसी टीम ने मुक्तस्वाध्याय पीठम लखनऊ में निरीक्षण किया- जिसमें प्रो. राजेन्द्र प्रकाश गौतम (दिल्ली वि.वि., प्रो. अंजलि वाजपेई (का.हि.वि. वि.) डॉ. एम. गोपू कुमार (संयुक्त सचिव यू.जी.सी.)।
6. हिन्दी दिवस एवं पखवाड़ा- 14 से 28 सितम्बर, 2018, मुख्यातिथि- प्रो. अलका पाण्डेय, ल.वि.वि.।
7. सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 - दिनांक 29.10. 2018 से 3.11.2018 तक मनाया गया।
8. श्रमदान कार्यक्रम- 8 से 11 नवम्बर 2018.।
9. राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता - 17-11-18 से 18-11-18 तक। परिसरीय प्रथम पुरस्कार प्राप्त वाक्स्पर्धा छात्र- व्याकरण में प्रथम- अंकित (आचार्य प्रथम), ज्योतिष में प्रथम- रुद्रनारायण (ज्यो. आचार्य द्वितीय), सांख्य में प्रथम- सत्यम (शास्त्री तृतीय) धातुपाठ में प्रथम हरिओम शुक्ला (शास्त्री प्रथम), न्याय में प्रथम नागेन्द्र (शास्त्री तृतीय), ज्योतिष शलाका में प्रथम- आनन्द पाठक (ज्यो. आचार्य-द्वितीय), वेदान्त भाषण में प्रथम-रितिक (शा.- तृतीय), प्रश्नमंच में प्रथम अंकित (आचार्य-प्रथम व्याकरण)। निर्णायक के रूप में प्रो. सुरेन्द्रपाठक, डॉ. रासमलाही द्विवेदी (लालबहादुरशास्त्रीविद्यापीठ), डा. प्रयाग नारायण मिश्र (लखनऊ विश्वविद्यालय)।
10. अगरतला में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा धातुपाठ में स्वर्णपदक लखनऊ परिसर के हरिओम शुक्ला (शास्त्री प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया।
11. अखिल भारतीय पालि-संस्कृतच्छाया-संशोधन-सम्पादन-कार्यशाला-राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर में दिनांक 02.12.2018 से 08.12.2018 तक अखिल भारतीय पालि-संस्कृतच्छाया-संशोधन-सम्पादन-कार्यशाला पालि अध्ययन केन्द्र में आयोजित हुई। इस कार्यशाला में नव नालन्दा महाविहार से प्रो. उमाशंकर व्यास, प्रो. रामनक्षत्रप्रसाद, काशी से प्रो. जानकी प्रसाद द्विवेदी, कुरुक्षेत्र से प्रो. धर्मचन्द्र जैन आदि विद्वान् उपस्थित हुए। इस कार्यशाला में पालि संस्कृतछाया संशोधन कार्य सम्पन्न हुए। इस कार्यशाला के संयोजक डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी थे।
12. विश्व हिन्दी दिवस- 10 जनवरी 2019 को परिसर में मनाया गया।
13. वित्तीय जागरूकता कार्यशाला- 15.1.2018 को परिसर में आयोजित हुई।
14. मतदाता दिवस- 25.1.2019। राष्ट्रिय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा परिसरीय सदस्यों द्वारा- 25.1.2019 - भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शपथ।
15. 26 जनवरी, 2019 गणतन्त्र दिवस का आयोजन एवं शोभा यात्रा सम्पन्न हुई।
16. प्रधानमंत्री का 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम- 29.1.2019 को परिसरीय छात्रों को प्रदर्शित किया गया।
17. शहीद दिवस का आयोजन- 30.1.2019 को किया गया।
18. राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस/सप्ताह- 12 फर. से 19 फर. 2019, अध्यक्षता- प्रो. रामलखन पाण्डेय।
19. 16.2.2019 से वार्षिक शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका संयोजकत्व डॉ. जगन्नाथ झा ने किया।
20. 2019-19 सत्र की वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

21. अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी 2019 को मनाया गया।

22. सप्तदिवसीय शिविर रा.से.यो. इकाई (1+2) 26.2.19 से 4.3.19, कार्यक्रम अधिकारी- डॉ. पवन कुमार, डॉ. एस.पी. सिंह, मुख्यातिथि- डॉ. अंशुमालि शर्मा, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, श्री बह्मदेव राम त्रिपाठी, श्री रामकृष्ण यादव।

23. राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन- 27.2.2019 को किया गया। - विशिष्ट व्याख्यान- दिनांक 01.03.2019 को "भारतीय दर्शनों में वादविधि : बौद्धदर्शन के विशेष परिप्रेक्ष्य में" का आयोजन हुआ। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष प्रो. एस. आर. भट्ट द्वारा किया गया।

24. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन- 8 मार्च, 2019।

25. पोषण पखवाड़ा अभियान/कार्यशाला का आयोजन- 8 मार्च से 22 मार्च, 2019।

26. वेद-व्याकरण विभाग में 24-25 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी सम्पन्न हुई, जिसमें व्याकरण विभाग का विषय "शब्दार्थ सम्बन्ध विचार:" तथा वेद विभाग का विषय "वैदिकावाङ्मये मन्त्रोच्चारणविमर्श:" था।

27. बौद्ध-दर्शन विभाग में 26-27 मार्च 2019 को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "बौद्धदर्शनम् अन्यभारतीय दर्शनश्च" था।

28. आधुनिक विभाग में 26-27 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "21 सदी का भारत" था।

29. साहित्य विभाग में 27-28 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "काव्ये रसादिविचार:" था।

30. ज्योतिष विभाग में 29-30 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "वर्तमान सन्दर्भे ज्योतिषशास्त्रस्य उपयोगिता" था।

31. शिक्षाशास्त्र विभाग में 29-30 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "प्राच्यपाश्चात्यदृष्ट्या शिक्षा" था। का आयोजन हुआ। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष प्रो. एस. आर. भट्ट द्वारा किया गया।

24. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन- 8 मार्च, 2019।

25. पोषण पखवाड़ा अभियान/कार्यशाला का आयोजन- 8 मार्च से 22 मार्च, 2019।

26. वेद-व्याकरण विभाग में 24-25 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी सम्पन्न हुई, जिसमें व्याकरण विभाग का विषय "शब्दार्थ सम्बन्ध विचार:" तथा वेद विभाग का विषय "वैदिकावाङ्मये मन्त्रोच्चारणविमर्श:" था।

27. बौद्ध-दर्शन विभाग में 26-27 मार्च 2019 को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "बौद्धदर्शनम् अन्यभारतीय दर्शनश्च" था।

28. आधुनिक विभाग में 26-27 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "21 सदी का भारत" था।

29. साहित्य विभाग में 27-28 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "काव्ये रसादिविचार:" था।

30. ज्योतिष विभाग में 29-30 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "वर्तमान सन्दर्भे ज्योतिषशास्त्रस्य उपयोगिता" था।

31. शिक्षाशास्त्र विभाग में 29-30 मार्च 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसका विषय "प्राच्यपाश्चात्यदृष्ट्या शिक्षा" था।

प्राध्यापकों की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ - 2018-19

- **प्रो. विजय कुमार जैन**

- विभिन्न राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रिय संगोठियों में व्याख्यान दिये।
- राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, सारनाथ।
- राष्ट्रिय संगोष्ठी, आंवा, राजस्थान।
- अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन बोधगया- 30 जनवरी, 2019
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद- तीन कार्यशलाओं मे व्याख्यान दिए।
- भरतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद संगोष्ठी में एक सत्र

की अध्यक्षता की।

- **प्रो. अवनीश अग्रवाल-**

- केन्द्रीय विद्यालय कैंट लखनऊ प्रतियोगिता में निर्णायक।
- 24 दिसम्बर 2019, ए.पी.सेन मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज लखनऊ में प्राथमिक शिक्षा पर व्याख्यान।
- 12 फरवरी, 2019, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर, लखनऊ में शिक्षा में उत्पादकता एवं गुणवत्ता पर व्याख्यान।
- 28 फरवरी एवं 1 मार्च 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विद्यालय हल्द्वानी द्वारा आयोजित रिफेरसर कोर्स कार्यक्रम अनुसंधान उद्देश्य निर्माण पर व्याख्यान।

- **प्रो. मदनमोहन पाठक, ज्योतिष विभाग**

- दिनांक 4 एवं 5 जनवरी 2019 को श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय वेरावल में मेलापक, अष्टकूट तथा वास्तुविचार विषय पर व्याख्यान दिया। कुलपति प्रो. गोपबंधुमिश्र जी ने सम्मानित किया।
- दिनांक 22 जनवरी 2019 को श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा बिहार में चयन-समिति में योगदान।
- श्रीजगन्नाथपंचांग संवत् 2075 का सम्पादन।
- भास्करोदय संदर्भित ज्योतिष पत्रिका का सम्पादन।
- ज्योतिष-विभाग में ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम का सविधि संयोजन।

- **प्रो0 धनीन्द्र कुमार झा** का स्थानान्तरण अगरता परिसर से लखनऊ में हुआ एवं मार्च मास में आयोजित नाट्योत्सव कुन्दमाला का निर्देशक रहे।

- **डॉ. राम बहादुर दूबे**

- नवम्बर-दिसम्बर 2018 में लखनऊ वि.वि. स्थित एच. आर.डी.सी. से रिफ्रेशर कोर्स।
- 10-11 मार्च, 2019 स्थानीय नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ में आयोजित अन्तार्राष्ट्रिय संगोष्ठी में अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वाह्न किया।

- **डॉ. एस. पी. सिंह**

- 5 सितम्बर, अध्यापक दिवस पर लखनऊ की गुणवत्ता परक संस्था लक्ष्य कैरियर इन्स्टीट्यूट द्वारा पुरस्कृत।
- नवम्बर-दिसम्बर 2018 में लखनऊ वि0वि0 स्थित एच0आर0डी0सी0 से रिफ्रेशर कोर्स।
- मुख्यालय की एम.एस.पी. की एकेडमिक बैठक में सहभागिता की।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के दायित्वों का (दो सत्रों से) निर्वहन।

- **डॉ. नीरज तिवारी**

- ओरियन्टेंसन प्रोग्राम 4 जुलाई से 31 जुलाई 2018 तक लखनऊ विश्वविद्यालय एच.आर.डी.सी द्वारा आयोजित।
- अखिल भारतीय वेद संगोष्ठी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं ब्रह्मदेव विद्यालय वाराणसी तथा सा.वेद.वि.प्र. उज्जैन के सानिध्य में आयोजित आयोजन में पत्र वाचन एवं प्रथम सत्र का संचालन किया।

  विशेष- इस वर्ष नाट्योत्सव में लखनऊ परिसर द्वारा मंचित 'कुन्दमाला' नाटक जिसका मूल लेखन आचार्य दिङ्नाग का है। मंचित नाटक का स्क्रिप्ट प्रो. रामलखन पाण्डेय ने लिखा।

  इस नाटक को संगीत का विशेष पुरस्कार मिला तथा व्यक्तिगत अभिनय में प्रथम- विकास बडौली-राम, द्वितीय- कीर्ति पोरवाल-सीता तथा तृतीय- गुलशन कुमार-विदूषक को पुरस्कृत किया गया।
- सह-संयोजन- डॉ. विचित्ररंजन पण्डा, डॉ. रुद्रनारायण, डॉ. चन्द्रश्री ने किया।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त /उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना पत्र प्राप्त - 06

उत्तर प्रेषित - 06

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अपने अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीव गांधी केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी, संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरामन् के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि) राजीव गांधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केंद्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू 4. 17 करोड़ की लागत से किया गया।

परिसर में वर्तमान सत्र - 2017-18 में कुल 470 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है। यह परिसर श्रद्धेय श्री जगद्गुरू श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरू श्री विधुशेखर भारतीतीर्थ महास्वामीजी और आदरणीय पद्मश्री. डॉ.वी.आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी, एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गांधी परिसर शृंगेरी, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। जिनकी महान उदारता से हमारे परिसर के छात्र छात्राओं का दोपहर शारदा प्रसाद उपलब्ध कराया जाता है।

परिसर की स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी. और शिवमोग्ग जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है। शिवमोग्ग (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए) शास्त्री (बी.ए) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात्, विद्यावारिधि (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, डिप्लोमा, शास्त्री प्रतिष्ठा, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है।

विविध परिषद एवं व्याख्यानमाला छात्र - छात्राओं के शास्त्र कौशल, विविध शैक्षिक सांस्कृतिक प्रतिभा के विकास, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विविध परिषदों का गठन हुआ जिस में वाग्वर्धिनी परिषद, स्पर्धिष्णु परिषद, वाक्यार्थ परिषद और श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यान माला प्रमुख हैं जिनका उद्घाटन कार्यक्रम 30 जुलाई 2018 को आचार्य श्रीपाद भट्ट ज्योतिषविभागाध्यक्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के द्वारा संपन्न हुवा। जिस के विवरण अधोलिखित हैं।

1. वाग्वर्धिनी परिषद् - वाग्वर्धिनी परिषद का गठन छात्र छात्राओं के संस्कृत संभाषण के प्रवीणता और शास्त्र में अध्ययन की पारंगता का अवलोकन करने के लिये किया जाता है। इससे उन्हे स्वतन्त्र रूपमें चिन्तन मनन की प्रेरणा मिलती है। सत्र 2018 -2019 परिषद के समन्वय के रूप में व्याकरण विभाग के डॉ. चन्द्रशेकर भट्ट एवं ज्योतिष विभाग के डॉ. टि मुरलीकृष्ण को नियुक्त किया गया है। श्री अश्विन भट्ट (आचार्य-प्प) एवं कुण्अपेक्षा (आचार्य-प्प) को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। प्रत्येक कक्षा प्रतिनिधि को भी सहयोग हेतु लगाया है।

2. स्पर्धिष्णु परिषद् - इस परिसर का गठन राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय स्तर की विविध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद की प्रतियोगिताओं में स्मृति मेधा विविध कलाओं एवं शारीरिक शक्ति के प्रशिक्षणार्थ छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। शैक्षिक सत्र 2018-2019 के लिए

साहित्य विभाग की डॉ. चन्द्रकला आर. कोंडि एवं ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रदीप शर्मा जी को मार्ग दर्शक बनाया गया। आचार्य द्वितीय वर्ष के हरिप्रसाद, मोहित जोशि आचार्य प्रथम वर्ष के श्री गणेश एवं महेश को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। इस सत्र में विविध स्पर्धाओं का संचालन हुआ, बाह्य संस्थाओं को अनेक प्रतियोगिताओं में परिसर के श्रेष्ठ छात्रों को भेजा गया और संस्था परिसर की विजय वैजयन्ती सहित विविध पुरस्कार अर्जित किये। जिनका संक्षिप्त विविरण इस प्रकार है।

1. दिनांक 8 सितंबर 2018 को शिवमोग्गा नगर में तरुणोदय संस्कृत सेवा संस्था के द्वारा संस्कृत भारती ने आयोजित भाषण प्रतियोगिता में परिसर छात्रो ने प्रथम और चतुर्थ पुरस्कार हासिल कियें।

2. इंडियन डाक्युमेंट्रि द्वारा 27-10-2018 में आयोजित प्रतियोगिता में परिसर छात्रों ने प्रथम पुरस्कार अर्जित किया।

3. 18,19,एवं 20 नवेंबर 2018 को मेलुकोटे में आयोजित राज्यस्तरीय भाषण एवं शलाका स्पर्धा में परिसर छात्रों ने भाग ग्रहण के साथ साथ 5 स्वर्ण्पदक 5 रजतपदक तथा 8 कांस्य पदक प्राप्त किये।

4. परिसर के 22 छात्रों ने महाभारत एवं रामायण परीक्षा में उत्तीर्णता की।

5. दिनांक 24, 25 दिसम्बर 2018 को श्री राजराजेश्वरी संस्कृत महासंस्थानम् स्वर्णवल्ली द्वारा आयोजिताराज्यस्तरीय स्पर्धा में हमारे छात्रों ने सहभागिता कर छः प्रथम पुरस्कार, चार द्वितीय पुरस्कार और चार तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

6. दिनांक 6 से 9 जनेवरी 2019 तक अगरतला स्थित एकलव्य परिसर में आयोजित राष्ट्र स्तर की शास्त्रीय प्रतियोगिता में परिसर के छात्रों ने सहभगिता कर एक प्रथम पुरस्कार, एक द्वितीय पुरस्कार और दो तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर परिसर की यशोवृद्धि की है।

7. तिरुपतिस्थ राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में 4 से 7 फरवरी 2019 तक आयोजित अखिलभारत प्रातिभ समारोह में परिसर छात्रों ने भागग्रहण करते हुए चार स्वर्ण पदक तीन रजत पदक दो कांस्य पदक को अपनाए।

8. जे.सी.बी.एम. महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में परिसर छात्रों ने सहभागिता की तथा डेढ सारे पुरस्कार प्राप्त किये।

9. दिनांक 10 मार्च से 12 मार्च 2019 तक गुरुवायूरु परिसर में आयोजित अंतःपरिसरीय नाट्य महोत्सव में प्रथम पुरस्कार को संरक्षण करने में परिसर के छात्र सफल रहें।

3. वाक्यार्थ परिषद् - इसमें छात्रों प्राध्यापकों एवं विद्वानो में शास्त्रीय तेजास्विता के प्रचार प्रसार एवं संवर्धन हेतु विविध शास्त्रों के निष्णात प्राध्यापक, आचार्य अपने-अपने शास्त्र से सम्बन्धित परम्परागत शैली में वाक्यार्थ प्रस्तुत कर शास्त्र चर्चा करते हैं। इस शैक्षिक सत्र में डॉ. सूर्यनारायण भट्ट एवं डॉ. आर. नवीन जी को इस का समन्वयक बनायें गयें। इस सत्र में हुए वाक्यार्थ परिषद के अधिवेशनों का विवरण निम्नलिखित है-

1. वाक्यार्थ परिषद् का प्रथम अधिवेशन दिनांक 21 अगस्त 2018 को सम्पन्न हुआ जिस की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रोण्एण्पीण्सच्चिदानन्द जी ने की। वाक्यार्थ कर्ता विद्वान एवं उनके विषय का विवरण निम्नवत है ख्र

(a) डॉ. नवीनहोल्ला जी - ईश्वरानुमान

(b) डॉ. चन्द्रशेखरभट्ट जी - स्वरितञ्चितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले

(c) डॉ वेङ्क्टेशताताचार्य जी - अथाऽतो धर्मजिज्ञास

(d) डॉ. मुरलीकृष्ण जी - वृष्टिविज्ञान

2. वाक्यार्थ परिषद् का द्वितीय अधिवेशन दिनांक 24 सितम्बर 2018 को सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता प्रो. सुब्राय वि. भट्ट जी ने की। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

(a) प्रो. सुब्राय वि. भट्ट जी - दर्शपूर्णमासविचार

(b) डॉ. हरिप्रसाद जी - वैय्याक्तिकानुदेशन

(c) डॉ. चन्द्रकला आर. कोण्डी जी - ज्ञानस्य विषयो ह्यन्यः फलमन्यदुदाहृत

(d) डॉ. गणेश ति. पण्डित जी - विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान

(e) डॉ. रमानन्द एन. भट्ट जी - अधिमासक्षयमासमीमांसा

3. वाक्यार्थ परिषद् का तृतीया अधिवेशन दिनांक 26 अक्टूबर 2018 को प्रातः 10:30 बजे शुरु हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्रो. महाबलेश्वर भट्ट जी ने की। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

(a) प्रो. महाबलेश्वर भट्ट जी - आवृत्त्यधिकरण

(b) डॉ. कृष्णानन्तपद्मनाभ जी - अयोगवाहा

(c) वेङ्कटरमण भट्ट जी - शिक्षायां सामाजिकपरिवर्तन

(d) डॉ. विनयकुमार - काव्यमार्गे रसो न गण्यते

(e) डॉ. प्रसाद भट्ट जी - ग्रहण

4. वाक्यार्थ परिषद् का चतुर्था अधिवेशन 28 नवेम्बर 2018 को संपन्न हुआ। जिस के अध्यक्ष डा. राघवेन्द्र भट्ट थे। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है।

(a) डॉ. राघवेन्द्र भट्ट - रससूत्रे नव्यमत

(b) डॉ. सूर्यनारायण भट्ट - फलकामनायामावृत्ति

(c) डॉ. आर. नवीन - नञर्थविचार

(d) डॉ. प्रमोद भट्ट - कर्तृ कर्मणो कृति

(e) डॉ. प्रदीप शर्मा - गर्भ विज्ञान

5. वाक्यार्थ परिषद् का पांचवा अधिवेशन 28 जनेवरी 2019 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्रो. हरिनारायण तिवारी जी ने की। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है।

(a) प्रो. हरिनारायण तिवारी - शब्दार्थ संबंध विचार

(b) डॉ. रामचन्द्रुल बालाजि - स्वलीनता

(c) डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट - परामर्शाधिकरण

(d) डॉ. श्यामसुन्दर - इवपदार्थ् विचार

(e) अरविंद कुमार सोमदत्त - शिक्षायाम् अरविंदस्य योगदान

6. वाक्यार्थ परिषद् का छठा अधिवेशन 25 फरवरी 2019 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्रो. के.ई मदुसूदनन जी ने की। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है।

(a) प्रो. के. ई मदुसूदनन - परामर्श विचार

(b) डॉ. नारायण वैद्य - शिक्षा परामर्श विचार

(c) डॉ. सुदान्शु कुमार नन्दा - विवाह मेलापक विचार

(d) श्री श्रीकर. वि - दीपकालंकार

(e) श्री निरंजन भट्ट - भूमाधिकरण

7. वाक्यार्थ परिषद् का सातवाँ अधिवेशन 14 मार्च 2019 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता डॉ. चन्द्रकांत जी ने की। विद्वान् एवं विषय इस प्रकार है।

(a) डॉ. चन्द्रकांत - लक्षिताधिगमविषेश

(b) डॉ. श्रीकर जि. एन - ज्ञानकर्मणो मोक्षसाधनत्व

(c) डॉ. श्रीनिवास मूर्ति - कादंबरीसंकेत विचार

(e) श्री अरुण भट्ट - अपादानकारक

4. श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला :- इस शैक्षिक सत्र में श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के समन्वयक का दायित्व डाण वेङ्कटरमण भट्ट एवं डॉ. श्रीनिवास मूर्ति जी को दिया गया। जिसके विवरण इस प्रकार है।

1. प्रथम व्याख्यानमाला का उद्घाटन दिनांक 30 जुलाई 2018 को हुआ, जिसमें तिरुपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के आचार्य श्रीपाद भट्ट जी द्वारा ज्योतिष शास्त्र पर व्याख्यान हुआ।

2. द्वितीय व्याख्यान दिनांक 07 सितम्बर 2018 को वेदान्त विषय पर आचार्य शुद्धानन्द पाटक जी द्वारा दिया गया।

3. व्याख्यानमाला का तृतीय अधिवेशन दिनांक 28 सितम्बर 2018 को व्याकरण शास्त्र पर पुरी जगन्नाथ विश्वविद्यालय के आचार्य किशोरचन्द्र पाढी जी के द्वारा सम्पन्न हुआ।

4. चतुर्थ व्यख्यान दिनांक 25 जनेवरी 2019 को तिरुपति के डा. राधागोविंद त्रिपाठी जी ने शिक्षा शास्त्र विषय पर दिया।

5. पाँचवॉ व्याख्यान दिनांक 08 फरवरी 2019 को ब्रह्मश्री नरहरी भट्ट जी ने न्यायशास्त्र ने दिया।

6. शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के छठा और सातवाँ व्याख्यान दिनांक 14, 15 मार्च 2019 को साहित्य एवं मीमांसा शास्त्र के हुए। जिस मे क्रमशः गुरुवायूरु परिसर के प्रो.के.पि केशवन तथा श्री वेङ्कटेश्वर वेद विज्ञान पीठ तिरुपति के प्राचार्य ब्रह्मश्री कुप्पा शिवसुब्रह्मण्य अवधानि के द्वारा संपन्न हुए।

परिसरीय अन्य गतिविधियॉ एवं कार्यक्रम-

1. 21 जून 2018 को परिसर में अंताराष्ट्रीय योग दिवस को मनाया गया। उस अवसर पर उपस्थित मैत्रेयी गुरुकुल के आचार्य उमेश जी ने योग का महत्व बतलाते हुए योगासन की प्रात्यक्षिकता दिखाई।
2. 2 अगस्त 2018 को कार्गिल विजय दिवस के शुभाचरण पर परिसर के डा. हरिप्रसाद जी ने संदर्भोचित व्याख्यान दिया।
3. **संस्कृत उत्सव** - परिसर मे दिनांक 28 एवं 29 अगस्त 2018 को संस्कृत उत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इस का

उद्घाटन परमश्रद्धेय जगद्गुरु श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी के करकमलों द्वारा एवं जगद्गुरू श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी के दिव्य सान्निध्य में हुआ। दोनों जगद्गुरुओं के चरण कमलों एवं उनके अनुग्रह भाषण से परिसर धन्य हो गया। इस उपलक्ष्य में परिसरीय प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा विविध स्पर्धाओं संभाषण शिबिरों का आयोजन हुआ। सभी विद्यालयो में संस्कृत भाषा के व्याख्यान कर संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को गतिप्रदान की गई और विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गया दिनांक 29 आगस्त 2018 को संस्कृत उत्सव का समापन समारोह मना गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री मुद्राडि रमेश उपाध्याय जी ने विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्र-छात्राओं को पुसस्कार प्रदान किया और सारस्वत भाषण से अनुगृहीत किया। अन्त में सफल छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस कार्य क्रम के प्रमुख संयोजकत्व का दायित्व प्रोण्सुब्राय भट्ट जी का था।

4. **स्वतन्त्रता दिवस** - 15 आगस्त 2018 को स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में झंडा रोहण परिसर प्राचार्य प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द जी द्वारा किया गया। प्राचार्य की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई, इस अवसर पर कई प्राध्यापको का छात्रों ने अपने विचारो मे सभा को ऊर्जाप्रदान की। पश्चात् राष्ट्रप्रेम से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजकत्व का दायित्व को डॉ. हरिप्रसाद जी ने निभाया।

5. **शिक्षक दिवस** - शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में श्रीलक्ष्मीनारायण भट्ट निदेशक ज्ञानभारती विद्याकेन्द्र शृंगेरी तथा श्री नागराज अडिग जी मुख्यशिक्षक प्रज्ञाभारती विद्यालय तीर्थहल्लि को सम्मानित किया गया। दोनों ने संस्कृत का महत्व तथा संस्कृत शिक्षक का उत्तरदायित्व का विषय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्रों ने उपाहार के रूप में गुरुजनों को पौधें दियें। जिस कार्यक्रम का संचालन डा. राघवेन्द्र भट्ट तथा डा. नारायण वैद्य जी ने किया था।

6. **हिन्दी दिवस** - परिसर में 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आचरण किया तृषा महाविद्यालय उडुपि के आचार्य श्री सुधाकर जी ने स्पर्धावों में विजेताओं को पुरस्कार देते हुए हिन्दी का महत्व बतलाय। डा. चन्द्रकान्त एवं श्रीमती बबिता बहुगुणा कार्यक्रम के संयोजक थे।

7. **स्वच्छ भारत सप्ताह कार्यक्रम** - इस सत्र में 01-10-2018 से 07-10-2018 तक स्वच्छ भारत सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। गान्धी जयन्ती के उपलक्ष्य में परिसर प्राचार्य के मार्ग निर्देशन में सभी परिसरीय प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने शपथ ग्रहण किया।

8. **कन्नड़ राज्योत्सव** - परिसर मे दिनांक 01 नवम्बर 2018 को कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कन्नड़ साहित्य के प्रसिद्ध विद्वान् श्री नागराज जी ने कन्नड़ भाषा की विशिष्टता को भारतीय संस्कृति से प्रेरित बताकर उसके संरक्षण एवं संवर्धन पर बल दिया। प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये। इस राज्योत्सव के समन्वयक डॉ. नवीन होल्ला और डॉ. कविता एस. जी ने निर्वहन कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

9. **राष्ट्रीय सतर्कता जागृति दिवस** - 29-10-2018 से 03-11-2018 तक - सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन हुआ। इस उपलक्ष्य में दिनांक 29 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रीय सतर्कता जागृति दिवस का परिसर में शपथ ग्रहण किया। इस अवसर पर परिसरीय छात्र-छात्राओं ने विविध स्पर्धाओं का संचालित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य संयोजक डा. कृष्णानंतपद्मनाभं थे।

10. **शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम** - 26 दिसेम्बर 2018 से 04 जनवरी 2019 तक माननीय कुलपती जी के विषेश कृपा से मीमांसा शास्त्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिस मे संस्थान के 14 छात्र/छात्रा लाभान्वित हुए। द्वितीय चक्र का आयोजन मई/जून 2019 किया जायेगा।

11. **गणतंत्र दिवस** - 26 जनेवरी 2019 को परिसर में गणतंत्र दिवस का आचरण किया। श्री डा. वेङ्कटेश तातार्य तथा श्री रामचन्द्र जी ने कार्यक्रम का संयोजन किया था।

12. **मातृभाषा दिवस** - परिसर में 21-02-2019 को

मातृभाषा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया था। डाण हरिप्रसाद जी इस के संयोजक थे।

13. **रामायण पारायण** - 11 से 13 मार्च 2019 तक डा. नवीनहोल्ला जी के मार्गदर्शन में परिसर के सभी छात्रों ने वाल्मीकी रामायण के अखंड पारायण में भागग्रहण लिया।

14. **वार्षिकोत्सव** - परिसर में 13 मार्च 2019 को जगद्गुरू परमश्रद्धेय श्री श्री विधुशेखरभारती महास्वामीजी के दिव्य सानिध्य में भक्ति श्रद्धा से वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रपती पुरस्कार विजेता वेदब्रह्मश्री विनायक उडुपा जी संस्थान के माननीय कुलपती आचार्य श्री परमेश्वर नारायण शास्त्री जी भी उपस्थित होकर परिसर को अनुग्रहित किया। दोपहर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया था।

15. **राष्ट्रीय संगोष्ठि** - परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग से 16, 17 मार्च 2019 को दो दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठि का आयोजन किया गया था। जिस में 15 से अधिक पत्र प्रस्तुतियां हुई। डा. हरिप्रसाद जी संगोष्ठी के संयोजक थे।

16. **आयव्यय खर्च** - वित्तीय साल में 01-04-2018 से 31-03-2019 तक रू - 148045229 को इस संस्थान वार्षिक आयव्यय मंजूर किया है। मंजूर किए हुए रकम में परिसर का कुल आयव्यय पूर्व रखम के साथ खर्च रू 152185611 है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, स्वायत्त संस्था का एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक 16.09.1997 को स्थापित हुआ था। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित-विश्वविद्यालय) नई दिल्ली के वेदव्यास परिसर नाम से प्रचलित है जो कि बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में 28.01.2012 से संचालित है।

वेद व्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर में वर्ष 1997 से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावनाएँ है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानितविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्षता	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	+2 बारहवीं	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम. ए.	फलित ज्योतिष/साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	-
4.	विद्यावारिधि		पी.एच.डी.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/ अद्वैत वेदान्त/ शिक्षाशास्त्र	-

5.	शिक्षा-शास्त्री 2 वर्ष	बी. एड.	संस्कृत शिक्षण, हिन्दी शिक्षण/अंग्रेजी शिक्षण/ सामाजिक विज्ञान शिक्षण

3.2 दूरस्थ पाठ्यक्रम :- (Distance Education)

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	-
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	-
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	-
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	-
7.	पाली-प्राकृत प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	6 माह	पाली-प्राकृत	-

4. अन्य गतिविधियाँ -

(क) परिसरीय पाठ्येतर कार्यक्रम-

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21.06.2018)

परिसर में प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता में अध्यापकों व कर्मचारियों ने मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम् ने किया। स्थानीय योग विशेषज्ञ श्री बलवीर सिंह पटियाल जी ने योग का महत्त्व बताया तथा योगासन व क्रियाओं का प्रयोग कराया।

भाषा बोधन वर्ग (23.07.2018 से 10.08.2018)

परिसर में दिनांक 23.07.2018 से 10.08.2018 तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्षीय छात्रों का भाषा बोधन वर्ग आयोजित हुआ।

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्रों का शिक्षण अभ्यास (01.08.2018 से 01.12.2018 तक)

दिनांक 01 अगस्त 2018 से 01 दिसम्बर 2018 तक निकटस्थ हि.प्र. शासकीय विद्यालयों में शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्रों का शिक्षण अभ्यास सम्पन्न हुआ।

स्वतन्त्रता दिवस (15.8.2018)

परिसर में सवतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15.08.2018 को "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" कार्यक्रम के अन्तर्गत कुमारी सरिता एवं कुमारी किरण के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

स्वतन्त्रता पखवाड़ा (15.8.2018-30.08.2018)

स्वतन्त्रता पखवाड़ा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण स्वच्छता अभियान इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्कृत सप्ताह (23.08.2018 - 29.08.2018)

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 23.08.2018 से 29.08. 2018 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भगवान सामन्त राय थे।

- 23.08.2018 को उद्घाटन सत्र ढ़लियारा महाविद्यालय के डॉ. बलवीर पठानिया जी के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। भारत रतन अटल विहारी वाजपेयी जी के श्रद्धाजंलि के रूप में मनाया गया।
- दिनांक 29.08.2018 को समापन सत्र मुख्यातिथि श्री विनोद कुमार शर्मा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय जी ने की।

परिसर तथा परिसरीय गतिविधियों का परिचयात्यमक एवं प्रेरणात्मक गोष्ठी

भावव्यक्तीकरण सभी प्रकार के विकास के लिये अनिवार्य साधन है। छात्रों में इस प्रवृत्ति को जगाने तथा विकसित करने हेतु वाग्वर्धिनी एवं अन्य परिषदों/क्लब का आयोजन किया जाता है। इस सत्र के परिषदों का औपचारिक उद्घाटन किया गया जैसे वाग्वर्धिनी परिषद, व्याकरण परिषद, साहित्य परिषद, अद्वैतवेदान्त परिषद, ज्यौतिष परिषद, शिक्षाशास्त्र परिषद, आधुनिक विषय परिषद संगणक क्लब, पर्यावरण क्लब, कलारञ्नी, संस्कृत प्रचार मंच, महिलाकेन्द्र, छात्रपरामर्श केन्द्र, स्वास्थ्य क्लब, क्रीडापरिषद्, राष्ट्रिय सेवा योजना आदि। नवप्रविष्ट छात्रों की सुविधा हेतु इस अवसर पर सभी विभागों का परिचय तत्तद् विभागाध्यक्ष प्रस्तुत किये।

शिक्षक दिवस (05.09.2018)

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया। छात्रों द्वारा यह कार्यक्रम डॉ. पुरूषोतम के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया।

हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2018 से 28.09.2018)

भारत सरकार के प्रयासों एवं निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2018 से 28.09.2018 तक मनाया गया। इस दौरान छात्रों के लिए भाषण, निबंध लेखन, कविता पाठ, कार्टून रचना तथा पेंटिग इत्यादि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। "वर्तमान समय में महिलाओं की समस्याएँ एवं समाधान'' विषय पर छात्र एवं छात्रा वर्गों के लिए परिचर्चा कार्यक्रम तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

स्थापना दिवस (16.09.2018)

परिसर का इक्कीसवां स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16.09.2018 को मनाया गया। ध्यातव्य है कि इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी। इस उपलक्ष्य में "परिसर विकास" विषय पर स्थानीय नागरिकों तथा परिसरीय सदस्यों का अन्त: क्रियात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा (02.10.2018 से)

दिनांक 02.10.2018 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर स्वच्छता दिवस मनाया गया, स्वच्छ भारत बनाने का संकल्प लिया गया तथा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह- (31.10.2018 से 05. 11.2018)

दिनांक 31.10.2018 से 05.11.2018 तक परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके अन्तर्गत परिसर के सभी सदस्यों ने मिलकर भ्रष्टाचार उन्मूलन सम्बद्ध प्रतिज्ञा को दोहराया।

राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा (29.11.2018- 30. 11.2018)

अखिल भारतीय स्पर्धाओं हेतु हिमाचल प्रदेश के प्रतिभागियों का चयन करने के लिए राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पी. वी.बी. सुब्रह्मण्यम् तथा सह-संयोजक डॉ. भगवान सामन्तराय थे।

गणतन्त्र दिवस- (26 जनवरी 2019)

परिसर में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" अभियान के तहत परिसर की छात्राओं कु. स्वागतिका (शिक्षाशास्त्री) तथा कु. काजल शर्मा (ज्यौतिषाचार्य

प्रथम वर्ष) के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया एवं कई देशभक्तिपरक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2019)

दिनांक 08.03.2019 को परिसर में द्विदिवसीय साहित्य गोष्ठी के साथ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में संलग्न महिलाओं का सम्मान किया गया है। इस कार्यक्रम का संचालन, डॉ. प्रीति शर्मा महिलाध्ययन केन्द्र की सह-संयोजिका ने किया।

ख) राष्ट्रीय कार्यक्रम-

राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ -

दिनांक	विभाग	अतिथिगण/संसाधक	संयोजक
28.09.2018 एवं 29.09.2018	व्याकरण	प्रो. के.बी. सुब्बरायूडू जी, प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी	डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ शास्त्री (विभागाध्यक्ष)
28.09.2018 एवं 29.09.2018	अद्वैत वेदान्त	प्रो. के.बी. सुब्बरायूडू जी, प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी	डॉ. भगवान सामन्त राय (विभागाध्यक्ष)
22.02.2019 एवं 23.02.2019	शिक्षा शास्त्र	प्रो. गोपीनाथ शर्मा	डॉ. रमाकान्त मिश्र (विभागाध्यक्ष)
08.03.2019 एवं 09.03.2019	महिलाध्ययनकेन्द्र साहित्य	प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, डॉ. नवलता, डॉ. जयप्रकाश नारायण	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति (विभागाध्यक्ष) एवं डॉ. प्रीति शर्मा, (सह-संयोजिका, महिलाध्ययनकेन्द्र)
26.03.2019	आधुनिक	प्रो. एस. वी. रमण मूर्त्ति	डॉ. संजय कुमार (विभागाध्यक्ष)
28.03.2019 एवं 29.03.2019	ज्योतिष	डॉ. मनीष सूद डॉ. सुनील पटियाल	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल, सहायकाचार्य

(ग) विस्तार कार्यक्रम-

संस्कृत सम्भाषण शिविर

परिसर के संस्कृत प्रचार मंच की ओर से संस्कृत सप्ताह के दौरान आस-पास के गाँवों में 30 सम्भाषण शिविरों का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम

गतवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिसमें परिसरीय छात्रों ने स्वयं सेवकों के रूप में अपना योगदान दिया। 22.03.2019 से 29.03.2019 तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

शिक्षाशास्त्र परिषद कार्यक्रम

29.03.2019 सामाजिक सद्भावना शोभा यात्रा एवं वीथी नाटक-

शिक्षाशास्त्रि प्रथम वर्ष के छात्रों ने 29.03.2019 को

प्रागपुर में सामाजिक सद्भावना शोभा-यात्रा एवं वीथीनाटक प्रस्तुत किये। इस के दौरान नशामुक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सामाजिक अन्धविश्वास के ऊपर नाटक प्रस्तुत किये गए।

अन्य सहभागितायें

प्रागपुर में राज्यस्तरीय लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेला में सहभागिता।

(घ) शोध गतिविधियाँ-

षाण्मासिक स्थानीय शोध बैठक-

प्रथम स्थानीय शोध समिति की बैठक - 21, 22 जुलाई 2018

द्वितीय स्थानीय शोध समिति की बैठक - 19, 20 जनवरी 2019

(ङ) व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम एवं छात्र सुविधाएँ-

(क) शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं काल में चलाए जाते हैं। हर एक गतिविधि के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं।-

सोमवार एवं मंगलवार - विभागशः शास्त्र प्रबोधन कार्य एवं परामर्श।

बुधवार - वाग्वर्धिनी परिषद् द्वारा शास्त्रीय भाषण का अभ्यास। प्रथम एवं तृतीय बुधवार विभागशः (शास्त्रीय) द्वितीय एवं चतुर्थ बुधवार-सभी आचार्य कक्षाओं का सामूहिक आधुनिक विषय कक्षवार (प्रा.शा., शास्त्री)

गुरुवार एवं शुक्रवार - स्वास्थ्य क्लब, पर्यावरण क्लब, मीडिया क्लब, संस्कृत प्रचार मञ्च, कलारञ्जनी, छात्र परामर्श केन्द्र के कार्यक्रम।

प्रत्येक गुरुवार - प्रथम एवं तृतीय गुरूवार - शोध परिषद्, द्वितीय एवं चुतर्थ गुरूवार - शिक्षक परिषद्

(ख) छात्रावास - किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है। (1) पुरुष छात्रावास, बलाहर में 60 छात्र, अधिष्ठाता- डॉ. पुरुषोत्तम, डॉ. भूपेन्द्र ओझा (2) महिला छात्रावास, नगरोटा में 90 छात्राएँ, अधिष्ठात्री- डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. के. समीरजा

(ग) परिसरीय बस व्यवस्था - प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक डॉ. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् के पर्यवेक्षण में होता है।

(घ) कैन्टीन - ''अन्नपूर्णा मन्दिर''-कैण्टीन में अध्ययनार्थी छात्रों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन न्यून मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

(च) छात्र सहभागिता/उपलब्धियाँ

- राज्यस्तरीय योगा प्रतियोगिता पुरस्कार
- वाराणसी में शारदा भवन में आयोजित शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ
- अगरतला में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा
- तिरूपति में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह
- होशियारपुर में आयोजित गीता जयंती स्पर्धा
- वाराणसी में ज्ञान प्रवाह संस्था के द्वारा आयोजित अत्यांक्षरी स्पर्धा
- पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित संस्कृत महाविद्यालय वार्षिक स्पर्धाएँ

राष्ट्रिय योग प्रतियोगिता-

गाजियाबाद में आयोजित राष्ट्रिय योगा प्रतियोगिता में परिसर के 05 छात्रों में भाग ग्रहण किया। छात्रों का मार्गदर्शन डॉ. संजय कुमार ने किया।

वसन्तोत्सव- नाट्य प्रतियोगिता (08.03.2019 से 10. 03.2019)

संस्थान के द्वारा गुरूवायूर परिसर में आयोजित वसन्तोत्सव नाट्य प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों द्वारा 'भारतविजयम्' नाटक की प्रस्तुति की गई जिसकी सभी ने सराहना की । इसके निर्देशक श्री विनोद शर्मा एवं मार्गदर्शक डॉ. मनोज श्रीमाल एवं डॉ. पुरूषोतम थे।

(छ) विभिन्न परिषद कार्यक्रम

महिला चेतना कार्यक्रम

महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से महिला चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज में महिलाओं को किन किन विषयों पर सावधानी बरतनी चाहिए इस विषय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का संचालन महिला अध्ययन केन्द्र की सह संयोजिका, डॉ. प्रीति शर्मा द्वारा किया गया।

(ज) विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियाँ-

आन्तरिक गुणवता प्रत्यायन प्रकोष्ठ (ष्फण्ण्ब्)

मुख्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 20.10.2015 को प्राचार्य, प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता मे आन्तरिक गुणवता प्रत्यायन प्रकोष्ठ का गठन हुआ। यह प्रकोष्ठ इस वर्ष भी परिसर में गुणवता सुधार लाने हेतु सक्रिय है।

1. प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्राचार्य – अध्यक्ष
2. श्री हरीश गुलेरी, पूर्व डी.ई.ओ. (हि.प्र.) – बाह्य सदस्य
3. श्री कुलदीप सिंह, मसोट (सेवानिवृत्त, उ.पु.अ., पंजाब पुलिस) – बाह्य सदस्य
4. डॉ. भगवान सामन्तराय, सहायकाचार्य – सदस्य
5. डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, सहायकाचार्य – सदस्य
6. डॉ. संजय कुमार, सहायक निदेशक – सदस्य
7. डॉ. प्रीति शर्मा, अनुबन्धित प्राध्यापिका – सदस्य
8. डॉ. सीताराम शर्मा, अनुबन्धित प्राध्यापक – सदस्य
9. डॉ. पुरूषोत्तम, अनुबन्धित प्राध्यापक – सदस्य
10. श्रीमती अनुराधा, अनुभागाधिकारी – सदस्य
11. श्री जगदीश कुमार, वरिष्ठ लिपिक – सदस्य
12. श्री अतुल शर्मा – सदस्य (पूर्व छात्र)
13. डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम्, सहाचार्य – संयोजक
14. श्री प्रमोद कुमार, ग्रुप 'सी' तदर्थ – कार्यालय सहयोग

भावी लक्ष्य एवं योजनाएँ-

1. वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश तथा समीपवर्ती राज्यों में उत्तम संस्कृत शिक्षा केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठापित होने की दिशा में अग्रसर रहेगा।
2. स्थानीय भाषाओं, लोककलाओं एवं संस्कृति का संस्कृतभाषा के परिप्रेक्ष्य में अन्तः शास्त्रीय अध्ययन के लिए परियोजनाएँ परिकल्पित की जाएँगी।
3. दूरस्थ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षादि केन्द्रों के द्वारा स्थानीय लोगों में संस्कृत भाषा के व्यावहारिक प्रयोग के लिए व्यापक प्रचार किया जाएगा।
4. संस्कृत शिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं उत्तम चारित्रिक प्रेरणा द्वारा छात्रों को मानवीय गुणों से युक्त समाजोपयोगी उत्तम नागरिक के रूप में विकसित किया जाएगा।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	–	08
उत्तर प्रेषित	–	08

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर के विषय में (परिसर का संक्षिप्त इतिहास)

भारत सरकार ने संस्कृत आयोग (1956-1957) की अनुशंसा के आधार पर संस्कृत के विकास और प्रचार-प्रसार हेतु तथा संस्कृत से सम्बद्ध केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के उद्देश्य से 15 अक्टूबर, 1970 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना की थी। उसके सदुद्देश्यों की बहु-आयामी उपयोगिता को देखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने इसे मई 2002 को बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया है। वर्तमान में इस मानित विश्वविद्यालय के तेरह परिसर देश के विभिन्न प्रदेशों में कार्यरत हैं। उनमें मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल नगर में शिक्षा सत्र 2002-2003 से भोपाल परिसर सञ्चालित है।

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अत: यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डा. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्सन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा. सं. सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्राय: दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह की घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकत-उल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्वज्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। तत्पश्चात् परिसर के विकास के लिए तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह के करकमलों से दिनांक 19 सितम्बर 2005 को शैक्षिक एवं प्रशासनिक मुख्य भवन का शिलान्यास सम्पन्न हुआ था।

तदनन्तर माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी की उपस्थिति में राम नवमी बुधवार दिनांक 24.03.2010 को निर्मित मुख्यभवन का वत्सराज भवन नामकरण हुआ और उसी दिन से अपने वत्सराज भवन में परिसर की सभी गतिविधियाँ प्रारम्भ हो गयी थी। इस समय वत्सराज मुख्यभवन के अन्तर्गत सभी कक्षाएँ, सभी प्रयोगशालाएँ, अनौपचारिक कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, दूरस्थशिक्षण केन्द्र, नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, सभाकक्ष और सर्वसाधन सम्पन्न सभागार, शोधकक्ष सुव्यवस्थित रूप में उपलब्ध हैं। इनके साथ ही परिसर में व्यवस्थित वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) और दृश्य साधन सम्पन्न वातानुकूलित भवभूति प्रेक्षागार भी उपलब्ध है। उसमें अतिथिनिवासकक्ष, शिक्षककक्ष और विभागाध्यक्ष कक्ष आदि नियमानुसार प्रकल्पित हैं।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- इसके अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का

महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवासों के निर्माण का कार्य हो गया है।

- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन तथा आधुनिक विभाग सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में निरौपचारिक रूप से **'मुक्तस्वाध्यायपीठ'** सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें अभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।
- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और 'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने लिए स्थान उपलब्ध होता है।
- 'नाट्य अनुसन्धान केन्द्र' भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

इस प्रकार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास के लक्ष्य के साथ प्रयासरत है।

2. परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,
भोपाल-462 043, म.प्र.
दूरभाष 0755-2418043, दूरप्रेष्य 0755-2418003
ईमेल : rsks_bhopal@yahoo.com
वेव साइट : www.rsksbhopal.ac.in

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	उपलब्ध पाठ्यक्रम
1.	प्राक्शास्त्री- प्रथम
2.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय
3.	शास्त्री-प्रथम
4.	शास्त्री-द्वितीय
5.	शास्त्री-तृतीय
6.	आचार्य-प्रथम
7.	आचार्य-द्वितीय
8.	शिक्षाशास्त्री-प्रथम
9.	शिक्षाशास्त्री-द्वितीय
10.	शिक्षाचार्य-प्रथम
11.	शिक्षाचार्य-द्वितीय
12.	विद्यावारिधि

4. अन्य क्रियाकलाप / समारोह / कार्यशालाओं पूर्ण विवरण (2018-19)

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम में योग गुरु श्री रमेश पांडेय मुख्य वक्ता थे और उनका विषय योग एवं स्वास्थ्य था। इसमें सभी विद्यार्थियों अध्यापकों और कर्मचारियों की सहभागिता थी मुख्य आसनों में दंडासन, उत्तानासन, आदि थे। डॉ सोमनाथ साहु कार्यक्रम के संयोजक थे।

2. आचार्य प्रकाश प्रकाश पांडेय का स्वागत समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के नए प्राचार्य का आचार्य प्रकाश पांडेय का दिनांक 17 जुलाई, 2018 को नियुक्ति के उपलक्ष में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इससे पूर्व आचार्य पांडेय राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर में कार्यरत थे।

3. विदाई समारोह 2018-19

इस वर्ष प्रभारी प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर जी के लखनऊ परिसर के प्रति स्थानांतरण के संबंध में तथा डा. प्रदीप पांडेय जी का एकलव्य परिसर को हुये स्थानांतरण के संबंध में परिसर परिवार द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया। श्री मुद्गल जी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर भी परिसर परिवार द्वारा शुभकामनायें दी गयी ।

4. उन्नत भारत योजना के अंतर्गत ग्राम बरई को गोद लेना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उन्नत भारत योजना के अंतर्गत बरई ग्राम को गोद लिया। इस गांव में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न गतिविधियां का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समापन1 अगस्त 2018 को हुआ, जिसमें ग्राम प्रमुख श्री मीणा जी तथा क्षेत्र के संयोजक कामता प्रसाद पाटीदार जी तथा विद्यालय प्राध्यापिका श्रीमती अमिता श्रीवास्तव तथा संस्थान प्राचार्य आचार्य प्रकाश पांडेय य उपस्थित थे।

5. स्वतंत्रता दिवस

परिसर के प्रांगण में 15 अगस्त 2018 को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्राचार्य आचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा राष्ट्रिय ध्वज फहराया गया और इस देश के लिए बलिदान दे चुके ऐसे महान सपूतों को याद किया गया। उन्होंने भी देश की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण प्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

6. संस्कृत सप्ताह आयोजन

दिनांक 24.08.2018 से 28.08.2019 तक संस्कृत सप्ताह आयोजन परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन ने भारतीय भाषा परिषद कोलकाता के प्रो. विजय बहादुर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. श्रीधर मिश्र तथा समापन समारोह में पूर्व प्राचार्य आजाद मिश्र और मुख्य अतिथि के रुप में डा. प्रभुदयाल मिश्र उपस्थित रहे। आचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई और संस्कृत के विकास के लिए भाषाओं की कुशलताओ के विकास की लिए विचार प्रस्तुत किए गए।

7. संस्कृत सप्ताह आयोजन

दिनांक 24.08.2018 से 28.08.2019 तक संस्कृत सप्ताह आयोजन परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन ने भारतीय भाषा परिषद कोलकाता के प्रो. विजय बहादुर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. श्रीधर मिश्र तथा, समापन समारोह में पूर्व प्राचार्य आजाद मिश्र और मुख्य अतिथि के रुप में डा. प्रभुदयाल मिश्र उपस्थित रहे। आचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई और संस्कृत के विकास के लिए भाषाओं की कुशलताओ के विकास की लिए विचार प्रस्तुत किए गए।

8. वार्षिक प्रतियोगिताएं

परिसर में 25 से 27 सितंबर 2018 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कनिष्ट और वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों की सहभागिता थी। इस प्रतिस्पर्धा में सफल व्यक्तियों को आगामी युवा महोत्सव में सहभागिता भेजा जाएगा। राष्ट्रिय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 4 अक्टूबर के समय किया गया।

9. हिन्दी पखवाड़ा

हिंदी पखवारा का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर में आयोजित किया गया था। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. संजय द्विवेदी थे। इस समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर आचार्य प्रकाश पांडेय ने की। इस कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता, निबंध, लेखन प्रतियोगिता और साहित्यिक गीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। मान्यवर समारोह में मुख्य अतिथि पद्मश्री ज्ञान चतुर्वेदी थे। इस समारोह की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य प्रो. प्रभादेवी चौधरी ने की। हिंदी पखवाड़ा की संयोजक डा. अर्चना दुबे थी।

10. साहित्य विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी

साहित्य विभाग द्वारा संस्कृतशास्त्र में अलंकार प्रस्थान इस विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 5 से 6 अक्टूबर 2018 के बीच आयोजित

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, आचार्य विन्ध्येश्वर प्रसाद मिश्र, रामकुमार शर्मा, प्रो. रामलखन पांडेय थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा की गई। इस कार्यक्रम का संयोजन डा. सनन्दन कुमार त्रिपाठी और सचिव के रूप में डॉ अजय कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।

11. राष्ट्रिय एकता सकता और जागरुकता सतर्कता सप्ताह

सरदार वल्लभभाई पटेल की वार्षिक जन्म स्मृति में 31 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रिय एकता दिवस 29 अक्टूबर से 2 नवंबर 2018 तक आयोजित किया गया। परिसर के प्रचार के द्वारा एक विशेष शपथ दिलाई गई जिसमें सभी विद्यार्थियों अध्यापकों और कर्मचारी कर्मचारियों की उपस्थिति थी। इसी दौरान सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन भी किया गया, जिस ने निबंध लेखन संभाषण और पोस्टर निर्माण आदि गतिविधि यों का आयोजन किया गया।

12. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा 16 नवंबर 2018 को आयोजित की गई इस कार्यक्रम में प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. प्रेम कुमार शर्मा और अध्यक्ष प्रो. प्रभादेवी चौधरी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का समापन 17 नवंबर 2018 को किया गया जिसमें प्रो. आज आंसर और प्रो. रमा कांत पांडेय आदि प्रमुख इस कार्यक्रम का समन समन वय डॉ चंदन कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

13. सेवाकालीन संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण और ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षण

कार्यक्रम केंद्रीय विद्यालय के संस्कृत TGT शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम दिनांक 23 दिसंबर, 2018 से 1 जनवरी, 2019 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डा. सोमनाथ साहु है। इस समय ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जो 29 दिसंबर, 2018 से 4 जनवरी, 2019 तक संचालित कार्यक्रम के संयोजक डॉ श्यामदेव द्वारा किया ।

14. गणतंत्र दिवस का आयोजन

गणतंत्र दिवस का आयोजन 26 जनवरी 2019 को किया गया, जिसमें परिसर प्राचार्य द्वारा ध्वज को फहराया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय संविधान के प्रति हमारी भावनाओं को हमेशा बनाए रखना ऐसी प्रेरणा दी गई। हमारे देश में बहुत सारी भाषाएं, धर्म और संस्कृति हैं, जिनको संविधान द्वारा संरक्षण प्राप्त है। हमें भी सामाजिक समानता के लिए सतत जागरूक होना चाहिए।

15. व्याकरण विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी

समासतत्व विमर्श इस विषय पर या खंडवा के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 1 जनवरी, 2019 से 2 फरवरी, 2019 तक किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. आजाद मिश्र, प्रो. रामसलाही द्विवेदी तथा डा. प्रदीप कुमार पांडेय थे। आचार्य प्रकाश पांडेय इस कार्यक्रम के अध्यक्ष थे।

16. जैनदर्शन विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी

राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन जैनदर्शन में द्रव्यमीमांसा इस विषय पर 8 फरवरी, 2019 से 9 फरवरी, 2019 तक किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि प्रो. प्रद्युम्न शाहजी और प्रो. रतनचंद्र जैन थे। प्रो. प्रभादेवी चौधरी कार्यक्रम की अध्यक्ष थी। इस कार्यक्रम में संयोजक श्री प्रताप तथा सचिव डा. पंकज जैन थे।

17. पुलवामा शहादत के प्रति शोकसभा

दिनांक 15 फरवरी, 2019 को पुलवामा आतंकवादी घटना में शहीद हुए समस्त भारतीय शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करने के लिए शोक सभा का आयोजन किया गया। परिसर प्राचार्य ने अपने अश्रुपूरित शोकसंदेश में प्रतिक्षण देश के प्रति समर्पित रहने की अभिप्रेरणा प्रदान की।

18. मातृभाषा दिवस

21 फरवरी, 2019 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि के रुप में डा. सुनीता खत्री उपस्थित थी। परिसर प्राचार्य के द्वारा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। उन्होंने एक विशेष निबंध प्रतियोगिता के आयोजन किया, इसमें निज भाषा उन्नति अहे इस विषय पर सभी विद्यार्थियों को अपनी अपनी मातृभाषा में लिखना था।

19. आधुनिक विषय विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी

21 फरवरी, 2019 से 23 फरवरी, 2019 तक आधुनिक विषय विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिस का विषय प्राचीन शिक्षण प्रतिष्ठानों में आधुनिक विषयों की उपादेयता था। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रो. शिशिर पांडेय तो शिष्य जय खुश और तो किशन निधि तिवारी के कार्यक्रम की अध्यक्षता आकाश पांडेय द्वारा समझ गए और अच्छा समन्वय डा. अच्छा दुबे द्वारा किया गया।

20. ज्योतिष विभाग द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी

ज्योतिष विभाग द्वारा ग्रहणविमर्श इस विषय पर 8 मार्च से 9 मार्च, 2019 तक द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. विनय कुमार पांडेय और डा. अशोक थपलियाल उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रकाश पांडेय की गयी तथा डॉ श्यामदेव मिश्र द्वारा कार्यक्रम का संयोजन किया गया।

21. संस्कृत विकिपीडिया कार्यशाला

दिनांक 11 मार्च, 2019 से 12 मार्च, 2019 तक शिक्षाविभाग द्वारा प्रायोगिक गतिविधियों के अंतर्गत शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य विद्यार्थियों के लिए संस्कृत विकिपीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डा. पुरुषोत्तम शर्मा, डॉ आशीष डोंगरे, डॉ धर्मेंद्र शर्मा उपस्थित कार्यक्रम की। अध्यक्षता आचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा की गई तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. नागेंद्र झा और सचिव डा. दाताराम पाठक थे।

22. शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी

'भाषा की आलोचनात्मक समझ और उपयोग' इस विषय पर 13.03.2019 और 15.03.2019 को द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथि प्रो के. के. रविशंकर मेनन, प्रो. चाँद किरण सलूजा, प्रो. वाई. एस. रमेश, डॉ. नीलाभ तिवारी, डॉ. परमेश शर्मा, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. अखिलेश कुमार पांडेय और श्री मुदित पाण्डेय थे। अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रकाश पांडेय ने की। संगोष्ठी के संयोजक डा. पवन कुमार और सचिव डा. नितिन कुमार जैन थे।

23. अंतर्परिसर नाट्य प्रतिस्पर्धा

दिनांक 8 मार्च, 2019 से 10 मार्च, 2019 के मध्य गुरुवायूर परिसर ने आयोजित अंतर्परीसरीय नाटक प्रतिस्पर्धा में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। विद्यार्थियों द्वारा मध्यमव्यायोग पर अपना अभिनय प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव, डा. शीतांशु त्रिपाठी और श्री मनोज पाटीदार थे। इस नाट्य महोत्सव में श्री कृष्णकांत पांडेय ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त किया।

24. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित दिनांक 6 जनवरी, 2019 से 9 जनवरी, 2019 तक अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में सहभागिता दी गई। शुभम पाठक, राहुल दुबे, मनोज तिवारी आदि विद्यार्थियों ने इस स्पर्धा में पुरस्कार प्राप्त किए। विद्यार्थियों के इस दल का नेतृत्व डा. सनन्दन कुमार त्रिपाठी, डा. श्यामदेव मिश्र और श्री सुमित सक्सेना द्वारा किया गया।

25. अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव तिरुपति

अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के विद्यार्थियों की भी सहभागिता रही। यह कार्यक्रम 4 फरवरी, 2019 से 7 फरवरी, 2019 के मध्य आयोजित की गई, जिसमें शुभम पाठकआ और राहुल दुबे ने पुरस्कार प्राप्त किए। दल का संयोजन डा. सुनील कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

26. वार्षिक उत्सव 2019

दिनांक 23 अप्रैल, 2019 को परिसर , में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी और विशेष अतिथि श्री मनीष सोनी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा की गई। इस उत्सव में संपूर्ण वर्ष में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

परिसर के विषय में (संक्षिप्त परिचय)

भारत के पश्चिमी तट पर निहित, लगभग 2.5 करोड़ की आबादी वाला मुम्बई महानगर, देश के चार महानगरों में से एक है। यह महाराष्ट्र की राजधानी है। महानगर की अधिष्ठात्री मुम्बादेवी के चरण कमलों में पल्लवित यह स्थान भारत की आर्थिक राजधानी के नाम से जाना जाता है।

संस्कृत पारम्परिक विद्या में नवाचारों एवं नवोन्मेषों का समन्वय करते हुए, शास्त्रीय आर्ष परम्परा के प्रचार-प्रसार हेतु महानगरस्थ-सुप्रसिद्ध क.जे.सोमैया ट्रस्ट द्वारा, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को प्रारम्भ करने हेतु, भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि दानरूप में प्रदान करने की योजना रखी। जिसको साकार करने के लिए राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान मानित विश्वविद्यालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी सदस्यों द्वारा दानरूप में प्राप्त भूमि का जायजा लिया गया, और विद्यापीठ मुम्बई में प्रारम्भ किया जा सकता है, ऐसे आश्वस्त होकर, एक प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को अग्रेषित किया गया।

मन्त्रालय द्वारा 31 मार्च 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ आरम्भ करने की संस्तुति प्रदान की तथा क.जे. सोमैया ट्रस्ट ने विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम आरम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसधान विकास मन्त्री, भारत सरकार के माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा 16 मई 2002 को किया गया। क.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ में प्राक्शास्त्री (2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए), साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष शास्त्रीय विषयों में, सम्बद्ध शास्त्रों में पी.एच्.डी. (विद्यावारिधि) तक के शिक्षण का प्रावधान है। इसके साथ-साथ अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान व पर्यावरण विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों का भी शिक्षण होता है जो संस्थान के पाठ्यक्रमानुसार पढाया जाता है। यह पाठ्यक्रम व्यवसाय उन्मुख होने के साथ ही मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के द्वारा संस्कृत पढ़ने का एक सर्वोत्तम साधन भी है। हिन्दी, अंग्रेजी, आधुनिक पद्धति के साथ संस्कृत अनिवार्य विषय के रूप में शिक्षकों के प्रशिक्षण 100 छात्रों के लिए एक वर्ष का शिक्षाशास्त्री(बी.एड्.) प्रोफेश्नल कोर्स (व्यावसायिक प्रशिक्षण) भी करवाया जाता है। (सत्र 2015-16 से पाठ्यक्रम दो वर्ष का हो गया है) इसका आरम्भ एन.सी. टी.ई. के अनुमोदन के बाद शैक्षिणक वर्ष 2007 में शुरु किया गया था।

वर्तमान में क.जे.सोमैया ट्रस्ट ने विद्याविहार में ही बहुमूल्यीय एक एकड़ भूमि विद्यापीठीय भवन निर्माण के लिए उपलब्ध करायी है। यहाँ भवन निर्माण की समस्त औपचारिकताएँ पूरी हो चुकी हैं।

इस समय सोमैया विद्याविहार परिसर में ही ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यापीठ का प्रशासनिक कार्य सुरूचि कलाभवन, पुस्तकालय पॉलिटेक्निक भवन में, अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण, शोध आदि कार्य चाणक्य भवन में चल रहा है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लक्ष्य है कि-

संस्कृत को हर तरह से सुविधाजनक बनाने, दूसरी भाषाओं के साथ संस्कृत साहित्य का शिक्षा से सम्बन्ध, पारम्परिक धारा के क्षेत्रों में संस्कृत शिक्षा और अनुसन्धान की पारम्परिक प्रणालियों को बढ़ावा देने, संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम और प्रचार व प्रसिद्धि तथा पारम्परिक संस्कृत विज्ञान के सर्वांगीण विकास के लिए नीतियों को लागू करना है।

संस्कृत की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि के साथ, कुशल मानव संसाधानों का उत्पादन, संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ में विज्ञान के क्षेत्र में अनुसन्धान तथा तुलनात्मक अध्ययन के लिए तथा संस्कृत सीखने व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने की सभी शाखाओं के संचालन के लिए सर्वविध प्रयास करना है।

वैश्विक स्तर पर आधुनिक तकनीकों के माध्यम से

संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने तथा संस्कृत सीखने की महिमा स्थापित करने के लिए एक दृश्य के साथ विश्व स्तर के विश्वविद्यालय के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना है।

परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण विवरण के साथ)

1. प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीय)
2. शास्त्री (त्रिवर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
3. आचार्य (द्विवर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
4. शिक्षाशास्त्री (एकवर्षीय) (सत्र 2014–15 से द्विवर्षीय)
5. विद्यावारिधि (पी–एच्.डी.)
6. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र
7. भारतीय ज्योतिष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (त्रैमासिक)

मुख्य रूप से परिसर में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं शिक्षाशास्त्र इन चार विषयों का अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य चल रहे हैं।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण।

विद्यापीठ प्रकाशन–

1. विद्यारश्मिः

इस शैक्षिक सत्र में आचार्य रामानुज देवनाथन् महोदय के स्मारिका के रूप में वार्षिक शोध पत्रिकाविद्यारश्मिः भारत के विख्यात विद्वानों का लेखों का संग्रह करके प्रकाशित किया गया है। इस वार्षिक शोध पत्रिका का ISSN -2277-6443 है।

2. शिक्षारश्मिः

शिक्षाशास्त्र विभाग से शिक्षारश्मिःनाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका (ISSN- 2395-7921) का प्रकाशन किया गया। इस पत्रिका में विभागीय प्राध्यापक एवं अन्य विश्वविद्यालयीय विद्वानों तथा छात्राध्यापकों का विभिन्न प्रकार के शोध लेख के साथ विभागीय गतिविधियों का प्रकाशन किया।

3. वाग्वै ब्रह्म

इस शैक्षिक सत्र में व्याकरण विभाग द्वारा वाग्वै ब्रह्म नाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका (ISSN- 2457-0729) का प्रकाशित की गई।

4. संगोष्ठी सौरभ

इस शैक्षिक सत्र में आधुनिक विषय विभाग द्वारा संगोष्ठी सौरभ नाम की विभागीय पुस्तक प्रकाशित की गई।

शैक्षणिक कार्यक्रम–

1. शैक्षिक सत्रारम्भ

इस शैक्षिक सत्र का आरंभ 27.06.2018 को हुआ। को सरस्वती पूजा का आयोजन परिसर में सत्रारम्भ के लक्ष्य पर किया गया।

2. अन्तराष्ट्रिय योग दिवस –

दिनांक 21.06.2018 को अन्तराष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। योगश्चित्तवृत्तिनिरोध पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । छात्रों द्वारा संस्कृत माध्यम से योग के महत्व के बारे में बताया गया।

3. गुरु पूर्णिमा–

गुरु पूर्णिमा (दिनांक 10.07.2018)के उपलक्ष्य में दिनांक 10.07.2018 को छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया। सभी छात्रों को गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में बताया गया।

4. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र – यू.जी.सी समिति निरीक्षण –

मुम्बई परिसर में मुक्त स्वाध्याय केन्द्र में यु.जी.सी समिति का निरीक्षण दिनांक 14.08.2018 को किया गया।

5. स्वतन्त्रता दिवस –

सोमैया परिसर में इस वर्ष सब मिलकर 15.08.2018 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।

6. संस्कृत सप्ताह समारोह–

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 27.08.2018 से 29.08.2018 तक मनाया गया। जिसमें शास्त्रार्थ सभा, विभिन्न स्पर्धाएँ आयोजित की गई।

7. शिक्षक दिवस-

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिनांक 05.09.2018 को शिक्षाशास्त्र विभाग के छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया एवं विद्यापीठ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

8. हिन्दी पखवाड़ा-

राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान के रूप में विद्यापीठ में सितम्बर 14 से 25, 2018 तक हिन्दी पखवाड़ा पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में आशु भाषण, निबन्ध लेखन का आयोजन किया गया।

9. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

मुख्यालय के निर्देशानुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनांक 29.10.2018 से 03.11.2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया एवं छात्रों के लिए विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन हुआ।

10. राष्ट्रीय एकता दिवस

केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार इस सत्र में राष्ट्रिय एकता दिवस का आचरण दिनांक 31.10.2018 को शपथ ग्रहण करके किया गया।

11. गणतंत्र दिवस

सोमैया परिसर में 26, जनवरी 2019 को सभी सदस्यों ने मिलकर गणतंत्र दिवस मनाया।

12. शिवाजी जयन्ती-

महाराष्ट्र में शिवाजी जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम दिनांक 19.02.2019 को परिसर में मनाया गया।

13. मातृभाषा दिवस

केन्द्र सरकार के आदेशानुसार इस सत्र में मातृभाषा दिवस दिनांक 21.02.2019 को आयोजित किया गया।

अन्य क्रियाकलाप

1. शिक्षाशास्त्री सत्रारम्भ

दिनांक 27.06.2018 को शिक्षाशास्त्री विभाग में सहर्ष सत्रारम्भ का कार्यक्रम हुआ। प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को सम्बोधित करते हुये राष्ट्र के विकास में शिक्षक की भूमिका के विषय में बताया गया।

2. संस्कृत भाषा बोधन वर्ग एवं सम्भाषण शिविर -

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 01.08.2018 से 24.08. 2018 तक परिसर में भाषाबोधन वर्ग एवं सम्भाषण शिविर का कार्यक्रम किया गया।

3. वाग्वर्धिनी परिषद् -

दिनांक 24.08.2018 को परिसर में छात्रों के भाषण कौशल और शास्त्रार्थ कौशल के विकास हेतु वाग्वर्धिनी परिषद् के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4. शिक्षणाभ्यास कार्यक्रम

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 21अगस्त 2018 से 11 दिसम्बर 2018 तक मुम्बई स्थित केन्द्रीय विद्यालय के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपादित किया। 07 स्कूल में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपन्न किया।

5. प्रायोगिक परीक्षा

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों का प्रायोगिक शिक्षणाभ्यास दिनांक 28-29 जनवरी 2019 तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का आयोजन 30-31 जनवरी 2019 तक आयोजित किया गया।

6. विभिन्न क्रीडा स्पर्धाएँ

परिसर में शारीरिक शिक्षा विषय योग, चेस, केरम, कब्बड्डी, बैडमिटन विभाग द्वारा छात्रों के लिए दिनांक 13-14 फरवरी 2019 को एथलेटिक स्पर्धाएँ आयोजित की गई है।

सहशैक्षणिक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी

1. महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा-

इस शैक्षणिक सत्र में संस्थान के निर्देशानुसार महाराष्ट्र राज्य की राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई है । 56 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 05.12.2018 को महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा परिसर में आयोजित की गई, जिसमें महाराष्ट्र के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र/छात्रायें स्पर्धा में भाग ग्रहण किए।

2.गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा-

इस शैक्षिक सत्र में संस्थान के निर्देशानुसार गोवा राज्य की राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा गोमंतक संस्कृतोत्तेजक मंडल, शांकर पाठशाला, कवले फोंडा, गोवा में आयोजित की गई । 56 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 11.12.2018 कोगोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित किया गया, जिसमें गोवा के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र/छात्रायें स्पर्धा में भाग ग्रहण किए।

3. कौमुदी महोत्सव (वसन्तोत्सव)-

दिनांक 08-10 मार्च 2019 तक संस्थान के गुरुवायूर परिसर, केरल में सम्पन्न हुआ। 16 वें संस्कृतनाट्यमहोत्सव में परिसर के छात्रों ने महाकवि भास प्रणीत- दरिद्रचारुत्तम् नाटक का मंचन अत्यन्त रोचकता के साथ प्रस्तुत करके द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

4. अखिल भारतीय प्रातिभ समारोह-

राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा दिनांक 04-07 फरवरी 2019 तक अखिलभारतीय संस्कृत छात्र 13 वां प्रातिभ समारोह आयोजित हुा जिसमें में छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में सहर्ष भाग लिया एवं पुरस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला-

आइ. क्यू. ए. सी. (IQAC) के मार्गदर्शन के अनुसार परिसर में स्थित विभिन्न विभागों में राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विवरण निम्नलिखित है।

1. **व्याकरण विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी** - दिनांक 29-30 नवम्बर 2018 को को द्वि दिवसीय व्याकरण विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ।
2. **शिक्षाशास्त्र विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान** - दिनांक 10.01.2019 एवं 11.01. 2019 को शिक्षाशास्त्र विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई।
3. **साहित्य विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान** -दिनांक 27.02.2019 एवं 28.02.2019 को साहित्य विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ।
4. **ज्योतिष विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान** - दिनांक 27.02.2019 एवं 28.02.2019 को साहित्य विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ।
5. **आधुनिक विषयविभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान** - दिनांक 27.02.2019 एवं 28.02.2019 को आधुनिक विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी आयोजित की गई।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम।

- दिनांक. 10-30 सितम्बर 2018 तक डॉ. वी. एस्. वी भास्कर रेड्डी, सहायकाचार्य (शिक्षाशास्त्र विभाग) ने गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- 10-14 दिसम्बर 2018 तक डॉ. वी. एस्. वी. भास्कर रेड्डी, सहायकाचार्य (शिक्षाशास्त्र विभाग)ने मुम्बई विश्वविद्यालय में लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया ।
- डॉ. सुभाष चन्द्र मीणा, सहायकाचार्य, (व्याकरण) ने दिनांक 18 फरवरी 2019 से 16 मार्च 2019 तक यू.जी. सी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में भाग लिया।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त /उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र इत्यादि भी हैं। परिसर की गतिविधियाँ अधोलिखित हैं

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. पत्राचार पाठ्यक्रम
3. मुक्त स्वाध्यायपीठम् के दिल्ली स्वाध्याय केन्द्र द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम।
4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं इत्यादि का संयोजन।
5. मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा लक्षित समूह की आवश्यकतानुसार अल्पकालीन शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
6. शोध गतिविधियों का संयोजन
7. अधोलिखित कार्यक्रमों का संगठन
    - संस्कृत सप्ताह
    - स्थापना दिवस
    - राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ
    - युवमहोत्सव
    - अन्त:परिसरीय नाट्य महोत्सव
    - अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिल्ली परिसर द्वारा संगठित/संयोजित कार्यक्रमों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 5वें अध्याय (वर्ष के मुख्य समारोह) में दिया गया है।

4.2.12 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

परिसर के विषय में (परिसर का संक्षिप्त इतिहास)

भारत के सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत की महान परम्पराओं के पुनरुज्जीवन और प्रचार प्रसार हेतु संस्थान द्वारा कृत्सङ्कल्प तथा तत्कालीन कुलपति एवं कुलसचिव महोदय के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला के मोहनपुर क्षेत्र में संस्थान परिसर का आरम्भ स्वामी विवेकानन्दमहाविद्यालय में 04 जून 2013 को किया गया। वर्तमान में त्रिपुरा सरकार ने रिक्त होने के कारण ओल्ड आई.ए.एस.ई भवन को एकलव्य परिसर का नाम दिया हैं जो कि अगरतला नगर के मध्य में स्थित है। इस परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य और विद्यावारिधि के साथ-साथ आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, बंगाली, राजनीति विज्ञान, इतिहास तथा कम्प्यूटर साइंस का भी अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। परिसर सभी विषयों के मेधावी विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इसका मुख्य परिसर युवतारा (लम्बूछेरा) पूर्वी त्रिपुरा जिले में स्थित है। पूर्ण विश्वास है कि परिसर में अध्ययनरत छात्र राष्ट्रीय एकता और भाईचारा बढ़ाने हेतु निश्चित रूप से अग्रणी होंगे।

परिसर की स्थिति

वर्तमान में एकलव्य परिसर अगरतला नगर में राधानगर नामक स्थान पर बुद्धमन्दिर के निकट पुरातन IASE भवन में चल रहा है, जो कि त्रिपुरा सरकार द्वारा प्रदत्त है।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

शिक्षाशास्त्र की सन्दर्भ पुस्तकों की रचना हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय द्वारा अगरतला स्थित एकलव्य परिसर में 26 मई 2018 से 30 मई 2018 तक

उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक इतिहास, राजनीति विज्ञान शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण हिन्दी, अंग्रेजी
3.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.		
4.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	
5.	विद्यावारिधि		पीएच.डी	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	

शिक्षाशास्त्र विभाग में संदर्भ पुस्तकों की रचना हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के सचिव श्री चमूकृष्ण शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर के प्राचार्य आचार्य च. ल. ना. शर्मा, श्रृंगेरी स्थित श्री राजीवगांधी परिसर के प्राचार्य आचार्य ए. पी. सच्चिदानंद तथा मुंबई स्थित क. जे. सोमय्या परिसर के प्राचार्य एवं आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के संयोजक आचार्य सुदेश कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकलव्य परिसर के प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन ने की। अभिमुखीकरण कार्यक्रम का संयोजन जयपुर परिसर के शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष आचार्य वाई. एस. रमेश ने किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों से कुल 36 अध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समापन समारोह 30 मई 2018 को एकलव्य परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

नूतन सत्रारम्भ

ग्रीष्मावकाश के पश्चात 18 जून 2018 को भगवती सरस्वती के समर्चन के साथ नए सत्र का आरंभ हुआ। इस नूतन सत्रारम्भ कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन, परिसरीय प्राध्यापक तथा कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे

अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के अगरतला स्थित एकलव्य परिसर में 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का परिपालन किया गया। इस अवसर पर योग विशेषज्ञ ICFAI विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य श्री संजय सरकार योग प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने परिसर के सभी सदस्यों को अनेक प्रकार के आसनो तथा योगाभ्यास करवाया। परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आधुनिक समाज में वसुधैव कुटुंबकम की भावना से प्रेरित श्री बाबा रामदेव, श्री श्री रविशंकर तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इत्यादि अनेक लोग जो कि योग का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, उनका स्मरण किया। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के अद्वैत वेदान्त विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जी. नरसिंहूलु द्वारा किया गया।

कार्यालयीय कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा एकलव्य परिसर में 9 जुलाई 2018 से 25 जुलाई 2018 तक कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 9 जुलाई को प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा के पूर्वजिला के जिलाधिकारी श्री धीरज देव वर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन ने की। कार्यक्रम का संयोजन व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रोण धनीन्द्र कुमार झा ने किया।

कार्यक्रम में कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए समय-समय पर अनेक विद्वानों का आगमन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 25 जुलाई 2018 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति आचार्य परमेश्वर नारायण शास्त्री जी की उपस्थिति में आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम में गुजरात स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य पंकज एल. जानी सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2018 को एकलव्य परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः 8:00 बजे परिसर प्राचार्य ने ध्वजारोहण कर सभी को राष्ट्रसेवा करने के लिए कटिबद्ध रहने का सन्देश दिया। इसके पश्चात परिसर के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें देश भक्ति गीत, नाटक एवं नृत्य आदि को परिसर सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया।

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी एकलव्य परिसर में 24 से 29 अगस्त 2018 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मन्त्री श्री दिनेश कामत जी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में 'आधुनिक समाज में संस्कृत भाषा की स्थिति एवं संस्कृत के प्रचार-प्रसार के उपाय, विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। एकलव्य परिसर के प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी छात्रों एवं अध्यापकों से संस्कृत में ही व्यवहार करने का आग्रह किया।

संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में परिसर में छात्रों के विविध कौशलों के विकास के उद्देश्य से भाषण, संस्कृत गीत, आशुभाषण, निबन्धलेखन, श्लोकोच्चारण, इत्यादि अनेक स्पर्धायें आयोजित की गई। 29 अगस्त को संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमे परिसर प्राचार्य जी ने स्पधाओं में विजयी रहे छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय एकता दिवस

एकलव्य परिसर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के उपलक्ष में 31-10-2018 को परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार वर्मन की अध्यक्षता में राष्ट्रिय एकता दिवस का परिपालन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परीक्षानियन्त्रक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। मुख्यातिथि महोदय ने राष्ट्रिय एकता निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका एवं उनके व्यक्तित्व के विषय में अपने विचार प्रकट कर सभी उपस्थित परिसरीय सदस्यों को एकता का सन्देश दिया।

हिंदी पखवाडा

14 सितंबर को एकलव्य परिसर में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर के प्रभारी प्राचार्य आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी जी की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संयोजन व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. धनीन्द्र कुमार झा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एकलव्य परिसर के हिंदी विषय के प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानंद मिश्रा ने किया।

पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर में 22 - 23 नवंबर, 2018 को पूर्वोत्तर राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन स्पर्धाओं में मणिपुर राज्य से 4 प्रतिस्पर्धियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त अन्य स्पर्धाओं में एकलव्य परिसर के छात्रों ने भाग लिया। स्पर्धा के अंत में परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार वर्मन ने विजयी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किये। इस स्पर्धा कार्यक्रम का संयोजन व्याकरण विभाग के सहायकाचार्य डॉ. के. कुमार ने किया।

57वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा एकलव्य परिसर में दिनांक 06 - 09 जनवरी 2019 पर्यन्त 57वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा कार्यक्रम आयोजित किया गया। शास्त्रीय स्पर्धा से संबंधित इस प्रकार का अखिल भारतीय कार्यक्रम तीसरी बार एकलव्य परिसर में आयोजित किया गया। स्पर्धा में सम्पूर्ण भारतवर्ष से कुल 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस स्पर्धा में एकलव्य परिसर की आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा मणिकंकणा वरा ने सांख्ययोग भाषण स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला

4 फरवरी 2019 से 4 मार्च 2019 तक एकलव्य परिसर में नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें रामाशीष पांडेय द्वारा रचित शिखाबन्धनम् नामक नाटक के अभिनय का प्रशिक्षण परिसर के छात्रों को दिया गया। कार्यशाला में अभिनय का प्रशिक्षण देने के लिए मुख्य प्रशिक्षक के रूप में त्रिपुरा के श्री विद्युत चक्रवर्ती आमंत्रित किए गए। इस कार्यशाला में एकलव्य परिसर के कुल 23 छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला में व्यवस्था संयोजक के रूप में डॉ. जी. नरसिंहुलु, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. उत्तम सिंह, डॉ. जितेंद्र तिवारी, डॉ. मंजू ठेमदेव तथा डॉ. उमा बेगम ने कार्य किया। इस नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला के समन्वयक साहित्य विभाग के अध्यक्ष आचार्य सच्चिदानंद तिवारी थे।

इस नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर एकलव्य परिसर के छात्रों ने केरल स्थित गुरुवायूर परिसर में 16वें अंत:परिसरीय नाट्य महोत्सव में शिखाबंधनम् नामक नाटक का मंचन किया जिसमें उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा परिसर की छात्रा प्रियंका शर्मा ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त किया।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2019 के दिन एकलव्य परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रात: 8:00 बजे परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात परिसर प्राचार्य ने स्वतंत्रता संग्राम में वीरगति को प्राप्त वीरों का स्मरण किया एवं उन्हें श्रद्धांजलि प्रदान की। गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष में छात्रों के द्वारा देश भक्ति गीत, नृत्य एवं कविताओं

के द्वारा राष्ट्रीय पर्व का परिपालन किया गया।

राष्ट्रीय निर्वाचक दिवस परिपालन

संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार 25 जनवरी के दिन पूर्वाह्न 11:00 बजे एकलव्य परिसर में राष्ट्रीय निर्वाचक दिवस के उपलक्ष्य में लोगों को निर्वाचन मे सहभागिता हेतु प्रेरित करने के लिए परिसर प्राचार्य द्वारा परिसर की सभा भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिज्ञा दिलाई। आधुनिक विषय विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुमन आचार्जी ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया।

अन्तार्राष्ट्रीय महिला दिवस

सम्पूर्ण विश्व के साथ एकलव्य परिसर ने भी अन्तार्राष्ट्रीय महिला दिवस का परिपालन मार्च मास के 8 दिनाङ्क को परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन की अध्यक्षता में किया। इस कार्यक्रम में एकलव्य परिसर के सभी आचार्यों, प्राध्यापकों, कार्यालय कर्मचारियों तथा छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन आधुनिक विषय विभाग की बांग्ला भाषा की प्राध्यापिका डॉ. बीणापाणि चन्द द्वारा किया गया।

वार्षिक स्पर्धा

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एकलव्य परिसर में वार्षिक स्पर्धाओं का आयोजन मार्च मास के द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह में किया गया, जिनमें शैक्षिक स्पर्धाओं में भाषण, सुभाषितकण्ठपाठ, संस्कृतगीतस्पर्धा एवं क्रीडास्पर्धाओं में धावन, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, बालीबाल, कबड्डी एवं योगासन इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन स्पर्धाओं में परिसर के सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पसिर में आयोजित संगोष्ठियाँ एवं विशिष्टव्याख्यान

व्याकरण विभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास मे 04 एवं 05 दिनाङ्क को एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग ने लक्षणाविचार: विषय पर राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्वालय के संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय के उपाचार्य डॉ. रमाकान्तपाण्डेय मुख्यवक्ता के रूप में तथा वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृतविद्या विभाग के सहायकाचार्य डॉ. रविशंकरपाण्डेय सारस्वतातिथि के रूप में उपस्थित हुए। कर्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार वर्मन जी ने की। सङ्गोष्ठी में 15 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

आधुनिक विभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास मे दिनाङ्क 06 एवं 07 को एकलव्य परिसर के आधुनिकविभाग ने Literature and Socio Political Life in this Era of Science and Stress विषय पर राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में अगरतला स्थित एम. बि. बि. विश्वविद्यालय के सहाचार्य डॉ. बाबूराम मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने Indian Aesthetics & Literature विषय पर विशष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। सङ्गोष्ठी में कुल 25 शोधच्छात्रों एवं अध्यापकों ने शोधपत्र पढ़े।

शिक्षाशास्त्र विभीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास के दिनाङ्क 08 एवं 09 को एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग ने शिक्षायां नव्यप्रवृत्तय: इस विषय पर राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में नवदेहली स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य के. भारतभूषण जी मुख्यातिथि के रूप में तथा वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के आधुनिक ज्ञानविज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. पी. एन. सिंह मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित हुए तथा शिक्षा का भारतीय स्वरूप एवं उसका क्रियान्वयन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन् जी ने की। सङ्गोष्ठी में उत्तराखण्डविश्वविद्यालय से डॉ. अरविन्दनारायण मिश्र तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के श्रीसदाशिव परिसर, पुरी से डॉ. नीलाभ तिवारी उपस्थित हुए। सङ्गोष्ठी में कुल 30 विद्वानों ने शोधपत्र पढे। इस सङ्गोष्ठी का संयोजन शिक्षाशास्त्रविभागाध्यक्ष प्रो. बच्चाभारती जी ने किया।

अद्वैतवेदान्त विभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास मे दिनाङ्क 11 एवं 12 को एकलव्य परिसर के अद्वैतवेदान्त विभाग ने ब्रह्मण: जगत्कारणविचार: विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में तिरुपति स्थित राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के अद्वैत वेदान्त विभाग के प्रो. एम. एल. नरसिंहमूर्ति जी उपस्थित हुए तथा अध्यारोप - अपवाद प्रक्रिया विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। कर्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य

रणजित कुमार वर्मन जी ने की। सङोष्ठी में 36 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

ज्योतिष विभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास मे दिनाङ्क 13 एवं 14 को एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग ने भावफलविमर्श: इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो मदन मोहन पाठक जी ने मुख्यातिथि एवं मुख्यवक्ता के रूप उपस्थित होकर भावफलविमर्श: विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन् द्वारा की गई। सङ्गोष्ठी में कुल 30 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

धर्मशास्त्र विभागीय सङ्गोष्ठी

15 एवं 16 मार्च 2018 को एकलव्य परिसर के धर्म शास्त्र विभाग द्वारा आश्रम व्यवस्था विषय पर द्विदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में पुरी स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के श्रीसदाशिव परिसर के धर्मशास्त्र विभाग के प्रो. ललित कुमार साहु जी को मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जिन्होंने आधुनिकसमाजे धर्मशास्त्रस्य उपादेयता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन महोदय द्वारा की गई। इस संगोष्ठी में कुल तीन अधिवेशनों में 34 विद्वानों ने अपने शोध पत्र पढ़े।

साहित्य विभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास में दिनाङ्क 18 एवं 19 को एकलव्यपरिसर के साहित्यविभाग ने कालिदासकाव्यमीमांसा विषय पर राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि / मुख्यवक्ता के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. विजय कुमार कर्ण जी उपस्थित हुए तथा वर्तमाने कालिदासकाव्यस्य उपादेयता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्या आचार्य रणजित कुमार वर्मन जी द्वारा की गई सङ्गोष्ठी में 40 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े। इस सङ्गोष्ठी का संयोजन साहित्यविभागाध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी जी ने किया।

बौद्धदर्शन विभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास के दिनाङ्क 28 एवं 29 को एकलव्य परिसर के बौद्धदर्शन विभाग ने बौद्धपरम्पराया: विविधायामा: विषय पर राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें लखनऊ स्थित अन्तर्राष्ट्रिय बौद्ध शोध संस्थान के अध्यक्ष भिक्षु भदन्त शान्तिमित्र जी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय कोलकता के प्राचार्य प्रो. सोमेश मिश्र जी उपस्थित हुए। सारस्वतातिथि के रूप में त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. सत्यदेव पोद्दार जी उपस्थित हुए। मुख्यवक्ता के रूप में विश्वभारती शान्ति निकेतन के भारतीय तिब्बती अध्ययन विभाग के आचार्य डॉ. संजीव कुमार दास ने उपस्थित होकर तन्त्रायनस्य वैशिष्ट्यम् विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। सङ्गोष्ठी में 40 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े। कर्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित कुमार बर्मन ने की। सङ्गोष्ठी का संयोजन बौद्धदर्शनविभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार चौबे जी ने किया।

परिसर की उपलब्धियाँ

- नाट्य महोत्सव में एकलव्य परिसर के छात्रों ने शिखाबन्धनम् नाटक प्रस्तुत किया, जिसमे उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्रा प्रियंका शर्मा ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त किया।
- अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में परिसर की अद्वैत वेदान्त विभाग की आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा मणिकंकणा वरा ने सांख्ययोग भाषण स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	- 00
उत्तर प्रेषित	- 00

4.2.13 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

परिसर परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16-06-2016 को अधिगृहीत किया गया। पूर्व महाविद्यालय की तरह इस परिसर का नामकरण भी दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाड़ों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गङ्गा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16- 06- 2016 को इस परिसर का उद्घाटन उत्तराखण्ड के तत्कालीन माननीय शिक्षामन्त्री श्री मन्त्रीप्रसाद नैथानी द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति श्री पी-एन. शास्त्री, पूर्व राज्यसभा-सदस्य श्री एम. के धयानी एवं सूचना आयुक्त श्री राजेन्द्र कोटियाल की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान् संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी परिसरस्थ 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड़ भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् गत वर्ष ही आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (अडिटरियम), खेल-मैदान (स्टाडियम) आदि के निर्माण हेतु सी. पी. डब्ल्यू. डी. की श्रीनगर शाखा को ले-आउट भूमि सौंप दी गई थी। परिसर-प्राचीर (बाउण्ड्री)-निर्माण-कार्य लगभग पूर्ण है और विविध भवन-निर्माण-कार्य उत्तराखण्ड के राज्यपाल के हाथ से शिलान्यास के पश्चात् मई 2017 से प्रारम्भ हो गई है। 2 शैक्षणिकभवन, प्राशासनिक भवन एवं छात्रावास निर्माण-कार्य प्रगति पर है।

परिसर की अवस्थिति - जहाँ तक परिसर की भौगोलिक, ऐतिहासिक, पौराणिक तथा शैक्षिक स्थिति का प्रश्न है, देवप्रयाग उत्तराखण्ड (पूर्व उत्तरांचल और इससे पूर्व उत्तरप्रदेश) में विद्यमान है जो सांस्कृतिक दृष्ट्या देवभूमि के नाम से प्रसिद्धि-प्राप्त है। इस देवभूमि में न केवल प्रसिद्ध ज्योतिर्मठों में अन्यतम श्रीबद्रिकाश्रम-धाम अवस्थित है अपितु द्वादश-ज्योतिर्लिंगों में प्रधान श्रीकेदारनाथ जी भी यहाँ विराजमान है। साथ ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्त्रोतस्विनी श्रीगंगा एवं श्री यमुना का उद्गम-स्थान भी यही पावन प्रदेश है। देवतात्मा हिमालय आज भी यहाँ पृथ्वी के मानदण्ड की गौरवमयी गाथा को अपनी अमित-प्रभा से भासित कर रहा है। पौराणिक मान्यता (स्कन्दपुराण-केदारखण्ड) के अनुसार देवशर्मा नामक तपस्वी के नाम से इस स्थान को देवप्रयाग नाम से जाना जाता है जिन्होंने कभी यहाँ घोर तपस्या की थी। उत्तराखण्ड के पाँच प्रयागों में देवप्रयाग प्रथम प्रयाग है जिसके बाद रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग एवं विष्णुप्रयाग का क्रम आता है। देवप्रयाग का नगरीय-भूभाग तीन पर्वत-मालाओं से परिवेष्टित है। भगवान् श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर वाला भूप्रदेश गृद्धाचल-श्रेणी में आता है, दूसरा भागीरथी का दक्षिण-तटीय भाग दशरथाचल शृंखला में है, तथा तीसरा अलकनन्दा-तटीय भाग नृसिंहाचल नाम से जाना जाता है। यहाँ की मान्यता के अनुसार, प्राचीन समय से ही देवप्रयाग का नृसिंहाचल विद्या-क्षेत्र के नाम से अभिहित है। उल्लेख्य है कि यह एक मात्र प्रदेश है जहाँ संस्कृत को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाया गया है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2018-19 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लग-भग 100 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान किया जा रहा है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ - साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

– प्राक–शास्त्री (इंटर मीडिएट)

– शास्त्री (स्नातक)

– आचार्य (स्नातकोत्तर)

– विद्यावारिधि (पी–एच–डी–) – इस परिसर में अब कुल तीन शोधछात्र शोधकार्य कर रहे हैं।

अग्रिम–पाठ्ययोजना

अग्रिम वर्षों में यहाँ शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) कक्षा भी खोलने की सम्भावना है।

अनौपचारिक शिक्षण –

संस्कृत– सम्भाषण–पाठ्यक्रम – संस्कृत में बोलने को प्रोत्साहित करने के लिए अनौपचारिक रूप से यहाँ सम्भाषण–संस्कृत की कक्षा भी चलाई जाती है। गतवर्ष परिसर में सम्भाषण–शिविर चलाया गया था जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रथम दीक्षा एवं द्वितीय दीक्षा का पाठ्यक्रम पढ़ाया गया। आगे भी परिसर में ऐसे अनेक कार्यक्रम चलाने की योजना है।

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स) – भविष्य योजना के रूप में यहाँ ज्योतिष, वास्तु एवं योग आदि विषयों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे।

परिसर के विविध क्रियाकलाप/समारोह/कार्याशालाओं का पूर्ण विवरण

वर्ष 2018–19 में परिसर में विविध–कार्यक्रम सम्पन्न हुये। परिसरीय गतिविधि एवं कार्यक्रमों को तीन भागों में बांटा जा सकता है –

- राष्ट्रिय अन्ताराष्ट्रिय कार्यक्रम
- सांस्कृतिक–कार्यक्रम
- शैक्षणिक–कार्यक्रम
- छात्रप्रतिभा–प्रदर्शन

राष्ट्रिय–अन्ताराष्ट्रिय–कार्यक्रम

♦ **संस्कृत–सप्ताह–महोत्सव (27.08.2018 – 04.09. 2018)**

- उद्घाटन कार्यक्रम 27.08.2018 को सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्यातिथि – महन्त श्री राजेशस्वरूप, विशिष्टातिथि – लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता श्री राजीवकुमार वर्मा, कनिष्ठ अभियन्ता – श्री जितेन्द्रप्रकाश एवं अध्यक्ष: – परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे।
- सम्पूर्ति कार्यक्रम 04.09.2018 को सम्पन्न हुआ जिस में, मुख्यातिथि – बाल्मीकी संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य श्रेयांस द्विवेदी, विशिष्टातिथि – पौडीजिलास्थ उपजिलाधीश – श्री रामजीशरण शर्मा, स्वागत भाषणकर्ता प्रो. बनमाली बिश्वाल, संयोजक: – डा. आर. बालमुरुगन् तथा अध्यक्ष – परिसरप्राचार्य प्रोण केण्बीण सुब्बारायुडु उपस्थित रहे। इस अवसर पर विविध–प्रतियोगिता समायोजित किये गये और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

♦ **हिन्दीपक्षोत्सव – (14.09.2018 से 28.09.2018)**

- उद्घाटनकार्यक्रम 14.09.2018 को सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्यातिथि – डा. नरेन्द्र प्रताप सिंह (हरिद्वारस्थ देवसंस्कृतिविश्वविद्यालय के ह्रदीविभागसमन्वयक), मुख्यवक्ता – डा. सुशील को टनाला

  एवं अध्यक्ष: – परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे।

  इस कार्यक्रम का सम्पूर्ति कार्यक्रम – 28.09.2018 को सम्पन्न हुआ जिसमें सारस्वतातिथि – प्रो. आजादमिश्र (पूर्व प्राचार्य, भोपालपरिसर), मुख्यातिथि – प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित (कुलपति, उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालय), विशिष्टातिथि – सुशील उपाध्याय, श्री मोहनजी, श्री भरतसिंह को टियाल और डा. अमरजीव लोचन तथा अध्यक्ष – परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे।

  इस अवसर पर डा. सुशील कोटनाला को श्रीरघुनाथकीर्ति–हिन्दी–सेवा–सम्मान से सम्मानित किया गया।

  कार्यक्रम का संयोजक – प्रो. बनमाली बिश्वाल, सहसंयोजक – डा. वीरेन्द्र सिंह बर्त्वाल भी अपने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विविध–प्रतियोगिता समायोजित किये गये और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

♦ राष्ट्रिय योगदिवस – 21–06–2018

♦ स्वातन्त्र्यदिवसोत्सव– 15.8.18

♦ गणतन्त्र–दिवस: – 26.01.2019

- **गान्धी जयन्ती, स्वच्छभारताभियान - 02.10.18**
- **सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day)** - परिसर में 29-10-2018 सतर्कतादिवसोत्सव पालित हुआ जिस में मुख्यातिथि एवं विशिष्टातिथि संघ जिला प्रचारक श्री मोहन एवं देवप्रयाग के सब इंस्पेक्टर - जी. एस. नेगी उपस्थित रहे।
- **राष्ट्रिय एकता-सप्ताह** - सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में परिसर में 31-10-2018 से 03-11-2018 को राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह पालित हुआ जिस में मुख्यातिथि प्रो. भगवत् शरण शुक्ल उपस्थित रहे।
- **मातृभाषा दिवस** - दिनाङ्क 21-02-2019 को परिसर में मातृभाषादिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर गढ़वाली भाषा के प्रचारप्र-सार के लिए संगठित आखरसमिति के अध्यक्ष डा. सन्दीप रावत ने विशिष्टातिथि के रूप में उद्बोधित किया तथा गढ़वाली भाषा में काव्यपाठ किया।

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

- गणेशचतुर्थी - दिनाङ्क 23.09.2018 को परिसर में गणेशचतुर्थी के अवसर पर गणेश-पूजन
- वसन्तपञ्चमी- दिनाङ्क 22-01-2018 को परिसर में बसन्त-पञ्चमी के अवसर पर सरस्वती-पूजन
- श्रद्धाञ्जलि-कार्यक्रम - दिनाङ्क 18ण्12ण्2018 को आचार्य-रामकरणशर्मा जी को श्रद्धाञ्जलि दी गई।

राष्ट्रिय कविगोष्ठी

- दिनाङ्क 19.02.2019 को परिसरीय आधुनिक-संस्कृत-साहित्य-संसाधन-केन्द्र की ओर से परिसर में राष्ट्रिय संस्कृत-कविगोष्ठी आयोजित की गई। परिसर-प्राचार्य की अध्यक्ष्यता में सम्पन्न इस कविगोष्ठी में प्रो. बनमाली विश्वाल, डा. शैलेन्द्र-प्रसाद-उनीयाल, डा. मुकेश कुमार, डा. आशुतोष गुप्त, डा. वीरेन्द्र बर्त्वाल-प्रभृति कवियों ने संस्कृत-हिन्दी-गढवाली-भाषाओं में स्वरचित काव्य प्रस्तुत किये। प्राय: सभी कविओं ने पुलवामा आक्रमण में शहीदों को अपने काव्यों के माध्यम से श्रद्धाञ्जलि प्रस्तुत किये।

राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्धा

- परिसर में दिनाङ्क 15-11-2018 से 17-11-2018 तक 'राज्यस्तरीय-शास्त्रीय- स्पर्धा (2018) आयोजित की गई जिसके अन्तर्गत परिसरीय, विद्यालयीय, महाविद्यालयीय, विश्वविद्यालयीय छात्र-छात्राओं ने विविध-प्रतियोगिताओं में भागग्रहण किया। अधिकाधिक संख्या में भागग्रहण करने वाले प्रतिभागिओं में से अधोलिखिता छात्र विजेता एवं पुरस्कृत हुये।

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार -

- **कण्ठपाठ** - काव्यकण्ठपाठ, भगवद्गीताकण्ठपाठ, अष्टाध्यायीकण्ठपाठ, धातुरूपकण्ठपाठ और अमरकोष-कण्ठपाठ
- **भाषणस्पर्धा** - साहित्यभाषण, वेदान्तभाषण, और वेदभाष्यभाषण।
- **शलाकापरीक्षा** - साहित्यशलाका, व्याकरणशलाका और पुराणोतिहासशलाका परीक्षा
- शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा
- समस्यापूर्ति
- शास्त्रर्थविचार

- राज्यस्तरीय-शास्त्रीय-स्पर्धाओं में विशिष्टातिथि और निर्णायक के रूप में डा. शैलेश तिवारी, श्री आर.पी. यादव, श्री ए.के. राय और डा. राकेश भट्ट एवं सारस्वतातिथि - डा. रङ्गाचार्य शतावधानी तथा अध्यक्ष - परिसरप्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु उपस्थित रहे।

इन स्पर्धाओं में परिसर के अधोलिखित छात्र पुरस्कृत हुये -

क्र.	प्रतियोगिता	छात्र	कक्षा
1.	काव्याकण्ठपाठ	दीपक नौटियाल	प्राक्-शास्त्री-I
2.	अमरकोष-कण्ठपाठ	राम तिवारी	प्राक्-शास्त्री-II
3.	भगवद्गीता-कण्ठपाठ	मोहित शर्मा	प्राक्-शास्त्री-I
4.	वेदान्त-भाषण	अनुरुद्ध कुमार त्रिपाठी	आचार्य-II
5	व्याकरणशलाका	श्यामदेव	शास्त्री-III

6. शास्त्रार्थविचार	हरीश डंग्वाल	शोधच्छात्र (व्याकरण)
	किशोर कुमार	शोधच्छात्र (न्याय)
7. शास्त्रीयस्फूर्ति-	हरीश डंग्वाल	शोधच्छात्र (व्याकरण)
स्पर्धा	किशोर कुमार	शोधच्छात्र (न्याय)

♦ उत्तराखण्ड-संस्कृत शिक्षक सम्मेलन

दिनाङ्क 17.11.2018 को परिसर में उत्तराखण्ड-संस्कृत शिक्षक सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिस में मुख्यातिथि - संस्कृतभारती के क्षेत्रीयसङ्गठनमन्त्री श्री प्रतापसिंह, विशिष्टातिथि - डा. शैलेश तिवारी तथा अध्यक्ष - परिसर प्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु उपस्थित रहे।

अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय-संगोष्ठी

परिसर में विविध विभागीय कुल 07 अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय-संङ्गोष्ठिओं का आयोजन दिनाङ्क 28-01-2019 से 04.02.2019 तक पुनश्च दिनाङ्क 18-02-2019 से 23.02.2019 तक सम्पन्न हुआ।

♦ अन्ताराष्ट्रिय-संगोष्ठी

व्याकरण-विभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 28-01-2019 से 29-01-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - समासशक्तौ परावर्तन बिन्दवः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में संस्कृतभारती के क्षेत्रीयसङ्गठनमन्त्री श्री प्रतापसिंह, प्रो. विजयपालशास्त्री, डा. ब्रजभूषण ओझा, डा. शशिभूषणमिश्र, डा. शैलेश तिवारी, श्रीमोहन उपस्थित रहे।

साहित्य-विभागीया द्विदिवसीया अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी 30-01-2019 से 31-01-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - संस्कृतसाहित्ये बौद्धपरम्पराया योगदानम्। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. विजयपालशास्त्री, प्रो. रामलखन पाण्डेय, डा. निरञ्जनमिश्र डा. शशिभूषण मिश्र उपस्थित रहे।

ज्योतिष-विभागीया द्विदिवसीया अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी 01-02-2019 से 02-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - देववास्तुविमर्शः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रो, वासुदेव शर्मा, प्रो. राकेशभट्ट उपस्थित रहे।

राष्ट्रियसंङ्गोष्ठी

आधुनिक-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 03-02-2019 से 04-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - लोकसंस्कृति का इतिहास से अन्तःसम्बन्धः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में डा. देवानन्द शुक्ल, डा. विनोद तनेजा, डा. प्रीति शुक्ला, प्रो. मोहनलाल भट्ट, प्रो. प्रेमचन्द्र शास्त्री एवं श्री पवनकुमार उपस्थित रहे।

वेद-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 18-02-2019 से 19-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - वेदेषु देवतावादः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. रामराज उपाध्याय, डा. रामानुज उपाध्याय, डा. धर्मानन्द राउसे, डा. रामप्रसाद झा उपस्थित रहे।

न्याय-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 20-02-2019 से 21-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - वैशेषिकसूत्रोपकारस्थ-विशेषविचाराणां परिशीलनम्। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. महाबलेश्वरभट्ट, डा. राघवेन्द्र पी आरोल्ली उपस्थित रहे।

वेदान्त-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 22-02-2019 से 23-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - मोक्षसाधनसामग्री-विमर्शः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. महाबलेश्वरभट्ट, प्रो. गणपतिभट्ट, डा. भगवान् सामन्तराय उपस्थित रहे।

विविध विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला

परिसर में विविध-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 28-01-19 से 22-02-2019 तक सम्पन्न हुआ

- **व्याकरणविभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 28-01-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- समासवृत्तिविमर्शः। मुख्यवक्ता - डा. ब्रजभूषण ओझा (बी.एच.यू, वाराणसी)
- **साहित्य-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 30-01-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- बौद्धसंस्कृतसाहित्ये अनुवादे अर्थनिर्धारणस्य समस्याः सम्भावनाश्च। मुख्यवक्ता - प्रो. विजयपालशास्त्री (एकलव्यपरिसरः, गरली)

- **वेद-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 18-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- 'श्रौतयागेषु चातुर्मास्ययागः। मुख्यवक्ता - प्रो. रामराज उपाध्याय (लालबाहादुर राष्ट्रिय संस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली)
- **ज्योतिष-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 01-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- वास्तुशास्त्रस्य लोको पयोगित्वम्। मुख्यवक्ता - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी (कुलपति, उत्तराखण्ड - संस्कृत- विश्वविद्यालय)
- **आधुनिक-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 03-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- संस्कृत और संस्कृत के अध्येताओं के भविष्य में कंप्यूटर का योगदान। मुख्यवक्ता - डा. देवानन्द शुक्ल (राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली)
- **वेदान्त-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 22-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- ज्ञानकर्मसमुच्चयविचाराः। मुख्यवक्ता - प्रो. महाबलेश्वरभट्ट (पूर्व-आचार्य शृङ्गेरीपरिसर)

संस्कृत-सम्भाषण-लेखनानुवादप्रशिक्षणवर्ग

परिसर में अक्तूबरमासस्य 20 दिनाङ्क से 22 दिनाङ्क पर्यन्त त्रिदिवसीय संस्कृत-सम्भाषण-लेखनानुवादप्रशिक्षणवर्ग सञ्चालित हुआ। इस वर्ग में उत्तराखण्डराज्य के विविध स्थानों से समागता 5 शोधच्छात्र, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर के 8 छात्रा, इस प्रकार कुल मिला कर 13 प्रतिभागी भाग-ग्रहण किये। इस वर्ग में प्रातः काल 9 बजे से सायं 6 बजे तक विविध सत्रों में प्रत्यक्षविधि से सम्भाषणाभ्यास, भाषाशुद्ध्यर्थ व्याकरणाभ्यास, क्रीडाद्वारा भाषा का अभ्यास, कथालेखनाभ्यास और अनुवाद का अभ्यास कराया गया। वर्ग के समापनकार्यक्रम अक्तूबरमास के 22 तारिख को सम्पन्न हुआ जिस में मुख्यातिथि के रूप में परिसर के व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली बिश्वाल उद्बोधन किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्यः प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु ने की और वर्ग का प्रतिवेदन संयोजक डा. मुकेशशर्मा ने प्रस्तुत किया।

संस्कृत में इतिहास, इतिहास में संस्कृत विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनाङ्क 15.02.2019 को परिसर में दिल्ली विश्वविद्यालय से आये प्रो. राधामाधव भारद्वाज का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित था जिस में उन्होंने संस्कृत में इतिहास और इतिहास में संस्कृत इस विषय पर महत्त्वपूर्ण एवं सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शोधसमित्युपवेशन

दिनाङ्क 23.08.2018 को एवं 13.03.2019 को परिसर में शोधसमिति की बैठक सम्पन्न हुई।

छात्र-प्रतिभा-प्रदर्शन

- दिनाङ्क 6.9.2018 को उत्तराखण्डसर्वकार द्वारा आयोजित खण्डस्तरीय स्पर्धाओं में छात्रों ने भागग्रहण किया जहाँ छात्र प्रायः सभी प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।
- दिनाङ्क 12.9.2018 से 13.9.2018 तक उत्तराखण्ड सरकार द्वारा आयोजित जिलास्तरीय स्पर्धाओं मे छात्रों ने भागग्रहण किया और अनेक प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।
- दिनाङ्क 19.9.2018 से 20.9.2018 तक उत्तराखण्ड सरकार द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय स्पर्धाओं मे छात्रों ने भागग्रहण किया और वहाँ भी अनेक प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।
- अन्तःपरिसरीयनाट्यस्पर्धायां परिसर का भागग्रहण
- केरल के गुरुवायूर-परिसर में मार्च 08 से 11 तक आयोजित षोडश- अन्तःपरिसरीयनाट्यस्पर्धा में परिसर के नाट्यदल ने श्रीहर्षप्रणीत रत्नावली-नाटिका प्रस्तुत की जहाँ प्राचार्यसमेत नाट्यदल के मार्गदर्शक के रूप में डॉ. शैलेन्द्रप्रसाद-उनीयालः, डा. नीतेशद्विवेदी तथा डॉ-राकेशभट्ट उपस्थित रहे।

सत्रार्ध परीक्षा एवं वार्षिक परीक्षा सम्पन्न

- सत्रार्धपीक्षा - दिनाङ्क 8.12.18 से 15.12.2018 तक परिसर में सत्रार्धपरीक्षा सम्पन्न हुई
- वार्षिकपरीक्षा - दिनाङ्क 23.03.19 से 29.03.19 तक परिसर में प्राक्-शास्त्री - वार्षिकपरीक्षा सम्पन्न हुई

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 0

उत्तर प्रेषित - 0

5. वर्ष 2018-2019 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2018-2019 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान (28.08.2018)

पंडित सत्यदेव शर्मा

पंडित सत्यदेव शर्मा का जन्म 15.05.1948 को राजस्थान को हुआ। उन्होंने अपनी स्नातकोत्तर परीक्षा इकोनोमिक्स एस्ओनोमी के साथ की। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में 20 से ज्यादा किताबें कम्पोज की। उन्होंने सिद्धान्त ज्योतिष से सम्बन्धित लेक्चर एवं शोध लेख प्रकाशित किए।

डॉ. नन्दकिशोर रघुनाथ पट्टारकिने

डॉ. नन्दकिशोर रघुनाथ पट्टारकिने का जन्म 7 नवम्बर, 1945 को नागपुर महाराष्ट्र में हुआ। सन् 1982 को नागपुर विश्वविद्यालय से अपनी स्नातकोत्तर की परीक्षा पूर्ण की। वह रिजर्व बैंक में मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं। 30 वर्षों से संस्कृत के प्रचार-प्रसार में लगे हैं। उन्होंने संस्कृत सम्बन्धित काई कार्यक्रम आयोजित किए।

डॉ. के. अरविन्द राव

डॉ. के. अरविन्द राव का जन्म आन्ध्रप्रदेश के अनन्तपुर जिले में हुआ। उन्होंने 30 वर्षों तक आन्ध्रप्रदेश पुलिस विभाग में कार्य किया। उनकी सेवानिवृत्ति आन्ध्रप्रदेश में डी.जी.पी. के रूप में हुई। उन्होंने अपनी स्नातकोत्तर संस्कृत से की एवं संस्कृत से पीएच-डी की। उन्होंने विवेक चूड़ामणि तथा ब्रह्म सूत्र शंकरभाष्य में विशिष्ट व्याख्यान दिए। उन्होंने अपना योगदान भारत सरकार एवं आन्ध्रप्रदेश सरकार को दिया।

5.2 संस्कृत सप्ताहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में दिनाङ्क 23.08.2018 से 29.08.2018 तक संस्कृत सप्ताह का उल्लास पूर्वक आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह का विशिष्ट समारोह मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ सहित अन्य संस्कृत के प्रतिष्ठित संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 28.08.2018 को मानवलंकर हॉल, कान्स्टीट्यूशनल क्लब ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस समारोह के अध्यक्ष माननीय संसधान विकास मंत्रालय, सचिव (एच.ई) श्री आर. सुब्रह्मण्यम थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति महोदय, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ के कुलपति महोदय के तत्त्वाधान में कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृतेतर संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संलग्न विद्वानों पंडित सत्यदेव शर्मा डॉ., श्री नन्दकिशोर रघुनाथ पत्तीकरनी तथा डॉ. के.

संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर माननीय श्री आर. सुब्रह्मण्यम्, सचिव (एच.ई.), मानव संस्थान विकास मंत्रालय, भारत सरकार का सम्मान करते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री

संस्कृत सप्ताह के उद्घाटनर अवसर पर माननीय श्री आर. सुब्रह्मण्यम्, सचिव (एच.ई.),
मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शुभाशीष देते हुए

अनेक स्पर्धाओं में छात्रों का भागग्रहण

अरवीन्द राव को विशिष्ट सेवाव्रती सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्थान मुख्यालय में विद्यालय, महाविद्यालय, स्नातक एवं स्नाताकोत्तर स्तर पर सुभाषित कण्ठपाठ, स्तोत्रपाठ, भाषण स्पर्धा, निबन्ध लेखन इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस समारोह में दिल्लीस्थन विभिन्न संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया।

दिनांक 29.08.2018 को सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. देवनारायण झा, पूर्व कुलपति श्री कमेश्वर सिंह दरबांगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरबंगा (बिहार) विशिष्टातिथि तथा अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री महोदय रहे। प्रो. सुब्रह्मण्यम् शर्मा, कुलसचिव तथा प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, परीक्षा नियंत्रक भी उपस्थिति रहे। इस अवसर पर छात्रों को पुरस्कार वितरित किया गया।

समापन कार्यक्रम में मंच पर आसीन अतिथिगण

माननीय कुलपति महोदय छात्रों को पुरस्कार वितरित करते हुए

5.3 स्थापना दिवस

दिनांक 15.10.2018 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 49वाँ स्थापना दिवस संस्थान के मुख्यालय में बहुत ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय परम्परा के अनुसार दीपप्रज्वलन और सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. श्रीकान्त शर्मा, बनारस संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी) और प्रो. रवीशंकर मेनन भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री जी उपस्थित रहे।

5.4 57वाँ अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

57वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरूकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है।

राष्ट्रीय स्तर की 57वाँ अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 06.01.2019 से 09.01.2019 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 350 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोष एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 55 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

दीप प्रज्जवलन करते हुए श्री रत्नलाल नाथ,
शिक्षा मंत्री, त्रिपुरा सरकार

समापन कार्यक्रम में मंच पर आसीन अतिथिगण

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु.2000/- एवं रु.1500/- प्रदान किये गये। कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में स्वोंच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की।

श्री रत्नलाल नाथ, शिक्षा मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने सत्र का उद्घाटन किया। प्रो. विजय कुमार लक्ष्मी धारूरकर, कुलपति त्रिपुरा विश्वविद्यालय और प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, परीक्षा नियंत्रक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे।

समापन समारोह अपराह्न दिनांक 09.01.2019 को प्रो. कृष्णकान्त शर्मा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. पी.एन. शास्त्री ने उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया तथा उत्कृष्ट छात्रों को तैयार करने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रशंसा की

5.5 चौथा अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस

संस्थान में दिनांक 21.06.2018 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सोत्साह भाग लिया।

योग दिवस आचरण का एक दृश्य

5.6 सोलहवाँ अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्यस्पर्धा के रूप में सोलहवाँ संस्कृत नाट्य महोत्सव गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर (केरला) में दिनांक 08.03.2019 से 10.03.2019 तक आयोजित किया गया। इस उत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थिति रहे। इस उत्सव में 11 नाटकों/रूपकों की प्रस्तुति की गई।

नाट्य महोत्सव उद्घाटन समारोह का एक दृश्य

समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. धर्मराज अदत, कुलपति, शंकराचार्य विश्वविद्यालय, श्री वी. श्रीपति, अण्डर सचिव, भाषा (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) भारत सरकार विशेष अतिथि तथा संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री ने अध्यक्ष पद को अलङ्कृत किया।

नाट्योत्सव में राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी परिसर (कर्नाटका), के.जे. सोमैया विद्यापीठ, मुम्बई (महाराष्ट्र) तथा गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर (केरला) और एकलव्य परिसर (अगरतला) ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

5.7 हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु बहुत ही मनोयोग से हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 14.09.2018 से 28.09.2018 तक किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

5.8 एकता दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा राष्ट्रीय एकता सम्पादन हेतु दिनांक 31.10.2018 को एकता दिवस का आयोजन बहुत ही उत्साह से किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं देश भक्ति के जागरण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सोत्साह भाग लिया।

5.9 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण के प्रयास हेतु सतर्कता जागरूकता सप्ताह उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन बहुत ही उत्साह से दिनांक 29.10.2018 से 03.11.2019 तक किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

6. संलग्नक

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

(1.04.2018 से 31.03.2019)

1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष, पदेन
2.	प्रो. पंकज लक्ष्मण लाल जैनी कुलपति, महर्षि पाणिनी संस्कृत और वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्यप्रदेश	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
3.	डॉ. चाँद किरण सालूजा अकादमिक निदेशक, संस्कृत प्रोत्साहन फॉउण्डेशन, नई दिल्ली	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
4.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय प्रो. संस्कृत विभाग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
5.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषाएं) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन)
6.	संयुक्त सचिव एवं (वित्त सलाहकार) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन)
7.	प्रो. श्रीनिवास वारखड़ी कुलपति, कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यलाय माउदा रोड़, रामटेक, (महाराष्ट्रा) जिला-नागपुर-441006	सदस्य (06.06.2022)
8.	प्रो. वासुदेव शर्मा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (26.04.2019)
9.	प्रो. विजय कुमार जैन प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य (26.04.2019)

क्रमशः....

10.	प्रो.(श्रीमती) भगवती सुदेश (प्रो. धर्मशास्त्र), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य (31.01.2021)
11.	श्री शरत् चन्द्र शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी श्रीरणबीर परिसर, जम्मू	(सदस्य) (30.11.2020)
12.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा प्रभारी-कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	सचिव (पदेन)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2018 के अनुसार)

1. कुलपति — अध्यक्ष
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
   नई दिल्ली - 110 058

संकायाध्यक्ष

2. प्रो. सीएच. लक्ष्मी नारायण शर्मा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   गुरुवायूर परिसर, पोस्ट आफिस-पुरानाटुकरा,
   जिला-त्रिचूर-680551 (केरला)

3. प्रो. वासु देव शर्मा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
   जयपुर-302018 (राजस्थान)

4. प्रो. विजय कुमार जैन — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय,
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
   लखनऊ-226010 (उ.प्र.)

5. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय,
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
   लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

6. प्रो. राम लखन पाण्डेय — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
   लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

क्रमशः....

7. प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
संख्या योग और न्याय दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. शृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

8. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्ष

9. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द — सदस्य
विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

10. प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल,
(उत्तराखण्ड)

11. प्रो. मदन मोहन पाठक — सदस्य
विभागाध्यक्ष, ज्योतिष,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ

12. प्रो. हरेकृष्ण महापात्र — सदस्य
विभागाध्यक्ष, व्याकरण
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी

13. प्रो. वैद्यनाथ झा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, न्याय
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

14. प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश — सदस्य
विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

15. प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघाई — सदस्य
विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

16. प्रो. राम लखन पाण्डेय — सदस्य
विभागाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)

17. डॉ. मिनति रथ — सदस्य
विभागाध्यक्ष, पुराणेतिहास
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

18. प्रो. सुब्राय वी. भट्ट — सदस्य
विभागाध्यक्ष, मीमांसा
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

19. प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सर्व दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

20. प्रो अवधेश कुमार चौबे — सदस्य
विभागाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

21. प्रो. मनोज कुमार मिश्र — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

22. डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति
विभागाध्यक्ष, आंग्लभाषा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

23. डॉ. अर्चना दूबे — सदस्य
विभागाध्यक्ष, हिन्दी
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

24. डॉ. अशोक कुमार मीना — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सांख्ययोग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

25. प्रो. वी.एस.के. वेंकट सोमयाजुलु — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

26. प्रो. (श्रीमती) प्रभा देवी चौधरी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

27. प्रो. जे. भानुमूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

28. प्रो. अवनीश अग्रवाल — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

29. प्रो. बोध कुमार झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
के.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

30. प्रो. सुबोध शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

31. प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पुरुस्थी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

32. प्रो. ईश्वर भट्ट — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

33. प्रो. रंजीत कुमार बर्मन — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

34. प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

35. श्री प्रभात कुमार महापात्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

36. डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

37. डॉ. नागेन्द्र नाथ झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

38. डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यन् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
वेद व्यास परिसर, बलहार, पो. सुहिन,
गरली, जिला-कांगड़ा 177108 (हि.प्र.)

39. डॉ. शुभस्मिता मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

40. डॉ. निर्मला पाणिग्रही — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं

41. डॉ. किशोर चन्द्र पाढ़ि (सेवानिवृत्त) — सदस्य
जगन्नाथ विश्वविद्यालय,
पुरी (उड़ीसा)

42. डॉ. शंकर भट्ट — सदस्य
श्री राजेश्वरी संस्कृत महाविद्यालय,
स्वर्णावल्ली, बलिगाडे, कर्णाटक

43. प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी — सदस्य
श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी एवं इण्डोलॉजीकल
रिसर्च इन्स्टीट्यूट, द्वारका-361335 जिला-देवभूमि
द्वारका (गुजरात)

44.
45. } विद्वत् परिषद् द्वारा चुने जाने पर
46.

47. कुलसचिव — सचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	डॉ. पंकज लक्ष्मण जानी कुलपति डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय अहमदाबाद - 382481 (गुजरात)	सदस्य
3.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी डीन, श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016	सदस्य
4.	श्री नवीन सोई निदेशक (सेवानिवृत्त) वित्त विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, वाई-34, हौजखास, नई दिल्ली-110016	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (पदेन)
6.	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (पदेन)
7.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा कुलसचिव (प्र.), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2018 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन्.आर्. कण्णन्	प्राचार्य	
2.	प्रो. शैल कुमारी मिश्रा	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	नव्यव्याकरण
6.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
5.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
6.	प्रो. ललित कुमार साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पुरुस्थी	आचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. (श्रीमती) जी.पी. दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	प्रो. वी.पी. कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. उदयनाथ झा	सह-आचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
12.	डॉ. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. शम्भुनाथ महालिक	सहायक-आचार्य	वेदान्त
14.	डॉ. वी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सहायक-आचार्य	नव्य व्याकरण
16.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहायक-आचार्य	साहित्य
17.	डॉ. महेश झा	सहायक-आचार्य	नव्यन्याय
18.	डॉ. गौरांग बाग	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. नीलाभ तिवारी	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. गणपति शुक्ल	सहायक-आचार्य	नव्यन्याय
21.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सहायक-आचार्य	सांख्ययोग
22.	डॉ. मखलेश कुमार	सहायक-आचार्य	पुराणेतिहास
23.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सहायक-आचार्य	ज्योतिष
24.	डॉ. श्रीमती अनुराधामणि प्रतिहारि	सहायक-आचार्य	पुराणेतिहास
25.	डॉ. (श्रीमती) एस. शतपथी	सहायक-आचार्य	सर्वदर्शन
26.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सहायक-आचार्य	इतिहास
27.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सहायक-आचार्य	नव्यव्याकरण
28.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्राचार्य (प्र.)	
2.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. के.के. साईन	एसोसिएट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	वेद
5.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	सहायक-आचार्य	साहित्य
6.	डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा	सहायक-आचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. घनश्याम मिश्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
8.	प्रो. पी.के. महापात्र	सहायक-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
9.	डॉ. रामदास संगोत्रा	सहायक-आचार्य	ज्योतिष
10.	श्री एस.सी. शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	अंग्रेजी

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. सि.एल.सिसिली	आचार्या	व्याकरण
3.	प्रो. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ ललिता चन्द्रन	सहायक आचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. के.पी. केशवन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
8.	प्रो. ई.एम. राजन	आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहाकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा एच.	सहायकाचार्या	साहित्य
12.	डॉ. ई.आर. नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. आर्.प्रतिभा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. (श्रीमती) राधिका पी.आर्.	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
15.	डॉ. एन.आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	न्याय
16.	डॉ. ओ. आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
17.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
19.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
20.	डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक
21.	श्रीमती के.ए. जेस्सी (मलयालम)	सहायकाचार्य	आधुनिक
22.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	प्रो. के.जी. योगी	प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
4.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	एसोसिएट प्रोफेसर	व्याकरण
6.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
7.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
8.	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रोफेसर	साहित्य
9.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	असि. प्रोफेसर	साहित्य
10.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
11.	प्रो. फतेह सिंह	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
12.	प्रो. संतोष मित्तल	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
13.	प्रो. वाई.एस. रमेश	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. दरियाव सिंह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. कुलदीप शर्मा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. लीना तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. शीशराम	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
19.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
20.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
21.	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
22.	प्रो. (श्रीमती) सत्यम् कुमारी	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
23.	प्रो. गजेन्द्र प्रसाद शर्मा	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
24.	डॉ. सीमा अग्रवाल	असि. प्रोफेसर	राजनीतिविज्ञान
25.	डॉ. रेखा पाण्डेय	असि. प्रोफेसर	हिन्दी

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. विजय कुमार जैन	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
3.	श्री प्रमोद कुमार शुक्ल	सहायक आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. रामलखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
5.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	साहित्य
6.	डॉ. ग़ज़ाला अंसारी	सहायक आचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
7.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायक आचार्य	साहित्य
8.	डॉ. नीरज तिवारी	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
10.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	ज्योतिष
11.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायक आचार्य	बौद्धदर्शन
12.	प्रो. लोक मान्य मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
13.	एम. चन्द्रशेखर	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक
18.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
19.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक आचार्य	राजनीति-शास्त्र
20.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ए. पि. सच्चिदानन्द	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. हरी नारायण तिवारी	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
4.	प्रो. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
5.	डॉ. चन्द्रकान्त	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
6.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
7.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदान्त
8.	डॉ. हरीप्रसाद्. के	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
9.	डॉ. नवीन होल्ला	सहायकाचार्य	नव्य-न्याय
10.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
13.	डॉ. के. ए. पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
14.	डॉ. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	
15.	डॉ. गणेश टी. पण्डित	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. वेंकटरमण एस् भट्ट	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	सहायकाचार्य	मीमांसा
18.	श्री वेंकटेश ताताचार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	प्राचार्य प्र.	
2.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड	उपाचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सुज्ञान कु. माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
7.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. भगवान सामन्त राय	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
9.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र	सहायकाचार्य	आधुनिक विभाग

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. प्रभादेवी चौधरी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. जे. भानूमूर्ति	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. नागेन्द्रनाथ झा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
5.	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
7.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. सोमनाथ साहु	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
10.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. मोहनी अरोड़ा	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	हिन्दी
17.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य	ज्योतिष
18.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
19.	डॉ. अर्चना द्विवेदी	सहाचार्य एवं विभाागाध्यक्षा	आधुनिक
20.	श्री प्रताप	सहाचार्य	जैनदर्शन

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. सुभाषचन्द्र मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
5.	डॉ. देवदत्त सरोडे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	आचार्य/ASM/ASS प्र. कुलसचिव	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
3.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	आचार्य/शो.एवं प्र. प्रभारी/डी.डी.एफ. प्र.	सर्वदर्शन
4.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य/सी.ओ.ई.	ज्योतिष
5.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
6.	डॉ. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
7.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	सहायकाचार्य	बौद्ध दर्शन
6.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	वेदान्त
7.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहाचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. ऋषि राज	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	श्री कनपाल कुमार	सहायकाचार्य	व्याकरण

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	प्राचार्य प्र.	
2.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहाचार्य	न्याय
4.	डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01.04.2018 से 31.03.2019 तक)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	सन्दीप कुमार मिश्र 1408	लखनऊ परिसर	वामनकाव्यालङ्कारसूत्रालोके अभिनवकाव्यालङ्कारसूत्रस्य समीक्षणम्	साहित्य
2.	सन्तोष गोड़रा 1394	जयपुर परिसर	राजस्थानस्य संस्कृतविभागीय क्रीडकच्छात्राणां सामान्यच्छात्राणाञ्च संस्कृतविषये शैक्षिकोपलब्धेः पाठ्यसहगामिक्रियाणाञ्च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
3.	धर्मेन्द्र शर्मा 1423	भोपाल परिसर	किशोरावस्थायां छात्राणां मैत्रीप्रारूपदृशा कक्षाव्यवहारस्य गृहव्यवहारस्य च अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
4.	सुषमा शर्मा 1415	संस्थान मुख्यालय	वाग्भटालङ्कारस्य सिंहदेवगणिकृतसंस्कृतटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
5.	राकेश कुमार जैन 1468	मुम्बई परिसर	दूरस्थशिक्षया साहित्यशास्त्राधिगमे सङ्गणकसहकृतशास्त्रशिक्षणप्रतिमानस्य विकासः	शिक्षाशास्त्र
6.	विश्वप्रज्ञा परिमिता 1435	भोपाल परिसर	प्राथमिकस्तरीयच्छात्राणां जीवनमूल्यानां विकासे अभिप्रेरणायां च उत्कलराज्यीयशिक्षासहायकशिक्षकाणां शिक्षणाधिगमप्रक्रियायां कुण्ठायाः प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
7.	नन्दिनी रघुवंशी 1384	भोपाल परिसर	श्रीरामाभिरामीयमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमनुशीलनम्	साहित्य
8.	मौ गोस्वामी 1429	लखनऊ परिसर	पश्चिमबंगराज्यस्थ-उत्तरदिनाजपुरजनदस्य विविधविद्यालयेषु माध्यमिकस्तरे अध्ययनरतानां ग्रामीणनागरविद्यार्थिनां कुण्ठाप्रतिक्रियायाः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
9.	कृष्ण चन्द्र पण्डा 1389	भोपाल परिसर	वाणीकवीनामाचार्यमनमोहनमहाभागानां संस्कृतवाङ्मयं प्रति अवदानम्	साहित्य
10.	अतुल कुमार शर्मा 1344	भोपाल परिसर	स्वातन्त्र्योत्तरकाले परशुरामचरितम् आश्रित्य प्रणीतानां महाकाव्यानां तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
11.	मनीषा आर्या 1436	लखनऊ परिसर	काशिकायाः पञ्चमषष्ठाध्याययोः प्रत्युदाहरणानां शिक्षाशास्त्रदृष्ट्या प्रक्रियाविमर्शः	शिक्षाशास्त्र
12.	जल्फा महान्ति 1354	पुरी परिसर	जीवन्मुक्त्यादिदशगीतासु अद्वैततत्त्वविमर्शः	अद्वैतवेदान्त
13.	देवस्मिता साहु 1434	पुरी परिसर	श्रीवापीदासवडपण्डामहापात्रकृतसदाचारविवेकस्य समीक्षणात्मकं संपादनम्	धर्मशास्त्र
14.	तोमीर शर्मा 1448	गरली परिसर	प्रमुखोपनिषदां लौकिकपक्षः, एकं समीक्षात्मकमध्ययनम्	वेदान्त दर्शन
15.	योगेश कुमार 1381	भोपाल परिसर	ज्योतिषशास्त्रे आजीविकाविचारे विभिन्नयोगानां प्राच्यपाश्चात्य विचाराणाञ्च समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
16.	ऋतम्भरा पाण्डेय 1438	मुम्बई परिसर	वैदिकप्रक्रियान्तर्गतानां सूत्रवार्त्तिकानामनुशीलनम्	व्याकरण
17.	राजेन्द्र कुमार मीना 1360	जयपुर परिसर	ब्रह्माजितविरचितस्य हनुमच्चरितस्य सम्पादनं समीक्षणञ्चेति	जैनदर्शन
18.	सुभाष यादव 1405	इलाहाबाद परिसर	आधुनिकसंस्कृतकविताया: प्रमुखप्रवृत्तीनामनुशीलनम्	साहित्य
19.	रमण मिश्र 1425	भोपाल परिसर	नवमीकक्षाया: संस्कृतपाठ्यपुस्तकात् सञ्चितपाठाधारेण बहुमाध्यमपुञ्जस्य विकसनं मूल्याङ्कनञ्च	शिक्षाशास्त्र
20.	सोनल कुमार जैन 1447	जयपुर परिसर	केन्द्रीयविद्यालयस्य राजकीयविद्यालयस्य च छात्राणां संस्कृतव्याकरणाधिगमे संगणकसहकृतशिक्षणविधे: प्रभावस्य तौलनिकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रदीप शर्मा लुईटेल 1461	लखनऊ परिसर	आचार्यहरिभद्रसूरिकृत-षड्दर्शनसमुच्चये माधवाचार्यकृत-सर्वदर्शनसङ्ग्रहे च वर्णितबौद्धसिद्धान्तानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्धदर्शन
22.	राघवेन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव 1319	इलाहाबाद परिसर	कृपारामविरचिताया: लीलावत्युदाहरणमिति टीकाया: समीक्षात्मकं सम्पादनम्	ज्यौतिष
23.	स्मिषा. वि. डि 1418	गुरुवायूर परिसर	तृश्शूर जनपदस्य सि.बि.एस्.ई. विद्यालयानां माध्यमिक-स्तरीयसंस्कृत-संस्कृतेतरच्छात्राणां सांस्कृतिकचेतनाया: अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
24.	राजेश कुमार 1406	संस्थान मुख्यालय	कालूरिहनुमन्तरावमहोदयानां गद्यकथानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
25.	शीतला प्रसाद तिवारी 1349	इलाहाबाद परिसर	आचार्य-जगन्नाथपाठकस्य कृतीनां साहित्यिकं भाषागतञ्चानुशीलनम्	साहित्य
26.	दीप चन्द्र प्रजापति 1432	इलाहाबाद परिसर	बालकृष्णत्रिपाठिविरचिताया: प्रशस्तिकाया: (प्रशस्तिकाशिकायाः) समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	साहित्य
27.	नीरज कुमार द्विवेदी 1431	इलाहाबाद परिसर	श्रीहरिमिश्रविरचितस्य कृष्णविलासकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
28.	बि. जगन्नाथ 1428	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिर, बैंगलुरू	श्रीचन्नकेशवाचार्यविरचिताया: प्रमाणलक्षण-न्यायकल्पलता-न्यायमञ्जर्या: सम्पादनमध्ययनं च	द्वैतवेदान्त
29.	रङ्गनाथ गणाचारि 1427	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिर, बैंगलुरू	द्वैतवेदान्ते पूर्वमीमांसाप्रमेयप्रसर:	द्वैतवेदान्त
30.	के. राजगोपाल उपाध्याय 1388	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिर, बैंगलुरू	नारायणपण्डिताचार्यप्रणीतयोगदीपिकाख्य-तन्त्रग्रन्थस्य सविमर्शमध्ययनम्	द्वैतवेदान्त
31.	रघूत्तमाचार्य नागसम्पिगे 1420	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिर, बैंगलुरू	आयीनरसिंहाचार्यकृत-ब्रह्मसूत्रप्रबन्धस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	द्वैतवेदान्त
32.	आशीष वशिष्ठ 1443	जयपुर परिसर	''अङ्गस्य'' ''पदस्य'' इत्यधिकारयो: पदाङ्गाधिकारप्रयोजनदृष्टया समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
33.	रमानन्द भट्ट एन्. 1400	शृंगेरी परिसर	जातककर्मपद्धते: कृष्णदैवज्ञकृतव्याख्याया: पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्-अध्ययनञ्च	ज्यौतिष
34.	शैलजा कुमारी 1465	भोपाल परिसर	याज्ञवल्क्यस्मृतौ शैक्षिकतत्त्वानां समीक्षणम्	शिक्षाशास्त्र
35.	कौशल किशोर बिजल्वाण 1456	भोपाल परिसर	माध्यमिकस्तरीयविद्यार्थिनां समीक्षात्मकचिन्तनकौशलानां जीवनसमस्यानाञ्च अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
36.	मुकेश कुमार 1363	गरली परिसर	दूताञ्जनेयमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
37.	शैलेन्द्र कुमार तिवारी 1459	इलाहाबाद परिसर	श्रीरविनाथझाविरचितस्य गणेशपरिणयमित्यभिधस्य नाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	साहित्य
38.	अतुल कुमार द्विवेदी 1433	भोपाल परिसर	आस्तिकदर्शनप्रमाणदृशा अधिगमस्य आधुनिकसिद्धान्तानां समीक्षणम्	शिक्षाशास्त्र
39.	मनोज कुमार पण्डा 1454	पुरी परिसर	अध्यापकप्रशिक्षणे उत्कर्षतासम्पादनाय उत्कलीयशिक्षाशास्त्रिणाम् आचार्यविरञ्चिनारायणदासवर्याणामवदानम्	शिक्षाशास्त्र
40.	रूपकुमार पण्डा 1460	पुरी परिसर	मानवीयमूल्यसंवर्द्धने पूर्ण व्यक्तित्वविकासे च धर्मशास्त्रीय शैक्षिकतत्त्वानां प्रायोगिकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
41.	शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय 1442	भोपाल परिसर	श्रीमद्भागवते शैक्षिकतत्त्वानामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
42.	सुभाष चन्द्र मीणा 1312	जयपुर परिसर	समासप्रकरणस्य तत्वबोधिनी लघुशब्देन्दुशेखरयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
43.	विभाकर दूबे 1463	लखनऊ परिसर	आचार्यरेवाप्रसाद्द्विवेदीविरचितनाट्यानुशासनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
44.	बबिता साहु 1422	पुरी परिसर	कादम्बर्यां चतुष्षष्टिकलाविनियोगानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
45.	शकुन्तला दाश 1480	पुरी परिसर	श्रीविश्वेश्वरकृतकर्मविपाकस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
46.	नीलम शर्मा 1457	जयपुर परिसर	महीमहमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयाध्ययनम्	साहित्य
47.	सुमित कुमार शर्मा 1446	जयपुर परिसर	श्रीहरिहरानन्दविरचित-श्रीरामहनुमदीयकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं समीक्षणम्	साहित्य
48.	प्रवीण कुमार शर्मा 1445	जयपुर परिसर	संस्कृतपत्रकारतायां भट्ट श्रीमथुरानाथशास्त्रिणोऽवदानम्	साहित्य
49	दिनेश चौबे 1470	भोपाल परिसर	संस्कृतमालवीभाषोपभाषयोस्समीक्षात्मकमनुशीलनम्	व्याकरण
50.	विभूति 1383	भोपाल परिसर	शारदामणिलीलाचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
51.	अमित कुमार मिश्र 1458	इलाहाबाद परिसर	आधुनिककथापरम्परायामाचार्यप्रभुनाथद्विवेदीविरचितानां कथाकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
52.	पूर्णेन्दु प्रताप सिंह 1444	इलाहाबाद परिसर	रसाभिव्यक्तिदिशा सकलरससारसङ्ग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
53.	सत्येन्द्र नाथ तिवारी 1467	लखनऊ परिसर	आचार्यशिवजीउपाध्यायप्रणीतनाट्यपञ्चरत्नस्य नाट्यशास्त्रदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
54.	आलोक कुमार झा 1453	लखनऊ परिसर	आधुनिकसंस्कृतकथासाहित्ये प्रतिबिम्बितसामाजिकजीवनस्याध्ययनम्	साहित्य
55.	ब्रह्मानन्द मिश्रा 1437	भोपाल परिसर	होराशास्त्रदृष्ट्या जैमिनिसूत्रस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
56.	राहुल मिश्र 1469	भोपाल परिसर	वेडाजातक बृहज्जातकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
57.	बिजयलक्ष्मी कर 1472	भोपाल परिसर	ज्यौतिषशास्त्रे भौमान्तरिक्षजलविज्ञानस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
58.	नवीन भट्ट 1481	शृंगेरी परिसर	श्री नीलकण्ठवाजपेयिविरचितसिद्धान्तकौमुदीव्याख्यायाः सुखबोधिन्याख्यायाः हल्सन्धितोऽव्ययप्रकरणान्तं पाठसम्पादनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
59.	शशाङ्क तिम्मण्ण भट्ट 1482	शृंगेरी परिसर	पाणिनीयव्याकरणे सुबन्तप्रक्रियायां प्राचीनार्वाचीनमतभेदस्य विमर्शात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
60.	महेश कुमार 1476	जयपुर परिसर	वरिष्ठोपाध्यायीयच्छात्राणां व्यक्तित्व-समायोजन-निर्णयक्षमतासु अभिभावकप्रोत्साहनस्य प्रभावः	शिक्षाशास्त्र
61.	प्रतिज्ञा आर्या 1493	लखनऊ परिसर	शिक्षाशास्त्रपरिप्रेक्ष्ये प्राच्यपाश्चात्त्यबुद्धिसिद्धान्तानाम् अन्वेषणात्मकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
62.	अतुल कुमार श्रीवास्तव 1451	लखनऊ परिसर	तर्कभाषात्रय्यां मोक्षाकरगुप्तस्य तर्कभाषायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्धदर्शन
63.	दीपमाला आर्या 1466	मुम्बई परिसर	सिद्धान्तकौमुद्याः तिङन्तप्रकरणस्य क्षीरतरङ्गिण्याश्च तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
64.	मृत्युञ्जय चक्रवर्त्ती 1500	गुरुवायूर परिसर	पश्चिमबङ्गराज्यस्य विद्यालयस्तरे संस्कृतशिक्षासमस्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
65.	देवेन्द्र कुमार मिश्र 1523	लखनऊ परिसर	सामाजिकमूल्यानां सन्दर्भे पारम्परिकाधुनिकच्छात्रेषु चिन्तनस्तरावधानाभिरूचीनाञ्च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
66.	लक्ष्मण पाढ़ी 1494	पुरी परिसर	प्रतापरूद्रवाचस्पतिमिश्रव्यवहारयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
67.	चित्राङ्गदा साहु 1492	पुरी परिसर	श्रीगोपालन्यायपञ्चानन-जीमूतवाहनदायभागयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
68.	प्रमोद जैन 1505	जयपुर परिसर	गुणभद्रप्रणीतस्य जिनदत्तचरित्रस्य सम्पादनं काव्यशास्त्रीयं समीक्षणञ्च	साहित्य
69.	नीरज शर्मा 1424	संस्थान मुख्यालय	आधुनिकदूतकाव्यपरम्परायाम् अभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतमृगाङ्कदूतस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
70.	नरेन्द्र भारती 1485	जम्मू परिसर	काश्मीरशैवपरम्परायां विरचितानाम् आधुनिक संस्कृतशास्त्र-ग्रन्थानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	काश्मीरशैवदर्शन
71.	सुरेश स्वामी 1495	जम्मू परिसर	रघुवीरचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयसमीक्षणम्	साहित्य
72.	कृष्णा कुमारी 1462	लखनऊ परिसर	पञ्चस्कन्धप्रकरणस्य आचार्यगुणप्रभकृतविवरणटीकायाः भोटभाषातः संस्कृतपुनरुद्धारः सम्पादनञ्च	बौद्धदर्शन
73.	आनन्द कुमार 1520	इलाहाबाद परिसर	हंसदूताख्यखण्डकाव्यस्य अज्ञातकर्तृकटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
74.	ललित कुमार 1489	संस्थान मुख्यालय	ज्योतिषशास्त्रदृष्टया प्रजननविज्ञानस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
75.	हीरा पाण्डेय 1513	लखनऊ परिसर	उच्चमाध्यमिकस्तरे अध्ययनरतानां छात्राणां रोर्शाव्यक्तित्वपरीक्षणमाध्यमेन मनोद्वेगाक्रामकताकुण्ठानां शैक्षिकोपलब्धौ प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
76.	अनुराधा जाट 1450	जयपुर परिसर	जयपुरबृहत्त्रय्याः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
77.	धर्म प्रकाश 1497	गरली परिसर	राजानक आनन्द विरचिताया: काव्यप्रकाश निदर्शनाटीकाया: समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
78.	सुमित्रा 1487	गरली परिसर	अष्टाध्याय्या: षष्ठाध्यायगतसूत्रोदाहरणानाम् अर्थप्रयोगयोरनुशीलनम्	साहित्य
79.	दुर्गा प्रसाद शर्मा 1475	जयपुर परिसर	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीस्थ स्त्रीप्रत्यय-कारक-समासप्रकरणेषु प्रयुक्तपङ्क्तीनां प्रौढ़मनोरमा-शेखरयो: कृत व्याख्यानसमीक्षणम्	व्याकरण
80.	के. अनन्तकृष्ण उप्पार्ण 1439	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिर, बैंगलूरू	आई नरहरिआचार्यविरचिताया: श्रीमद्भगवद्गीताव्याख्याया: सम्पादनं पठनं च	साहित्य
81.	प्रदीप सेमवाल 1507	जम्मू परिसर	चन्द्रालोकस्य टीकापरम्परायां प्राचीनार्वाचीनटीकानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
82.	गोकुलानन्द तिवारी 1527	लखनऊ परिसर	परम्परागतच्छात्रेषु आधुनिकच्छात्रेषु च विद्यालयीयपारिवारिक-परिवेशयो: शैक्षिकोपलब्धीनाञ्च मूल्यसापेक्षं तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
83.	हरि प्रसाद मीना 1514	जयपुर परिसर	दिल्लीस्थित उच्चमाध्यमिकस्तरीयसंस्कृतशिक्षणे मूल्याङ्कनस्य नवीनोपागमानां प्रभावस्य अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
84.	नीतू शर्मा 1490	जयपुर परिसर	भद्रबाहुसंहिताया: समीक्षणम्	ज्यौतिष
85.	रुचि 1488	गरली परिसर	अष्टाध्याय्या: पञ्चमाध्यायगतसूत्रोदाहरणानामर्थप्रयोगयोरनुशीलनम्	साहित्य
86.	चेमटे सुरेश 1452	मुम्बई परिसर	संस्कृतभाषाया: मराठीभाषया सह भाषावैज्ञानिकमध्ययनम्	व्याकरण
87.	जगदीश प्रसाद मीना 1511	संस्थान मुख्यालय	आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये परशुरामचरितस्य विकास:	साहित्य
88.	प्रभासिनी गौड़ 1499	पुरी परिसर	नैषधीयचरिते प्रयुक्तानां तद्धितान्तपदानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
89.	प्रमोद कुमार शुक्ल 1512	लखनऊ परिसर	पञ्चतन्त्रे निहितशैक्षिकतत्त्वानां वर्तमानशिक्षायां समुपादेयता	शिक्षाशास्त्र
90.	प्रेम चन्द 1498	गरली परिसर	अर्जुनरावणीयमहाकाव्यस्य तद्धितान्तप्रयोगानुशीलनम्	व्याकरण
91.	प्रतिमा त्रिपाठी 1486	इलाहाबाद परिसर	संस्कृतसाहित्ये नव्यकाव्यप्रकाराणाम् अनुशीलनम्	साहित्य
92.	श्रद्धा मिश्रा 1449	इलाहाबाद परिसर	नागेशभट्टस्य कवितामानभञ्जनम् इत्याख्यस्य ग्रन्थस्य सम्पादनं परिशीलनञ्च	साहित्य
93.	संवित महर्षि 1515	जयपुर परिसर	पण्डित वैकुण्ठनाथशास्त्रिप्रणीतस्य आस्तीकमहाकाव्यस्य पर्यालोचनम्	साहित्य
94.	सीताराम शर्मा 1517	जयपुर परिसर	श्रीमत्प्रतापरुद्रदेवविरचितस्य ययातिचरितनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
95.	फिरोज 1440	जयपुर परिसर	शम्भुकविविरचितस्य राजेन्द्रकर्णपूरस्य कृष्णपण्डितप्रणीतस्य कंसवधनाटकस्य च सम्पादनं काव्यशास्त्रीयं समीक्षणञ्च	साहित्य
96.	जुगल किशोर शर्मा 1491	भोपाल परिसर	वाक्यपदीये ब्रह्मकाण्डे वर्णितविषयाणां महाभाष्ये वर्णितविषयै: सह तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
97.	अभिनव उपाध्याय 1525	जयपुर परिसर	विभिन्नेषु राज्येषु माध्यमिकस्तरे आधुनिकपारम्परिकधारयो: प्रचलतां संस्कृतपाठ्यपुस्तकानां समालोचनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
98.	कुलदीप तिवारी 1521	इलाहाबाद परिसर	कविचूड़ामणि चक्रवर्तिविरचितायाः वेदस्तुतिव्याख्यायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
99.	नरेन्द्र कुमार शर्मा 1518	जयपुर परिसर	ज्योतिषशास्त्रग्रन्थेष्वपत्यानपत्ययोगानां प्रयोगात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
100.	ज्योतिर्मयी साहु 1519	पुरी परिसर	ब्रह्मवैवर्तपुराणीय श्रीकृष्णजन्मखण्डस्य श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धेन सह तुलनात्मकं समीक्षणम्	पुराणेतिहास
101.	रवि कुमार चौहान 1528	जयपुर परिसर	विश्वनाथप्रणीतस्य ''विश्वप्रकाशपद्धतिः'' इति ग्रन्थस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
102.	शकुन्तला सुब्राय भट्ट 1533	शृंगेरी परिसर	पञ्चपादिकाविवरणे सम्पूर्णाशाङ्करभाष्यार्य समन्वयः	अद्वैतवेदान्त
103.	टि.वि. शिव कुमार 1509	शृंगेरी परिसर	पद्मपुराणान्तर्गतायाः शिवगीतायाः श्रीशङ्करानन्दभारती विरचितभाष्यस्य सम्पादनम्, अभिनवनृसिंहभारतीविरचितभाष्येण सह तुलनात्मकमध्ययनं च	अद्वैतवेदान्त
104.	नवनीत कुमार 1464	संस्थान मुख्यालय	ज्योतिषशास्त्रे उदररोगविचारः ज्योतिषीययोगिकोपचारैः तन्निराकरणोपायाश्च	ज्यौतिष
105.	कृष्ण ए. नागसम्पिगे 1474	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर, बैंगलूरु	न्यायनये वेदान्तेषु च अयथार्थ-यथार्थख्यात्योः तौलनिकमध्ययनम्	न्याय
106.	जीतेन्द्र कुमार गुप्ता 1484	मुम्बई परिसर	विवेकसुदर्पणाख्यस्य व्यक्तिविवेकव्याख्यानस्य साहित्यतत्त्व समीक्षणम्	साहित्य
107.	सम्बित महापात्र 1501	गरली परिसर	सिद्धान्तलेशसंग्रहस्य प्रथमपरिच्छेदे प्रतिपादितानां वेदान्तसिद्धान्तानां समीक्षणात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
108.	प्रिंस कुमार जैन 1536	लखनऊ परिसर	''बौद्ध-जैनदर्शनयोः ध्यान-योग-समाधीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्''	बौद्धदर्शन
109.	प्रदीप्त कुमार पण्डा 1479	पुरी परिसर	हरिहरप्रणीत-सुभाषितावल्याः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
110.	शैलेश कुमार तिवारी 1473	लखनऊ परिसर	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या मानसिकरोगस्य प्रायोगिकमध्ययनम्	ज्यौतिष
111.	सुनिता भट्ट 1478	शृंगेरी परिसर	वैशेषिकग्रन्थेषु उपनिबद्धानां सामान्यगुणविषयकविचाराणां मतभेदविमर्शः	नव्यन्याय
112.	श्यामराज. सि 1535	गुरुवायूर परिसर	तन्त्रशास्त्रग्रन्थेषु शैक्षिकतत्त्वानामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
113.	शुभलक्ष्मी महान्ति 1553	पुरी परिसर	सिद्धान्तकौमुद्याः बालमनोरमातत्त्वबोधिन्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
114.	कु. अनुसूया 1410	भोपाल परिसर	काशिकानव्यसिद्धान्तकौमुद्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
115.	आराधना व्यास 1504	जयपुर परिसर	आयुर्वेदस्य चरकसंहिताभावप्रकाशयोः प्रयुक्तानां धातुप्रातिपदिकानां विश्लेषणं वाग्व्यवहारश्च	व्याकरण
116.	गायत्री नायक 1455	पुरी परिसर	पञ्चकोशात्मकसमग्रव्यक्तित्वविकासे नैषधीयरचितस्य मनोवैज्ञानिकं विश्लेषणम्	शिक्षाशास्त्र
117.	सुधा मिश्रा 1477	इलाहाबाद परिसर	पं. ओगेटी-परीक्षितशर्म-विरचितस्य परीक्षिन्नाटकचक्रस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
118.	गौरव शर्मा 1506	जयपुर परिसर	वक्रोक्तिसिद्धान्तानुसारेण श्रीमद्भागवतस्य समीक्षणम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
119.	अजीत सिंह 1404	संस्थान मुख्यालय	रसविवेकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
120.	अजयानन्द साहु 1541	पुरी परिसर	शब्दनित्यत्वविषये नैयायिकवैयाकरणमीमांसकमतानां तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
121.	बीर बली मौर्य 1529	इलाहाबाद परिसर	भामिनीविलासकाव्यस्य ''नीतिशतकविवरणम्'' इति टीकाया: समालोचनात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
122.	सुव्रत साहु 1548	पुरी परिसर	हरिनारायणयोगिकृतस्य व्यवस्थासंग्रहस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
123.	मितालि बेहेरा 1549	पुरी परिसर	श्रीकृष्णमाधवज्ञाविरचित स्मृतितत्त्वालोकस्य समीक्षणात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला समस्तीपुर, पिन 848132 (बिहार)	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. कोलहण्टा पटोरी, जिला दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, फलित एवं सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार 851101	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय,

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला समस्तीपुर 848302 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला मधुबनी, बिहार 847404	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली 110015	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली 2	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली 110092	आचार्य प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली 110057	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612, दरीबा कलाँ, दिल्ली 110006	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली 110002	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली 110063	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
19.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली 110027	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
20.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली 110060	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
21.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली 110081	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
22.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली 110039	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
23.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली 110041	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
24.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात 380007	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
25.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) 123039	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
26.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
27.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
29.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला राजौरी, जम्मू	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	झारखण्ड	
30.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय
	कर्नाटक	
31.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर 560028	विद्यावारिधि
	केरल	
32.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला कन्नूर 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
33.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो. अरुणापुरम, पलै जिला कोट्टायम 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
34.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
35.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला कालीकट 673612	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
36.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
37.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला कोजीकोड 673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
39.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई 400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
40.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) 400097	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
41.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय संगईपेटए सेरीकल्चर प्रोजेक्ट के सामने, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर 795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
42.	राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर 795134	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
43.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
44.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो. खन्ना, जिला लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
45.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तर-प्रदेश		
46.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
47.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी 221010	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
48.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद 201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश 248005	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
51.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
उत्तरांचल		
53.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल	शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
54.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला पौडी गढ़वाल 246279 (उत्तरांचल)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
55.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय (विद्यालय स्तर) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय
56.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता 700035	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
57.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) 737133	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
58.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
59.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) 733123	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
60.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) 741302	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
61.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला हावड़ा (पश्चिम बंगाल) 711202	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
62.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-छ

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	वही

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	वही
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	वही
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ(2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	वही
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

संलग्नक-ज

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	प्री-डिग्री बी.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं. ए सी एम-II/6115 दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81	शास्त्री आचार्य	बी.ए., शास्त्री एम.ए.
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08 ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	प्राक्शास्त्री शिक्षाशास्त्री	+2 स्तर परीक्षा बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली देखिए डी.ओ.सं. 80628 दिनांक 27-5-1988 सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/ 2009/6147 दिनांक 3.3.09	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	आठवीं दसवीं बारहवीं
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।
		शास्त्री आचार्य	शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

क्रमश:....

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 2018-19

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	05
2.	असम	–
3.	बिहार	08
4.	छत्तीसगढ़	10
5.	दिल्ली	05
6.	गुजरात	01
7.	हरियाणा	15
8.	हिमाचल प्रदेश	03
9.	जम्मू और कश्मीर	01
10.	झारखण्ड	–
11.	कर्नाटक	05
12.	केरल	10
13.	मध्य प्रदेश	15
14.	महाराष्ट्र	05
15.	मणिपुर	02
16.	ओड़िशा	03
17.	पाण्डिचेरी	–
18.	पंजाब	03
19.	राजस्थान	23
20.	सिक्किम	09
21.	तमिलनाडु	01
22.	उत्तर प्रदेश	40
23.	उत्तराखंड	71
24.	पश्चिम बंगाल	171
	कुल	**406**

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	Dr. Urmila Rastogi, Delhi	नारदीय मनुस्मृति	34,700/-
2.	Sh. Vipin Dwivedi,U.P	संस्कृत काव्यशास्त्र के विकास में उद्भट का योगदान	34,533/-
3.	Dr. Anant Narayan Singh	गरुड़पुराण	2,77,188/-
4.	Dr. Anil Kumar Porwal	भुवकोशतत्वमीमांसा	38,871/-
5.	Dr. Shivani Gupta	'आर्यशूरविरचित जातकमाला'	20,381/-
6.	Dr. Keshav Prasad Gupta	कालिन्दी	32,790/-
7.	Dr. Hari Singh Rajpurohit	लघुशब्देन्दुशेखरबृहच्छब्देन्दुशेखरयोः तुलनात्मकमनुशीलनम्	25,892/-
8.	Dr. Debabrata Barai	कुमारसंभवम्	18,350/-
9.	Dr. Shashi Nath Jha	अलंकारशेखरः	51,786/-
10.	Dr. Narayan Dash	संस्कृतसाहित्ये रामकृष्णमठस्य योगदानम्	28,926/-
11.	Dr. T.K. Bhattacharya	विश्वसंस्कृतौ विवेकानान्दस्वामिनः योगदानम्	38,246/-
12.	Dr. Nityananda Mishra	संस्कृत पत्रकारिता	20,919/-
13.	Mrs. Bhagyalata Pataska	श्री वाजसेनयकाव्यशतपथ ब्राह्मनम्	1,50,868/-
14.	Dr. H.S. Tripathi	भवभूति की कृतियों में निरुपित धर्मशास्त्रीय विषय	15,625/-
15.	Dr. Tara Dutt Awasthi	श्री मद्भागवते अद्वैतदर्शनम्	39,423/-

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	Yogita Rani H.No. 1762A, Sector–B, Pocket-I, Vasant Kunj, New Delhi-110070	A Study of Mahavastu	38,887/-
2.	Dr. Akanksha Singh Ranopali, Tedhi Bazar,Faizabad Distt. U.P.-224123	लोचन एवं दीपशिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन	27,000/-

क्रमशः....

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
3.	Dr. Anubhuti Chouhan C/o Lokesh Bhati, Kiro Ki dhal Kankroli, Dist. Rajasthan – 313324	राजस्थान की ऐतिहासिक प्रशस्तियाँ और ताम्रपत्र	1,02,256/-
4.	डॉ. संजय कुमार मिश्र श्री रणवीर परिसर, कोट भालवाल, जम्मू	सूरदास के भ्रमरगीत का शैली वैज्ञानिक अध्ययन	24960/-
5.	Pratap Kumar Mishra Ara ji no. 469, Satyam Nagar Colony, Bhagwanpur, B.H.U., Varanasi–221005 (U.P.)	दारा शुकोह और संस्कृत	64,000/-
6.	Dr. Prayag Narayan Mishra Plot No. 7, Dev Dutta Ashram Gaushala Road, Balaganj Chowk, Lucknow – 226003 (U.P.)	जयन्तभट्ट-कृत आगमडम्बर के धार्मिक तथा दार्शनिक आयाम	84,209/-
7.	विश्वम्भर विशनदत्त जोशी RZB- 134, न्यू जनकपुरी, उत्तम नगर नई दिल्ली– 110059	अथ-पूर्ण राग संरक्षण एवं प्रकल्पन	1,52,000/-
8.	डॉ. रानी दाधीच D-1/88, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अभिनय यात्रा	27,997/-
9.	Prof. Purshotam Sharma H.No. 54, Lane No. 12, Swar Vihar, Housing Colony,P.o. Mutthi – Jammu - 181205	आचार्य भीम विरचित परिभाषार्थमञ्जरी का समीक्षात्मक सम्पादन तथा अध्ययन	42,850/-
10.	Dr. Sunita Gupta (Assistant Prof.) Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi - 110058	काश्मीर शैव दर्शन में शक्ति (काश्मीर शैवदर्शन के आलोक में)	44,795/-
11.	Dr. Debabrata Barai, Jurapani, Jalpaiguri, West Bengal-735210	The Kavyamimamsa of Rajasekhara: A critical Study	12,500/-
12	Dr. Radhe Shyam Gangwar VSKC Govt. PG College, Dakpatthar, Dehradun, Uttrakhand-248125	Shradhanand Charitam	70,240/-
13.	Smt. Madhu Sharma Mori Gate, Rukmani Vihar Anupshahr, Bulandshahr, Uttar Pradesh-202390	A Social and Cultural Study of Milindaprasna	24,750
14.	Dr. Brahamanand Shukla Nagarpur, Chunar, Mirzapur-231304(U.P.)	Vyakaran Bhaskar (4 Parts)	61,720/-
15.	Prof. Dinesh Chandra Shastri 30, Yogi Vihar, Jwalapur, Haridwar, Uttarakhand-249407	Shruti-Pantha	54,320/-
16.	Dr. Deepshikha Parashar C-9, Third Floor, Hari Vihar, Kakrola, Dwarka, New Delhi-110078	Brahttrayi ke Alok mein Manavadhikar Ek Vimarsh	25,905/-
17.	Dr. Pranav Shastri A-30, Vasundhara, Pilibhit-262001 (U.P.)	Mrachhkatikam ka Patr- Manovigyan	1,00,000/-
18.	Dr. K. Vishnu Namboodiri Professor, Dept. of Sanskrit Vyakarana, Sree Sankaracharya University of Sanskrit, Kalady, Kerala-670306	"Saaraswatham (Mahakavayam)"	33,600/-

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
19.	Dr. K. Sujani H.No.-17-3-75, Poola Street, Tirupati, Chittoor, Andhra Pradesh-517501	Vajramakutivilasacampukavyasya Pathasamikshatmakam Sampadanam	93,600/-
20.	Dr. Udayana Hegde Research Assistant, Karnataka Samskrit University, Chamarajpet, Bengaluru-560018	Devakruta Daiva Dhaatupaathasya Sameekshaatmakam Adhyayanam	45,450/-
21.	Sh. Devanand Shukl DLA-74, Janakpuri, New Delhi-110058	Shrimadbhagwatgeetha: Padarthkosh	80,048/-
22.	Dr. Gayatri Shukla 127-C, Shanti Puram, Phaphamow, Allahabad-211013(U.P.)	Vedsuktmimansa	1,46,256/-
		Sanskrit Interest Enhancement Program	72,000/-
23.	Dr. Chandrhasy Sonpethkar, Tilak College of Education, Pune-411030(Maharashtra)		

संलग्नक-ठ

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
आन्ध्र प्रदेश	1.	संस्कृत अकादमी (शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	स्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल प्रदेश आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जांगला (रोहड़ू), जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम्, कालीराखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-600004
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम्, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लौर, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान आदि शंकरा नीलियम वेलियानाड, एरनाकुलम्, केरल-682319
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मंडल, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-400037
	16.	मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18.	मद्रास संस्कृत महाविद्यालय, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19.	अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी उत्तर प्रदेश-221003
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121

क्रमश:....

राज्यों के नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
पश्चिम बंगाल	24. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035
राजस्थान	26. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान, पिन कोड-311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

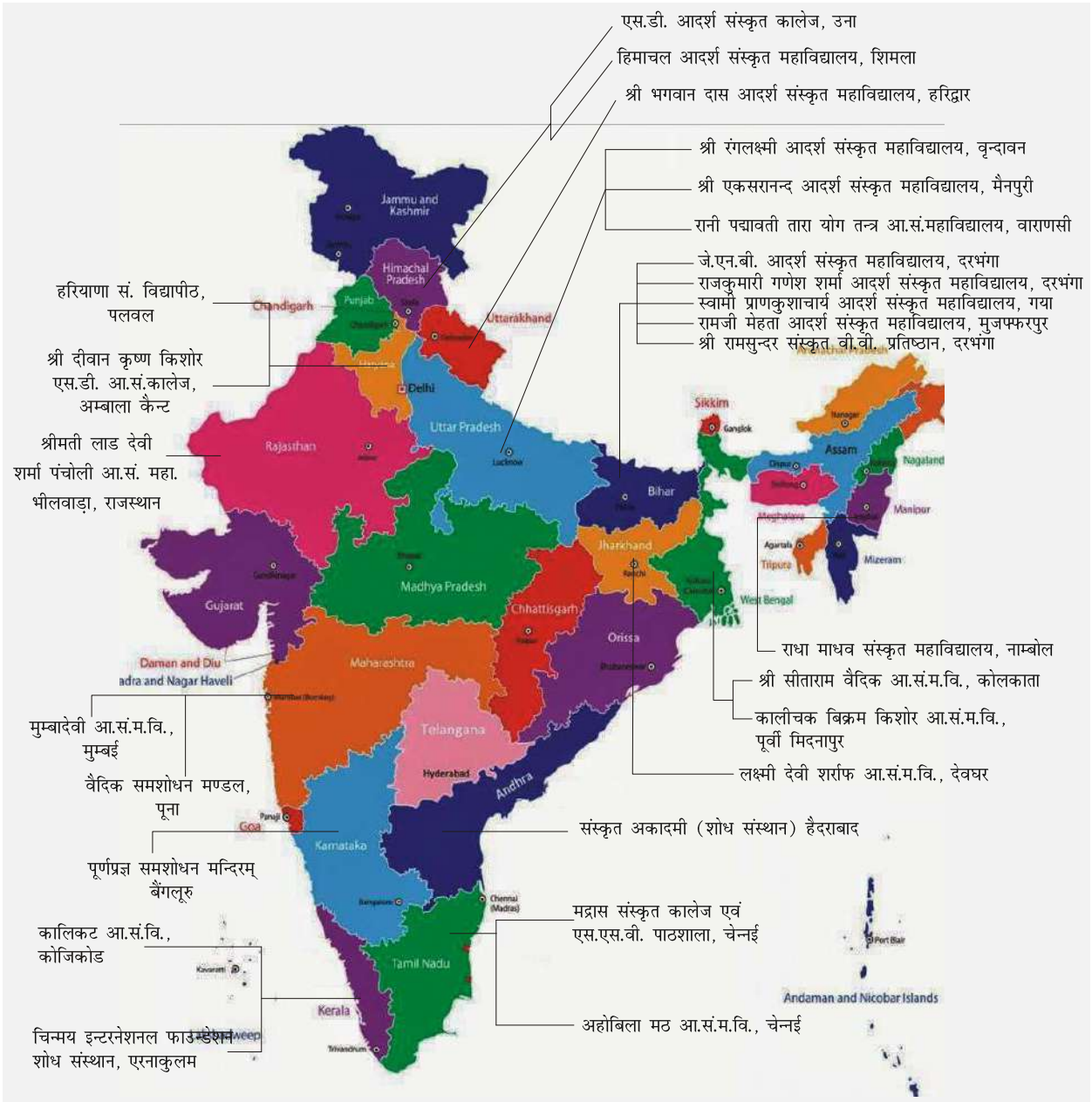

7. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का वर्ष 2018-19 के वार्षिक लेखे

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
31 मार्च 2019 का तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष (2018-2019)	पूर्व वर्ष (2017-18)
समग्र/पूंजीनिधि	1	3355194063.00	2847872155.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	23838627.00	16807275.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	111,490,335.00	(78,840,938.00)
योग		**3490523025.00**	**2785838492.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
मूर्त परिसम्पत्तियाँ	4	633637126.00	644806706.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		222180.00	476666.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		2483014945.00	1884003259.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि	5	936391.00	886391.00
निवेश-अन्य	6	206164381.00	
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	156288578.00	245553546.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि	8	10259424.00	10111924.00
(जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)			
योग		**3490523025.00**	**2785838492.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
आकस्मिक देनादारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 27 जून, 2019

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2019 का आय एवं व्यय लेखा

AA page No.02

(राशि ₹ में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2018-2019)	पूर्व वर्ष (2017-18)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	9882589.00	10578087.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1648799000.00	1434768576.00
निवेश से आय	11	606743.00	10153638.00
अर्जित ब्याज	12	7660275.00	9289107.00
अन्य आय	13	24262851.00	6248771.00
पूर्व अवधि आय	14	536459.00	(1.00)
योग (ए)		**1691747917.00**	**1471038178.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	913052077.00	731965130.00
शैक्षिक व्यय	16	671650760.00	594385379.00
प्रशासनिक व्यय	17	132390673.00	95956432.00
यात्रा व्यय	18	3309904.00	3025169.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	11702496.00	6163153.00
वित्तीय लाग	20	0.00	
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	29581710.00	30638004.00
अन्य व्यय	21	0.00	
पूर्व अवधि व्यय	22	0.00	3273313.00
योग (बी)		**1761687620.00**	**1465406580.00**
शेष-आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		-69939703.00	5631598.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानातरंण		0.00	0.00
		0.00	0.00
-		0.00	0.00
भवन निधि में स्थानान्तरण		0.00	0.00
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		0.00	0.00
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूंजी निधि में ले जाया गया		**-69939703.00**	**5631598.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	25		

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 27 जून, 2019

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि	चालु वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2847872155.00	2130701234.00
जमा : योजना निधि का योगदान	0.00	0.00
जमा : आय एवं व्यय खाते से शुद्ध आय का शेष	-69939703.00	5631598.00
जमा : यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय का उपयोग	510960013.00	711959962.00
प्रतिकात्मक मूल्य	63498648.00	
दान पुस्तक में जमा		0.00
वर्ष 2018-19	580.00	83832.00
पूर्व वर्ष समायोजन		
जमा : आय व्यय खातों में भूलवश ले जाई गई अप्रयुक्त अनुदान राशि	2802370.00	
घटा : दोहरी गणना अप्रयुक्त अनुदान राशि अनुसूची-10	-	(504,471.00)
वर्ष के अन्त में शेष राशि	3355194063.00	2847872155.00

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/	चालु वर्ष (2018-19)							पूर्व वर्ष (2017-18)	
	पेंशन फंड	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के. शर्मा	आर. देवनाथन	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
ए)									
ए) **धन का प्रारंभिक शेष**	15889672.00	198759.00	8044.00	335181.00	6334.00	369285.00		16807275.00	57652678.00
बी-1 वर्ष के दौरान जोड़-पेंशन हेतु सरकार से प्राप्त अनुदान	0.00						50000.00	50000.00	70200000.00
बी-2 वर्ष के दौरान जोड़-आय एवं व्यय खाते से आबंटित रकम	0.00							0.00	0.00
सी निधि में निवेश से आय		0.00	0.00	0.00	69.00	82949.00		83018.00	17295.00
डी अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज								0.00	0.00
ई बचत बैंक खाते पर ब्याज								0.00	
एफ अन्य प्राप्तियां	6,854,990.00	10,103.00	409.00	17,040.00	308.00	15,412.00	72.00	6898334.00	5644388.00
योग (ए)	22744662.00	208862.00	8453.00	352221.00	6711.00	467646.00	50072.00	23838627.00	133514361.00
बी)									
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय									
i) पूंजीगत व्यय									0.00
ii) वर्ष के दौरान राजस्व व्यय	0.00							0.00	116707086.00
iii) राजस्व व्यय (विगत वर्षों का व्यय जिसे पूर्व वर्ष समायोजन व्यय से समायोजित किया गया)								0.00	0.00
योग (बी)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**116707086.00**
वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**22744662.00**	**208862.00**	**8453.00**	**352221.00**	**6711.00**	**467646.00**	**50072.00**	**23838627.00**	**16807275.00**

उपस्थापित कर्ता :									
नकद एव बैंक में शेष		0.00	0.00	0.00		0.00		0.00	0.00
निवेश		148226.00	6000.00	250000.00	5000.00	250000.00	50000.00	709226.00	659226.00
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं		60636.00	2453.00	102221.00	1711.00	217646.00	72.00	384667.00	194198.00
योग		**208862.00**	**8453.00**	**352221.00**	**6711.00**	**467646.00**	**50072.00**	**1093893.00**	**853424.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-2018)
ए) वर्तमान देनदारियां		
1. कर्मचारियों द्वारा जमा	0.00	-
2. छात्रों द्वारा जमा		
3. विविध देनदार		
ए)सामान हेतु	0.00	-
बी) अन्य	0.00	-
4. अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	1023170.00	969269.00
5. वैधानिक देनदारियां	0.00	0.00
ए) अतिदेय	0.00	0.00
बी) अन्य	0.00	0.00
6. अन्य वर्तमान देनदारियां		
ए) वेतन (पूर्व 108855921+वर्तमान 63262388)	74147980.00	10885592.00
बी) प्रायोजित परियोजना के विरूद्ध प्राप्तियाँ	0.00	0.00
सी) शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरूद्ध प्राप्तियाँ संलग्नक संलग्न	30757497.00	4192449.00
डी) अनुपयोगी अनुदान	-	(102,930,083.00)
ई) अग्रिम अनुदान		
एफ) अन्य निधियाँ	39251.00	
7. अन्य देनदारियां (विवरण संलग्न)	5522437.00	8041835.00
योग (ए)	**111,490,335.00**	**(78,840,938.00)**
बी) प्रावधान		
1. कर हेतु	0.00	
2. ऐच्छिक दान	0.00	
3. अधिवर्षिता/पेंशन	0.00	
4. संचित छुट्टियाँ का नकदीकरण	0.00	
5. व्यापार वारंटी/दावा	0.00	
6. अन्य (निर्दिष्ट)	0.00	
	0.00	-
योग (बी)	**0.00**	**-**
योग (ए+बी)	**111,490,335.00**	**(78,840,938.00)**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2019

राशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अतिमम रोकड़
1	सा.भ.नि	(15,724.00)	61507973.00	61503973.00	(11,724.00)
2	(सी.पी.एफ.) अ.भ.नि.	0.00			0.00
3	जी.आई. प्रीमियम	529771.00	236660.00	386710.00	379721.00
4	मुम्बई परिसर देनदारियां	100000.00			100000.00
5	जी.आई.एस.	217824.00	682556.00	533444.00	366936.00
6	आय कर	115166.00	72049745.00	72043922.00	120989.00
7	एल.आई.सी.	(50,767.00)	1174853.00	1174853.00	(50,767.00)
8	परिसरों को प्रेषण	5967694.00	192807384.00	193498641.00	5276437.00
9	एन.पी.एस.	1090721.00	11128366.00	12989032.00	(769,945.00)
10	छात्रकोश	97900.00			97900.00
11	पेशेवर कर	(5,175.00)			(5,175.00)
12	टी.डी.एस.	(5,575.00)	318736.00	295096.00	18,065.00
13	पी.एल.आई.				0.00
	योग	**8041835.00**	**339906273.00**	**342425671.00**	**5522437.00**

संलग्नक ई.एम.डी./जमानती राशि 31.03.2019

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अतिमम रोकड़
1	ई.एम.डी.	604812.00	573975.00	523724.00	655063.00
2	जमानती राशि	364457.00	143150.00	139500.00	368107.00
	योग	969269.00	717125.00	663224.00	1023170.00

संलग्नक प्रायोजित फैलेशिप एवं छात्रवृत्ति 31.03.2019

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अतिमम रोकड़
1	यू.जी.सी. जे.आर. फैलोशिप	101000.00			101000.00
2	एम.एस.पी.	2372689.00	13390546.00	11394242.00	4368993.00
3	दान गुरुवायूर	1718760.00	0.00	1718459.00	301.00
4	समग्र निधि विभिन्न दायित्वों के लिए		63435748.00	60000000.00	3435748.00
5	छात्र कोश	22740854.00	20096561.00	19985960.00	22851455.00
	योग	**26933303.00**	**96922855.00**	**93098661.00**	**30757497.00**

संलग्नक ऋण एवं अग्रिम 31.03.2019

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अतिमम रोकड़
1	अग्रिम भुगतान	1648696.00	17529428.00	17376528.00	1801596.00
2	एल.टी.सी. अग्रिम	1267420.00	2020720.00	2056720.00	1231420.00
3	एच.बी. अग्रिम	1142413.00	120525.00	426751.00	836187.00
4	कम्प्यूटर अग्रिम	207183.00	683280.00	487324.00	403139.00
5	टी.ए. अग्रिम	767761.00	4631060.00	4340000.00	1058821.00
6	यात्रा वाहन अग्रिम	626374.00	46815.00	370455.00	302734.00
7	चिकित्सकीय अग्रिम	143394.00	30000.00	30000.00	143394.00
8	त्यौहार अग्रिम	(496,101.00)	3600.00	181826.00	(674,327.00)
9	भविष्य निधि अग्रिम				0.00
	योग	**5307140.00**	**25065428.00**	**25269604.00**	**5102964.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची – 4 – स्थायी सम्पत्तियाँ

			ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास				नेट ब्लॉक	
क्र.सं.	परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2019	31.03.2018
1	I. जमीन–पूर्ण स्वामित्व (गुरुवायूर, जयपुर, जम्मू, अगरतला एवं शृंगेरी)	3595156.00			3595156.00		0%	0.00		0	3595156.00	3595156.00
	ii- भूमि–पट्टे पर (लखनऊ, इलाहाबाद, भोपाल, गरली, मुम्बई, पुरी, दिल्ली मुख्यालय, देवप्रयाग)	5170175.00			5170175.00	2352627.00	Lease Period	55525.00		2408152.00	2762023.00	2817548.00
2	साइट का विकास				0.00		0%	0.00		0	0	0.00
3	भवन	585793149.00	24227882.00		610021031.00	84951194.00	2%	12200421.00		97151615.00	512869416.00	500841955.00
4	सड़क एवं पुल				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
5	ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
6	सीवरेज एवं ड्रेनज				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
7	पाण्डुलिपियाँ	627000.00	120000.00		747000.00		0%	0.00		0.00	747000.00	627000.00
8	बिजली संस्थापन एवं उपकरण	5207673.00	123230.00		5330903.00	302130	5%	266545.00		568675.00	4762228.00	4905543.00
9	यंत्र एवं मशीनरी	11196538.00	295545.00		11492083.00	970421	5%	574604.00		1545025.00	9947058.00	10226117.00
10	जनरेटर	37534461.00			37534461.00	14368303.00	5%	1876723.00		16245026.00	21289435.00	23166158.00
11	प्रयोगशाला उपकरण	1764630.00	320259.00		2084889.00	602895.00	8%	166791.00		769686.00	1315203.00	1161735.00
12	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण				0.00		8%	0.00		0.00	0.00	0.00
13	कार्यालय उपकरण	119841.00	3483117.00		3602958.00	14280.00	7.50%	270222.00		284502.00	3318456.00	105561.00
14	दृश्य श्रव्य उपकरण	988824.00	14940.00		1003764.00	141936.00	7.50%	75282.00		217218.00	786546.00	846888.00
15	कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	18320055.00	1388340.00		19708395.00	10853250.00	20%	3941679.00		14794929.00	4913466.00	7466805.00
16	फर्नीचर, पिक्चर्स एवं फिटिंग्स	97450674.00	2164136.00		99614810.00	31009660.00	7.50%	7471111.00		38480771.00	61134039.00	66441014.00
17	लकड़ी के विभाजन	838927.00			838927.00	335573.00	7.50%	62920.00		398493.00	440434.00	503354.00
18	वाहन	4330191.00			4330191.00	2381605.00	10%	433019.00		2814624.00	1515567.00	1948586.00
19	पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	19022257.00	301561.00		19323818.00	13150337.00	10%	1932382.00		15082719.00	4241099.00	5871920.00
20	कम मूल्य की संपत्तियाँ				0.00		100%	0.00		0.00	0.00	0.00
	योग (ए)	791959551.00	32439010.00	0.00	824398561.00	161434211.00		29327224.00	0	190761435.00	633637126.00	630525340.00
21	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)**	1884003259.00	623239568.00	24227882.00	2483014945.00	0.00	0%	0.00	0.00	0	2483014945.00	886709090.00

क्र.सं.	अमूर्त सम्पत्तियाँ	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	ग्रास ब्लाक समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	नेट ब्लॉक 31.03.2019	31.03.2018
22	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	288345.00	0.00		288345.00	281446.00	40%	6899.00		288345.00	0.00	100962.00
23	ई–जरनल	999463.00			999463.00	999463.00	40%	0.00		999463.00	0.00	0.00
24	पेटेंट	717354.00			717354.00	247587.00	9 years	247587.00		495174.00	222180.00	549473.00
	योग (सी)	**2005162.00**	**0.00**	**0**	**2005162.00**	**1528496.00**		**254486.00**	**0**	**1782982.00**	**222180.00**	**650435.00**
	कुल योग (ए+बी.+सी.)	**2677967972.00**	**655678578.00**	**24227882.00**	**3309418668.00**	**162962707.00**		**29581710.00**	**0**	**192544417.00**	**3116874251.00**	**1517884865.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-2018)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	53100.00	53,100.00
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	0.00	-
4. शेयर	0.00	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	0.00	-
6. बैंक में अवधि जमा	0.00	-
जिंदल ट्रस्ट	148226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250000.00	250,000.00
शुक्ला अवार्ड	5000.00	5,000.00
आर.के शर्मा	250000.00	250,000.00
आर. देवनाथन्	50000.00	
7. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	0.00	-
बी.एस.ई.एस.	174065.00	174,065.00
योग	**936391.00**	**886,391.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-2018)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस	-	-
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. पी.यू.एस. सिक्यारिटीज	-	-
4. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
5. बैंक एफ.डी.	142,665,733.00	147,292,639.00
6. शेयर		
7. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र		
8. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा) एम.एस.पी. (एफ.डी.आर.)	3,498,648.00	
9. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा) एच.डी.एफ.सी. (एफ.डी.आर.)	60,000,000.00	-
योग	**206,164,381.00**	**147,292,639.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
(क) वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. स्टॉक		
गोदाम एवं पुर्जे	0.00	-
खुले औजार	-	
प्रकाशन (ओ.बी. रु.23793413+रु.1202363-रु.2732194-पूर्व वर्ष आय रु.8975588)	13287994.00	-
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय	-	
भवन निर्माण सामग्री	-	
बिजली सामग्री		
लेखन सामग्री		
पानी सप्लाई मैटिरीयल		
2. विविध टेनयर		
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक	-	
अन्य		-
3.हाथ में नकद	364331.00	1020003.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	78717.00	
हाथ में नकद छात्र कोश	545301.00	84165.00
बैंक में शेष		
ए)अनुसूचित (बैंक के साथ)		
-नगद खाते	10000.00	0.00
-अवधि जमा		0.00
-बचत खाते	111130156.00	94445315.00
-यू.जी.सी./जे.आर.एफ.	101000.00	101000.00
-एम.एस.पी.	5029177.00	2610424.00
-बचत खाते (एच.डी.एफ.सी)	3435748.00	
-बचत खाते (छात्र कोश)	22306154.00	
बी) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ		
-चालू खाते में		0.00
-जमा खाते में		0.00
-बचत खाते में		0.00
4. डाक घर बचत खाते		
योग	**156288578.00**	**98260907.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
1. कर्मचारियों को अग्रिम		
ए) वेतन		
बी) त्यौहार		
सी) चिकित्सा हेतु अग्रिम		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)	5102964.00	5307140.00
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि हेतु अग्रिम		
ए) वाहन ऋण		
बी) घर लोन		
सी) अन्य (निर्दिष्ट)		
3. अग्रिम एवं अन्य वसूली योग्य नकद रकम		
ए) मुख्य खाता		
बी) आपूर्तिकर्ताओं को		
सी) अन्य		
4. पेशगी खर्च		
ए) बीमा		
बी) अन्य		
5. अर्जित आय		
निवेश निर्धारित/दान निधि		
ए) रु. 2290654 पूर्व वर्ष में एवं रु. 3561001 वर्ष 2018-19 - रु.1530120	4321538.00	2290654.00
बी) निवेश-अन्य		
सी) ऋण एवं अग्रिम	39,251.00	
डी) अन्य (टी.डी.एस. बैंक द्वारा) अर्जित ब्याज		
6. जमा		
दूरभाष, पट्टा किराया एवं बिजली		
7. दावा		
सस्पेंस खाता	723000.00	723000.00
सस्पेंस खाता नकद	59122.00	59122.00
6. यू.जी.सी. से प्राप्त करने योग्य नकद सम्पत्तियां प्रायोजित परियोजनाएँ		
प्रायोजित परियोजनाओं में जमा राशि		
दान गुरुवायूर	0.00	1718459.00
अनुदान प्राप्त		
अन्य प्राप्तियां	13549.00	13549.00
योग (बी)	**10259424.00**	**10111924.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-2019)	पूर्व वर्ष (2017-18)
अनूसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
प्रशासन		
1. शिक्षा शुल्क		
2. प्रवेश शुल्क	346686.00	466740
3. नामांकन शुल्क		
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला एवं शिल्प शुल्क		
7. एन.एफ.एस.ई.	1973413.00	290,835.00
8. दान खाता		
9. जे.आर.एफ.		
योग (ए)	**2320099.00**	**757575.00**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	406400.00	67200
2. वार्षिक परीक्षा शल्क	4333806.00	0.00
3. अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क		
4. अन्य अकादमिक प्राप्तियाँ	2370224.00	6422901.00
5. फार्म की बिक्री	0	
योग (बी)	**7110430.00**	**6490101.00**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क		
2. दण्ड/विविध शुल्क		
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवाहन शुल्क		
5. छात्रावास शुल्क	261100.00	264650.00
6. एम.एस.पी.		
योग (सी)	**261100.00**	**264650.00**
प्रकाशनों का विक्रय		
1. प्रवेश फार्म की बिक्री		

अनूसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
2. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों की बिक्री		
3. फार्म सहित विवरणिका की बिक्री		2858536.00
योग (डी)		
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ	0.00	2858536.00
1. कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों हेतु पंजीकरण		
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महाविद्यालय)		
3. पी.एस.एस.टी.		18705.00
4. पत्राचार प्राप्तियाँ	190960.00	188520.00
योग (ई)	**190960.00**	**207225.00**
कुल योग (ए+बी+सी.डी.ई.)	**9882589.00**	**10578087.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 10-अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

विवरण	अनुदान			चालू वर्ष योग	पूर्व वर्ष योग
	भारत सरकार	यू.जी.सी.			
				(2018.19)	(2017.18)
शेष लाया गया	15,960,013.00	*		15,960,013.00	130892455.00
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	2143799000.00			2143799000.00	1912906000.00
योग	**2159759013.00**			**2159759013.00**	**2043798455.00**
घटा: यू.जी.सी. को वापसी					
शेष	-			-	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	510960013.00			510960013.00	711959962.00
शेष	**1648799000.00**			**1648799000.00**	**1331838493.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	1648799000.00			1648799000.00	1434768576.00
शेष ले जाया गया (सी)	**-**			**-**	**(102,930,083.00)**

(ए) पूंजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसपंत्तियों के बीच में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

राशि ₹ में

विवरण	यू.जी.सी.		चालू वर्ष योग	पूर्व वर्ष योग
	एम.एस.पी.	जे.आर.एफ.	(2018-19)	(2017-18)
शेष लाया गया	2372689.00	101000.00	2473689.00	504471.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	13390546.00	0.00	13390546.00	11305609.00
शेष	**15763235.00**	**101000.00**	**15864235.00**	**11810080.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी				
शेष	-.	-.	-.	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)			0.00	0.00
शेष	**15763235.00**	**101000.00**	**15864235.00**	**11810080.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	11394242.00	0.00	11394242.00	9336391.00
शेष ले जाया गया (सी)	**4368993.00**	**101000.00**	**4469993.00**	**2473689.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 11 - निवेश से आय	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1) ब्याज		-	-	-
ए) सरकारी प्रतिभूतियों पर		-	-	-
बी) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर		-	-	-
2) अवधि जमा पर ब्याज	5379154.00	18,320,602.00	-	-
		-	-	-
3) ब्याज अर्जित किए गए किन्तु अवधि जमा पर कोई देनदारी नहीं		-	-	-
4) बचत खाता पर ब्याज				
5) अन्य (निर्दिष्ट)		-	-	-
योग (ए)	**5379154.00**	**18320602.00**	**-**	**-**
चिह्नित दान खाता में स्थानांतरित रु.3337330	**-3337330.00**	**-4380802.00**		
31.03.2019 तक सा.ज. खाता पर कम अर्जित ब्याज रु.1435081	**-1435081.00**	**-3786162.00**		
योग (बी)	**-4772411.00**	**-8166964.00**		
योग (ए-बी)	**606743.00**	**10153638.00**		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज		
1) बचत खाता :		
ए) अनुसूचित बैंक	6682726.00	7889210.00
बी) गैर अनुसूचित बैंक		
सी) डाक पर बचत खाता		
डी) अन्य	0.00	15818.00
2) ऋण		
ए) कर्मचारी	977549.00	1377090.00
बी) दान (शृगेरी)		6,989.00
सी) अन्य		
3) अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
योग	**7660275.00**	**9289107.00**
नोट - स्त्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
ए) जमीन एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया		
2. लाइसेंस शुल्क	261540.00	50961.00
3. प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सम्मेलन कक्ष आदि		
4. बिजली शुल्क वापिस		
5. पानी शुल्क वापिस		
बी) संस्थान प्रकाशन बिक्री		
सी) होल्डिंग इवेंट्स से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय		
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च		
2. मेलों से प्राप्त कुल राशि		
घटा : मेलों पर होने वाला खर्च		
3. शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि		
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च		
4. अन्य (अलग से निर्दिष्ट)		
मंत्रालय प्रकाशन	679978.00	295325.00
डी) अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आर.टी.आई. शुल्क	90.00	260.00
3. रायल्टी से आय		
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)		
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)		
6.बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान		
ए) सम्पत्ति स्वामित्व		
बी) सम्पत्तियां		

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय क्रमश:.....	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
7. अनुदान/संस्थाओं से प्राप्त दान (कल्याणकारी संगठन) एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन		
8. अन्य (निर्दिष्ट)	23016171.00	5902225.00
9. अवकाश वेतन एवं पी.सी.	305072.00	-
योग	24262851.00	6248771.00

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय.	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ		
2. निवेश से आय		
3. अर्जित ब्याज		
4. अन्य आय	9,512,047.00	(1.00)
5. अन्य आय (अधिक्य आय)	(8,975,588.00)	
योग	536,459.00	(1.00)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थ ापना व्यय)

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
ए) वेतन एवं मजदूरी	729432020.00	645542977.00
बी) भत्ते एवं बोनस		
सी) भविष्य निधि को योगदान		
डी) अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)		
एन.पी.एस.	11451318.00	12387662.00
सी.पी.एफ.		
जी.पी.एफ.	74244.00	4289598.00
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च	0.00	320009.00
एफ) सेवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभ	60337123.00	54554307.00
जी) पेंशन	89395181.00	
एच) एल.टी.सी. सुविधा	9676945.00	4144614.00
आई) चिकित्सा सुविधा	7058581.00	6999857.00
जे) बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	4751327.00	3071653.00
के) मानदेय	875338.00	654453.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	913052077.00	731965130.00

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
शैक्षणिक व्यय		
ए) प्रयोगशाला व्यय		
बी) क्षेत्र कार्य/सम्मेलन सहभागिता		683198.00
सी) सेमिनार खर्च/कार्यशाला	5972081.00	4092034.00
डी) अभ्यागत संकाय भुगतान		
ई) परीक्षा	17371412.00	11632619.00
एफ) छात्र कल्याण खर्च	184933.00	399038.00
जी) प्रवेश खर्च		
एच) दीक्षांत समारोह खर्च	45436.00	
आई) प्रकाशन	216902.00	372193.00
जे) वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति		
के) अनुसंधान खर्च	658527.00	1237012.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)		3094053.00
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	323387.00	9611305.00
वार्षिक उत्सव	1067709.00	561165.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	9670327.00	11082775.00
कम्प्यूटर शिक्षा	701681.00	632987.00
दूरस्थ शिक्षा		
सी.सी. आकस्मिकता	468895.00	554003.00
ई-टेक्स्ट	165354.00	
ई-ग्रन्थालय	66000.00	611402.00
कौमुदी महोत्सव	4535344.00	6962922.00
उपहार	159969.00	60780.00
पी.एस.एस.-शुल्क	202366.00	28490.00
संस्कृत आयोज		
संस्कृत दिवस समारोह	1241199.00	1651794.00
संस्कृत विश्वविद्यालय		
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र		

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
हिन्दी दिवस समारोह	251971.00	140565.00
महिला अध्ययन केन्द्र	205159.00	25583.00
ग्लोरी फेस्टिवल		
प्रतियोगिताएँ		
विश्व संस्कृत सम्मेलन	3170475.00	
भाषा मन्दाकिनी		
ज्ञान दर्शन		
वसन्त महोत्सव	397048.00	309412.00
पालि प्राकृत		
आइ.क्यू.ए.सी.	62714.00	546544.00
विस्तृत व्याख्यान	1109487.00	1094385.00
ईवेलुऐशन कार्य	992743.00	
रोड़ मेप विकास		
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छ माह)	5457991.00	1925360.00
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	2463344.00	422004.00
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद्	298523.00	
अष्टादशी परियोजना	11783498.00	287593.00
साहित्य शास्त्र परीक्षण	639085.00	
मु.स्वा.पी. (मुख्य खाता)	12919172.00	9403400.00
मु.स्वा.पी. (भोपाल)		1020637.00
भारतीय विश्वविद्यालय का संघ		
योजना		
छात्रवृत्ति	54251138.00	68903741.00
एन.एफ.एस.ई.	20456342.00	18194124.00
शास्त्र चूड़ामणि	5652624.00	6854406.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक शिक्षा	2004203.00	214772.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	338800.00	3122567.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनमुर्द्रण)	2859120.00	197922.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	4094095.00	1558248.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	3000000.00	5576837.00

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
राष्ट्रपति सम्मान	51766617.00	9337771.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	289083680.00	274749870.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	17525206.00	22579841.00
ऐच्छिक संस्कृत संगठन	85998521.00	70380798.00
अखिल भारतीय शलाका प्रतियोगिता/राज्य स्तरीय		
उत्तर पूर्वी राज्य	14272535.00	9464504.00
स्वयं सेवी संगठन/स्वयं सेवी विश्वविद्यालय	637500.00	75006.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	14982035.00	15179203.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनियर सेकेंडरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	2220000.00	5817041.00
सम्मान राशि	7479118.00	5955129.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान	331297.00	
पंचांग परियोजना	220774.00	186839.00
समायोजन प्रविष्टि		-387223.00
पाली एवं प्राकृत	7832561.00	5291154.00
राष्ट्रीय संस्कृत गोष्ठी	124315.00	
ई.-पाठशाला पुस्तक		
परियोजनाएँ	1274910.00	264490.00
जगन्नाथ वी.के. परियोजनाएँ	9510.00	165360.00
ज्योतिष परियोजनाएँ	292946.00	
यू.जी.सी./नैक	97934.00	1337069.00
नाट्य शास्त्र परियोजना	707601.00	757303.00
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद सम्मेलन	1500000.00	0.00
योग	**671650760.00**	**594385379.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय **राशि ₹ में**

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
ए) आधारभूत संरचना		
ए) बिजली एवं पावर	18979210.00	19489942.00
बी) पानी शुल्क	395163.00	273940.00
सी) बीमा		
डी) किराया, दर एवं टैक्स (सम्पत्ति कर सहित)	8145194.00	10449274.00
बी) संचार		
ई) डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	1715869.00	1806702.00
एफ) दूरभाषा, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	1610970.00	1618636.00
सी) अन्य		
जी) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	2566819.00	3255468.00
एच) यात्रा एवं वाहन खर्च	14311876.00	14373671.00
आई) अतिथि सत्कार		
जे) लेखा परीक्षकों के पारिश्रामिक	387235.00	497870.00
के) पेशेवर प्रभार		
एल) विज्ञापन एवं प्रचार	3683653.00	1288529.00
एम) पत्रिकाएं एवं जरनल	174160.00	62910.00
एन) अन्य (निर्दिष्ट) नये परिसर की स्थापना	19354938.00	16030411.00
आकस्मिक खर्च	663522.00	
संविदा मजदूर	5727525.00	
कानूनी खर्च	1862607.00	1511095.00
बैक प्रभार	8689.00	
सुरक्षा हाउस कीपींग	4820065.00	9668776.00
विविध खर्च	20250664.00	15629208.00
सी.वी.वी.टी.	27732514.00	
योग	**132390673.00**	**95956432.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
ए) रनिंग व्यय	1415669.00	1357582.00
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	52759.00	147895.00
सी) बीमा व्यय	30720.00	
डी) स्टाफ कार व्यय	68788.00	155944.00
2. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		
ए) किराया/लीज व्यय	1186827.00	1077595.00
3. वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	555141.00	286153.00
योग	**3309904.00**	**3025169.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
ए) भवन	800488.00	3043358.00
बी) फर्नीचर एवं फिक्चर	1095529.00	58157.00
सी) प्लांट एवं मशीनरी	243912.00	185546.00
डी) कार्यालय उपकरण	2207787.00	1392654.00
ई) कम्प्यूटर	548010.00	375324.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण		
जी) दृश्य श्रव्य उपकरण	23174.00	43750.00
एच) सफाई सामग्री एवं सफाई	3353018.00	292685.00
आई) पुस्तक जिल्द शुल्क	4817.00	5138.00
जे) बागवानी	235338.00	292601.00
के) जायदाद रखरखाव	104448.00	573953.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	484391.00	98336.00
एम) रिपेयर एण्ड मेनटेनेंस	2601584.00	(198,349.00)
योग	**11702496.00**	**6163153.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
ए) बैंक प्रभार	0.00	
बी) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**0.00**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
ए) बैड एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान/अग्रिम		
बी) अप्रतिलभ्य शेष बट्टे खाते में डाला गया		
सी) अन्य संस्थाओं/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2018-19)	पूर्व वर्ष (2017-18)
1. स्थापना व्यय		1806508.00
2. शैक्षिक व्यय		1363.00
3. प्रशासिनक व्यय		307524.00
4. परिवहन व्यय		
5. मरम्मत एवं रखरखाव		
6. अन्य (निर्दिष्ट) छात्रवृत्ति (भोपाल)		1157918.00
7. अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)		
8. अन्य (ऋणमुक्ति ..... ई-बुक)		
9. अन्य (ऋणमुक्ति ..... एकस्व अधिकार)		
योग	**0.00**	**3273313.00**

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 23 – महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण आद्य लागत अवधारणा और सामान्य: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से शुल्क (शिक्षा पुस्तक को छोड़कर) प्रवेश फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियों को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास पर परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसास से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों पर मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं। जहाँ मूल्य मुद्रित नहीं है उसकी कीमत का आंकलन अनुमानित है।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगया गया है–

मूर्त संपत्ति

1.	भूमि	0%
2.	साइट का विकास	0%
3.	भवन	2%
4.	सड़क एवं पुल	2%
5.	ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6.	सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7.	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8.	संयंत्र और मशीनरी	5%
9.	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10.	कार्यालय उपकरण	7.5%
11.	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%
12.	कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
14.	वाहन	10%
15.	पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1. ई–पत्रिका 40%
2. कम्प्यूटर सॉफ्टवेरय 40%
3. पेटेंट और कॉपीराइट 9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसर्पत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई–पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में स्टॉक में दर्ज की जाती है। संस्कृत के आग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची–7)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शामिल है। 2018–19 में इसका कुल प्रोविजन रु.4,11,93,98,935/– है।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.07.2017 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 1000/– दिया जा रहा है।

6.3 संस्थान के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित निधि, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त राशि एवम् खर्चों का लेखांकन किया गया है। (अनुसूची–2)

6.5 170 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सावधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित/दान निधि

8.1 संस्थान के पेंशन के लिये एक चिह्नित निधि है एवं पांच दान निधि जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट, आर.के. शर्मा और आर. देवनाथन् के नाम पर है। अनुसूची–2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं निधि में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नहीं दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान

9.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य का लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदार्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित निधि एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना संस्थान में चल रही है जिसका लाभ वरिष्ठ शोध अध्येता/कनिष्ठ शोध अध्येता (वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधानकर्त्ता) जिसका लाभ ले रहे हैं।

12. आयकर

12.1 संस्थान एक मानित विश्वविद्यालय है और पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2019

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

न्यायालय मुकदमा खर्च - रुपये 35,00,000/- (पूर्व वर्ष - रुपये 40,00,000/-)

2. स्थायी संपत्तियाँ

2.1 वर्ष 2018-19 में रुपये 50,97,57,650/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 खाते में रुपये 580/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

3. विदेशी मुद्र में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	शून्य
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा सहित	शून्य

4. बैलेंस शीट में मुंबई कैंपस में गबन से संबंधित रु.628122 की राशि को सस्पेंस खाता में दिखाया गया है। (निर्दिष्ट अनुसूची-8) चूंकि अभी तक मामले को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, केवल सस्पेंस हेड में रखी गई राशि। ऑडिट प्रविष्टि के अवलोकन के अनुसार रुपये 4.27 लाख जीपीएफ बैलेंस शीट और रुपये 1.54 लाख रुपये के मुख्य वेतन में किए गए हैं।

5. वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 27.06.2019 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

6. अन्तिम खाते में आकड़ें जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

7. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2019 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

9. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2018-19 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

राशि ₹ में

	2018-19 को प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता						
क्र.सं.	**प्राप्तियाँ**	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	**भुगतान**	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**पूर्व बकाया**			1.	**व्यय**		
ए)	हाथ में रोकड़	1020003.00	919253.00	ए)	स्थापना व्यय	849789689.00	840049341.00
बी)	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	84165.00	33532.00	बी)	शैक्षिक व्यय	94031620.00	76151242.00
सी)	बैंक में शेष			सी)	प्रशासनिक व्यय	132390673.00	95956432.00
	i)चालू खाता			डी)	यातायात व्यय	3309904.00	3025169.00
	ii) जमा खाता			ई)	मरम्मत एवं देखभाल	11702496.00	6361502.00
	iii) बचत खाता	94445315.00	242878929.00	एफ)	पूर्व अवधि व्यय	0.00	3273313.00
डी)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	2610424.00	510187.00	जी)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		
इ)	छात्रवृत्ति	101000.00	418834.00	2.	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**		0.00
एफ)	हाथ में रोकड़ (छात्र कोश)	375435.00		3.	छात्र कोश व्यय	19985960.00	
जी)	बचत खाता (छात्र कोश)	22365419.00					
2.	**अनुदान प्राप्त**			4.	**परिसरों को अनुदान**	1369638142.00	1497063684.00
ए)	भारत सरकार से प्राप्त	2143799000.00	1983106000.00	5.	प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना	589013382.00	526163995.00
बी)	राज्य सरकार से प्राप्त			6.	कनिष्ठ अभ्यता शोधछात्रवृत्ति	0.00	1793756.00
सी)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त			7.	अवधि जमा बैंक के साथ	58336724.00	117733406.00
					एम.एस.पी. एफ.डी.आर.	3498648.00	
डी)	परिसर अनुदान	1369638142.00	1497063684.00		एच.डी.एफ.सी. एफ.डी.आर.	60000000.00	
ई)	(पूंजी एवं राजस्व व्यय अनुदान में अलग से दिखाया जाएगा)			8.	पूर्व अवधि व्यय		0
एफ)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (वि.अ.आ.)	0.00	1475922.00	9.	स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल **वर्क कार्य प्रगति पर**		
3.	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**	12614783.00	10578087.00	10.	स्थायी सम्पत्ति	9412911.00	17608143.00
ए)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	34287609.00	16078458.00	11.	कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	501547102.00	694351819.00
बी)	पूर्व अवधि आय		(1.00)	ए)	सी.पी.डब्ल्यू.डी. (वापसी)		0.00
सी)	छात्र कोश प्राप्ति	20096561.00		बी)	अन्य भुगतान संवैधानिक भुगतान सहित	343088895.00	207132485.00
डी)	एच.डी.एफ.सी. प्राप्ति	63435748.00					
4.	**निर्धारित प्राप्तियाँ/अक्षय निधि**		0.00	सी)	**जमा एवं अग्रिम**	25065428.00	31843676.00
ए)	इन्डोनमेंट पुरस्कार			12.	शेष राशि		
5.	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**			13.	**हाथ में रोकड़**	364331.00	1020003.00
ए)	मुख्यालय से प्राप्त			14.	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	78717.00	84165.00
बी)	अन्य स्रोत से आय				हाथ में रोकड़ (एस.कोश)	545301.00	
6.	**प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ**			ए)	**बैंक में शेष**		

क्र.स.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
ए)	कनिष्ठ छात्र वृत्ति		0.00	बी)	1. चालू खाते में	10000.00	
7.	निवेश से आय			सी)	2. जमा खाते में		
ए)	निर्धारित/दान निधि		0.00		3. बचते खाते में	111130156.00	94445315.00
बी)	अन्य निवेश	62963630.00	192866126.00	डी)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	5029177.00	2610424.00
	एम.एस.पी. एफ.डी.आर.	6864436.00		इ)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	101000.00	101000.00
8.	ब्याज प्राप्त						
ए)	बैंक में जमा	5379154.00	18320602.00	एफ)	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	3435748.00	
बी)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	977549.00	1377090.00	जी)	बचत खाता (एस. कोश)	22306154.00	
सी)	बचत खता	6682726.00	7889210.00				
डी)	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)	0.00	15818.00				
इ)	दान पर ब्याज	178057.00	129794.00				
9.	नकद में निवेश						
	स्थायी सम्पत्ति बिक्री						
10.	कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि		0.00				
11.	अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)		0.00				
12.	जमा एवं अग्रिम	25269604.00	32311746.00				
13.	वापसी योग्य प्राप्तियाँ संवैधानिक प्राप्तियाँ	340623398.00	210795599.00				
	(भेजी हुई रकम)						
	योग	**4213812158.00**	**4216768870.00**		**योग**	**4213812158.00**	**4216768870.00**

स्थान

दिनांक - 27 जून, 2019

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2018-19 के लिए प्राप्तियाँ की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृंगरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
1.	**आदि शेष**														
i	हाथ में रोकड़	7138.00	65992.00	250615.00	76444.00	43942.00	144566.00	8913.00	142334.00	74805.00	1919.00	92151.00	72809.00	38375.00	1020003.00
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	55250.00	28915.00												84165.00
iii	बचत खाता	30591609.00	5401883.00	5868631.00	3324396.00	3828639.00	3969416.00	7065156.00	5856343.00	2555394.00	7681964.00	5566803.00	5289889.00	7445192.00	94445315.00
iv	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	2317439.00	292985.00												2610424.00
v	बचत खाता (शोधछात्रवृत्ति)	101000.00													101000.00
vi	रखरखाव (मु.स्वा.पी.)														0.00
vii	रखरखाव	2143799000.00													2143799000.00
viii	सहायता सामान्य में योजना अनुदान		79271504.00	55477894.00	33078767.00	148045229.00	238655000.00	151463000.00	70225726.00	62165000.00	148877000.00	81096000.00	69500000.00	231783022.00	1369638142.00
ix	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)														0.00
x	हाथ में रोकड़ (छात्र कोश)		83419.00		16376.00	9070.00	4546.00				2103.00	204188.00	0.00	55733.00	375435.00
xi	बचत खाता (छात्र कोश)		6091737.00		981465.00	1106013.00	1579640.00				55856.00	4794152.00	287058.00	7469498.00	22365419.00
xii	पूर्व अवधि आय														0.00
	योग	**2176871436.00**	**91236435.00**	**61597140.00**	**37477448.00**	**153032893.00**	**244353168.00**	**158537069.00**	**76224403.00**	**64795199.00**	**156618842.00**	**91753294.00**	**75149756.00**	**246791820.00**	**3634438903.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**														
i	प्रवेश पत्र			18300.00	16500.00		10440.00		131600.00		7850.00		150.00	161846.00	346686.00
ii	परीक्षा प्राप्तियाँ	4284584.00		43322.00		5800.00					100.00				4333806.00
iii	प्रकाशनों की बिक्री	2614412.00		9382.00	12396.00			72.00	20330.00	41856.00	6074.00			27672.00	2732194.00
iv	एन.एफ.एस.सी.	1973413.00													1973413.00
v	छात्रावास शुल्क										249300.00			11800.00	261100.00
vi	पी.एस.एस.टी.														0.00
vii	पत्राचार प्राप्तियाँ	190960.00													190960.00
viii	विद्यावारिधि शुल्क	406400.00													406400.00
ix	अन्य एकादाकि प्राप्तियाँ	930.00			7800.00		46500.00		37685.00		24282.00	118542.00		2134485.00	2370224.00
x	प्रतिभा पुरस्कार														0.00
	योग	**9470699.00**	**0.00**	**71004.00**	**36696.00**	**5800.00**	**56940.00**	**72.00**	**189615.00**	**41856.00**	**287606.00**	**118542.00**	**150.00**	**2335803.00**	**12614783.00**
3	**विविध प्राप्तियाँ**														0.00
i	मन्त्रालय प्रकाशन	679978.00													679978.00
ii	ज्ञान दर्शन														0.00
iii	कनिष्ठ शोध अध्येता (परिसरों में धन-वापसी)														0.00
iv	आर.टी.आई.								10.00			80.00			90.00
v	मुक्त स्वाध्याय पीठ (मुख्य कैश बुक)	11371200.00													11371200.00
vi	मुक्त स्वाध्याय पीठ (कैश बुक)	10024758.00													10024758.00
vii	अन्य विविध प्राप्तियाँ	4442734.00	1017505.00	939248.00		44089.00	83410.00			583432.00	430189.00	876147.00	56476.00	3171741.00	11644971.00
viii	सी.पी.डब्ल्यू. द्वारा वापसी														0.00
ix	छुट्टियों की तन्खाह एवं पेंशन अंशदान	305072.00													305072.00
x	छात्रकोश		2547653.00		592751.00	3534517.00	993518.00				4364731.00	5645938.00	168598.00	2248855.00	20096561.00

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृंगरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
xi	एच.डी.एफ.सी.	63435748.00													63435748.00
xii	लाइसेंस शुल्क		7995.00			5820.00		7440.00	76540.00		110116.00	15925.00		37704.00	261540.00
	योग	**90259490.00**	**3573153.00**	**939248.00**	**592751.00**	**3584426.00**	**1076928.00**	**7440.00**	**76550.00**	**583432.00**	**4905036.00**	**6538090.00**	**225074.00**	**5458300.00**	**117819918.00**
4	**ब्याज**														0.00
i	बचत खाते पर ब्याज	4369264.00	88707.00		660004.00	289905.00	805072.00		131953.00	75802.00	185082.00	76937.00			6682726.00
ii	सावधि जमा रसीद पर ब्याज	4772411.00				517808.00					88935.00				5379154.00
iii	ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर ब्याज	131794.00	11600.00	22943.00			800.00	99412.00	157676.00		61413.00	359479.00		132432.00	977549.00
iv	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)														0.00
v	दान राशि पर ब्याज	178057.00													178057.00
	योग	**9451526.00**	**100307.00**	**22943.00**	**660004.00**	**807713.00**	**805872.00**	**99412.00**	**289629.00**	**75802.00**	**335430.00**	**436416.00**	**0.00**	**132432.00**	**13217486.00**
5	**भेजी हुई रकम**														
i	आयकर		8068331.00		3463626.00	6518960.00	4081753.00	11808000.00		4489622.00	9482823.00	8548695.00	1497482.00	14090453.00	72049745.00
ii	सा.भ.नि.		8412265.00		2601000.00	2879210.00	3071480.00	12697200.00		4524100.00	8160477.00	6972260.00	949000.00	11240981.00	61507973.00
iii	एन.पी.एस.		1486031.00		1020528.00	1711421.00	888133.00	1848737.00	254820.00		1227363.00	1032848.00	419386.00	1239099.00	11128366.00
iv	जी.आई.एस.		79938.00		22500.00	58620.00	70691.00	98940.00	19260.00	97744.00	63203.00	59760.00	23880.00	88020.00	682556.00
v	जी.आई.पी.	236660.00													236660.00
vi	अन्य विभागों को प्रेषण	300000.00		250966.00	400000.00	74972662.00	1033074.00	2625667.00	1416309.00	400000.00	1216525.00	20176992.00	214911.00	89800278.00	192807384.00
vii	एल.आई.सी.							516120.00			381274.00	111099.00		166360.00	1174853.00
viii	पुस्तकालय/छात्रावास जमानत राशि											143150.00			143150.00
ix	टी.डी.एस.					45651.00						62478.00	210607.00		318736.00
x	पी.एल.आई.														0.00
xi	एस.डी. अग्रिम धन	301975.00												272000.00	573975.00
	योग	**838635.00**	**18046565.00**	**250966.00**	**7507654.00**	**86186524.00**	**9145131.00**	**29594664.00**	**1690389.00**	**9511466.00**	**20531665.00**	**37107282.00**	**3315266.00**	**116897191.00**	**340623398.00**
6	**सावधि जमा रसीद**														
i	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित	53514313.00				13998.00		6976435.00			1431104.00			1027780.00	62963630.00
ii	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित मु.स्वा.पी.	6864436.00													6864436.00
	योग	60378749.00	0.00	0.00	0.00	13998.00	0.00	6976435.00	0.00	0.00	1431104.00	0.00	0.00	1027780.00	69828066.00
7	**रकम वापसी कैपिटल कार्य**						0.00	0.00							0.00
	प्रगति पर														
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
8	**अग्रिम खाता**														
i	एल.टी.सी.				138310.00	313000.00	215400.00	40000.00			192750.00	787060.00	150000.00	220200.00	2056720.00
ii	टी.ए.				805500.00	220000.00	307000.00	630000.00	352000.00	268500.00	683000.00	535000.00		539000.00	4340000.00
iii	त्यौहार	5400.00	6360.00	20250.00	500.00			40500.00	12066.00	26100.00	2700.00	33750.00		34200.00	181826.00
iv	वाहन	34953.00		126000.00	4800.00			26000.00	36652.00		26000.00	46800.00		69250.00	370455.00
v	आकस्मिक व्यय		131500.00		1176500.00	377500.00	1763146.00	2890300.00	1651000.00	835900.00	2204700.00	1305600.00	269000.00	4771382.00	17376528.00
vi	एच.बी.ए.	240886.00								25683.00		72990.00		87192.00	426751.00
vii	चिकित्सा							30000.00							30000.00
viii	कम्प्यूटर	233820.00	9240.00	22500.00	16350.00	35000.00	3200.00	54700.00	26000.00	11000.00	28814.00	33200.00		13500.00	487324.00
	योग	515059.00	147100.00	168750.00	2141960.00	945500.00	2288746.00	3711500.00	2077718.00	1167183.00	3137964.00	2814400.00	419000.00	5734724.00	25269604.00
9	**गबन रकम की वापसी**														0.00
	कुल योग	2347785594.00	113103560.00	63050051.00	48416513.00	244576854.00	257726785.00	198926592.00	80548304.00	76174938.00	187247647.00	138768024.00	79109246.00	378378050.00	4213812158.00

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2018-19 के लिए समेकित भुगतान लेखा

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	श्रृंगेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
व्यय														
ए) स्थापना दिवस														
ए) वेतन एवं मजदूरी	78139039.00	32893413.00	30621605.00	56563197.00	35793737.00	69216293.00	86798112.00	36865044.00	56003784.00	27763019.00	54182707.00	14032106.00	90965341.00	669837397.00
बी) कर्मचारी कल्याण व्यय														0.00
सी) एल.टी.सी.	1665810.00	740670.00	90296.00	546791.00	410850.00	361782.00	3001852.00	306067.00	1060714.00	265717.00	266119.00	264346.00	695931.00	9676945.00
डी) चिकित्सा सुविधा	2043133.00	185597.00	437112.00	358076.00	239475.00	304517.00	338962.00	578376.00	561870.00	99242.00	216534.00	31112.00	1664575.00	7058581.00
ई) बच्चों हेतु शिक्षा	861127.00	17832.00	317190.00	929428.00	744200.00	227480.00	428018.00	198977.00		93790.00	43760.00	127059.00	762466.00	4751327.00
एफ) मानदेय	504000.00			89000.00	247498.00							34840.00		875338.00
जी) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)	15141465.00		6543704.00	2817803.00	4834969.00	795191.00	4636393.00	10143864.00			5286355.00		10137379.00	60337123.00
एच) पेंशन	20686051.00		10014450.00	2808563.00	1187245.00	10189622.00	8342764.00	11034634.00	6086534.00		1821516.00		13556037.00	85727416.00
आई) एन.पी.एस.	1614609.00	1456661.00	982967.00	1382459.00	991007.00	1227363.00			1032848.00	691844.00	1711421.00	360139.00		11451318.00
जे) सी.पी.एफ.														0.00
के) सा.ध.नि. ब्याज						74244.00								74244.00
योग (ए)	**120655234.00**	**35294173.00**	**49007324.00**	**65495317.00**	**44448981.00**	**82396492.00**	**103546101.00**	**59126962.00**	**64745750.00**	**28913612.00**	**63528412.00**	**14849602.00**	**117781729.00**	**849789689.00**
(बी) शैक्षिक व्यय														
अखिल भारतीय युवा महोत्सव						43172.00				280215.00				323387.00
वार्षिक समारोह		29256.00			58989.00	116196.00		416957.00	57351.00		83906.00	54336.00	250718.00	1067709.00
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा		9670327.00											0.00	9670327.00
कम्प्युटर शिक्षा				619032.00		82649.00								701681.00
परीक्षा	14571665.00	153445.00		277079.00	310722.00	115475.00	400418.00	206476.00	229584.00	398999.00	213121.00	31168.00	463260.00	17371412.00
पत्राचार आकस्किता	204097.00									71251.00	193547.00			468895.00
ई-टैक्स्ट														0.00
डी.ई.ओ./ई.-ग्रन्थालय													66000.00	66000.00
संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय		3112543.00		298528.00	42270.00	58773.00	1292430.00			260469.00		592068.00	315000.00	5972081.00
फील्ड कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता														0.00
कौदी महोत्सव				60000.00		3754277.00		444070.00	60000.00	71140.00	59527.00	86330.00		4535344.00
विद्वानों को मानदेय														0.00
उपहार									48207.00		11762.00		100000.00	159969.00
प्रकाशन/पत्रिका							97933.00			118969.00				216902.00
पी.एस.एस.टी. - शुल्क	202366.00													202366.00
संस्कृत आयोग														0.00
संस्कृत दिवस समारोह	551907.00			63836.00	213376.00	52581.00	66873.00		28288.00	55266.00	36058.00	51699.00	121315.00	1241199.00
ग्लोरी फेस्टिवल														0.00
छात्र कल्याण व्यय					25235.00	23534.00		4100.00	43551.00		85986.00		2527.00	184933.00
हिन्दी दिवस समारोह	48096.00				28017.00					21260.00		84598.00	70000.00	251971.00

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृंगेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
महिला अध्ययन केन्द्र					205159.00									205159.00
अनुसंधान सक्रियता	562740.00										95787.00			658527.00
विश्व संस्कृत सम्मेलन	3170475.00													3170475.00
भाषा मन्दाकिनी														0.00
वसंत महोत्सव		337048.00											60000.00	397048.00
आई.क्यू.ए.सी.		25885.00		9169.00									27660.00	62714.00
विस्तृत व्याख्यान		221866.00		35428.00		50554.00	26149.00	383763.00	41523.00	58731.00	128331.00		163142.00	1109487.00
आंकलन कार्य													992743.00	992743.00
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद्											298523.00			298523.00
शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम (6 माह)	3757071.00		1500920.00										200000.00	5457991.00
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता		2263344.00					200000.00							2463344.00
कनवोकेशन		45436.00												45436.00
अष्टाध्यायी परियोजना	11683498.00									100000.00				11783498.00
छात्र कोश व्यय		406257.00		1672608.00		4416441.00	5466347.00		4792352.00	233679.00	2936011.00	62265.00		19985960.00
साहित्य शास्त्र प्रशिक्षण					16023.00				266926.00				356136.00	639085.00
मु.स्वा.पी. (मेन कैश बुक)	4215392.00	295633.00	599315.00	695986.00	349454.00	1047017.00	1073602.00	685615.00	577713.00	703959.00	667295.00		2008191.00	12919172.00
मु.स्वा.पी. (कैश बुक)	11394242.00													11394242.00
योग (बी)	**50361549.00**	**16561040.00**	**2100235.00**	**3731666.00**	**1249245.00**	**9760669.00**	**8623752.00**	**2140981.00**	**6145495.00**	**2373938.00**	**4809854.00**	**962464.00**	**5196692.00**	**114017580.00**
(सी) प्रशासनिक व्यय														
विद्युत आपूर्ति	2584191.00	307073.00	705431.00	2485299.00	1229809.00	978855.00	1772065.00	3664096.00	2984895.00		530030.00	189570.00	1547896.00	18979210.00
जल शुल्क				380000.00								15163.00		395163.00
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)	213350.00		4530352.00	388505.00	782934.00				571160.00		65288.00	1536600.00	57005.00	8145194.00
डाक व्यय एवं स्टेशनरी	1089671.00	35818.00	27913.00	14000.00	43929.00	58892.00	74468.00	53000.00	43700.00	120435.00	28614.00	21697.00	103732.00	1715869.00
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय	214568.00	76935.00	70441.00	289167.00	103911.00	64376.00	39724.00	115508.00	45557.00	45707.00	412188.00	51403.00	81485.00	1610970.00
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1284659.00	48636.00	32833.00	146010.00	265295.00	94881.00	99055.00	55872.00	71334.00		190869.00	67859.00	209516.00	2566819.00
यात्रा एवं भत्ता व्यय	5194020.00	1284168.00	421699.00	453683.00	1020466.00	757002.00	682793.00	908793.00	860527.00	412583.00	795470.00	167245.00	1353427.00	14311876.00
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	196660.00									144675.00	45900.00			387235.00
प्रोफेशनल व्यय														0.00
विज्ञापन एवं प्रचार	2772557.00	20870.00	21663.00	78780.00	39008.00	142844.00	185845.00	48620.00	54426.00	106738.00	47690.00	95027.00	69585.00	3683653.00
अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय				363893.00							299629.00			663522.00
संविदा श्रमिक							5727525.00							5727525.00
कानूनी व्यय	1472130.00		24247.00	5000.00	22410.00	106750.00		156300.00					75770.00	1862607.00
बैंक प्रभार	90000.00		39160		40000.00					5000.00				174160.00
प्रतिभूति हाउस कीपिंग	2055856.00				2676907.00					87302.00				4820065.00
विविध व्यय	31014878.00	5811267.00	728797.00	232038.00	1650689.00	1551608.00	1887591.00	1191915.00	1555157.00	587830.00		373250.00	1398158.00	47983178.00
बैंक चार्ज	1926.00	974.00			3679.00					2110.00				8689.00
बाहरी ठेका	8571413.00	2446146.00	2478614.00						2811492.00			3047273.00		19354938.00
सी.वी.वी.टी.														0.00
नये परिसरों पर स्थापना व्यय														0.00
योग (सी)	**56755879.00**	**10031887.00**	**9081150.00**	**4836375.00**	**7879037.00**	**3755208.00**	**10469066.00**	**6194104.00**	**8998248.00**	**1512380.00**	**2415678.00**	**5565087.00**	**4896574.00**	**132390673.00**
डी यातायात व्यय														
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)														0.00

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृंगेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
ए) रनिंग व्यय	195801.00		121888.00	9032.00	927065.00					161883.00				1415669.00
बी) मरम्मत एवं रख-रखाव	52759.00													52759.00
सी) बीमा व्यय	30720.00													30720.00
डी) स्टॉफ कार खर्च						68788.00								68788.00
2. किराए के वाहन/लीज पर वाहन														0.00
ए) किराया/लीज व्यय	748793.00											438034.00		1186827.00
3. वाहन (टैक्सी) किराया खर्च		466411.00											88730.00	555141.00
योग (डी)	**1028073.00**	**466411.00**	**121888.00**	**9032.00**	**927065.00**	**68788.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**161883.00**	**0.00**	**438034.00**	**88730.00**	**3309904.00**
ई) मरम्मत एवं रखरखाव														
मरम्मत एवं रखरखाव						282112.00		2319472.00						2601584.00
ए) भवन	41754.00	11780.00	141299.00	2850.00			369415.00			85084.00			148306.00	800488.00
बी) फर्नीचर		3085.00		80571.00	163113.00				120354.00			672109.00	56297.00	1095529.00
सी) मशीनरी एवं उपकरण				47466.00					107245.00				89201.00	243912.00
डी) कार्यालयीय उपकरण	2072733.00	18009.00		443.00					106548.00				10054.00	2207787.00
ई) कम्प्यूटर		29770.00	131073.00	88198.00			78936.00		50365.00				169668.00	548010.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण														0.00
जी) दृश्य-श्रव्य उपकरण				23174.00										23174.00
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएं		640.00		3217737.00									134641.00	3353018.00
आई) पुस्तक जिल्द प्रभार													4817.00	4817.00
जे) बागवानी देखभाल					810.00		35954.00		128240.00		40966.00		29368.00	235338.00
के) भूमि रखरखाव										81270.00			23178.00	104448.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)		25716.00					134974.00		33090.00		255014.00		35597.00	484391.00
योग (ई)	**2114487.00**	**89000.00**	**272372.00**	**3460439.00**	**163923.00**	**282112.00**	**619279.00**	**2319472.00**	**545842.00**	**166354.00**	**295980.00**	**672109.00**	**701127.00**	**11702496.00**
एफ) पूर्व अवधि व्यय														0.00
3. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/ योजनाएँ														
छात्रवृत्ति	15283372.00	1392064.00	1618710.00	3873484.00	5120559.00	2689264.00	3911826.00	1762332.00	2836275.00	883830.00	2666978.00	1162325.00	11050119.00	54251138.00
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	20254423.00	15229.00		42280.00			30391.00				54319.00		59700.00	20456342.00
शास्त्र चूड़ामणि	5652624.00													5652624.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण	315000.00	1689203.00												2004203.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	338800.00													338800.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	2859120.00													2859120.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	4094095.00													4094095.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	3000000.00													3000000.00
राष्ट्रपति सम्मान	51766617.00													51766617.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	289083680.00													289083680.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	17525206.00													17525206.00
स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	85998521.00													85998521.00
एन.ई.आर.	14272535.00													14272535.00
एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	637500.00													637500.00
अधुनिक शिक्षकों को अनुदान	14982035.00													14982035.00

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृंगेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
उच्चमाध्यकि/उच्च विद्यालयों को अनुदान	2220000.00													2220000.00
सम्मान राशि	7479118.00													7479118.00
विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	331297.00													331297.00
पंचांग परियोजना				220774.00										220774.00
गुरुकुल संकल्पना														0.00
पालि एवं प्राकृत	1903979.00						2682813.00		3245769.00					7832561.00
राष्ट्रीय संस्कृत सेमिनार			124315.00											124315.00
ई–पाठशाला पुस्तक														0.00
परियोजना				911308.00		263602.00	100000.00							1274910.00
जगन्नाथ वी.के. परियोजना													9510.00	9510.00
ज्योतिष परियोजना				292946.00										292946.00
यू.जी.सी./नैक	97934.00													97934.00
नाट्यशास्त्र परियोजना			272118.00	435483.00										707601.00
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद सम्मेलन	1500000.00													1500000.00
योग (एफ)	**539595856.00**	**3096496.00**	**2015143.00**	**5776275.00**	**5120559.00**	**2952866.00**	**6725030.00**	**1762332.00**	**6082044.00**	**883830.00**	**2721297.00**	**1162325.00**	**11119329.00**	**589013382.00**
5. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति														0.00
को भुगतान														
कनिष्ठ शोध अध्येता														0.00
6. परिसरों को अनुदान	1369638142.00													1369638142.00
														0.00
6. राष्ट्रकृत बैंकों में अवधि जमा	58336724.00													58336724.00
मु.स्वा.पी. एफ.डी.आर	3498648.00													3498648.00
एच.डी.एफ.सी. एफ.डी.आर	60000000.00													60000000.00
														0.00
7. स्थाई सम्पत्तियों एवं कैपिटल कार्य	15704027.00	74000000.00				58136160.00	110030480.00				76700000.00	50000000.00	16976435.00	501547102.00
प्रगति पर व्यय														
स्थायी सम्पत्तियाँ														0.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण		11100.00		114985.00			1189655.00					72600.00		1388340.00
फर्नीचर, फिक्चर एवं फिटिंग्स	885301.00	69420.00		62519.00	213308.00		420136.00	137440.00	99944.00				276068.00	2164136.00
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ		7159.00			6465.00	47944.00	5408.00	9794.00	100220.00	31464.00	6144.00	66403.00	19980.00	300981.00
प्लांट एवं मशीनरी	37603.00		33900.00					46492.00		132100.00	10000.00		35450.00	295545.00
प्रकाशन	889758.00		141494.00							171111.00				1202363.00
पाण्डुलिपियां			120000.00											120000.00
प्रयोगशाला उपकरण									320259.00					320259.00
विद्युत स्थापन एवं उपकरण												9668.00	113562.00	123230.00
दृश्य श्रव्य उपकरण													14940.00	14940.00
कार्यालयीय उपकरण	2869473.00				61121.00		552523.00							3483117.00
इन्टेन्जीबल (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर)														0.00
इन्टेन्जीबल (जरनल)														0.00
आई.क्यू.ए.सी.					.									0.00
योग (एफ)	**4682135.00**	**87679.00**	**295394.00**	**177504.00**	**280894.00**	**47944.00**	**2167722.00**	**193726.00**	**520423.00**	**334675.00**	**16144.00**	**148671.00**	**460000.00**	**9412911.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृंगेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
8. अन्य भुगतान वैधानिक														
भुगतान सहित														
आयकर		4075930.00	4489622.00	8068331.00		9482823.00	14090453.00		8548695.00	3463626.00	6518960.00	1497482.00	11808000.00	72043922.00
सा.भ.नि.		3071480.00	4524100.00	8412265.00		8160477.00	11240981.00		6972260.00	2597000.00	2879210.00	949000.00	12697200.00	61503973.00
जी.आई.एस.		19731.00	97744.00	44184.00		63203.00	88020.00	19260.00	59760.00	22500.00	53340.00	14186.00	51516.00	533444.00
जी.आई.पी.	339286.00												47424.00	386710.00
एन.पी.एस.		1678869.00		1486031.00		1227363.00	2478198.00	372226.00	1032848.00	793200.00	1711421.00	360139.00	1848737.00	12989032.00
सी.पी.एफ.														0.00
प्रोफेशनल कर														0.00
एल.आई.सी. वेतन						381274.00	166360.00		111099.00				516120.00	1174853.00
पुस्तकालय/छात्रावास जमानती राशि							11800.00		127700.00					139500.00
अग्रिम राशि/एस.डी.	473724.00						50000.00							523724.00
अन्य परिसरीय विभागों से प्राप्त राशि		1030789.00	599659.00			1216525.00	89373848.00	1680880.00	20176992.00	1088900.00	75490470.00	214911.00	2625667.00	193498641.00
पी.एल.आई.														0.00
टी.डी.एस.									62478.00		45651.00	186967.00		295096.00
योग (जी)	**813010.00**	**9876799.00**	**9711125.00**	**18010811.00**	**0.00**	**20531665.00**	**117499660.00**	**2072366.00**	**37091832.00**	**7965226.00**	**86699052.00**	**3222685.00**	**29594664.00**	**343088895.00**
10. जमा एवं अग्रिम														
वाहन	40250.00			5565.00				1000.00						46815.00
त्यौहार अग्रिम	3600.00													3600.00
एल.टी.सी. अग्रिम		215400.00				156750.00	220200.00		787060.00	138310.00	313000.00	150000.00	40000.00	2020720.00
टी.ए.		107000.00	268500.00			754300.00	539000.00	280000.00	785000.00	1147260.00	220000.00		530000.00	4631060.00
कम्प्यूटर अग्रिम	504700.00		50000.00		30000.00			1000.00					97580.00	683280.00
आकस्मिक व्यय		1781246.00	835900.00			2243900.00	4771382.00	1889600.00	1305600.00	1236000.00	377500.00	198000.00	2890300.00	17529428.00
चिकित्सा व्यय													30000.00	30000.00
एच.बी.ए.	120525.00													120525.00
योग (एच)	**669075.00**	**2103646.00**	**1154400.00**	**5565.00**	**30000.00**	**3154950.00**	**5530582.00**	**2171600.00**	**2877660.00**	**2521570.00**	**910500.00**	**348000.00**	**3587880.00**	**25065428.00**
														0.00
12 अन्तिम शेष														0.00
ए) हाथ में रोकड़	4658.00	1456.00	30713.00	9438.00		497.00	33261.00	106858.00	158619.00	8827.00	10004.00			364331.00
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	61962.00			16755.00										78717.00
हाथ में रोकड़ (छात्र कोश)		2084.00		122972.00		3846.00	25100.00		340706.00	11216.00	31677.00	7700.00		545301.00
बी) बैंक में शेष														0.00
1. चालू खाता	10000.00													10000.00
2. जमा खाता														0.00
3. बचत खाता	56012356.00	3946751.00	2385194.00	3802036.00	2950347.00	6154047.00	8825378.00	4459903.00	5750185.00	2217305.00	4756344.00	1346878.00	8523432.00	111130156.00
बचतखाता(मु.स्वा.पी.)	4307031.00			722146.00										5029177.00
बचतखाता(एच.डी.एफ.सी.)	3435748.00													3435748.00
बचतखाता(छात्रकोश)		2169363.00		6927229.00		2403.00	4282639.00		5511220.00	1345697.00	1681912.00	385691.00		22306154.00
जे.आर.शोधछात्रवृत्ति	101000.00													101000.00
योग(आई)	**63932755.00**	**6119654.00**	**2415907.00**	**11600576.00**	**2950347.00**	**6160793.00**	**13166378.00**	**4566761.00**	**11760730.00**	**3583045.00**	**6479937.00**	**1740269.00**	**8523432.00**	**143000584.00**
कुलयोग	**2347785594.00**	**257726785.00**	**76174938.00**	**113103560.00**	**63050051.00**	**187247647.00**	**378378050.00**	**80548304.00**	**138768024.00**	**48416513.00**	**244576854.00**	**79109246.00**	**198926592.00**	**4153812158.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
नई दिल्ली-110058
31.03.2019 को सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देनदारियां	चालू वर्ष 31.03.2019		सम्पत्तियां	चूल वर्ष 31.03.2019	
			निवेश		
रिजर्व एवं सरपल्स पूर्व वर्ष तक	20,061,795.00		केन्द्रीय सरकार सिक्यूरिटी	-	
अधिक्य/घाटा चालू वर्ष	(5,057,998.00)		राज्य सरकार सिक्यूरिटी	-	
	-		सार्वजनिक क्षेत्र बाँड	-	
<u>जीपीएफ</u>		15,003,797.00			
भविष्य निधि फण्ड सदस्य सहयोग	-		**सावधि जमा**	354,231,070.00	
पूर्व वर्ष तुलन पत्र शेष	373,617,949.00	-			354,231,070.00
सस्पेंशन खाता मुम्बई परिसर आधिक्य	427,000.00				
पूर्व वर्ष तुलन पत्र					
जोड़ा-पी.एफ. योगदान चालू वर्ष	71,895,508.00		अर्जित ब्याज 31.03.2019	10,376,237.00	
वोलिंटरी पी.एफ. योगदान के साथ					
जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित ब्याज प्राप्त किया	51,139,012.00				10,376,237.00
जोड़ा-ब्याज ऑन आउटस्टेंनडिंग जी.पी.एफ.	29,613,612.00		चालू सम्पत्तियाँ, लोन और अग्रिम		
घटाया-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित अन्य	(50,941,406.00)		अग्रिम आउटस्टेंडिंग पूर्व तक	10,347,150.00	
घटाया-नॉन रिफनडेबल वीथड्राल	(19,671,761.00)				
घटया-अन्तिम शेष	(40,136,733.00)		जोड़ा-सदस्यों को अग्रिम दिया	10,410,984.00	
		415,943,181.00	घटाया-वसूली को अडजेस्ट चालू वर्ष में	(10,726,137.00)	
<u>सी.पी.एफ.</u>					
पूर्व वर्ष का शेष तुलन पत्र का	46,944.00		अग्रिम आउटस्टेंडिंग वर्ष के अन्त में		10,031,997.00
जोड़ा-इस वर्ष का योगदान	-				
जोड़ा-चलू वर्ष का ब्याज	1,663.00		शेष पूर्व वर्ष के तुलन पत्र का		
घटाया-अन्तिम व्यय	-		जोड़ा-पूर्व वर्ष का योगदान	-	
घटाया-आर.एस.के.एस. को स्थानान्तरित	-		घटाया-रुपये प्राप्त किया इस वर्ष	-	
		48,607.00			-
			मुम्बई परिसर संदिग्ध खाता	427,000.00	
					427,000.00
		-	बैंक एवं नकद शेष		
रिर्वसल आय गलती से पूर्व वर्ष में	-		राष्ट्रीय बैंक केसाथ (जी.पी.एफ.)	55,880,674.00	
		-	बैंक शेष-सी.पी.एफ. खाता	48,607.00	
		-			55,929,281.00
			आधिक्य/कमी चालू वर्ष	-	-
देनदारियाँ 31.03.2019 को		**430,995,585.00**			**430,995,585.00**

स्थान
दिनांक - 27 जून, 2019

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय एवं व्यय का लेखा विवरण

राशि ₹ में

लेखा शीर्षक	चालू वर्ष 31.03.2019	पूर्व वर्ष 31.03.2018	लेखा शीर्षक	चालू वर्ष 31.03.2019	पूर्व वर्ष 31.03.2018
सदस्यों को व्याज दिया			बचत खाते पर ब्याज	3,511,995.00	-
कर्मचारी योगदान	29,613,612.00		निवेश पर ब्याज		
			केन्द्रीय सरकारी सिक्यूरिटी	-	-
बैंक प्रभार	23,141.00	2,148.00	भारत सरकार सिक्यूरिटी	-	-
सिक्यूरिटी मूल्यांकन पर हानि	-		भारत सरकार मूख्य जमा	-	-
बॉण्ड पर ब्याज दिया गया बोरोकन अवधि	-		सार्वजनिक क्षेत्र बॉण्ड	-	-
			सावधि जमा	10,690,523.00	3,617,017.00
व्यय से अधिक आय	-	10,453,469.00	31.03.2019 को अर्जित ब्याज	10,376,237.00	6,836,482.00
का स्थानान्तरण रिजर्व फाण्ड में					
			अन्य आय		
			निवेश पर लाभ	5,057,998.00	-
			व्यय से अधिक आय		-
			का स्थानान्तरण रिजर्व फाण्ड में		
	29,636,753.00	10,455,617.00		29,636,753.00	10,453,499.00

स्थान
दिनांक - 27 जून, 2019

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	74,689,702.00	57,234,328.00	1	अन्तिम भुगतान	42,686,733.00	63,318,488.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	64,692,316.00	52,429,012.00	2	अन्तिम भुगतान (नॉन विथडराल)	17,121,761.00	-
3	सा.भ.नि. अग्रि से वसूली	11,063,207.00	15,304,931.00	3	सा.भ.नि. अग्रिम	10,227,984.00	9,371,665.00
4	सावधि जमा परिपक्वता	143,537,919.00	153,661,256.00	5	सावधि जमा की खरीद	189,458,521.00	123,769,537.00
5	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	17,563,614.00	16,626,162.00	6	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	50,735,611.00	43,906,818.00
6	बचत खाता पर ब्याज	3,524,518.00	2,712,626.00	7	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	-	2,762,269.00
7	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	51,139,012.00	15,803,295.00	8	बैंक प्रभार	23,141.00	2,148.00
8	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	-	-		अंशदायी को देय ब्याज		4,141,781.00
9	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	63,870.00	4,013,457.00		नकद शेष	-	
10	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	-	4,141,781.00		नकद में रोकड़	56,020,407.00	74,689,702.00
11	पूर्व वर्ष त्रुटियां	-	35,560.00		बैंक शेष	-	
	कुल योग	**366,274,158.00**	**321,962,408.00**		कुल योग	**366,225,551.00**	**321,962,408.00**

स्थान

दिनांक - 27 जून, 2019

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 की साान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

राशि ₹ में

प्राप्तियाँ

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	कुलयोग	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवपयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	शृंगेरी
1.	आदि शेष	74,689,702.00	2,375,742.00	335,135.00	24,379,040.00	8,156,152.00	11,323,708.00	1,549,691.00	203,826.00	2,434,958.00	4,504,022.00	3,455,273.00	9,112,575.00	5,661,622.00	1,197,958.00
2.	सा.भ.नि. अंशदान	64,692,316.00	11,086,788.00	4,302,100.00	3,207,000.00	949,000.00	3,097,805.00	1,874,000.00	5,320,872.00	8,579,800.00	3,895,000.00	5,536,000.00	2,259,000.00	11,297,000.00	3,287,951.00
3.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	11,063,207.00	328,354.00	323,000.00	240,185.00	-	-	413,326.00	2,839,605.00	2,504,105.00	885,832.00	1,436,260.00	338,000.00	1,400,200.00	354,340.00
4.	सावधि जमा परिपक्व	143,537,919.00	34,506,960.00	27,762,095.00	-	-	-	-	5,250,247.00	60,827,285.00	-	955,000.00	-	-	14,236,332.00
5.	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	17,563,614.00	6,266,878.00	1,452,288.00	-	-	-	-	519,933.00	4,181,481.00	-	1,125,382.00	-	3,047,840.00	969,812.00
6.	बचत खाता पर ब्याज	3,524,518.00	111,525.00	72,626.00	815,989.00	246,091.00	491,871.00	100,293.00	55,237.00	200,649.00	373,044.00	119,628.00	636,892.00	300,673.00	-
7.	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	51,139,012.00	3,892,019.00	2,479,495.00	1,294,808.00	875,817.00	5,161,197.00	3,776,510.00	3,025,355.00	7,713,709.00	10,304,164.00	4,209,053.00	-	8,406,885.00	-
8.	संस्थान का अंशदान योगदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9.	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण	63,870.00	-	-	-	63,870.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10.	पूर्व वर्ष त्रुटि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11.	अंशदाया भविष्य निधि पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	**366,225,551.00**	**58,568,266.00**	**36,726,739.00**	**29,937,022.00**	**10,290,930.00**	**20,074,581.00**	**7,713,820.00**	**17,215,075.00**	**86,441,987.00**	**19,962,062.00**	**16,836,596.00**	**12,297,860.00**	**30,114,220.00**	**20,046,393.00**
	भुगतान														
1.	अन्तिम भुगतान	42,686,733.00	11,082,950.00	8,137,335.00	2,557,987.00	-		266,280.00	-	2,097,088.00	7,481,884.00	2,550,000.00	-	6,687,802.00	1,825,407.00
2.	अन्ति भुगतान (नॉन विथड्राल अग्रिम)	17,121,761.00	4,310,000.00	460,000.00	1,200,000.00	4,400,000.00	-	-	3,482,761.00	300,000.00	50,000.00	-	-	2,619,000.00	300,000.00
3.	सा.भ.नि. अग्रिम	10,227,984.00	1,474,600.00	520,000.00	196,000.00	-	-	50,000.00	1,791,705.00	1,816,680.00	776,654.00	821,000.00	200,000.00	2,385,400.00	195,945.00
4.	सावधि जमा की खरीद	189,458,521.00	29,306,682.00	22,690,700.00	19,000,000.00	4,000,000.00			11,097,684.00	72,613,820.00	-	7,500,000.00		8,000,000.00	15,249,635.00
5.	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	50,735,611.00	10,398,352.00	4,187,665.00	5,821,212.00	222,163.00	2,784,062.00	2,806,709.00	495,145.00	7,785,213.00	2,732,246.00	737,440.00	5,261,478.00	5,394,809.00	2,108,117.00
6.	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
7.	बैंक प्रभार	23,141.00	142.00			65.00	22,285.00	413.00	-	-	-	-	-	236.00	-
8.	नकद शेष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9.	बैंक में रोकड़	56,020,407.00	1,995,540.00	731,039.00	1,161,823.00	1,668,702.00	17,268,234.00	4,590,418.00	347,780.00	1,829,186.00	8,921,278.00	5,228,156.00	6,883,989.00	5,026,973.00	367,289.00
10.	बैंक शेष														
	योग	**366,225,551.00**	**58,568,266.00**	**36,726,739.00**	**29,937,022.00**	**10,290,930.00**	**20,074,581.00**	**7,713,820.00**	**17,215,075.00**	**86,441,987.00**	**19,962,062.00**	**16,836,596.00**	**12,297,860.00**	**30,114,220.00**	**20,046,393.00**

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 27 जून, 2019

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देयताएं				सपत्तियां			
क्र.सं	**लेखा शीर्ष**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**	**क्र.सं.**	**लेखा शीर्ष**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1.	पूंजी निधि			1.	सावधि जमा	2882405.00	2190545.00
I)	पूर्व शेष	1123491.00	751735.00	i)	वर्तमान सम्पत्तियां	2882405.00	2190545.00
ii)	जोड़ा-योगदान+अंशदान+परिसरों से प्राप्त राशि	17377604.00	24837932.00	2	बैंक में शेष	901014.00	1123491.00
iii)	जोड़ा-पूर्व वर्ष में सायोजन त्रुटि	0.00	0.00				
iv)	घटाया-एन.एस.डी.एल. की भुगतान एवं अन्य परिसरों को स्थानान्तरति (-)	17080035.00	24185056.00				
v)	घटया - 31.3.18 में जमा देनदारियां	2190545.00	1752239.00				
vi)	व्यय से अधिक आय	171814.00	157186.00				
	कुल योग	3783419.00	3314036.00			3783419.00	3314036.00

स्थान

दिनांक - 27 जून, 2019

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित आय एवं व्यय

राशि ₹ में

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1.	मुख्य खाते में सीानांतरित ब्याज	0.00	0.00		अर्जित ब्याज		
2.	बैंक संग्रहण प्रभार	392.00	528.00	1.	सावधि जमा पर ब्याज	127914.00	0.00
3.	अनुमोदनकर्ता को दिया ब्याज	0.00	0.00			44292.00	157714.00
	कुल योग (बी)	392.00	528.00				
व्यय से अधिक आय (ए-बी)		171814.00	157186.00				
संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित		171814.00	157186.00		कुल योग (ए)	172206.00	157714.00

स्थान

दिनांक - 27 जून, 2019

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ **भुगतान** **राशि ₹ में**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	नगद शेष			1	सावधि जमा क्रय	1091860.00	1950000.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	763081.00	0.00
i)	आदि शेष	1123491.00	751735.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	क़र्मचारी अंशदान	8555506.00	12318326.00	4	बैंक प्रभार	392.00	528.00
iii)	संस्थान का योगदान	8677967.00	12318326.00	5	अन्तिम शेष	0.00	0.00
iv)	परिसरोंसे नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	30466.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण एफ/डब्लूय	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	44292.00	127248.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि	16316954.00	24185056.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	144131.00	201280.00	9	बैंक में शेष	901014.00	1123491.00
viii)	़सावधि जमा की परिपक्वता	400000.00	1511694.00				
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	127914.00	0.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	टी.आर.	0.00	0.00				
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
	कुल योग	**19073301.00**	**27259075.00**		**कुल योग**	**19073301.00**	**27259075.00**

स्थान
दिनांक - 27 जून, 2019

ह० **ह०** **ह०**

अनुभाग अधिकारी (वित्त) **उप निदेशक (वित्त)** **कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ **राशि ₹ में**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योग
i)	आदि शेष	31054.00		10485.00		50280.00				1031672.00				1123491.00
ii)	क़र्मचारी अंशदान	1614609.00	1848737.00	215330.00	910341.00	1227363.00		1032848.00		1706278.00				8555506.00
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	1614609.00	2000415.00	186113.00	910341.00	1227363.00		1032848.00		1706278.00				8677967.00
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज													0.00
v)	पूर्व शेष													0.00
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	1101.00								43191.00				44292.00
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि		75424.00	68707.00										144131.00
vii)	सावधि जमा परिपक्व					400000.00								400000.00
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज					127914.00								127914.00
ix)	ब्याज का अन्तर													0.00
x)	टी.आर.													0.00
xi)	पूर्व त्रुटि													0.00
	कुल योग	**3261373.00**	**3924576.00**	**480635.00**	**1820682.00**	**3032920.00**	**0.00**	**2065696.00**	**0.00**	**4487419.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**19073301.00**
	भुगतान													
i)	सावधि जमा क्रय					1091860.00								1091860.00
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि									763081.00				763081.00
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज													0.00
iv)	बैंक प्रभार									392.00				392.00
v)	अन्तिम भुगतान													0.00
vi)	परिसरीय खातों में स्थानन्तरण एफ/डब्ल्यू													0.00
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी													0.00
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	3229218.00	3772898.00	372226.00	1820682.00	1871036.00		2065696.00		3185198.00				16316954.00
	बैंक में शेष	32155.00	151678.00	108409.00		70024.00				538748.00				901014.00
	कुल योग	**3261373.00**	**3924576.00**	**480635.00**	**1820682.00**	**3032920.00**	**0.00**	**2065696.00**	**0.00**	**4487419.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**19073301.00**

AA page No.44

राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2018-19 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष
1	**आदि शेष**		1	**स्थापना व्यय**	
i	हाथ में रोकड़	55250.00	i	वेतनादि एवं भत्ते	0.00
ii	बैंक में जमा (एस.बी.आई.)	2250978.00		**योग**	0.00
iii	बैंक में जमा (आई.ओ.बी.)	66461.00	2	**प्रशासनिक व्यय**	
iv	प्राप्त अनुदान	0.00		डाक एवं तार	0.00
	विविध प्राप्तियाँ			मरम्मत एवं रखरखाव	
i	पंजीकरण शुल्क	9631383.00		बैंक प्रभार	23042.00
ii	ब्याज	386383.00		विज्ञापन	0.00
iii	एस.एल.एम. प्राप्तियाँ	6992.00		स्टेशनरी एवं मुद्रण	0.00
iv	सावधि जमा परिपक्व	6864436.00		आन्तरिक रेवन्यू स्थानान्तरण एम.एस.पी से मेन खाता	11371200.00
v	विक्रय	0.00		परीक्षा आकस्मिकता	0.00
	योग	**19261883.00**		दूरभाष खार्च	0.00
				वसूलीयोग्य अग्रिम	0.00
				सा.भ.नि. खरीद	3498648.00
				संस्थान प्रकाशन	0.00
				योग	14892890.00
			3	**अन्तिम शेष**	
			i	हाथ में रोकड	61962.00
				बैंक में शेष	
			i	**बचत खाता (एस.बी.आई.)**	4200598.00
			ii	बचत खाता (आई.ओ.बी.)	69225.00
			iii	चालू बैंक	37208.00
				योग	4368993.00
	कुल योग	**19261883.00**		**कुल योग**	**19261883.00**

स्थान

दिनांक - 27 जून, 2019

ह० | ह० | ह०

अनुभाग अधिकारी (वित्त) | **उप निदेशक (वित्त)** | **कुलसचिव**

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की मसौदा अलग रिपोर्ट

1. हमने 31 मार्च 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की संलग्न बैलेंस शीट का ऑडिट किया है, उस वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाता नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां) की धारा 20 (1) के तहत उस तारीख को समाप्त हो गया था और सेवा की शर्तें अधिनियम ऑडिट 2022-23 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। वित्तीय वक्तव्यों में संस्थान और मुख्यालय के 12 परिसर के खाते शामिल हैं। इनमें से छह इकाइयों के खातों का ऑडिट किया गया और रिपोर्ट पर विचार किया गया। हमारी जिम्मेदारी हमारी ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. ड्राफ्ट सेपरेट ऑडिट रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (GAG) की टिप्पणियों के साथ लेखांकन उपचार पर केवल सर्वश्रेष्ठ लेखा प्रथाओं, लेखा मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों के साथ वर्गीकरण अनुरूपता, आदि के संबंध में वित्तीय लेनदेन की ऑडिट टिप्पणियों शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में, यदि कोई हो, तो निरीक्षण रिपोर्ट/ कैग की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती है।

3. हमने अपना ऑडिट भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए यह आवश्यक है कि हम वित्तीय विवरणों को सामग्री के गलत विवरणों से मुक्त करने के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और ऑडिट करें। ऑडिट में परीक्षण के आधार पर जांच करना, राशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय वक्तव्यों में खुलासे शामिल हैं। एक लेखा परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारा ऑडिट हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे ऑडिट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने रिपोर्ट में अवलोकन के अधीन सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम थे।

ii) इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते को प्रारूप में तैयार किया गया है, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित रिपोर्ट में अवलोकन के अधीन है, भारत सरकार आदेश नंबर 29-4 / 2012-एफडी दिनांक 17 अप्रैल 2015

iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा खातों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों की उचित पुस्तकों को बनाए रखा गया है, जहां तक यह ऐसी पुस्तकों की हमारी परीक्षा से प्रकट होता है।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

A. बैलेंस शीट

A.1 देयताएं

A.1.1 वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची -3) - रु. 11.15 करोड़ रु

(i) महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और लेखा संख्या 6 के अनुसार, 31/3/2019 के अनुसार एक्चुरियल वैल्यूएशन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ के लिए देयताएं रु। 411.94 करोड़ लेकिन खातों के लिए प्रावधान नहीं किए गए हैं जो लेखा

मानक 15 और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित खातों के प्रारूप का उल्लंघन है। इससे करंट देनदारियों और प्रावधानों को समझने में रु. 411.94 करोड़।

(ii) उपरोक्त में रु. की राशि जमा करने वाले छात्रों की जमानत राशि शामिल नहीं है। वेद व्यास परिसर गरली के संबंध में 3.70 लाख। इससे करंट देनदारियों और प्रावधानों को समझने और करंट एसेट्स-बैंक बैलेंस को समझने म रु. 3.70 लाख।

2. आस्तियों

A.2.1 फिक्स्ड एसेट्स (अनुसूची -4) - रु. 311.69 करोड़

(i) उपरोक्त में रुपये की पूंजी कार्य-प्रगति शामिल है। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर, अगरतला के संबंध में 17.40 करोड़ जबकि कैंपस ने रु. लेम्बुचेरी त्रिपुरा में नए परिसर के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी को 31.51 करोड़। इससे वर्क-इन-प्रोग्रेस और कैपिटल फंड की रु. 14.11 करोड़ रु.

(ii) उपरोक्त में रु. की कार्य-प्रगति शामिल है। जयपुर कैम्पस के संबंध में 15.29 करोड़ रु. की राशि के लिए। 11.84 करोड़ के काम शुरू नहीं हुए हैं और इन्हें लोन, एडवांस और डिपॉजिट दिखाए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम और जमा राशि की प्रगति और रु. 11.84 करोड़ रु. इसके अलावा कार्य प्रगति में रुपये की राशि भी शामिल है। 38.59 लाख जिसके लिए काम पूरा हो चुका है और राजस्व प्रकृति का काम राजस्व व्यय के तहत दिखाया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप फिक्स्ड एसेट्स का ओवरस्टेटमेंट हो गया है - कार्य प्रगति पर और मरम्मत और रखरखाव के खर्च को रु. 38.59 लाख है।

(iii) उपरोक्त में रु. की कार्य-प्रगति शामिल है। जयपुर कैंपस के संबंध में 15.30 करोड़ रुपये का मूल्यांकन कार्य। 2018-19 के दौरान 1.11 करोड़ पूरे हो चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप फिक्स्ड एसेट्स में रु. 109.15 लाख, रुपये से मूल्यह्रास की समझ। रु. 2.23 लाख और प्रगति पर काम का रु. 111.38 लाख।

(iv) उपरोक्त में रु। की राशि शामिल है। पुरी परिसर के संबंध में भवन के तहत 8.06 करोड़ रुपये (शिक्षा भवन का निर्माण 2017-18 में 3.72 करोड़ रुपये और 2018-19 में रु. 4.34 करोड़ जोड़ा गया) जबकि काम अभी भी प्रगति पर है। इसके परिणामस्वरूप फिक्स्ड एसेट्स-बिल्डिंग का ओवरस्टेज रु. 7.83 करोड़, रुपये से मूल्यह्रास का ओवरस्टेटमेंट। 23.44 लाख और रुपये से कार्य-प्रगति की समझ। 8.06 करोड़ रु।

(v) मार्च 2019 के महीने के लिए सीपीडब्ल्यूडी के फॉर्म 65 के अनुसार, आरएसएस के वेद व्यास कैंपस गरली ने धनराशि जमा की। विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए सीपीडब्ल्यूडी के साथ 24.60 करोड़, जिसमें से 2016.00 के दौरान 11.00 करोड़ रुपये की इमारत का पूंजीकरण किया गया है। शेष धनराशि में से रु। सीपीडब्ल्यूडी ने 13.60 करोड़ रुपये की राशि जमा की है। 8.94 करोड़ रु. 3.60 करोड़ की शेष राशि में से कटौती की गई पूंजीगत प्रगति की राशि रु. 31.3.2019 को 4.66 करोड़ रु। आरएसएस के गरली कैंपस द्वारा खातों में 12.44 करोड़ रुपये दिखाए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप ऋण और अग्रिम की रु. 8.94 करोड़ और रु. में प्रगति पर काम का ओवरस्टेटमेंट। 7.77 करोड़ रु.

(vi) आगे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) द्वारा CPWD के साथ जमा किए गए कुल धन के आंकड़े, CPWD के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए आवश्यक हैं।

(vii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS), वेद व्यास परिसर, गरली में 88 कंप्यूटर, 19 प्रिंटर, 2 लैपटॉप, 2 सर्वर हैं, जिनका मूल्य रु। 28,46,779 लेकिन इन कंप्यूटर मदों में से केवल विस्तृत मदों को वार्षिक खातों में शामिल किया गया है

वर्ष	आइटम	ओबी	जोड़	कुल	जमा	सीबी
2017-18	कंप्यूटर और परिधीय	नील	182000	182000	36400	145600
2018-19	-	145600	-	145600	29120	116480

A.2.2 Earmarked / बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 5) से निवेश - रु. 9.36 लाख रु

उपरोक्त में बीएसईएस और रुपये के डीएवीपीएस के साथ सुरक्षा जमा शामिल हैं। 2.27 लाख के परिणामस्वरूप निवेश को ओवरआर्कर्ड / एंडॉवमेंट फंड्स से ओवरस्टेजमेंट और ऋण अग्रिमों और जमाओं की समझ में रु. 2.27 लाख।

A.2.3 निवेश-पंख (अनुसूची 6) - रु. 20.62 करोड़ रु

उपरोक्त एफडीआर में निवेश का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन विवरण के अनुसार और एफडीआर के भौतिक प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए ऑडिट के लिए उपलब्ध कराया जाता है। 17.00 करोड़ रु. इसके परिणामस्वरूप रुपये के निवेश में कमी आई है। 3.62 करोड़ रु

A.2.4 वर्तमान परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 7) - रु। 15.62 करोड़ रु

बैंक बैलेंस -14.20 करोड़

(i) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) के विभिन्न स्थानों पर 12 परिसर हैं। विभिन्न परियोजनाओं के लिए इन परिसरों को जारी किए गए अनुदान को आरएसएस के खातों में व्यय के रूप में दिखाया गया है, जिसके कारण वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन इन परियोजना खातों में परिसरों के साथ शेष राशि खातों में परिलक्षित नहीं हो रही है। इन परिसरों के परियोजना बैंक खातों के संबंध में लेखापरीक्षा ने निम्नलिखित बातें देखीं: -

(ए) ये का बैंक शेष। एक परिसर (जयपुर परिसर) के परियोजना खाते के 41,326 खातों में शामिल किया गया है।

(बी) छह परिसरों के परियोजना खातों की बैंक शेष राशि रु. 94 लाख (एकलव्य परिसर अगरतला: रु. 27.06 लाख, इलाहाबाद परिसर: रु. 12.37 लाख, पूर्वांचल परिसर: रु. 0.67 लाख, श्रृंगेरी परिसर: रु. 20.12 लाख, जम्मू परिसर: रु. 22.50 लाख और मुम्बई परिसर: रु. 11.28 लाख) करंट एसेट्स- बैंक बैलेंस और करंट लायबिलिटीज और प्रोविजन्स के बकाया के परिणामस्वरूप खातों में शामिल नहीं किए गए हैं। 94 लाख।

(ग) शेष पाँच परिसरों (देवप्रयाग, लखनऊ, गरली, गुरुवयूर और भोपाल) के संबंध में खातों में कोई स्पष्टता उपलब्ध नहीं है। इन पाँच परिसरों के संबंध में विवरण प्रस्तुत किया जा सकता है।

(ii) ऑडिट ने आरएसएस के 12 परिसरों के छात्र निधि बैंक खातों के संबंध में निम्नलिखित अवलोकन किए: -

(ए) आठ परिसरों के छात्र कोष के बैंक शेष राशि रु. 213.58 लाख (देवप्रयाग: रु. 3.86 लाख, मुंबई: रु. 13.46 लाख, लखनऊ: 55.11 लाख, जयपुर: रु. 33.35 लाख, गुरुवयूर: रु. 0.02 लाख, भोपाल: रु. 69.27 लाख, एकलव्य: रु. 21.69 लाख, श्रृंगेरी: रुपये 16.82 लाख) खातों में शामिल किए गए हैं।

(बी) तीन परिसरों के छात्र कोष के बैंक शेष रुपये की राशि। 29.24 लाख (गरली परिसर: रु. 12.02 लाख, पुरी परिसर: रु. 3.24 लाख और जम्मू परिसर: रु. 13.98 लाख) चालू परिसंपत्तियों-बैंक शेष और वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों के रु. 29.24 लाख।

(सी) इलाहाबाद परिसर के संबंध में खातों में कोई स्पष्टता उपलब्ध नहीं है। (iii) उपरोक्त में रुपये का बैंक शेष शामिल नहीं है। वेदव्यास कैम्पस, गरली के संबंध में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाता संख्या 3464848394 में 2.50 करोड़। इस राशि में से रु. 2019-1 head में 2.23 करोड़ रुपये का निर्माण किया गया था। 27 लाख रुपये खाते में नहीं लिए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप करंट एसेट्स-बैंक बैलेंस में रु. 2.50 करोड़ और फिक्स्ड एसेट्स बिल्डिंग का ओवरस्टेमेंट रु. 2.14 करोड़, रुपये से मूल्यह्रास का ओवरस्टेटमेंट। 8.83 लाख और रु. 27 लाख।

(iv) खातों में रुपये की बैंक शेष राशि। 1988.42 लाख (GPF और NPS के बैंक शेष को मिलाकर) दिखाया गया है जबकि राशि का लेखा परीक्षण करने के लिए सुसज्जित बैंक खातों की जानकारी के अनुसार रु. 1989.15 लाख रुपये के परिणामस्वरूप करंट एसेट्स-बैंक बैलेंस को समझने के परिणामस्वरूप। 0.73 लाख रु.

B. आय और व्यय खाता

B.1 आय

B.1.1 अनुदान / सब्सिडी (अनुसूची 10) - रु. 164.88 करोड़ रु

उपरोक्त अनुसूची सही ढंग से तैयार नहीं की गई है। 1 अप्रैल 2018 को अनुदान के रूप में सहायता का प्रारंभिक संतुलन रुपये के रूप में दिखाया गया है। 1.60 करोड़ जबकि 1 अप्रैल 2018 को अनुदान-में-सहायता का प्रारंभिक शेष रु. 9.82 करोड़ रु. इससे आय में रु. की कमी हुई है। रुपये के घाटे के परिणामस्वरूप अतिवृष्टि के साथ 8.22 करोड़ 6.99 करोड़ और सरप्लस को समझने के लिए रु. 23 करोड़।

B.1.2 ब्याज अर्जित (अनुसूची 12) रु. 76.60 लाख है

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (RSKS), एकलव्य परिसर, अगरतला को रु. की ब्याज आय प्राप्त हुई। चार बचत बैंक खातों से 69.19 लाख लेकिन वार्षिक खातों में रु. 0.76 लाख लिया गया है। इससे रुपये में ब्याज आय में कमी आई है। 68.43 लाख।

B.1.3 पूर्व अवधि की आय (अनुसूची 14) - रु. 5.36 लाख रु

भोपाल कैम्पस बैंक खाता संख्या 10107770497 के बैंक रीकॉन्फ़िलिएशन स्टेटमेंट्स (BRS) की छानबीन से पता चला है कि पहले के वर्षों का ब्याज रु। 2.77 लाख रुपये खाते में नहीं लिए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पूर्व की अवधि की आय और करंट एसेट्स-बैंक शेष राशि रु. 2.77 लाख रु.

B.2 व्यय

B.2.1 कर्मचारी भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय) (अनुसूची 15) -रु. 91.30 करोड़

उपरोक्त में रु. मार्च 2018 (एकलव्य कैम्पस अगरतला) के लिए 25.51 लाख कर्मचारी वेतन और भत्ते का भुगतान करते हैं, जो कि प्री पीरियड खर्च के तहत होना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप स्टाफ पेमेंट्स एंड बेनेफिट्स (इंस्टॉलेशन खर्च) की अधिकता और रुपये से पहले के पीरियड खर्चों की समझ में कमी आई है। 25.51 लाख।

B.2.2 मूल्यह्रास (अनुसूची 4) - रु. 2.96 करोड़ रु

उपरोक्त में रुपये का पेटेंट परिशोधन शामिल है। 2.48 लाख जबकि परिशोधन की सही राशि रु. 0.80 लाख। इसके परिणामस्वरूप रुपये में मूल्यह्रास की कमी हुई है। 1.68 लाख रुपये की निश्चित परिसंपत्तियों और पूंजीगत निधि के परिणामस्वरूप 1.68 लाख रु.

C.GPF खाते की बैलेंस शीट

C.1 देयताएं

C.1.1 भविष्य निधि सदस्यों का योगदान रु. 41.59 करोड़ रु

(i) उपरोक्त में रु. वर्ष के दौरान प्राप्त सदस्यता शामिल है। जम्मू कैंपस के संबंध में 12.75 लाख जबकि ब्रोडशीट के अनुसार जीपीएफ सब्सक्रिप्शन और रिफंड ऑफ एडवांस रु. 47.80 लाख रु. इसके परिणामस्वरूप जीपीएफ की देयताएँ रु. 3.05 लाख से कम हो गई हैं।

(ii) उपरोक्त में रु. वर्ष के दौरान कर्मचारी जीपीएफ कोष पर देय ब्याज शामिल है। पुरी परिसर के संबंध में 45.48 लाख जबकि ब्रॉडशीट के अनुसार राशि रु. 45.78 लाख इससे जीपीएफ की देनदारियों के कारण रु. 30,000 की हानि हुई है।

C.2 आस्तियों

C.2.1 नकद और बैंक शेष - रु. 5.59 करोड़ रु

उपरोक्त में रुपये का बैंक बैलेंस शामिल है। जम्मू कैम्पस के संबंध में 89.03 लाख जबकि प्राप्तियों और भुगतान खातों में रु. के रूप में दिखाया गया है। 89.21 लाख रुपये का अंतर 18,500 को समेटने और स्पष्ट करने की आवश्यकता है।

C.2.2 वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम - रु. 1 करोर

जम्मू परिसर के जीपीएफ खातों में जीपीएफ अग्रिमों के प्रारंभिक शेष को शून्य और रुपये के अग्रिमों के रूप में दिखाया गया है। वर्ष के दौरान 7.76 लाख दिए गए हैं। रुपये के कुल अग्रिमों के खिलाफ। वर्ष के दौरान अग्रिमों की वसूली 7.76 लाख रुपये के रूप में दिखाई गई है। 8.85 लाख रुपये के जीपीएफ अग्रिम के माइनस बैलेंस के परिणामस्वरूप। 1.09 लाख रु. यह स्पष्ट किया जा सकता है।

C.2 आस्तियों

C.2.1 नकद और बैंक शेष - रु. 5.59 करोड़ रु

उपरोक्त में रुपये का बैंक बैलेंस शामिल है। जम्मू कैम्पस के संबंध में 89.03 लाख जबकि प्राप्तियों और भुगतान खातों में रु. के रूप में दिखाया गया है। 89.21 लाख रुपये का अंतर 18,500 को समेटने और स्पष्ट करने की आवश्यकता है।

C.2.2 वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम - रु. 1 करोड़

जम्मू परिसर के जीपीएफ खातों में जीपीएफ अग्रिमों के प्रारंभिक शेष को शून्य और रुपये के अग्रिमों के रूप में दिखाया गया है। वर्ष के दौरान 7.76 लाख दिए गए हैं। रुपये के कुल अग्रिमों के खिलाफ वर्ष के दौरान अग्रिमों की वसूली 7.76 लाख रुपये के रूप में दिखाई गई है। 8.85 लाख रुपये के जीपीएफ अग्रिम के माइनस बैलेंस के परिणामस्वरूप। 1.09 लाख रु. यह स्पष्ट किया जा सकता है।

D एनपीएस की बैलेंस शीट

D.1 आस्तियों

D.1.1 वर्तमान संपत्ति - रु. 28.82 लाख

उपरोक्त एफडीआर में निवेश का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन विवरण के अनुसार और एफडीआर के भौतिक प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए ऑडिट के लिए उपलब्ध कराया जाता है। 30.42 लाख इससे निवेश में रु. 16 लाख की कमी आई है।

ई जनरल

NPS के तहत आने वाले कुछ कर्मचारियों के संबंध में E.1 NSDL खाता RSKS के गुरुवयूर कैम्पस और श्रृंगेरी कैम्पस में नहीं बनाया गया है। ये परिसर इन कर्मचारियों के संबंध में सावधि जमा रसीदें खरीद रहे हैं। इन कर्मचारियों के संबंध में PRAN खाता जल्द से जल्द बनाया जाना चाहिए और FDRs बनाने की प्रथा को अंकेक्षण के लिए रोक दिया गया।

E.2 ऋण, अग्रिम और जमा में रु. 31.3.2019 के अनुसार त्यौहार अग्रिम का ऋण शेष शामिल है। 6.74 लाख रु. इन ऋणों के संतुलन के कारणों को ऑडिट करने के लिए नहीं समझाया गया था।

E.3 ऋण, अग्रिम और जमा राशि की राशि शामिल है। 13,549 अन्य प्राप्य के तहत यह राशि वर्ष 2005-06 के जम्मू परिसर से संबंधित है और 2012-13 में समायोजित की गई थी। इसके परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम और जमा राशि की अधिकता होती है।

E.4 वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों में रु. की न्यूनतम शेष राशि शामिल है। 8.37 लाख (GPF (रु. 11,724), LIC (रु. 50,767), NPS (रु. 7,69,745) और व्यावसायिक कर (रु. 5,175) इन ऋणों के संतुलन के कारणों को ऑडिट करने के लिए नहीं समझाया गया था।

E.5 नामित / Earmarked / बंदोबस्ती निधि में रु. के पेंशन फंड का समापन शेष शामिल है। 2.27 करोड़ के संबंध में निम्नलिखित स्पष्ट किया जा सकता है: -

(i) पेंशन फंड का शुरुआती शेष रु. 1.59 करोड़ जबकि इस फंड पर ब्याज आय रुपये के रूप में दिखाई गई है। 68.55 लाख (@ 43%)

(ii) इस कोष के निर्माण के कारण जब इस कोष की कोई विशिष्ट संपत्ति (निवेश / बैंक शेष) नहीं है।

E.6 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS), एकलव्य परिसर, अगरतला ने कुछ महत्वपूर्ण रजिस्टर / रिकॉर्ड जैसे व्यय नियंत्रण रजिस्टर, चेक जारी रजिस्टर, चेक प्राप्त रजिस्टर, अग्रिम रजिस्टर और TR-5 / मनी रसीद रजिस्टर को बनाए नहीं रखा।

E.7 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) के मुंबई परिसर ने रजिस्टर ऑफ एसेट्स (ii) व्यय नियंत्रण रजिस्टर, (iii) अनुबंधों का रजिस्टर, और (iv) निर्धारित प्रारूप में अनुदान सहायता रजिस्टर मेंटेन नहीं किया है।

E.8 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) के मुंबई परिसर ने GPF की बैलेंस शीट और आय और व्यय खातों को तैयार नहीं किया और साथ ही CPF और NPS के अलग-अलग खातों को भी नहीं रखा जो MHRD द्वारा निर्धारित खातों के प्रारूप का उल्लंघन है।

एफ. अनुदान सहायता

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने रुपये की अनुदान सहायता प्राप्त की वर्ष 2018-19 एन-19 के दौरान 214.38 करोड़ (पूंजी: 49.50 करोड़ रुपये और राजस्व: 164.88 करोड़ रुपये) और रुपये की सहायता राशि का प्रारंभिक संतुलन था। 9.82 करोड़ (पूंजी: 1.60 करोड़ रुपये और राजस्व: 8.22 करोड़ रुपये) रुपये की अनुदान सहायता। 31 मार्च 2019 को शून्य शेष को छोड़कर 224.20 करोड़ का पूरी तरह से उपयोग किया गया था।

vi पूर्ववर्ती पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते, खातों की पुस्तकों के साथ अनुबंध में हैं।

vii हमारी राय में और हमारी सबसे अच्छी जानकारी के लिए और हमें दी गई व्याख्याओं के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और लेखा पर नोट्स के साथ एक साथ पढ़ते हैं, और टिप्पणी संख्या 2.4 और B.1.1 और अन्य के अधीन हैं ऊपर दी गई महत्वपूर्ण बातें और इस ऑडिट रिपोर्ट में अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामले, भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

ए. जहाँ तक यह 31 मार्च 2019 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मामलों की राज्य की बैलेंस शीट से संबंधित है; तथा ख. और अब तक यह उस वर्ष की समाप्ति के वर्ष के लिए घाटे के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के C & AG की ओर से

स्थान: नई दिल्ली

महानिदेशक लेखा परीक्षा

दिनांक

केन्द्रीय व्यय

ऑडिट रिपोर्ट का अनुलग्नक

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- कोई आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली नहीं है और लेखा अधिकारी (आंतरिक लेखा परीक्षा) का पद रिक्त है।
- मंत्रालय द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा भी नहीं की जा रही है।
- कोई आंतरिक ऑडिट मैनुअल नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) हक्स की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली। निम्नलिखित कारणों से अपर्याप्त है:

(i) लेखा अधिकारी का पद फरवरी 2015 से रिक्त है।

(ii) अनियमित आंतरिक ऑडिट और आंतरिक ऑडिट मैनुअल का गैर-रखरखाव।

(iii) 2002-1 H की अवधि के लिए 2 बाहरी ऑडिट आपत्तियाँ। 31/3/19 को बकाया थे।

(vi) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) (एकलव्य परिसर, अगरतला और मुंबई परिसर) की इकाइयों द्वारा महत्वपूर्ण रजिस्टरों का गैर रखरखाव।

(v) प्रोजेक्ट बैंक खातों को खातों की पुस्तकों से बाहर रखा गया है।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) मुख्यालय के फिक्स्ड एसेट्स का भौतिक सत्यापन। 2017-18 तक आयोजित किया गया है।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) के पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2015 से नहीं किया गया है। 17.8 लाख रुपये मूल्य की 1782 नग की गुम पुस्तकें आज तक नहीं लिखी गई हैं।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) के परिसरों की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है (जयपुर कैंपस, एकलव्य कैंपस क्योंकि फिक्स्ड एसेट रजिस्टर मेंटेन नहीं किया गया है)।

4. इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- साल 2018-19 के लिए स्टेशनरी और उपभोग्य सामग्रियों जैसे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) मुख्यालय के आविष्कारों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों के आविष्कारों का भौतिक सत्यापन ऑडिट करने के लिए नहीं किया गया था।

5. बकाए के भुगतान में नियमितता

- खातों के अनुसार, वैधानिक बकाया के संबंध में छह महीने से अधिक का कोई भुगतान 31.03.2019 को बकाया नहीं था।

आश्वासन मेमो

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS)ने शैक्षणिक संस्थानों के मामले में एमएचआरडी द्वारा निर्धारित खातों के एकसमान प्रारूप में अपने खाते तैयार किए हैं।
2. खातों में सक्षम प्राधिकारी की आवश्यक स्वीकृति शामिल है।
3. खाते आईसीएआई द्वारा जारी प्रासंगिक लेखा मानकों का अनुपालन करते हैं और गैर-अनुपालन पर मामलों को एसएआर में टिप्पणी की गई है, यदि कोई हो।
4. लेखापरीक्षा को स्वायत्त निकायों की लेखा परीक्षा के मैनुअल के परिशिष्ट 8.6 में उल्लिखित चेकलिस्ट के अनुसार और मुख्यालय द्वारा जारी किए गए मौजूदा निर्देशों 2 परिपत्रों के अनुसार आयोजित किया गया है।
5. एसएआर से मुख्यालय को ड्राफ्ट के साथ प्रस्तुत सूचना / दस्तावेज स्वायत्त निकायों की लेखा परीक्षा के मैनुअल के निर्देशों के 10.06 के अनुसार पूरा हो गया है।

31.3.2019 को (इसके अलावा) प्रगति पर फिक्स्ड एसेट काम की अनुसूची 4 में दिखाया गया था। 623239568 लेकिन रसीद और भुगतान खाते की समेकित अनुसूची रु. रुपये के अंतर के संबंध में 501547102. 121692466 ऑडिट करने के लिए सामंजस्य और सूचना हो सकती है। इससे 121692466/- रुपये की अचल संपत्ति समाप्त हो गई है।

A.2.2 करंट एसेट्स

वार्षिक खातों में पाई जाने वाली विसंगति के बारे में वार्षिक आंकड़ों में आरएसएस के मुख्यालय में वर्तमान संपत्ति में दिखाए गए आंकड़े हैं। 31.3.2019 को वार्षिक खातों और स्टॉक रजिस्टर में अंतर।

क्र.सं.	वर्तमान परिसंपत्तियाँ स्टॉक	वार्षिक खाते के अंतर के अनुसार	खातों के आंकड़ों के अनुसार	अंतर
01.	प्रकाशन	889758	515887	373871

उपर्युक्त विसंगति के कारण वर्तमान परिसंपत्तियों की संख्या में रु. 373,871/- कमी आई है।

C.8 अनुदान के खुलने और बंद होने के बीच अंतर (अनुसूची -10)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) ने उत्तर दिया कि कुल Rs.94276215 / - पहले के वर्षों के दौरान परिसरों में स्थानांतरित किया गया था यानी 2015-16 और 2016-17। सभी धन विशेष वित्तीय वर्ष के दौरान खर्च नहीं किए जा सकते थे और उनके साथ एक अयोग्य शेष के रूप में रखा गया था। सभी परिसरों में रु। 2017-18 में 94276215 है। 8653868/- की एक और राशि जो कि एक आंतरिक उत्पन्न निधि थी, सरकार से राजस्व व्यय के साथ जोड़ी गई थी। अनुदान। इसका मतलब है कुल रु. 94276215 , 8653868 = 102930083 जो 2018-19 का ओपनिंग बैलेंस था।

C.9 खाते के बैलेंस शीट में सीएचसी को मंजूर किए गए एमएचआरडी प्रारूप में आवश्यक रूप से अलग से दिखाया गया है, लेकिन आरएसएस ब्याज रिजर्व के सभी आंकड़ों को लंबा नहीं करता है। ब्याज रिजर्व के ब्योरे के अभाव में हम लेखापरीक्षा में परिमाणित नहीं हो सके।

C.10 मिसमैच कैंपस अर्थात से प्राप्त खाता (GPF) के ओपनिंग शेष में। भोपाल, देवप्रयाग और पुरी। पुरी कैंपस में कर्मचारी के कारण जम्मू परिसर और ब्याज में वर्ष के दौरान किए गए योगदान में भिन्नता है।

C.5 रु. 59122/- की राशि को सस्पेंस खाता नकद और रु. 723000/- के रूप में सस्पेंस खाता के रूप में दिखाया गया था। 2008-09 के दौरान मुंबई परिसर में वित्तीय अनियमितता पाई गई थी। मुंबई परिसर के कैशियर ने मुख्यालय को 3.6.2009 की डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से 1 लाख रुपये की राशि जमा की।

C.1 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (RSKS) मुख्यालय के बैंक सुलह कथन (बीआरएस) की जांच खाता क्रमांक: 10469781338 से पता चला कि रु. नीचे दिए गए विवरण के अनुसार 4.14 लाख को 31.03.19 तक मंजूरी नहीं दी गई है:

मामलों	विशेष संख्या	राशि (रु में)
चेक/इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर/डीडी जमा लेकिन खाते में जमा नहीं	(2), मार्च 2019	4,14,186/-

इन राशियों का क्रेडिट पाने के लिए बैंक में जमा किए गए चेक, लेकिन खाते में जमा नहीं किए जाने की जरूरत है।

रुपये 176.17 करोड़ रु

31.03.2019 को फिक्स्ड एसेट्स के शेड्यूल 4 में (रु) दिखाया गया था। 8210548 (580 रुपये की गिफ्ट की गई किताबों को छोड़कर) लेकिन रसीद और भुगतान खाते की समेकित अनुसूची रु. इसमें 9412911 रुपये का अंतर है। 1202363 पूंजीगत व्यय में प्रकाशन के निगमन के कारण। इससे पूँजीगत व्यय की अधिकता हुई और राजस्व व्यय का बोध हुआ।